

संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची

(प्रथम खण्ड)

○

प्रधान सम्पादक

डॉ० चण्डिका प्रसाद शुक्ल, एम० ए०, डी० लिट्०

संस्कृत विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय

○

सहायक सम्पादक

डॉ० मनराज यादव

डॉ० ओंकारनाथ वर्मा

डॉ० कैलाशचन्द्र त्रिपाठी

डॉ० कल्पना बागची



शक १८९८ : सन् १९७६

हिन्दी साहित्य सम्मेलन • प्रयाग

प्रकाशक

श्री प्रभात मिश्र शास्त्री

प्रधानमन्त्री

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

प्रथम संस्करण ५०० प्रतियाँ

शक १८९८ १९७६ ई०

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से प्रकाशित

मूल्य ७५ रुपए

मुद्रक

सम्मेलन मुद्रणालय, प्रयाग

प्रकाशकीय

० ०

हिन्दी साहित्य सम्मेलन एक राष्ट्रीय सस्था है। इसके उद्देश्यों में से एक उद्देश्य है सम्मेलन द्वारा एक बृहत् सग्रहालय स्थापित करके उसमें हस्तलिखित और मुद्रित ग्रन्थों तथा साहित्य-निर्माताओं के परिचय-पत्रों, चित्रों तथा स्मृति-चिह्नों का सग्रह किया जाय और अनुसन्धानकर्त्ताओं को अध्ययन और अनुशीलन करने की सुविधा दी जाय। इसकी पूर्ति के लिए सम्मेलन कार्यालय के प्रांगण में एक हिन्दी-सग्रहालय की स्थापना की गई जिसका उद्घाटन विश्ववद्य महात्मा गांधीजी ने ५ अप्रैल, १९३६ ई० को किया था। इस सग्रहालय में हस्तलिखित ग्रन्थों का सग्रह सम्मेलन ने अपने साहित्यान्वेषकों के माध्यम से प्रारम्भ किया। कुछ वर्षों के पश्चात् अमेठी राज्य के राजकुमार रणञ्जय सिंह जी ने अपने अग्रज स्वर्गीय राजकुमार रणवीर सिंह जी की स्मृति में संस्कृत और हिन्दी के हस्तलिखित ग्रन्थों का निजी सग्रह भेंट-स्वरूप सम्मेलन को प्रदान किया। सम्मेलन के द्वारा सग्रहीत हस्तलिखित ग्रन्थों को भी इस सग्रह में मिला कर राजकुमार रणवीर सिंह जी की स्मृति में 'रणवीर कक्ष' स्थापित करके उसमें विधिपूर्वक व्यवस्थित किया गया। इसकी सूची सम्मेलन द्वारा 'पाण्डुलिपियाँ' नामक ग्रन्थ के रूप में स० २०१४ वि० में प्रकाशित की गई।

सन् १९६३ ई० में ग्वालियर निवासी श्री सूरजराज घारीवाल जी ने अपना बहुमूल्य एवं महत्त्वपूर्ण हस्तलिखित ग्रन्थ सग्रह सम्मेलन के सग्रहालय को भेंट-स्वरूप प्रदान किया। इस सग्रह को श्री घारीवाल जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमद्रादेवी के संयुक्त नाम से 'सूरज-सुमद्रा कक्ष' में सुव्यवस्थित करके रखा गया है।

'रणवीर कक्ष' और 'सूरज-सुमद्रा कक्ष' इन दोनों कक्षों में सुव्यवस्थित हस्तलिखित ग्रन्थों की संख्या लगभग ८५०० है। इस सम्पूर्ण सग्रह के हिन्दी के हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची सन् १९७१ ई० में शिक्षा मंत्रालय के वित्तीय अनुदान से सम्मेलन द्वारा प्रकाशित हुई थी। उसमें हिन्दी के २८०२ ग्रन्थों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसी क्रम में संस्कृत एवं प्राकृत भाषा के हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची का यह प्रथम खण्ड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के वित्तीय अनुदान से प्रकाशित किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है—इसका द्वितीय खण्ड भी निकट भविष्य में पाठकों की सेवा में प्रस्तुत किया जायगा।

केन्द्रीय सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के प्रति सम्मेलन की ओर से मैं आभार प्रकट करता हूँ जिनकी कृपा से वित्तीय सहायता मिलने पर इस ग्रन्थ-सूची का प्रकाशन सम्भव हो सका है।

जिन ग्रन्थ-स्वामियों ने अपने हस्तलिखित ग्रन्थों को सग्रहालय को दान दिया है उनको तथा विशेष रूप से अमेठी के राजा रणञ्जय सिंह जी और ग्वालियर के विद्याव्यमनी श्री घारीवाल दम्पति के प्रति मैं हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करता हूँ।

इस ग्रन्थ का सम्पादन प्रयाग विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के रीटर पण्डित चण्डिकाप्रसाद गुप्त ने किया है। सम्मेलन उनके प्रति आभार प्रकट करता है।

आशा है, इस मुद्रित ग्रन्थ-सूची से संस्कृत के विद्वानों, छात्रों और शोधकर्त्ताओं को अध्ययन और अनुसन्धान में सहायता मिलेगी।

प्रभात मिश्र शास्त्री

प्रधानमन्त्री

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

दिनांक २१ जून, १९७६ ई०

विषयानुक्रम

००

	पृष्ठ संख्या
प्रकाशकीय	
वैदिक संहिताएँ और साहित्य	१-४५
उपनिषद् गीता	४७-७१
पुराण इतिहास	७३-९५
अष्टक	९७-११५
कवच	११७-१४७
पटल	१४९-१५५
माहात्म्य	१५७-१७७
रहस्य	१७९-१८३
व्रतकथा	१८५-२०९
स्तोत्र	२११-३६१
सप्तशती	३६३-३६९
कर्मकाण्ड	३७१-४८१

संकेत

० ०

अनु०
टीका०
प्र० प०
प्र० पृ०
पृ० स०
स०
सक०
सें० मी०

अनुष्टुप्
टीकाकार
प्रति पक्ति
प्रति पृष्ठ
पृष्ठ सख्या
सख्या
सकलनकर्त्ता
सेन्टीमीटर

संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की
विवरणात्मक सूची

वैदिक : संहिताएँ और साहित्य

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार
१	२	३	४	५	६
१	६३३४/३६३६	अनुक्रमणिका	कात्यायन	—	देसी कागज
२	६२७४/११३२	(आरण्यक-ग्रन्थ)	—	—	देसी कागज
३	७२१३/४०७४	ऋग्वेद संहिता	—	—	देसी कागज
४	७२६४/४११६	ऐतरेय ब्राह्मण	—	—	देसी कागज
५	७४३५/४२१८	ऐतरेय ब्राह्मण	—	—	देसी कागज
६	६२४१/३३५६	ऐतरेय ब्राह्मण संहिता	—	—	देसी कागज
७	२५९४/१४६४	गर्ग संहिता (द्वारिका खण्ड)	गर्गचार्य	—	देसी कागज
८	२७०९/१४९१	गर्ग संहिता (एकादश अध्याय)	गर्गचार्य	—	देसी कागज
९	२७६५/१५०६	गर्ग संहिता (सप्तम अध्याय)	गर्गचार्य	—	देसी कागज
१०	२८६४/१५२८	गायत्री-भाष्य	वत्सभाचार्य	—	देसी कागज
११	३६०३/१८५७/१	गायत्री मंत्र	—	—	देसी कागज
१२	६४२९/३५२६	गोपथ ब्राह्मण (उत्तरार्द्ध)	—	—	देसी कागज
१३	१२७२/८६९	चरणव्यूह	—	—	देसी कागज

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१×९	९४	७	२०	पूर्ण/४११	१८६७ वि० (आश्विनकृष्ण १३ मदवार)	ऋग्वेद-सूक्तों की अनुक्रमणिका
१९×१०.५	७८	१५	२०	पूर्ण/५४४	१९२५ वि०	-
२०.५×८ २	५४	६	२२	अपूर्ण/२२२	१६३९ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण ।
२१ ५×१०.२	२१२	९	२४	पूर्ण/१४३१	१८६९ वि० मार्गशोर्ष १३)	-
२२.७×८ ३	४९६	७	४२	पूर्ण/४४५७	१८८९, १८९० वि०	-
२१ ५×१०	७३	९	३३	अपूर्ण/३७६	-	-
२५×११	५६	७	१८	अपूर्ण/२३	-	-
२४ ५×१३	७५	८	२०	अपूर्ण/३७५	१९१० वि० (फाल्गुन सुदि ७ चंद्रवार)	-
२५×१५ ५	१०	१०	२४	पूर्ण/७५	-	-
२८×१२	८	१०	३२	पूर्ण/८०	-	-
२३×११.५	८	१०	२०	पूर्ण/५०	-	-
२४ ५×३३	१२	१२	२०	अपूर्ण/९०	१९१६ वि० (पौष शुक्ल ६ शनिवार)	-
२४ ३×११	८	६	३२	पूर्ण/७२	-	यह महर्षि शौनक-प्रणीत चरो वेदों की शाखाओं आदि का विवरण देनेवाली अनुक्रमणी रूप है, ग्रन्थ महत्वपूर्ण है

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	६	१०	११
२४.१×१०.३	—	—	—	पूर्ण	१८७७ वि० १७४२ शक	—
२५ ७×१२ ४	५	१०	३२	पूर्ण/५०	—	—
२०×१० ५	१२२	८	२४	अपूर्ण/७३२	—	—
१६×१४	१	२१	१४	पूर्ण/९	—	—
१७×८	५	६	२४	पूर्ण/२३	—	—
१८×११	२८	९	२४	पूर्ण/१८९	—	—
२४×११	१०४	११	३२	अपूर्ण/११४४	१८४१ वि०	वाजसनेय संहिता का ३०वें से ४०वें अध्याय तक का पदपाठ
१५×९	४८	६	१७	पूर्ण/१५३	—	—
१६×१२	८	५	६	अपूर्ण/२०	—	—
१३×१०	९	७	१०	अपूर्ण/१९	—	—
२५×१०	५	५	२४	पूर्ण/१९	—	—
३५×१२ ५	४	८	३२	पूर्ण/३२	—	—
१३×१०	५	७	१०	पूर्ण/११	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७	३२५४/१६४२	पुरुषसूक्त भाष्य	—	शीतक महर्षि	देसी कागज	नागरी
२८	७२१०/४०७१	ब्राह्मण पंचिक	—	—	देसी कागज	नागरी
२९	६३४५/३४४६	ब्राह्मण सप्तमपंचिका	—	—	देसी कागज	नागरी
३०	३१८६/१६२३	मंत्र (पाठ)	—	—	देसी कागज	नागरी
३१	६६८३/३७२७	मन्त्र विभाग	—	—	देसी कागज	नागरी
३२	२५८४/१४६२	मन्त्रावबोध	सुन्दर शुक्ल	—	देसी कागज	नागरी
३३	६२५४/३३६९	मन्युसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
३४	६२९८/३४००	मन्युसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
३५	७६४२/४२८८	यजुः संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६	९१५/९३२/७६७	रुद्रजाप्य (रुद्राष्टाध्यायी)	—	—	देसी कागज	नागरी
३७	१४२९.१/९०८	रुद्रजाप्य	—	—	देसी कागज	नागरी
३८	६६८४/३७२८	रुद्रपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
३९	६७७४/३८१०	रुद्रप्रश्न	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१२×१३ ५	५३	५	१२	पूर्ण/९९	—	पुरुषसूक्त पर महर्षि शौनककृत भाष्य
२१.४×८ २	३६४	७	३१	पूर्ण/२५४८	१६९४ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२१×१०	३७	९	२०	अपूर्ण/२०८	—	—
२४.५×११	७५	७	२८	पूर्ण/४५९	१९१७ वि०	—
१५×१०	१६	११	१६	पूर्ण/८८	१७१५ श०	—
२४×१२ २	५४	६	३२	अपूर्ण/३२४	१७४६ वि० (आश्विनशुक्ल भीमवार)	इसमे चार अध्यायो मे यजुर्वेदीय मन्त्रो की विशिष्ट व्यवस्था समझाई गई है
१८×६	३	७	२०	पूर्ण/१३	—	—
१४×१०	५	९	१०	पूर्ण/१४	—	—
२३×९	६००	५	२१	पूर्ण/१९६९	—	—
१६ ५×१० ५	१७०	६	१०	पूर्ण/३१९	१९४१ वि०	इसमे 'वाजसनेय संहिता' का प्रसिद्ध रुद्राष्टाध्यायी भाग प्रतिपादित है मन्त्रो के स्वर चिह्नित भी है
२४ २×११ ५	११५	४	१५	अपूर्ण/२१९	—	—
१६×९	१७	९	१६	पूर्ण/७५	—	—
१९×८	४०	६	२०	पूर्ण/१५०	—	—

संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४०	६७५०/३७९३	रुद्राध्याय	—	—	देसी कागज	नागरी
४१	२०१-१/१९३	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४२	५५४/५४४	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४३	१७३७/११३८	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४४	२४६८/१४३८	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४५	३३०३/१७०१	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४६	३३२२/१७१८	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४७	६१६२/३२८२	रुद्राष्टाध्यायी	—	—	देसी कागज	नागरी
४८	६३९९/३४९८	रुद्री	—	—	देसी कागज	नागरी
४९	६५४२/६३१४.४	रुद्री	—	—	देसी कागज	नागरी
५०	५३१/४७७	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५१	५७५/५८५/५२९	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५२	११७३/८२६	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१० ५	४८	७	२०	पूर्ण/२१०	—	—
१६×१०	१५	७	१२	पूर्ण/३९	—	—
२३×१०.५	६१	७	२२	पूर्ण/२९३	—	रुद्र सम्बन्धी वैदिक मन्त्रों का आठ अध्यायो मे प्रसिद्ध संग्रह
२७×११.५	९४	६	१९	पूर्ण/३३५	१९३५ वि०	—
१५.५×११	११	११	१६	अपूर्ण/६०	—	—
२२×११	१३२	५	१५	पूर्ण/३०९	—	—
२५×१२	५०	५	२०	अपूर्ण/१५६	—	—
१६.८×९ १	३८	७	२१	अपूर्ण/१७५	१८६९ वि० १७३४ शक	—
१६ ५×१०	२६	८	२०	अपूर्ण/१३०	१९२५ वि० (भाद्र शुक्ल ८ सोमवार)	—
२४×१०.५	१२	६	२०	अपूर्ण/४५	—	—
१७×१०	९	७	१३	पूर्ण/२५	१९४३ वि० (पौष सुदि ८ रविवार)	—
१४×१०	७	८	१६	पूर्ण/२८	—	—
२१ ५×१४ ५	८	८	१६	अपूर्ण/३२	१९२५ वि० (फाल्गुन शुक्ल १३ बुधवार)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५३	१६११/१०१६	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५४	३४१०/१७९६	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५५	६८१४/३८४४	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५६	६६५५/३७०१	वाक्सूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५७	७७८/७९४/७११	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
५८	८५१/८६८/७५४	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
५९	११२४/८१७	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६०	१२०२/८४५	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६१	१४२९/९०८	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६२	१४६०/९१९	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६३	१७०४/११०७	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६४	१७१८/१११९	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६५	२६२७/१४७०	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१० × ८	७	७	१२	पूर्ण/१८	—	—
१४ ४ × १८.६	१५	७	२०	पूर्ण/६५	१८८८ वि० (फरवरी २)	—
१४ × ११	६	१०	१६	पूर्ण/३०	१९५३ वि०	—
१६ × ८	३	६	१६	पूर्ण/९	—	—
२३ × १३	४७२	६	२०	अपूर्ण/१७७०	—	इसमे वाजसनेय संहिता के प्रारम्भ के २ पाठो से खण्डित केवल १९ अध्याय मात्र दीर्घपाठ मे समुपलब्ध है
१९ × १२	४१६	५	१८	पूर्ण/११७०	१६९० वि०	यह शुक्लयजुर्वेदीय संहिता का एक पर्याप्त प्राचीन हस्तलेख है ४० अध्यायो मे पूर्ण यह वैदिक संहिता, संहितापाठ मे समुपलब्ध है
२१ × १२	४३८	८	२०	पूर्ण/२१९०	१८२२ वि०	शुक्ल यजुर्वेद संहिता/सोलह अध्याय सस्वर चिह्न, शेष बिना चिह्न के
२३ × ११	२९३	६ (कुछ पत्रो मे ७ भी)	२१	पूर्ण/११५४	१८२२ वि०	इसके ४० अध्यायो मे पूर्ण शुक्ल यजुर्वेदीय वाजसनेय संहिता लिपिबद्ध है स्वरो के चिह्न नही लगे हैं
२५ × ११	४९६	५	२६	पूर्ण/२०१५	—	यहाँ शुक्ल यजुर्वेद संहिता के बीस अध्याय हैं मन्त्र स्वर-चिह्नो से अंकित हैं
२३ ९ × १० ८	३३०	५	२५	पूर्ण/१२८९	१८५५ वि०	यह शुक्ल यजुर्वेद माध्यदिन शाखा की संहिता है मन्त्र स्वर-चिह्नो से अंकित हैं ग्रन्थ ४० अध्यायो मे पूर्ण है
२५ × ११	१५२	६	२७	अपूर्ण/७७०	—	यह शुक्ल यजुर्वेद की माध्यदिन शाखा की वाजसनेय संहिता है इसमे उसके ३० अध्याय तक समुपलब्ध हैं
२५ × १२ ५	१२५	१०	३३	अपूर्ण/१२८९	—	यह 'जटा पाठ' मे लिखी गयी प्रसिद्ध शुक्ल यजुर्वेदीय वाजसनेय संहिता है
२४ × १०	२६८	८	२४	पूर्ण/१६०८	१८०२ वि० (शाके १६६६)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६	२७१२/१४९२	वाजसनेय संहिता दीर्घ-पाठ)	—	—	देसी कागज	नागरी
६७	३००७/१५६८	वाजसनेय संहिता (अध्याय ४०) (ईशोपनिषद्)	—	—	देसी कागज	नागरी
६८	३२९४/१६२४	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६९	३२३९/१६३७	वाजसनेय संहिता	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
७०	३९६६/१९२६	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
७१	६७४९/३७९२	वामनसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
७२	१३९७/८९९	वेददीपमनोहर (टीका)	महीधर	—	देसी कागज	नागरी
७३	३४११ १/१८११.१	(वेदमन्त्र)	—	—	देसी कागज	नागरी
७४	१८८१/१२७२	(वैदिक ग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी
७५	२३८९	वैदिक मन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
७६	८९९/९१६/७६४	शतरुद्रोय	—	—	देसी कागज	नागरी
७७	५९१२/३०७७	शिक्षा चतुष्टय	—	—	देसी कागज	नागरी
७८	६३०८/३४१०	श्रीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ ५×१४	१०	५	११	पूर्ण/३४	१९०० वि० (पौष कृष्ण, ८ गुरुवार)	सर्वप्राचीन उपनिषद्
३५×२०	४	९	२०	पूर्ण/२२	१९१८ वि०	
२३ ५×१०.५	२७३	६	११७७	अपूर्ण	—	
३२ ५×२० २	५३६	७ (कुछ पत्रों मे अधिक)	१७	पूर्ण/१९९३	१९०३ वि०	इसमे ४० अध्यायो मे पूर्ण शुक्ल यजुर्वेद की वाजसनेय संहिता है। इसके १७ एव ४० दो अध्याय व्याख्यायुक्त भी हैं इसमे शुक्ल यजुर्वेद संहिता पदपाठ- रूप मे उपनिबद्ध है
२५×१३	३१६	१०	२७	पूर्ण/२६६५	—	
११.५×८	२८	७	१०	पूर्ण/६१	—	
२७×१२	३६	९	३२	पूर्ण/३२४	१८९९ वि०	शतरुदीय होम नामक १६वें अध्याय पर लिखी गई व्याख्या
२४×११	४०	११	३२	पूर्ण/४४०	—	
२१ ५×११ ५	२७	७	२४	अपूर्ण/१४२	—	
२२×१०	१९	११	३२	अपूर्ण/२०९	—	१८४२ वि०
२४.५×१२ ५	१८	९	३२	पूर्ण/१६२	—	
२२ ६×८ ५	२७	८	३२	अपूर्ण/२१६	—	
११ ५×८	१४	५	११	अपूर्ण/२४	१९१५ वि० (मार्गशीर्ष ८)	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७९	१६९४/१०९७	श्रीसूक्तविवृति	—	—	देसी कागज	नागरी
८०	६८७९/३८९४	श्रुति	—	—	देसी कागज	नागरी
८१	४७८/४३६	पहंगरुद्रीय	—	—	देसी कागज	नागरी
८२	६१३९/३२६०	साकमेध	—	—	देसी कागज	नागरी
८३	७४४१/४२२३	सामराजपद्धति	सामराज	—	देसी कागज	नागरी
८४	७८४/८००/७१३	सुदर्शन संहिता (कातंवीर्यार्जुन कल्प)	—	—	देसी कागज	नागरी
८५	६५७२/३६२३	सूर्यवैश्वानरसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
८६	३६५९/१८६८	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
८७	१३९३	हस्तस्वरप्रक्रिया	अग्निहोत्र मल्ल	—	देसी कागज	नागरी
८८	१८२०/१२२०	अचिन्त्यकौमुदी	—	—	देसी कागज	नागरी
८९	२३३०/१४०६	अज्ञानव्वांतदीपिका (प्रथम तथा सप्तम प्रकाश)	सोमनाथ	—	देसी कागज	नागरी
९०	२६५९/१४८१	अज्ञानबोधनी	—	—	देसी कागज	नागरी
९१	१९१९/१२२०	अद्वैतचिन्ता कीस्तुभ (टीका)	महादेवानन्द सरस्वती	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×१२	२८	८	४०	पूर्ण/२८०	-	श्रीसूक्त के १५ मन्त्र, सटीक
३२×१६	६	११	२०	अपूर्ण/४१	-	
२०×१० ५	३४	७	२३	अपूर्ण/१७१	-	
२७.५×११ ७	३	९	३८	पूर्ण/६२	-	
३०×१३	६०	१०	४८	अपूर्ण/९००	-	
२६×१२	१९८	११	४०	अपूर्ण/२७२३	१९०८ वि० (माघ कृष्ण)	
१६×१०	७	७	१०	पूर्ण/१५	-	
१६×११ ५	२३	८	१०	पूर्ण/५७	१९२६ वि० (ज्येष्ठ ३०, गुरुवार)	
२३×११	१४	५	३२	पूर्ण/७०	१९८१ वि०	वैदिक स्वरप्रक्रिया निरूपण
३१×१४ ३	४०	१६	४६	अपूर्ण/९२०	-	
२६ ५×११	६७	९	३७	पूर्ण/६९७	१८९९ वि० (मार्गशीर्ष शु० ७ भृगुवार)	
१४ ३×७.६	५४	९	२१	अपूर्ण/३१९	-	
३१ ५×१४ ५	५९	१९	५७	अपूर्ण/१९९७	-	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९२	१८२४/१२२४	अद्वैतचिन्ता कीस्तुभ (टीका)	महादेवानन्द सरस्वती	—	देसी कागज	नागरी
९३	१४१९/९०४	अद्वैतदीपिका	—	—	देसी कागज	नागरी
९४	१७७८/११७९	अद्वैतविवेक (द्वैतपद- योजना, सटीक)	विधारण्य मुनि	रामकृष्ण	देसी कागज	नागरी
९५	१००२/७८९	अध्यात्मदीपिका	—	—	देसी कागज	नागरी
९६	२६२२ १/१४६७	अन्तःकरण प्रबोध	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
९७	२६७६ ६/१४८५	अन्तःकरण प्रबोध	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
९८	३०८०.९/१५९४	अन्तःकरण प्रबोध	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
९९	१४५७/९१८	अपरोक्षानुभव (सटीक)	शंकराचार्य	मयकराचार्य	देसी कागज	नागरी
१००	१९१६/१२८८	अपरोक्षानुभूति (सटीक)	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१०१	२८३५/१५२२	अपरोक्षानुभूति	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१०२	२५०५/१४४५	अर्थसंग्रह	लोगाक्षिभास्कर	—	देसी कागज	नागरी
१०३	३१७८/१६२१	अष्टावक्र ग्रन्थावली	अष्टावक्र मुनि	—	देसी कागज	नागरी
१०४	११५८/८३१	अष्टावक्रदीपिका टीका	विश्वेश्वर	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पवि प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३१×१४	५३	१८	५३	पूर्ण/१६९३	१८४३ वि०	यह वेदान्त विषयक 'तत्त्वानुसन्धान' ग्रन्थ की टीका है।
२६ ८×११ ८	१३८	८	३०	अपूर्ण/१०३५	—	इसमे जीव एव ब्रह्म के अभेद का प्रतिपादन किया गया है इसका आदि तथा अन्त भाग खण्डित है
२६×१३	१८	१३	३७	पूर्ण/२७१	—	इसमे द्वैतप्रपञ्च का विवेचन किया गया है जीवन्मुक्ति का भी उल्लेख है
२५ ५×१४	३	१४	४५	अपूर्ण/५९	—	
२७×१६	२	८	१२	अपूर्ण/६	—	
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३५	—	
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	
२२ ४×१३	४८	१०	३०	पूर्ण/४५०	१८५३ वि०	इसमे नित्य आत्मा का अनित्य देह से तादात्म्य माननेवालों की निन्दा की गई है। ब्रह्म को ही एकमात्र सत्य तथा उसीसे सब सृष्टि होने का प्रतिपादन किया गया है साथ मे पद्यात्मक हिन्दी रूपान्तर भी है
१४ ५×१३	५६	११	२०	पूर्ण/३८५	—	
२०×१३	१९	१२	२	पूर्ण/१७१	१८८३ वि०	
२८×१२.५	४०	८	३८	पूर्ण/३८०	१९२८ वि०	इसमे द्वादशलक्षणी मीमांसा अत्यन्त सूक्ष्मरूप मे प्रतिपादित की गई है यह एक बहु प्रचलित ग्रन्थ है
१३×९	११९	६	१६	पूर्ण/३५७	—	वेदान्त-सम्मत आध्यात्मिक तत्त्वसंकलन
२९×१४	१२६	९	३२	अपूर्ण/११३४	—	इसमे १९ से ४६ पत्रों तक खण्डित, प्रकरणों मे विभक्त, मोक्ष प्राप्ति के उपायों का विधिवत् विवेचन किया गया है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०५	३४३७	आत्मपूजा	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१०६	२३१९/१४०५	आत्मबोध	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७	३३५२/१७४७	आत्मबोध	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८	७५१७/४२५१	आत्मबोध (सटीक)	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१०९	१३४९/८८८	उपदेशसाहस्री (सटीक)	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
११०	४२४४/१/१९८३	उपदेशसाहस्री (सटीक)	शकराचार्य	रामतीर्थ	देसी कागज	नागरी
१११	७५३१/४२५५	उपदेशसाहस्री (सटीक)	शकराचार्य	रामतीर्थ	देसी कागज	नागरी
११२	१४५०/४/९१५	एवकारवाद	—	—	देसी कागज	नागरी
११३	६४०३/३५०२	कर्मप्रकृति विवरण	जिनमाणिक्यसूरि	—	देसी कागज	नागरी
११४	३७३० १/१९००.१	कारिकावली	विश्वनाथ पचानन	—	देसी कागज	नागरी
११५	६६९३/३७३७	कृष्णतापिनी	—	—	देसी कागज	नागरी
११६	१७६४/११६५	गोरक्षाशतक	—	—	देसी कागज	नागरी
११७	३०८०/१५	जलमेद	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०×११	५	७	१६	पूर्ण/१७ ५	१९३४ वि०	
३०×१३	७	१०	३२	पूर्ण/७०	—	
२४ ५×१३	२१	१४	३६	अपूर्ण/३४०	—	
२०×१२	१६	१२	२०	अपूर्ण/१२०	—	
३४ ५×१८	७५	१२	५२	अपूर्ण	—	प्रथम प्रकरण पूर्ण तथा द्वितीय खण्डित
१५ ८×२० ३	३०३	१३	१०	पूर्ण किन्तु जीर्ण १२३१	—	
३४×१८	२७१	१०	३२	पूर्ण/२७१०	१९३७ वि०	
२२×९	९	६	३२	पूर्ण/५४	—	‘एव’ शब्द के प्रयोग का सोदाहरण विवेचन। ‘पदार्थमाला प्रकाश’ ग्रन्थ का अश समझ पड़ता है
२५×११	३६	९	२०	पूर्ण/२०२	१८९० वि० (भाद्रपदशुक्ल सप्तमी)	
२८×११ ५	२८	९ (कुछ पत्रों मे ४)	३३	पूर्ण/२६	१९३२ वि०	
२०×११	३४	७	२४	पूर्ण/२०४	—	
३०.५×१२ ५	१२	११	३६	अपूर्ण/१४८	—	
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/२३	१८४९ वि०	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११८	६०३९/३१७३	जागदीशी (टीका)	—	जगदीश	देसी कागज	नागरी
११९	२५०४/१४४४	जीवमुक्तिविवेक	विद्यार राय स्वामी	—	देसी कागज	नागरी
१२०	१०२/९४	ज्ञानप्रबोधमजरी	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२१	११२२/८१६	तत्त्वदीप	बल्लभस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
१२२	१४३/१३६	तत्त्वनिरूपण	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३	७४/६८	तत्त्वबोध	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४	२९८५/१५६३	तत्त्वबोधविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५	३१९२ ३/१६२३	तत्त्वविवेक (तत्त्वबोध)	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२६	१७४१/११४२	तत्त्वविवेकदीपिका	—	रामकृष्ण	देसी कागज	नागरी
१२७	१६०४/१००९	तत्त्वानन्दतरंगिणी	पूर्णानन्द परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१२८	३१६४ २/१६१९	तत्त्वाराद्धात	निंबादित्य	—	देसी कागज	नागरी
१२९	६०६३/३१९७	तर्कपरिभाषा टीका	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०	१६१७/१०२२	तर्कप्रकाश	सरदार कवि	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० प०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२८×१२ ३	८४	१०	३२	पूर्ण/८४०	—	न्यायशास्त्र से सम्बन्धित ईश्वरेच्छा, प्रमाणादि विषयो का प्रौढ शैली मे विवेचन
३०×१४	१४३	१२	४१	पूर्ण	१८३३ वि० माद्र शुक्ल पक्ष ७ बुधवार)	जीवनमुक्तविषयक आध्यात्मिक विवेचन
२१×११ ५	२५	९	२८	पूर्ण/१९७	—	इसमे वेदान्त दर्शन के अध्यास, अद्वैत आदि विषय प्रतिपादित है लिपि मे अशुद्धियाँ बहुत है यह आदि शंकराचार्य की कृति निरसन्देह रूप से नहीं कही जा सकती है
२१×११	४३	९	३२	पूर्ण/३८७	—	
२२×१०	३	९	२२	अपूर्ण/२५	—	
१० ५×८	३२	४	१८	अपूर्ण/(मध्य मे खण्डित)	—	
२१×१४	२२	७	१६	पूर्ण/७७	—	इसमे साधनचतुष्टय, पञ्चकोश, पञ्ची- करण, तथा जीवन्मुक्तावस्थादि का वर्णन किया गया है
२८ ३×१३ ५	१०	९	२८	पूर्ण/७८	१९२३ वि०	
२६×१३	३१	१३	३२	पूर्ण/४०३	—	विधारण्यमुनिकृत 'तत्त्वविवेक' के प्रथम प्रकरण पर टीका
२४ ५×११	४०	८	३२	पूर्ण/३२०	१८६४ वि०	
३१.५×१८	१६	१७	३२	पूर्ण/२७२	—	
२६×११	८०	१५	५०	पूर्ण/१८७५	१७२८ वि०	'तर्कभाषा' की टीका एक 'प्रकरण' ग्रन्थ
१६ ५×१९ ५	४४१	१४	१४	अपूर्ण/२७०१	—	

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३१	२७५५	तर्कभाषा (सटीक)	केशव मिश्र	विद्या वागीश	देसी कागज	नागरी
१३२	६१८९/३३०४	तर्कभाषा	केशव मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
१३३	६९८९/३९४१	तर्कभाषा (सटीक)	केशव मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
१३४	७९६/८१२/७१७	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३५	१०८९/८०७	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३६	१४६३/९१९	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३७	१४९९/९३०	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३८	१६२८/१०३२	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३९	१६३८/१०४३	तर्कसंग्रह (सटीक)	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४०	२७८०/१५११	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४१	६३०१/३४०३	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४२	१०४१/७९७	तर्कसंग्रहदीपिका (टीकाभाषा)	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४३	१८५६/१२५०	तर्कसंग्रहदीपिका (टीका)	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×९	१५७	८	४०	अपूर्ण/१५७०	—	
२१ ४×७	६०	६	२६	अपूर्ण/२९३	—	
२४×११	२२	२६	४०	अपूर्ण/७१५	—	
२४×१२.५	१४	९	२४	पूर्ण/९५	१८९० स० (पौष कृष्ण)	
२५ ५×१२	१०	—९	२२	अपूर्ण/६१	—	
	१६	—७	४१	पूर्ण/१४४	—	
३०×१२	१७	७	४०	पूर्ण/१६९	१९१२	
२६.७×१० ३	१४	९	३२	अपूर्ण/१२६	१८९१ वि०	
	—	—	—	अपूर्ण		
२५×१२	१७	५	२०	अपूर्ण/५३	—	
२५×१० ५	१०	११	३०	पूर्ण/१०३	—	
२३.५×११.५	५३	१०	३०	अपूर्ण/५३०	—	
२७.२×९ ८	७०	—७	३२	पूर्ण/४९०	१९०६ वि० (माघ शुक्ल, १ सोमवार)	'तर्कसंग्रह' ग्रन्थ की ग्रन्थकार द्वारा ही 'दीपिका' नामक टीका मात्र

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४४	१३५८/८९४	तर्कसंग्रह दीपिका (टीका)	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४५	१५३१/९४६	तर्कसंग्रह दीपिका	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४६	२७६२/१५०५	तर्कसंग्रह दीपिका	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४७	२८१९/१५१७	तर्कसंग्रह दीपिका	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४८	१६९२/१०९५	तर्कसंग्रह न्यायबोधिनी टीका	गोवर्धनाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४९	१६९७/११००	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५०	२५८५/१४६२	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५१	६२७५/११३३	तर्कामृत तरंगिणी	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२	३०८० २४/१५९४	त्रिविध नामावली	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५३	१२४९/१/८६२ १	दक्षिणामूर्ति भावार्थ विवृति	शकराचार्य	सुरेश्वराचार्य एव रामतीर्थ	देसी कागज	नागरी
१५४	१८२० १/१२२०	दर्शनग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५	३७२१ २/१८९२ १	दशमर्मनिरूपण	मध्वाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५६	१२४९ ८/८६२ २	दीर्घिति	जयराम पञ्चानन	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३१×१२	२३	१२	५६	पूर्ण/४८३	१८७४ वि०	तर्कसंग्रह पर ग्रन्थकार द्वारा लिखी गई दीपिका टीका मात्र
३०×१४	२९	१२	३६	पूर्ण/४१४	१८८८ वि० (वैशाख कृष्ण द्वि० गुरुवार)	—
२६,५×१०	५७	८	३२	अपूर्ण/४५६	१८११ वि० (फाल्गुन सुदि ७सं० चद्रवार)	—
३०×१४.५	२७	११	४८	पूर्ण/४४५	१८३१ वि० (फाल्गुन १०)	—
२३.७×१० ८	२५	१३	३८	पूर्ण/३८५	—	न्याय-वैशेषिक विषयक ग्रन्थ 'तर्कसंग्रह' की केवल टीका
२५×११	४१	७	३२	पूर्ण/२८७	१८५५ वि०	द्रव्यगुणादि विवेचन
२४ ५×९.४	३२	८	३८	पूर्ण/३०४	—	न्यायदर्शन के अनुसार भाव, अभाव पदार्थों तथा प्रत्यक्षादि प्रमाणों का विशद विवेचन किया गया है
२४ ५×११.५	५८	१३	३०	पूर्ण/७०७	१८०८ वि० आषाढ सुदि ६	—
१६×१०	४५	६	१५	पूर्ण/१२७	१८४९ वि०	—
३०×१२ ५	१०८	१४	४०	पूर्ण/१८९०	१७२३ वि०	—
३३×१४	२४	१६	४७	अपूर्ण/५६४	—	—
१७×१२.५	१३	७	१०	पूर्ण/३०	—	—
३१×१०	१४	९	५०	अपूर्ण	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५७	३१५०/१६१५	द्वादश महावाक्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८	३१५३/१६१५	द्वादश महावाक्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९	७५८२/४२५५	द्वादश महावाक्यविचार	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०	३०४६.३/१५८२	द्वादश महावाक्यविवरण	शकर भागवत	—	देसी कागज	नागरी
१६१	१५०७/९३२	नन्दयोग आत्मानन्द	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२	३०८०/१५९४	नवरत्न	भल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६३	२४६५/१४३३	नवरत्न	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६४	६७१४/३७५८	नारायणाथवंशीष	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५	२८६३.१/१५२८	निरालंबश्रुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६	३०८० १७/१५९४	निरोधलक्षण	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६७	४२९८/२०१४	न्यायदर्शनग्रंथ	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८	११९३/८४३	न्यायदीपावली	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९	१२९७/८७७	न्यायबोधिनी टीका	गोवर्द्धन	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	६	१०	११
२७×१२	२७	९	३६	अपूर्ण/१७४	—	—
२९×९	३७	९	४०	अपूर्ण/४१६	—	—
२५×११	४७	१३	३०	पूर्ण/५७३	—	—
११.५×९ ५	२१०	७	१५	अपूर्ण/११५८	१८६९ वि०	(प्रथम पत्र खण्डित)
३३×१२	२८	८	४८	पूर्ण/३६०	—	—
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	—
१७×२९	१	१६	१८	पूर्ण/९	—	—
१६×८	५	७	२४	पूर्ण/२६	—	—
२५×१३	५	९	२४	अपूर्ण/३४	—	—
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	—
२५×६०	७३	८	२०	अपूर्ण/३६५	—	—
२३×१०	४४	९	१८	पूर्ण/२२३	—	प्रमाणादि न्यायविषयो का विवेचन
२६ ५×१०	३७	७	४४	अपूर्ण/	—	उपमान परिच्छेद तक पूर्ण, शेष खण्डित

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७०	११८७/८४२	न्यायसिद्धान्त मंजरी	चूडामणि भट्टाचार्य जानकीनाथ शर्मा	-	देसी कागज	नागरी
१७१	१०८५.१/८०७	न्यायसूत्र	गौतम	-	देसी कागज	नागरी
१७२	१२४९.७/८६२.२	पक्षधर्मनिरूपण (सटीक)	-	-	देसी कागज	नागरी
१७३	१२४९.१०/८६२.३	पञ्चदशी (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	रामकृष्ण	देसी कागज	नागरी
१७४	११३८/११३९	पञ्चदशी पंचकोश-विवेक (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
१७५	२४९६/१४४२	पञ्चदशी (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	प्रज्ञानानन्द सरस्वती	देसी कागज	नागरी
१७६	७३३८/४१५१	पञ्चदशी व्याख्या	रामकृष्ण	-	देसी कागज	नागरी
१७७	१७३९/११४०	पञ्चभूतविवेक (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	रामकृष्ण (तात्पर्य दीपिकाकार)	देसी कागज	नागरी
१७८	६८३०/३८६०	पञ्चीकरण विवरण टीका (तत्त्व चन्द्रिका)	-	-	देसी कागज	नागरी
१७९	४५०२.३/१४४४	पञ्चीपञ्चक	शंकराचार्य	-	देसी कागज	नागरी
१८०	७६३८/४२८६	पदार्थतत्त्वनिर्णय	-	-	देसी कागज	नागरी
१८१	१२६८/८६९	पाखण्डचपेटिका	विजय रामाचार्य	-	देसी कागज	नागरी
१८२	२३४०/१३८६	पाखण्डचपेटिका	विजय रामाचार्य	-	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१०	६५	११	४२	पूर्ण/९३८	१७०३ वि० (मन्मथनाम वर्ष)	न्यायसिद्धान्त का प्रमाणादि क्रम से विवेचन
२६×११ १ ५	४०	८	३२	पूर्ण/३२०	१९२४ सं० (माघशु० द्वि०)	—
३१×१२	१२	१०	५५	अपूर्ण	—	—
३३×१६.५	३१६	१६	४२	अपूर्ण/६६३६	—	‘पञ्चदशी’ के केवल पाँच अध्याय प्राप्त हैं, जिनमें पञ्चकोशादि विषयो का प्रतिपादन हुआ है। साथ में रामकृष्ण कृत टीका भी है
२५.५×१३ २	१७	१३	३६	पूर्ण/२४९	—	विद्यारण्य मुनि की ‘पंचदशी’ का एक अंश है, जिसमें अन्नमयादि कोशों का विवेचन किया गया है
२४×१३	५९३	५	१८	पूर्ण/१६६३	—	यत्र-तत्र ‘गूढार्थदीपिका’ टीका के साथ अद्वैत वेदान्त विवेचन
२०×११.८	७४	१३	२१	अपूर्ण/६३१	—	—
२५.५×१३	२६	१३	३४	पूर्ण/३५९	—	‘पंचदशी’ का द्वितीय प्रकरण सटीक संगृहीत है, जिसमें पंचभूतों का विवेचन प्रस्तुत किया गया है
२०×११	५०	१०	२४	पूर्ण/३७५	१७७१ वि०	—
२३.५×१२ ५	१	९	५२	पूर्ण/१५	—	—
२९×१३ ५	८	१४	४०	अपूर्ण/१४०	—	—
२३ ५×१२	४६	९	२७	पूर्ण/३४९	—	नास्तिक पाखण्डियों के कुतर्कों का खण्डन कर सनातन धर्म की तथा जीवन्मुक्त्यादि सिद्धान्तों की स्थापना की गयी है।
३७×१९	५३	९	२७	पूर्ण/४०२	—	नास्तिक पाखण्डियों के मत का खण्डन किया गया है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८३	२६२१/१४६७	पुष्टिप्रवाहमर्यादा	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८४	३६७६.९/१४८५	पुष्टिप्रवाहमर्यादा	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८५	३०८०.१३/१५९४	पुष्टिप्रवाहमर्यादा	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८६	३०८०.१९/१५९४	पुष्टिमार्गमत संग्रह	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८७	१३९४/८९९	प्रतिज्ञा	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८	२८७/२६३	प्रश्नोत्तरमाला	शुकयतीन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
१८९	२४२९/१४२८	प्रश्नोत्तरमाला	शुकमुनीन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
१९०	३०९४.१/१५९५	प्रश्नोत्तररत्नमाला	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९१	३७८४/१९००	प्राणायामप्रकरण (सटीक)	शुभचन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
१९२	१८१३/१२१४	वज्रसूची पंचम	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९३	२६७६.७/१४८५	बालबोध	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९४	२६२२.६/१४६७	बालबोध	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९५	३०८०.५/१५९४	बालबोध	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१६	२	१२	३२	पूर्ण/३६	—	—
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३	—	जीर्ण
१६×१०	१०	६	१५	पूर्ण/२८	१८४९ वि०	पुष्टिमागं के अनुसार प्रमाण, सर्ग, सर्गभेद तथा फलप्राप्ति आदि का प्रतिपादन किया गया है
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	—
२७×१२	१९	१०	४०	अपूर्ण/२३७५	—	शुक्ल यजु० के माध्यन्दिनि शाखा के मन्त्रों का स्वरानुसारी हस्तप्रक्षेप के साथ उच्चारण विधि का निरूपण
१४ ५×८.५	१८	६	१६	पूर्ण/५४	१९११ वि०	—
११.५×५ ५	८	६	२६	पूर्ण/३९	१९०० वि० (आषढ १ सोमवार)	—
२७×१२	२	११	४०	पूर्ण/६९	—	—
१५×१७	७८	१३	१५	पूर्ण/४७७	—	—
२७×११	११	८	३२	पूर्ण/८८	१९१२ वि० १७७७ शक	—
२७×१६	३	९	२४	पूर्ण/२०	—	जीर्ण
२७×१६	२	८	३२	पूर्ण/१६	—	—
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/२३	१८४९ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९६	३०१६.१/१४७४	ब्रह्मजिज्ञासा	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७	३२४०.१/१६३७	ब्रह्मज्ञानप्रदीपिका	शंकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९८	९९२/१०११/७८३	ब्रह्मसूत्र (ब्रह्मजिज्ञासा)	वादरायण	—	देसी कागज	नागरी
१९९	६२५९/३३६९	ब्रह्मसूत्रटीका	—	—	देसी कागज	नागरी
२००	१३६५/८९६	ब्रह्मसूत्रवृत्ति	रामानन्दसरस्वती	—	देसी कागज	नागरी
२०१	२७६४/१५०६	भक्तिरत्नावली (सटीक)	विष्णुपुरी परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
२०२	३८८७.१/१९८८	भक्तिरसामृतसिन्धु	रूप गोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
२०३	३०८०/१४	भक्तिवद्धिनी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०४	२६७६.१२/१४८५	भक्तिहेतु	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
२०५	२६७६.१३/१४८५	भक्तिहेतुनिर्णय	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
२०६	६९६१/३९१३	भगवद्भक्तिरत्नावली (सटीक)	विष्णुपुरी परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
२०७	१२४९.३/८६२.२	भवानन्दसिद्धान्त टीका	तर्कवागीश	—	देसी कागज	नागरी
२०८	१२४९.४/८६२.२	भवानन्दसिद्धान्त टीका	तर्कवागीश	—	देसी कागज	नागरी

आकार (ने० मी०)	पृ० न०	पन्नि प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (न)	८ (न)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३३×१४	१९	७	३२	अपूर्ण/१३३	—	—
३१×२० ५	३०	१३	३०	अपूर्ण/३६६	—	'महाभारत' के अंश 'विष्णुसहस्रनाम' की व्याख्या की गई है
१६×११ ५	६१	५	२०	पूर्ण/१२८	—	वादरायण प्रणीत प्रसिद्ध वेदान्त सूत्र मूलरूप में समुपलब्ध है
१८×६	३	७	२०	अपूर्ण/१३	—	—
३५×१८	२५०	१५	८३	अपूर्ण/५०३९	—	वादरायण कृत ब्रह्मसूत्रों पर वृत्ति है। उनका आदि भाग खण्डित है। प्रथम अध्याय के आकाश लिङ्ग प्रकरण से तत्त्व उपलब्ध है, अन्त में प्रकरणादि की गणना दी गई है
३२×१७ ५	१०८	१५	३५	पूर्ण/१०७१	१७१२ वि० (फातुन बदि ६ मोमे)	१३ विरचनों (अध्यायों) में भग- वद्भक्ति का विवेचन
१५ ९×११	१२	१४	३२	अपूर्ण/१६८	—	—
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	—
२७×१६	२२	९	२४	पूर्ण/१४८ ५	—	जीर्ण
२७×१६	२२	९	३२	पूर्ण/१९८	—	जीर्ण
३४×१२	१४६	८	३०	पूर्ण/१०९५	—	—
२५.५×१०	१८८	१०	५६	अपूर्ण/३२९०	—	—
२५.५×१०	६९	१०	५६	अपूर्ण/१२०७ ५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०९	२७१४/१४९२	महावाक्यसंग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२१०	११२८/११२९	महावाक्यविवेक	रामकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
२११	१२०७/८४९	मीमांसापरिभाषा	कृष्णयज्वा	—	देसी कागज	नागरी
२१२	९९०/१००९/७८३	मीमांसाशास्त्र	जैमिनि	—	देसी कागज	नागरी
२१३	६४४६/३५३६	मृत्युत्सव	—	—	देसी कागज	नागरी
२१४	७३९६/४१८५	योगदर्शन (व्यासभाष्य)	पतञ्जलि	व्यास	देसी कागज	नागरी
२१५	२३२१/१४०५	योगपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२१६	९५१/९६८/७७२	योगवासिष्ठ (सटीक)	महीधर	विश्वेश्वर	देसी कागज	नागरी
२१७	९५१/९६८/७७२	योगवासिष्ठसार (सटीक)	महीधर	विश्वेश्वर	देसी कागज	नागरी
२१८	२७६१/१५०४	योगवासिष्ठसार	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९	३२७४/१६५२	योगवासिष्ठसार	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०	३१५४/१६१५	योगवासिष्ठसार विवरण (सटीक)	महीधर	—	देसी कागज	नागरी
२२१	१०८६/८०७	योगानुशासन (पातञ्जल योगसूत्र)	पतञ्जलि	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सं० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१ ५×१४	५	७	१५	पूर्ण/१६	—	—
२४×१२	६	१२	३२	पूर्ण/७२	—	प्रसिद्ध उपनिषद् महावाक्यों का व्याख्यान
३४×१४	३२	१०	५७	अपूर्ण/५७०	—	मीमांसा दर्शन का एक प्रचलित प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इस दर्शन के सभी विषयों का सक्षिप्त विवेचन इसमें हुआ है। महर्षि जैमिनि प्रणीत पूर्व मीमांसा सूत्रों का मूलपाठ संगृहीत है
२६×११	१२७	५	२४	पूर्ण/४७५	—	—
१७×१२.५	४	१०	२०	पूर्ण/२५	—	—
३०.६×१४ ३	३४	११	३७	पूर्ण/४३२	—	—
२९×११	६	१२	४०	अपूर्ण/९०	—	—
२२×११	१५८	८	२४	पूर्ण/९४८	१७९२ वि० शाके १६५७	१० प्रकरणों में सटीक वेदान्त निरूपण
२२×११	५८	८	२६	पूर्ण/३७७	१७९२ स० (आषाढ कृष्ण पक्ष नवमी)	वेदान्तविषयक दस प्रकरणों में पूर्ण इस ग्रन्थ की टीका भी इसमें समुपलब्ध है
२४×१३	२४	१०	३०	पूर्ण/२२५	१७६५ वि० आश्विन सुदि ४ मंगलवार)	दश प्रकरणों में पूर्ण एवं सुचारु
२२×९ ७	१८	१४	४२	पूर्ण/३३०	—	सुचारु
३०×१३ ५	५०	११	४०	पूर्ण/६८७	१८३१ वि० (माघ सुद्धि ५ रविवार)	दस प्रकरणों में संस्कृतटीका सहित
२६×११ ५	२८	५	२४	पूर्ण/१०५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२२	२८९०/१५३०	रत्नमाला	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२२३	३४२२ १/१८२२ १	वज्रसूची	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४	१७१७/१११८	वाक्यवृत्तिप्रकाशिका	विश्वेश्वरानन्द	—	देसी कागज	नागरी
२२५	७१९०/४०५३	वाक्यवृत्तिसंग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२२६	११४४/८२६	वाक्य सुधा	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२२७	२६१५.१/१४६७	विज्ञप्ति	विठ्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२२८	२६१७ २/१४६७	विज्ञप्ति	विठ्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२२९	२६७६ १/१४८५	विज्ञप्ति	श्रीप्रभु (वल्लभाचार्य)	—	देसी कागज	नागरी
२३०	२८८८/१५३१	विज्ञप्ति (हिन्दी अर्थ सहित)	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३१	४२४४/१९८३	विवेकचूडामणि	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३२	३०८०.१०/१५९४	विवेकवैर्याश्रम	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३३	६०४५/३१७९	विशेषणविशेष्य टीका	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४	१८४७/१२४४	(वेदान्त ग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु०छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८ ५×१४	८	११	१६	पूर्ण/४४	—	—
२४×११	१०	११	३२	पूर्ण/११०	१८२४ वि०	—
३५×१४	३०	१६	६५	पूर्ण/६००	१९०४ वि०	—
३३ ५×१२ ७	२४	६	३२	अपूर्ण/१६८	—	—
२४ ५×१५ ५	८	७	२६	पूर्ण/११	—	—
२७×१६	१	८	३२	पूर्ण/८	—	—
१२×१५	३०	१२	३२	पूर्ण/९६०	१८३५ वि०	—
२७×१६	२	९	२४	अपूर्ण/१३.५	—	—
१७ ५×१४	९५	१३	१५	अपूर्ण/५७९	—	—
१५ ८×२० ३	१५४	१३	१०	पूर्ण/६२६	१९३९ वि०	जीर्ण
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	—
२४ ५×१० ५	४	९	४०	पूर्ण/४५	—	—
१९×१२	२०	१०	२४	अपूर्ण/१५०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३५	१६९१ १३ १/ १०९४.४	वेदान्त दशश्लोकी	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३६	३०९४/१५९५	वेदान्तरहस्य	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३७	५३४/४८०	वेदान्ततत्त्वसार	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३८	१३७२/८९७	वेदान्तसार टीका	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९	१५४९/९५९	वेदान्तसिद्धान्त	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४०	१०८७/८०७	वैशेषिक शास्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१	१३४०/८८५	शारीरिक मीमांसाभाष्य (सटीक)	शकराचार्य	गोविन्दानन्द स्वामी	देसी कागज	नागरी
२४२	१७४७/११४९	शारीरिक मीमांसाभाष्य	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४३	२७०४/१४९१	शारीरिक मीमांसाभाष्य (सटीक)	शकराचार्य	गोविन्दानन्द स्वामी	देसी कागज	नागरी
२४४	१४०२/९००	शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५	१५२१/९३६	शिवतत्त्वविवेक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६	२६७६ ४/१४८५	श्रावणएकादशी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४७	१५२ १/१४५	श्रीमद्रष्टान्त	कपिल (प्रोक्त)	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष निवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०×१०	२	८	२७	पूर्ण/१४	—	
२७×१२	३]	११	४०	पूर्ण/४१	—	
२३.५×१३	२१	११	२७	पूर्ण/१९५	१८८१ वि० (ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा)	पाँच प्रकरणों मे वेदान्ततत्त्व का निरूपण
२५×११	६९	११	३२	अपूर्ण/७५९	—	केवल टोका उपनिबद्ध
१७×११	८	५	१६	पूर्ण/२०	—	
२६×११.५	४०	५	२६	पूर्ण/२९७	—	
३३×१६	४५५	१४	५१	अपूर्ण/१०१५२	—	इसमे 'ब्रह्मसूत्र' के पथमाध्याय के तृतीय पाद से चतुर्थाध्याय के चतुर्थ पाद तक शाकरभाष्य तथा उस पर गोविन्दा- नन्द स्वामी की 'रत्नप्रभा' टीका है द्वितीय अध्याय के चतुर्थ पाद तक शाकरभाष्य सहित
२७×१४	१३४	१४	४८	अपूर्ण/२८८२	—	
२९.५×१५	५४	११	४०	पूर्ण/७४२	—	
२५×११	५२	१२	४८	अपूर्ण/९३६	—	
३३×११	३९६	७	४०	पूर्ण/३४६५	—	शिखरिणी छन्दो मे सटीक शिव- माहात्म्य, ग्रन्थकार तथा टीकाकार दोनों अज्ञात
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३ ५	—	
१७×११.७	२०	८	१६	अपूर्ण/८०	—	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४८	४३२४/२०१८	श्रीमद्वल्लभनामावली	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
२४९	४३२३/२०२२	श्रीविट्ठलेशाष्टोत्तरशत नामावली	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
२५०	१७८५ ५/११८६	षट्चक्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१	२३३३/१४०६	षट्चक्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२	२६२२ ७/१४६७	सन्यासनिर्णय	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२५३	३०८० १६/१५९४	सन्यासनिर्णय	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२५४	५९३४/३०९२	सप्तपदार्थी	शिवादित्य मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
२५५	६०२८/३१६२	सप्तपदार्थी	शिवादित्य मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
२५६	३३३१/१७२७	सत्यदर्शन	रम्मनजी	—	देसी कागज	नागरी
२५७	६२४७/३३६२	समासवाद	जयराम भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२५८	४३७५/२०३४	सर्वसिद्धान्त (सटीक)	—	राधारमणदास	देसी कागज	नागरी
२५९	१३०५/८७८	साख्यतत्त्वकौमुदी (सटीक)	ईश्वरकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
२६०	१९११/१०११/७८३	साख्यसूत्र	कपिल	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१३.५	९	१०	१५	पूर्ण/४२	१८७४ वि०	
१६×१३.५	११	१०	१४	पूर्ण/४८	१८७४ वि०	
२५×३०	१	९	३२	पूर्ण/९	—	
२३×१०	५	७	३२	पूर्ण/३५	—	
२७×१६	३	१२	३२	पूर्ण/३६	—	
१६×१०	९	६	१५	पूर्ण/२५	१८४९ वि०	
२४४×१०.६	१४	११	३२	पूर्ण/१५४	१७२१ वि०	
२५५×१०.८	७	१५	६४	पूर्ण/२१०	१६१७ वि० (भाद्रपद कृष्ण ५)	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१२×१६.५	२०	८	११	पूर्ण/५५	—	
२५१×१०.४	२५	१२	४०	पूर्ण/३४५	—	शब्दशक्ति के प्रसंग में न्यायशास्त्र के अन्तर्गत व्याकरण विषय का दार्शनिक पद्धति से विवेचन
३१५×१६.६	२७७	१५	५२	अपूर्ण/७२८८	—	सभी भारतीय दर्शनों का सार संक्षेप में वर्णित है। प्रथम तीन पत्र खण्डित हैं। साथ में 'तत्त्वप्रकाशिका' नामक टीका भी है
२८×१२	४२	१०	४८	अपूर्ण/६३०	—	
२६×११	६६	५	२४	पूर्ण/२४६	—	महर्षि कपिल प्रणीत प्रसिद्ध 'सांख्यसूत्र' मूल रूप में समुपलब्ध है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६१	३०८० १२/१५९४	सिद्धान्तचतु श्लोकी	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६२	२०६/१९७	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६३	२६२२ २/१४६७	सिद्धान्तमुक्तावली	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६४	२७५२/१५०१	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६५	३०८० ४/१५९४	सिद्धान्तमुक्तावली	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६६	३७१४/१८८१	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६७	६९१८/३९०७	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६८	२४६६/१४३३	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६९	२५४७/१४५०	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७०	३०८० ७/१५९४	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७१	३७३८ ५/१९०४ १	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७२	२५०२ २/१४४४	सिद्धान्तविन्दु	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७३	२६७६ ५/१४८५	सूक्तसारिणी	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	—
२५×११.५	६	९	३२	अपूर्ण/५४	—	—
२७×१६	२	१२	२४	पूर्ण/१८	—	—
२६×११३	१०४	११	३५	अपूर्ण/१२५१	—	—
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/२३	१८४९ वि०	—
२३.८×११	१४१	११	३२	अपूर्ण/१५५१	—	—
२५×११	१०९	११	२०	पूर्ण/७४९	—	—
१७×२९	२	१०	२०	पूर्ण/९	—	—
१५.७×१०.५	४	८	१६	पूर्ण/१६	—	—
१६×१०	५	६	१५	पूर्ण/१४	१८४९ वि०	—
२१×१७	३	९	१६	पूर्ण/१३	—	—
२३.५×१२.५	१	१०	५२	पूर्ण/१६	—	—
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३.५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७४	३०८०/१८	सेवाफल	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७५	२६२१.१/१४६७	सेवाफल	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७६	१३३८/८८५	हठप्रदीपिका	आत्माराम	—	देसी कागज	नागरी
२७७	२९५०/१५५३	हेत्वाभास	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/पूर्ण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	पाँच अध्यायो के पूर्ण ग्रन्थ मे हठयोग की शिक्षाओं का संक्षेप मे प्रतिपादन किया गया है
२७×१६	२	१२	३२	अपूर्ण/२४	—	
३२४×१६-३	१२	२१	६४	पूर्ण/५०४	१८७५ वि०	
३२×१३.३	१०	११	३६	पूर्ण/१२३		

उपनिषद् : गीता

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७८	१७५३/११५४	अर्जुनगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
२७९	६४५१/३५४०	अर्जुनगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०	३३८९/१७८०	अल्लोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२८१	२८६३/१५२८	अवधूतगीता	दत्तात्रेय	—	देसी कागज	नागरी
२८२	३०९४/१५९६	अवधूतगीता	दत्तात्रेय	—	देसी कागज	नागरी
२८३	३२७७/१६५२	अवधूतगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४	५९२५/३०८५	आत्मबोधोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५	२७१३/१४९२	ईशावास्योपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६	३०६३/१५८९	ईशावास्योपनिषद्	—	निश्चलदास साधु	देसी कागज	नागरी
२८७	३०६५/१५८९	ईशावास्योपनिषद्	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२८८	३२२३/१६३१	ईशोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९	३५८४ १/१८५५ १	ईशोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९०	३५८४ ३/१८५५ १	ईशोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×१०	१२	७	२४	अपूर्ण/६३	—	
१४×१२	९	८	१०	पूर्ण/२२	१९४० वि० (कार्तिक वदि २)	
४८×१२	१	२८	१२	पूर्ण/१० ५	—	
३०×१३	४०	९	३६	पूर्ण/४०५	१९२४ वि०	
२२ ५×१६	३०८	५	१०	पूर्ण/४८१	१९२० वि० (श्रावण कृष्ण १३)	
२२×१० ६	५०	९	२४	पूर्ण/३३७	१७८० वि० (भाद्र शुक्ल ७)	
२०×१० ४	३	७	२४	पूर्ण/१५	—	
२१ ५×१४	५	५	१०	पूर्ण/८	—	
१६×३२	७५	८	१७	पूर्ण/३१९	१९१७ वि०	निश्चलदास की तथा प्रज्ञानन्द की टिप्पणी से अलकृत 'ईशावास्योपनिषद्' प्रतिपादित है
१६×१२	२८	८	१५	पूर्ण/ १०५	१९१७ वि०	एक अज्ञातकर्तृक टीका से युक्त 'ईशावास्योपनिषद्' प्रतिपादित है
३३×२०	१४	८	३२	पूर्ण/११२	१९१९ वि०	संस्कृत टीका सहित
२१×११.३	३	१०	३१	पूर्ण/२६	—	—
२१×११ ३	४	१०	२०	पूर्ण/२५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९१	५९३६/३०९४	उपनिषत्संग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२	३२२९/१६३१	ऐतरेयोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९३	३००२/१५६८	कठोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९४	१७३०/११३१	कालाग्निरुद्रोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९५	२३९४/१४०९	कालाग्निरुद्रोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९६	३८६४/१८१९	कालाग्निरुद्रोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९७	५०९/५००/४५८	कालिकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९८	१७७१/११७२	कालिकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९९	३००३/१५६८	केनोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३००	६५७४/३६२५	कौलोपनिषद्भाष्य	भासुरानन्दनाथ	—	देसी कागज	नागरी
३०१	६०१७/३१५३	गणेशतापिनी	—	—	देसी कागज	नागरी
३०२	११४८/८२८	गीतागूढार्थदीपिका	मधुसूदन सरस्वती	—	देसी कागज	नागरी
३०३	४१५४/१९५४	गीताभाष्य	—	शकराचार्य (परमहंस शकर भगवान)	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९ ८×१० २	२५	८	२८	पूर्ण/१७५	—	—
३३×२०	१३	८	३२	पूर्ण/१०४	—	आत्मज्ञानविवेचक महत्त्वपूर्ण उपनिषद् सम्पूर्ण
३२×२०	२३	९	२२	पूर्ण/१४२	१९१८ वि०	आत्मस्वरूपनिरूपण
२०×१०	४	८	३२	अपूर्ण/३२	—	—
२०×८	१६	५	२८	पूर्ण/७०	—	—
२३×१३	६	१०	३२	पूर्ण/६०	—	—
१८×११	११	७	१६	पूर्ण/३७ ५	१८८० वि० १७४५ गाके	—
२२×११.	५	८	२०	पूर्ण/२५	१९५९ वि०	—
३२×२०	७	९	३०	पूर्ण/५९	—	ब्रह्ममहिमानिरूपण
१९५×१०	१८	९	२०	पूर्ण/१०१	—	कुछ शैवतन्त्र से सम्बद्ध 'कौलोपनिषद्' पर भासुरानन्दनाथ-विरचित भाष्य
१९ ८×१०.३	१८	७	२८	पूर्ण/१००	—	—
२७५×११.५	१०३४	११	३६	पूर्ण/१२७९६	१६४६ वि० (भाद्री वदि ८ बुधवासरे)	सम्पूर्ण गीता पर मधुसूदनी टीका, लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२७×१२ ५	३६२	११	२०	पूर्ण/२४८९	—	शंकरभाष्यसहित सम्पूर्ण गीता

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३०४	२४०६/१४२१	गीतासार	—	—	देसी कागज	नागरी
३०५	९१६/९३३/७६८	गुरुगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३०६	३३२३/१७२९	गुरुगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३०७	८९८/९१५/७६४	गुरुगीतामाला	—	—	देसी कागज	नागरी
३०८	३००५/१५६८	छान्दोग्योपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३०९	३५८९/१८५५ १	ज्ञानगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३१०	३५८४ २/१८५५ १	तलवकारोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३११	३००८/१५६८	तैत्तिरीयोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१२	६२८७/३३८९	त्रिपुरोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१३	७६३६/४२८६	त्रिपुरोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१४	१६२९/१०३३	देवीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३१५	३०१० १/१५७२	नारदगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३१६	१७५५/१५५६	नारायणउपनिषद् टीका	—	शकरानन्द	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×८ ५	१५	७	२०	पूर्ण/६५	—	सुचारु
१७×१३	३६	१०	१८	पूर्ण/२०२	१९०९ वि० (फाल्गुन)	
१६×१० ५	५६	६	१०	पूर्ण/१०५	—	
२४ ५×१२ ५	१७	११	३४	पूर्ण/१३६	१८४२ वि०	
३२×२०	१८१	९	२०	पूर्ण/१०१८	१९१७ वि०	ब्रह्मनिरूपण
१८.२×१० २	५	९	२१	पूर्ण/३०	—	
२१×११ ३	१	८	२९	अपूर्ण/७	—	
३२×२०	२५	११	२५	पूर्ण/२४९	१९१७ वि०	शिक्षोपदेश, ब्रह्मोपदेश तथा अन्य विविधोपदेश
२०×१० ५	५	७	२०	पूर्ण/२२	—	—
२०×११	१२१	९	१५	पूर्ण/४७९	१८७४ वि० (वैशाख शुक्ल १४)	—
२१×११	५८	७	२७	अपूर्ण/३४२	—	—
१६×१०	३	८	१६	अपूर्ण/१२	—	—
२४×१४	६	१०	३२	अपूर्ण/६०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३१७	३०९५/१५९५	निरालकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१८	५९७९/३१२२	नीलरुद्रोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१९	६४१८/३५१७	नृसिंहोत्तरतापिन्युपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३२०	३६/३१	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२१	२४९/२३८	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२२	४१४/३७५	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२३	४२२/३८१	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२४	५१२/५०३/४६१	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२५	५१०/५१९/४६८	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२६	१५४८/९५८	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२७	२८७९/१५३०	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२८	३०७८ ९/१५९३	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३२९	३३९१/१७८१	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७×१२	४	११	४०	अपूर्ण/५५	—	—
१९८×१०३	५	७	२८	पूर्ण/३०	—	—
२०×१०५	७९	७	२०	पूर्ण/३४५	—	—
१७६×१०८	३३	७	१६	पूर्ण/११५	१८६८ वि० (वैशाख सुदि ९ सोमवार)	—
१२×२१	२१	१८	१३	पूर्ण/१५४	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्लपक्षे तिथी ४ बुधवासरे)	—
१४×८	३०	७	२०	पूर्ण/१९७	—	—
१७×९	३२	६	१८	पूर्ण/१०९	—	—
१९×१०	१३	१०	२४	पूर्ण/९७ ५	—	—
१५ ५×९ ५	३३	६	२०	पूर्ण/१२४	—	—
२३×११	२४	६	२४	पूर्ण/१०८	१८९३ वि०	—
१८५×१४	२०	११	१६	पूर्ण/११०	—	—
१० २×६ ६	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१२×८ ५	५४	६	१	पूर्ण/१२२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३३०	४३१२/२०१७	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३१	७३९५/४१८४	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३२	३००४/१५६८	प्रश्नोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३३३	३४१५ १/१८१५/१	प्रश्नोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३३४	३००६/१५६८	बृहदारण्यकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३३५	१८२८/१२२८	ब्रह्मगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३६	शो केस	भगवद्गीता (गोलाकार)	—	—	देसी कागज	नागरी
३३७	५६८/५७८/५२४	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३८	७९८/८१४/७१८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३९	८२६/८४२/७३६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४०	९१३/९३०/७६७	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४१	१०२०/७९४	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४२	१२२३/८५४	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१० ५×८ ५	५२	६	१०	पूर्ण/९७	—	
१२×८ ५	३७	६	१६	पूर्ण/११३	—	
३२×२०	१४	११	२५	पूर्ण/१२	१९१७ वि०	ब्रह्मज्ञान निरूपण
२५×१२	८	७	३२	अपूर्ण/५६	—	
३२×२०	२२६	९	१८	पूर्ण/११४४	१९१८ वि०	आत्मा एव ब्रह्म के स्वरूप का विवेचन
२६ ५×१६	२५७	५ (पत्र सख्या २ से १० तक ८ पक्ति)	२९	अपूर्ण/११६५		
२६ ५×२६ ५	१	—	—	पूर्ण	नागरी	
१५ ५×९	५४	१०	२४	अपूर्ण/५१०	—	
१६ ५×१०	१७६	७	२४	पूर्ण/९२४	१८२८ वि० (ज्येष्ठ)	
१५.५×६	३१०	७	१८	पूर्ण/८६४	१७९० वि० (८ पौष मासे शुक्ल पक्षे)	
२२×१२ ५	९७	११	२६	पूर्ण/८६७	—	
२८×१२	९८	८	२९	पूर्ण/७१०	१७२७ वि० (पौष मासे तिथी ११)	सम्पूर्ण गीता मूलमात्र
३०×१५	१८२	१६	४८	पूर्ण/४३९२	१७५० वि०	पाञ्चौलाचार्य की टीका के साथ सम्पूर्ण गीता, केवल प्रथम दो श्लोको से खण्डित

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३४३	१२२४/८५४	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी कृत सुबोधिनी टीका	देसी कागज	नागरी
३४४	१५६१/९७१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४५	१८३१/१२३१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४६	२४४२/१४३१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४७	२५६०/१४५६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४८	२६५२/१४७७	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४९	२६५५/१४७९	भगवद्गीता	—	स्वामी प्रज्ञानानन्द सरस्वती	देसी कागज	नागरी
३५०	२७१४/१४९२	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३५१	२७१४ १/१४९२	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३५२	२७५९/१५०४	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३५३	२७६३/१५०६	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३५४	२७३१/१५२१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३५५	२८६५/१५२८	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी कृत सुबोधिनी टीका	देसी कागज	नागरी

आकार (सें.मी.)	पृ.सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३१×१६	२४६	१०	४८	पूर्ण/३६९०	१८८८ वि०	श्रीधर स्वामी की मुद्रोविनी व्याख्या सहित
१७ ८×११.२	१६	६	१६	पूर्ण/४८	—	दशम अध्याय
१४×१२	१६६	१०	१६	पूर्ण/८३०	१८८६ वि०	
२१ ३×९.७	११४	८	२४	अपूर्ण/६८४	—	
२२×१० ५	९	८	२९	पूर्ण/ ६५	—	दशम अध्याय
१९ ७×९.८	७४	८	२४	अपूर्ण/४४७	—	
१६ ३/२०.५	२१२	११	१२	पूर्ण/८७५	१९७१ वि०	मटिप्पण
२०×१५	४२६	७	८	अपूर्ण/७४५	१९१७ वि०	
२१ ५×१४	३८	८	२०	अपूर्ण/१९०	—	प्रथम अध्याय, मटीक
२८×१२	२२९	१२	३०	अपूर्ण/२५७६	—	प्रसिद्ध श्रीधरी टीका सहित, जीर्ण
३१×१६	७६	११	३२	अपूर्ण/७६	१९६० वि० (वैशाख मुदी ११ गुरुवार)	श्रीधरी टीका सहित गीता, बीच में १९ में ११० तक के पत्र खण्डित
१३ ५/×७.८	५३०	४	१२	अपूर्ण/७९५	—	
३०×१६	२१८	१२	४०	अपूर्ण/३२७०	—	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३५६	२९९३/१५६६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३५७	३०२६/१५७७	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३५८	३०४५/१५८२	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३५९	३०४८/१५८३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६०	३०६४/१५८९	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६१	३०७९/१५९३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६२	३१०१/१६००	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६३	३१०७/१६०१	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६४	३१३४/१६१३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६५	३२०० १/१६२५	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६६	३२२६/१६३१	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६७	३२६४/१६४९	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६८	३२७६/१६५२	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५ ५×१०	३०६	६	१४	पूर्ण/८०३	—	सुचारु
११×९	२४४	७	१२	अपूर्ण/६४०	—	—
११ ५×९ ५	२७१	७	१५ औसत	पूर्ण/८५८	१९४४ वि०	—
१५×१२.५	११९	११	१५	अपूर्ण/६१३	१८३२ वि० (फाल्गुनकृष्ण अमावस्या सोमवार)	
११.८×७ ५	२९६	६	१५	पूर्ण/८३३	—	
१३ ३×५ ७	२००	५	२०	अपूर्ण/६२५	—	
३३×१४	२७५	१०	३६	पूर्ण/३०९३	१७६० वि० (पौष शुक्ल ५ सोमवार)	गीता पर श्रीधर स्वामी की टीका का गुजराती अनुवाद
२७×१३	१८८	११	४०	अपूर्ण/२५८५	—	द्वादश अध्याय तक सुबोधनी टीका सहित
२७×११	२४	८	२०	अपूर्ण/१२०		
३३×१६ २	२४७	११	४४	पूर्ण/३७४०	१८८२ वि० (भाद्रपद कृष्ण १३)	श्रीधर स्वामी कृत सुबोधनी टीका सहित सम्पूर्ण गीता प्रतिपादित है
३३×२०	४२८	१०	२४	पूर्ण/३२२०	—	श्रीधरी टीका सहित सम्पूर्ण ग्रन्थ
११ ५×७	३४२	६	१४	अपूर्ण/८९७	—	—
१८×९	८५	८	३२	पूर्ण/६८०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३६९	३३०५/१७०३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७०	३४०८/१७९४	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३७१	३४०८ १/१८०८ १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७२	३४८२ १/१८३० १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७३	३४८४/१८३० १	भगवद्गीता	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
३७४	३५४८/१८४६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७५	३६११/१८५९ १	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३७६	३८१० २/१९३९ १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७७	४०८७/१९४१	भगवद्गीता	—	बालकृष्ण दास	देसी कागज	नागरी
३७८	४२४६/१९८५	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७९	४२४७ १/१९८६ १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८०	३९०१ १/१९९१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८१	३९२२ १/२००८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५ ५×९	३६	५	१०	अपूर्ण/५६	—	—
१९×१५	३०९	१५ (अनि- यमित)	२९	अपूर्ण/४२००	—	सटीक
२२×११	५२	८	२८	अपूर्ण/३६४	—	—
२०×१६	२८	७	९	अपूर्ण/५५	—	—
२८ ७×२०	२०	११	३० औसत	पूर्ण/२०६	—	भाषाटीका
१४ ७×९ ४	२०१	७	२०	पूर्ण/८७९	—	—
२६ ६×१३ ३	९२	१२	४०	अपूर्ण/१२८०	—	सटीक
२० ७×१० ७	६२	८	२४	अपूर्ण/३७२	—	—
३७×१९ ५	३६०	१५	२०	अपूर्ण/३३७५	—	निम्बार्क मतानुयायी श्री बालकृष्ण दास कृत टीका सहित अट्ठारहवें अध्याय के ६६वें श्लोक तक प्राप्त।
१२×७	२४५	६	१०	पूर्ण/४६०	—	—
२० ५×१४	२४५	७	१०	पूर्ण/४६०	—	—
१८ ५×१०.८	५०	८	२०	अपूर्ण/२५०	—	—
२२×११	४४	११	३२	अपूर्ण/४८४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३८२	४३३१/२०२१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८३	४३३४/२०२१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८४	६०११/३१४७	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८५	६४०६/३५०५	भगवद्गीता	—	राकेस ? (वीकानेर)	देसी कागज	नागरी
३८६	६५२२/३६०६	भगवद्गीता -	—	—	देसी कागज	नागरी
३८७	६५३९/३६१४ २	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८८	६५४०/३६१४ ३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८९	६५५१/३६१४ ९	भगवद्गीता -	—	—	देसी कागज	नागरी
३९०	६९६७/३९१९	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९१	७१४७/४०२३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९२	७३३५/४१४८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९३	७३८८/४१७८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९४	७५७६/४२५२	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ ५×११	२२४	८	१०	पूर्ण/५६०	१८८६ वि० (चैत्र कृष्ण तृतीया)	—
१५५.×११ ५	३०६	७	१०	पूर्ण/६६९	—	—
१२ ६×१०.३	१८४	७	२०	पूर्ण/८०५	—	—
२६×११	८५	१४	३०	पूर्ण/१११५	१९२५ वि० (फाल्गुन वदि ५ गुरुवार)	सटीक सम्पूर्ण गीता का दोहो मे पद्यानुवाद
२३.५×१० ५	१५७	६	२०	पूर्ण/५८९	—	—
१८×१० ५	१६६	६	१५	अपूर्ण/४६७	१७२६ वि०	—
१०×७	१२८	६	२०	पूर्ण/४८०	११७७ स०	—
२०×११	१२	९	२०	अपूर्ण/६७५	—	—
२४×१५.५	५८	१२	२०	अपूर्ण/ ४३५	—	सटीक
२० ५×१०.५	१४८	७	१५	पूर्ण/४८५	—	—
२२ २×१० ५	१३५	७	२५	पूर्ण/७३८	—	—
१४.५×८ २	३६	४	९	अपूर्ण/४६	—	—
२१×९ १	१२६	९	२४	पूर्ण/८५०	१८१२ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३९५	७५९१/४२६१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९६	३७८५ १/१९३०.१	भावनोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३९७	२९९९/१५६८	माण्डूक्योपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३९८	५८८६/३०५३	माण्डूक्योपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३९९	३२२२/१६३१	मुक्तिकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४००	३००१/१५६८	मुण्डकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४०१	३४१४.१/१८१४ १	मुण्डकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४०२	३५८४/१८५५ १	मुण्डकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४०३	२६१४/१४३६	रामगीता	—	महीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४०४	६४२१/३५२०	रामगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४०५	२३/२७	रामचन्द्रोत्तरतापवीयो- पनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४०६	५९९३/३१९९	रामतापनी	—	—	देसी कागज	नागरी
४०७	३३३५/१७३१	रामतापनी उपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८.७ × १० ६	१५	८	१८	अपूर्ण/६८	—	—
१७ × ९	६	९	१५	पूर्ण/२५	—	—
३२ × २०	८	९	२०	पूर्ण/४५	१९१८ वि०	जाग्रत-स्वप्नादि अवस्थाओ तथा प्रणव आदि का विवेचन
१९.८ × १० ८	८	८	३०	पूर्ण/६०	—	—
३३ × २०	३८	८	१८	पूर्ण/१७१	१९१७ वि०	—
३२ × २०	११	११	२५	पूर्ण/९४	१९१७ वि०	सप्रपञ्च ब्रह्मनिरूपण
२५ × ११	९	७	३२	अपूर्ण/६३	—	—
२१ × ११.३	२	१०	२९	पूर्ण/१८	—	—
१९ × १२	६०	८	२०	पूर्ण/३००	—	ग्रन्थ सटीक है
१३ × १० ५	२५	७	१५	पूर्ण/८२	—	—
२४ × १०	१५	७	३६	पूर्ण/१०१	—	—
१९.८ × १० ३	३३	७	२४	पूर्ण/१७३	—	—
२६.५ × ११ ५	१८	८	३३	अपूर्ण/१४९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४०८	१६७५/१०७९	रुद्राक्ष उपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४०९	२७०७/१४९१	वज्रसूचिकोपनिषद्	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
४१०	१६०७/१०१२	शिवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४११	४२६२/२००२	शिवगीता	—	वैकटाद्रिनायक	देसी कागज	नागरी
४१२	४५६/४४७/४१५	श्यामोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४१३	३४८३/१८३० १	श्रुतिगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४१४	१०३/९५	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४१५	२५१ १/२३८	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४१६	२६४/२४८	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४१७	२८३/३६१	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४१८	४१६ १/३७५	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४१९	५७२/५८२/५२६	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२०	९२५/९४२ ३/७६८	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७ ५×१२	९	१०	३२	पूर्ण/९०	—	रुद्राक्ष विषयक विस्तृत ज्ञान देनेवाली उपनिषद्, सुचारु
२८ ५×१४.५	६	१२	४०	पूर्ण/९०	—	—
२५×११	७७	८	३०	अपूर्ण/५७७	—	—
३४×१७ ५	२४०	११	३०	पूर्ण/२४७५	१८९१ वि०	पद्मपुराण मे निरूपित शिवराघवसंवाद- रूप १६ अध्यायो की शिवगीता, साथ मे वैकुण्ठनायककृत टीका भी
२०.५/×११	५	८	२०	पूर्ण/२५	१८९९ वि०	—
२० ५×१७	५६	९	१४	पूर्ण/२२१	—	—
२१×११ ५	२	९	१७	पूर्ण/९	—	—
१२×२१	२	१८	१३	पूर्ण/१४	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्लपक्षे तिथी ४ बुधवासरे)	—
१२.५×८.५	३	७	१६	अपूर्ण/१०	—	—
१७×११	३	८	१६	पूर्ण/१२	१९२६ वि० (जेष्ठ शुक्ल ७ बुध)	—
१४×८	४	७	२०	पूर्ण/१७	—	—
१७×१२	४	७	१८	पूर्ण/१६	—	—
१५×११.५	३	८	१६	पूर्ण/१२	—	—

संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४२१	२८८७/१५३०	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरं
४२२	३०७८.१/१५९३	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२३	३३१५/१७११	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२४	३३९४.१/१७८१	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२५	३५९१/१८५५ १	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२६	३८९२ ७/१९४० १	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२७	४२४६ ४/१९५५	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२८	३८४३ १/१९६० १	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२९	३९५७.२/२०१७.१	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४३०	४३३७/२०२२	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४३१	२३४/५३८	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४३२	३२१४/१६२६	सर्वसारोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४३३	३२४/१६३१	सर्वोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४३४	३६३७ ३/२०१०.१	सुन्दरतापिनी उपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८ ५×१४	३	१०	१६	पूर्ण/१५	—	—
१० २×६ ६	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	—
१७ ३×९	४	५	१८	पूर्ण/११	१८७७ वि० (वैशाख शुक्ल १५)	—
१२×८ ५	५	६	१२	पूर्ण/११	—	—
१६×९ ३	३	८	१९	पूर्ण/१४	—	—
१६ ८×२१	६	१२	१०	अपूर्ण/२२	—	—
१५ ८×१३	४	६	१५	पूर्ण/११	—	—
१२×६	४	५	१६	पूर्ण/१०	—	—
१३×१०	३	७	१०	पूर्ण/८	—	—
१६×११	३	८	१७	पूर्ण/१३	—	—
१३.४×७ ८	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	—
२१×९ ५	११	५	२४	पूर्ण/४१	१९१२ वि०	—
३३×२०	८	८	२०	अपूर्ण/४०	१९१७ वि०	—
२२×१३	८	१६	३२	पूर्ण/१२८	—	—

पुराण : इतिहास

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४३५	१३५५/८६२	अग्निपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४३६	१३५६/८६२	अग्निपुराणसूची	चन्द्र शेखर	—	देसी कागज	नागरी
४३७	२४७७/१४३६	इतिहाससमुच्चय	—	—	देसी कागज	नागरी
४३८	३२८८.२/१६५६	इतिहाससमुच्चय	—	—	देसी कागज	नागरी
४३९	३७०१/१८७७	इतिहास समुच्चय	—	—	देसी कागज	नागरी
४४०	५७०.४/५८०.५२६	एकश्लोकीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४४१	३०७८.४/१५६३	एकश्लोकीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४४२	३८६२.२/१६४०.१	एकश्लोकीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४४३	१३१६/८८१	कल्किपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४४	१२५०/८६३	कालिकापुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४५	४०७९.४२/१६३६	क्षत्रियगोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
४४६	१०१३/७६१	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४७	१२४८/८३२	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३५×१८	८७३	११	३१	पूर्ण/११३३७	१६३५ वि०	अग्निपुराण संस्कृत का विश्वकोष-सा है। इसमें संस्कृत वाङ्मय के सभी विषय समृद्धित हैं। ग्रन्थपूर्ण प्राप्त है आठ पत्रों में अग्निपुराण की विषय सूची दी गई है। यह अग्निपुराण के अध्ययन में सहायक ग्रन्थ है
३४×१८	१५	—	—	पूर्ण/	—	—
२६×१२ ५	१५०	११	३२	अपूर्ण/१६५०	—	—
२२.८×१५ २	५२	१२	२०	अपूर्ण/३६०	—	—
२६×१५ ५	७८	१२	२०	अपूर्ण/५८५	—	—
१७×१२	२	५	१६	पूर्ण/५	—	—
१०.२×६ ६	३	६	१६	पूर्ण/६	—	—
१६ ८×२१	२	१३	१०	पूर्ण/८	—	—
२३×१४	१२१	१०	४८	पूर्ण/१८१५	१९२४ वि०	—
३४×१७.५	६२६	११	१५	पूर्ण/७५३२	—	अस्सी अध्यायों में पूर्ण इस पुराण में कालिकामाहात्म्य तथा अन्य आनुषंगिक राजनीति, सदाचारादि का भी वर्णन किया गया है
२५×३०	२	३२	४०	अपूर्ण/८०	—	—
२६.५×१६	८५	१०	२४	अपूर्ण/६३७	—	—
३०×१६	९६	१२	३२	पूर्ण/११५२	१६६७ वि०	३३ अध्यायों में प्रेतकल्प विषय प्रतिपादित है। लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४४८	१२६४/८६६	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४९	१४७३/९४१	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५०	२४२३/१४२७	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५१	२८५६/१५२७	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५२	२४१६/१/१८१६.१	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५३	६८७५/३८९३	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५४	७३७५/४१७८	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५५	१३५१/२१२७	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५६	४०/३५	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५७	१०३.१/६५	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५८	२५१/२३८	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५९	२६३/२४८	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६०	३३६४/१७८१	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३३×१६ ५	१०८	१५	१६	अपूर्ण/१३१७	—	—
३०×१२	११८	९	४०	पूर्ण/१२३२.५	१८६६ वि०	—
२६×१३.५	१०६	११	४०	पूर्ण/१४५७ ५	१८३२ वि० (शाके १६९६)	—
२७×१२ ५	१११	१०	३८	पूर्ण/१३१८	१८०५ वि०	—
२४×१३	३२	१०	२७	अपूर्ण/२७०	—	—
३१×१५	१४९	१२	३०	पूर्ण/१६७६	१८८९ वि० (फाल्गुन सुदि २)	—
२४ ६×१३	६	१०	३०	अपूर्ण/५६	—	—
१३ ४×७.८	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१६×१० ३	३	७	१६	पूर्ण/१०	—	—
२१×११ ५	२	९	३०	पूर्ण/१७	—	—
१२×२१	२	१८	१३	पूर्ण/१४	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्ल पक्षे त्रिथी ४ बुधवासरे)	—
१२ ५×८ ५	३	७	१७	अपूर्ण/११	१८१६ वि० (३वदि मंगलवार)	—
१२×८.५	४	६	१२	पूर्ण/९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४६१	६२५/६४२.८/७६८	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६२	२७७१/१५०८	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६३	२८८६/१५३०	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६४	३०७८.२/१५९३	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६५	३८४२ २/१६६० १	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६६	४०७६ ४१/१६३६	चित्रगुप्तवशावली	—	—	देसी कागज	नागरी
४६७	१२७६/८७२	देवीभागवत	—	नीलकण्ठ	देसी कागज	नागरी
४६८	१३११/६०७	देवीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६९	१३५३/६२२	देवीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४७०	१४७७/९२४	देवीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४७१	१७६८/११६६	पद्मपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४७२	२४७५/१४३९	पद्मपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४७३	१३५७/८६३	ब्रह्मवैवर्तपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×११.५	३	८	१६	पूर्ण/१२	१६०६ (मीति ज्येष्ठ १ बुधवार)	—
१६ ५×१० २	१२	३	८	पूर्ण/९	—	—
१८ ५×१४	२	१०	१६	पूर्ण/१०	—	—
१० २×६ ६	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१२×६	१	५	१६	अपूर्ण/२ ५	१८७६ वि०	—
२५×३०	१	८	४०	अपूर्ण/१०	—	—
३५×१८	५७३	१८	४५	पूर्ण/१४५०२	—	१२ स्कन्धो मे पूर्ण देवी के विराट् स्वरूप एवं महान् चरित का गान करने वाला पुराण है । साथ मे नीलकण्ठ की तिलकाख्य व्याख्या भी है
३४×१७	६६०	१३	४८	अपूर्ण/१९३०५	—	—
३५×३८	२९६	१०	४०	पूर्ण/३७००	—	सप्तमस्कन्ध तक नीलकण्ठविरचित तिलक-टीका सहित
३५ ६×१८ २	२९	१२	४८	अपूर्ण/५२२	—	सटीक
३०×१५	७९	१३	३०	अपूर्ण/६६३	१८६६ वि० (सावन पु०)	—
३०×१६	३८६	११	४०	पूर्ण/५०३०८	१८९९ वि०	६८ अध्यायो मे पूर्ण पद्मपुराण उप- निबद्ध है
४२×१६	५६८	१०	६८	पूर्ण/११६९५	१८९१ वि०	१३२ अध्यायो का एक प्रसिद्ध विष्णु- परक पुराण है । ग्रन्थ दीमक लग जाने से जीर्ण हो गया है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४७४	२४५०/१४३३	भविष्यपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४७५	७०३१/३९६३	भविष्योत्तरपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४७६	(श्री केस)	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४७७	१२५९/८६७	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४७८	१२७५/८७१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४७९	१३३९/८८५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८०	१५०२१/९३०	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८१	२५०३/१४४४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८२	२९७३/१५५६	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८३	३१६४.६/१६१९	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८४	३१८६/१६२३	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८५	३२०३/१६२	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३० × १५	१४	२०	३८	अपूर्ण/३३३	—	
२५ × १०	२३८	११	२०	अपूर्ण/ १६३६	—	
२०७० × १४५	१	—	—	पूर्ण/कुण्डल्याकार	१८वीं शती	सचित्र
३१ × १५	२०८४	८	४०	अपूर्ण/२०८४०	१८६९ वि०	सटीक
३७ × २०	३८२	११	४३	अपूर्ण/५६४६	—	नारद और महादेव-सम्वाद के माध्यम से देवीमाहात्म्य का प्रतिपादन ८१ अध्यायो मे किया गया है। यह एक नूतन कृति-सी प्रतीत होती है—यह न तो प्रसिद्ध श्रीमद्भागवत है और न देवीपुराण ही
३५ × १५ ४	३८	१०	३६	अपूर्ण/४२१	—	
३२ × १४	२७	१४	४८	अपूर्ण/५६७	—	
२९ ५ × १३	४५२	१२	४६	अपूर्ण/७७९७	—	
३० × १६.५	९५४	१३	४१	अपूर्ण/१५८९	—	श्रीधरस्वामीकृत टीका सहित भागवत-पुराण के प्रथम पाँच स्कन्ध प्रतिपादित हैं—द्वितीय स्कन्ध भी खण्डित है।
३७ ४ × १७ ३	३६	१५	५२	अपूर्ण/८७७	—	दशम स्कन्ध का सटीक, ८७वाँ अध्याय पूर्ण एवं ८८वें के केवल पाँच श्लोक
२५ २ × ११	१६८	१०	३६	अपूर्ण/११००	—	—
३४ × १५ ५	१२९५	१४	५०	अपूर्ण/२८३२८	१८३७ वि० १७०२ शक	इसमे भागवत पुराण के छठे से १२वें स्कन्ध तक के अंश सगृहीत है। साथ मे श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' टीका भी है

क्रमसं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४८६	३५३४/१८४१.१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८७	३९६५/१९२५	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८८	४३११ १/२०१६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८९	६८९६/३८९६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९०	६९९६/३९४५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९१	७१३२/४००९	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९२	७३१६/४१३६	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९३	७३१६.१/४१३६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९४	७३५२/४१६३	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९५	३८१४ १/१९४१ १	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९६	३४५५ १/१८२७	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
४९७	३५२८/१८३९ १	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९८	२३४२/१४०९	भागवत	—	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३६×१८ ४	३५६	१४	४८	पूर्ण/७४७६	—	श्रीधरस्वामीकृत 'भावार्थदीपिका' टीका- सहित भागवतपुराण का नवम एव दशम स्कन्ध मात्र
३२×१६	१३१३	११	२०	पूर्ण/९०२७	—	प्रथम से नवम स्कन्ध तक 'भावार्थ- दीपिका' टीका-सहित
१७×१०.७	१६	८	२०	पूर्ण/८०	—	—
२३×१५	९४	११	२०	अपूर्ण/६४६	—	—
२६×१५	३०	११	३०	अपूर्ण/३०६	—	—
३३×१६	३१६	१४	३०	अपूर्ण/४१४७	—	सटीक
३६.५×११.५	२५८०	१३	४८	अपूर्ण/५०४४०	१८७६ वि० (वैशाखशुक्ल ५)	सटीक
३७.५×१८.५	१०८४	१२	२०	पूर्ण/१३७५५	—	सटीक
४०×१७	२५४	१२	५४	पूर्ण/५१४८	—	—
२४ ७×१०.९	३६	१०	३६	अपूर्ण/४०५	१६६९ वि०	प्रथम स्कन्ध । लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
३५×१७	३१	१३	५४	अपूर्ण/६८०	—	द्वितीय स्कन्ध, सटीक
३४×१७	२५	१३	४०	अपूर्ण/४०६	—	द्वितीय स्कन्ध, सटीक
३४.५×१७ ५	२१५	१२	५०	पूर्ण/४०३१	१८१७ वि०	श्रीधरीव्याख्या सहित 'श्रीमद्भागवत पुराण' का तृतीय स्कन्ध है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४९९	२५८३/१४६१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५००	३२०१.१/१६२५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०१	१३४५/८८७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०२	१४८९/९२८	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०३	२३४३/१४०९	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०४	२४३४/१४२९	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०५	३४४९.१/१८२६.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०६	३४५४.१/१८२७.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०७	६९९२/३९४४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०८	१२७४/८७०	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५०९	३७०३.१/१८७८.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१०	३८४९.१/१९६४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५११	२३४३/१४०९	भागवत	—	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३ ५×१३	२७४	८	२५	पूर्ण/१७१२	—	तृतीय स्कन्ध ३३, अध्यायो मे सम्पूर्ण स्कन्ध मूल मात्र
३४ ५×१६	१०३	११	५६	अपूर्ण/१९८२	—	तृतीय स्कन्ध
३३×१५	१९६	१०	४०	अपूर्ण/२४५०	—	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४६	—	चतुर्थ स्कन्ध, आदि-ग्रन्त मे खण्डित कुल १५ अध्याय मात्र । प्राचीन है
३४×१७ २	५७	१४	५०	अपूर्ण/१२४७	—	चतुर्थ स्कन्ध, सटीक
२७×१३.५	४५	९	२८	अपूर्ण/३५४	—	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	४२	११	३२	अपूर्ण/४६२	—	चतुर्थ, दशम स्कन्ध सटीक
३६ ५×१७ ३	४२	१५	५०	अपूर्ण/९८४	—	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१६ ५	३२	१६	३५	अपूर्ण/५६०	—	चतुर्थ स्कन्ध
३७×१६	१६६	१२	५०	पूर्ण/३११३	१६३८ वि०	श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' से युक्त, श्रीमद्भागवतपुराण का पञ्चम स्कन्ध है
३४×१८	२१०	१२	२०	पूर्ण/१५७५	—	पञ्चमस्कन्ध, सटीक
३२×१६	८९	१७	३०	अपूर्ण/१४१८	—	पञ्चम स्कन्ध, सटीक
३४ ५×१६ ५	१२४	१५	४८	पूर्ण/२६९०	—	श्रीधरी व्याख्या सहित श्रीमद्भागवत- पुराण का षष्ठ स्कन्ध है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५१२	२९४२/१५५१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१३	४०९९/१९४५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१४	२६२/२४८	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१५	२९४०/१५५१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१६	१६९१.९/१०९४.२	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१७	२६१५/१४६७	भागवत	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५१८	२६१७.३/१४६७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१९	३४२०.१/१८२०.१	भागवत	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५२०	३४५२.१/१८२७.१	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२१	३२२२/१८३९.१	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२२	३६२५/१८६१.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२३	३९३८.१/२०११	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२४	४३१३/२०१७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्वित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३४×१७	१३०	१४	३६	पूर्ण/२०४७	१८१९ वि०	सम्पूर्ण सप्तम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३८×१४ १	२६	९	४३	अपूर्ण/३१४	—	सप्तम स्कन्ध
१२ ५×८ ५	१९	६	१४	पूर्ण/४९	—	अष्टम स्कन्ध
३४×१७	१५६	१३	४०	पूर्ण/२५३५	१८९९ वि०	सम्पूर्ण अष्टम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३४.२×१४	१२	१२	६२	अपूर्ण/२७९	—	दशम स्कन्ध, सटीक
२७×१६	६	१२	३२	पूर्ण/७२	—	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
२७×१६	७३	१२	३२	पूर्ण/८७६	—	दशम स्कन्ध
२०×११	१८	१०	२४	अपूर्ण/१३५	—	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
३२.५×१४.२	१२०	११	५०	अपूर्ण/२०६३	—	दशम स्कन्ध, सटीक
३४×१६	९७	१५	५०	अपूर्ण/२२७३	—	दशम स्कन्ध, सटीक
१४×१२	५४	९	१०	पूर्ण/१५२	—	दशम स्कन्ध
२८.५×१२	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४४	—	दशम स्कन्ध, अतिजीर्ण
१० ५×८ ५	५८	५	१०	अपूर्ण/ ९०	—	दशम स्कन्ध

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५२५	४३७२/२०३३	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५२६	६८७७/३८९३	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२७	२४१४/१४२४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२८	२५८२/१४६१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२९	३९१४.१/१९९६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३०	७००३/३९४६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३१	४०७९ २९/१९३६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३२	३०८०.३४/१५९४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३३	३४२५.१/१८२५.१	भागवतदीपिका	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५३४	३०८०.३२/१५९४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३५	४३११/२०१६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३६	२३४१/१४०९	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५३७	३०८०.१/१५९४	भागवत-भ्रमरगीत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३० × १५	१४	२०	३८	अपूर्ण/३३३	—	
२५ × १०	२३८	११	२०	अपूर्ण/ १६३६	—	
२०७० × १४.५	१	—	—	पूर्ण/कुण्डल्याकार	१८वीं शती	सचित्र
३१ × १५	२०८४	८	४०	अपूर्ण/२०८४०	१८६९ वि०	सटीक
३७ × २०	३८२	११	४३	अपूर्ण/५६४६	—	नारद और महादेव-सम्वाद के माध्यम से देवीमाहात्म्य का प्रतिपादन ८१ अध्यायो मे किया गया है। यह एक नूतन कृति-सी प्रतीत होती है—यह न तो प्रसिद्ध श्रीमद्भागवत है और न देवीपुराण ही
३५ × १५ ४	३८	१०	३६	अपूर्ण/४२१	—	
३२ × १४	२७	१४	४८	अपूर्ण/५६७	—	
२९ ५ × १३	४५२	१२	४६	अपूर्ण/७७९७	—	
३० × १६.५	९५४	१३	४१	अपूर्ण/१५८९	—	श्रीधरस्वामीकृत टीका सहित भागवत-पुराण के प्रथम पाँच स्कन्ध प्रतिपादित है—द्वितीय स्कन्ध भी खण्डित है।
३७ ४ × १७ ३	३६	१५	५२	अपूर्ण/८७७	—	दशम स्कन्ध का सटीक, ८७वाँ अध्याय पूर्ण एवं ८८वे के केवल पाँच श्लोक
२५ २ × ११	१६८	१०	३६	अपूर्ण/११००	—	—
३४ × १५ ५	१२९५	१४	५०	अपूर्ण/२८३२८	१८३७ वि० १७०२ शक	इसमे भागवत पुराण के छठे से १२वें स्कन्ध तक के अश सगृहीत है। साथ मे श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' टीका भी है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४८६	३५३४/१८४१.१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८७	३९६५/१९२५	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८८	४३११ १/२०१६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४८९	६८९६/३८९६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९०	६९९६/३९४५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९१	७१३२/४००९	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९२	७३१६/४१३६	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९३	७३१६.१/४१३६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९४	७३५२/४१६३	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९५	३८१४ १/१९४१ १	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९६	३४५५ १/१८२७	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
४९७	३५२८/१८३९ १	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४९८	२३४२/१४०९	भागवत	—	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४९९	२५८३/१४६१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५००	३२०१.१/१६२५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०१	१३४५/८८७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०२	१४८९/९२८	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०३	२३४३/१४०९	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०४	२४३४/१४२९	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०५	३४४९.१/१८२६ १	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०६	३४५४ १/१८२७.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०७	६९९२/३९४४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५०८	१२७४/८७०	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५०९	३७०३.१/१८७८ १	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१०	३८४९.१/१९६४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५११	२३४३/१४०९	भागवत	—	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३३५×१३	२७४	८	२५	पूर्ण/१७१२	—	तृतीय स्कन्ध ३३, अध्यायो मे सम्पूर्ण स्कन्ध मूल मात्र
३४५×१६	१०३	११	५६	अपूर्ण/१९८२	—	तृतीय स्कन्ध
३३×१५	१९६	१०	४०	अपूर्ण/२४५०	—	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४६	—	चतुर्थ स्कन्ध, आदि-ग्रन्त मे खण्डित कुल १५ अध्याय मात्र । प्राचीन है
३४×१७ २	५७	१४	५०	अपूर्ण/१२४७	—	चतुर्थ स्कन्ध, सटीक
२७×१३ ५	४५	९	२८	अपूर्ण/३५४	—	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	४२	११	३२	अपूर्ण/४६२	—	चतुर्थ, दशम स्कन्ध सटीक
३६५×१७ ३	४२	१५	५०	अपूर्ण/९८४	—	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१६ ५	३२	१६	३५	अपूर्ण/५६०	—	चतुर्थ स्कन्ध
३७×१६	१६६	१२	५०	पूर्ण/३११३	१६३८ वि०	श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' से युक्त, श्रीमद्भागवतपुराण का पञ्चम स्कन्ध है
३४×१८	२१०	१२	२०	पूर्ण/१५७५	—	पञ्चमस्कन्ध, सटीक
३२×१६	८९	१७	३०	अपूर्ण/१४१८	—	पञ्चम स्कन्ध, सटीक
३४५×१६ ५	१२४	१५	४८	पूर्ण/२६९०	—	श्रीधरी व्याख्या सहित श्रीमद्भागवत- पुराण का पष्ठ स्कन्ध है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५१२	२९४२/१५५१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१३	४०९९/१९४५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१४	२६२/२४८	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१५	२९४०/१५५१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१६	१६९१.९/१०९४.२	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१७	२६१५/१४६७	भागवत	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५१८	२६१७.३/१४६७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१९	३४२०.१/१८२०.१	भागवत	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५२०	३४५२.१/१८२७.१	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२१	३२२२/१८३९.१	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२२	३६२५/१८६१.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२३	३९३८.१/२०११	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२४	४३१३/२०१७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३४×१७	१३०	१४	३६	पूर्ण/२०४७	१८१९ वि०	सम्पूर्ण सप्तम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३८×१४ १	२६	९	४३	अपूर्ण/३१४	—	सप्तम स्कन्ध
१२ ५×८ ५	१९	६	१४	पूर्ण/४९	—	अष्टम स्कन्ध
३४×१७	१५६	१३	४०	पूर्ण/२५३५	१८९९ वि०	सम्पूर्ण अष्टम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३४.२×१४	१२	१२	६२	अपूर्ण/२७९	—	दशम स्कन्ध, सटीक
२७×१६	६	१२	३२	पूर्ण/७२	—	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
२७×१६	७३	१२	३२	पूर्ण/८७६	—	दशम स्कन्ध
२०×११	१८	१०	२४	अपूर्ण/१३५	—	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
३२.५×१४ २	१२०	११	५०	अपूर्ण/२०६३	—	दशम स्कन्ध, सटीक
३४×१६	९७	१५	५०	अपूर्ण/२२७३	—	दशम स्कन्ध, सटीक
१४×१२	५४	९	१०	पूर्ण/१५२	—	दशम स्कन्ध
२८.५×१२	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४४	—	दशम स्कन्ध, अतिजीर्ण
१० ५×८ ५	५८	५	१०	अपूर्ण/९०	—	दशम स्कन्ध

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५२५	४३७२/२०३३	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५२६	६८७७/३८९३	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२७	२४१४/१४२४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२८	२५८२/१४६१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२९	३९१४.१/१९९६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३०	७००३/३९४६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३१	४०७९ २९/१९३६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३२	३०८०.३४/१५९४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३३	३४२५.१/१८२५.१	भागवतदीपिका	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५३४	३०८०.३२/१५९४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३५	४३११/२०१६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३६	२३४१/१४०९	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५३७	३०८०.१/१५९४	भागवत-भ्रमरगीत	—	—	देसी कागज	नागरी

अष्टक

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५७३	६४६७/३५५३	अच्युताष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५७४	३७८०/१९००	करुणाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५७५	३७८०/१९००	कलकाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५७६	५९६८/३११४	कालभैरवाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५७७	६२६४/३३७२	कालभैरवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५७८	३६३४४/१८६३ १	कालिकाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५७९	१५५६/९६६	कृष्णराधाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५८०	१६१५.५/१४६७	कृष्णशरणाष्टक	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
५८१	१९६/१८८	केशवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
५८२	६९/६३	गगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५८३	७५/६९	गगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५८४	२५०/२३८	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५८५	३२०/२९१	गगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण	
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११	१२
२६.२ × १२	१	१७	४०	पूर्ण/२१	—	—	—
१५ × १४	२	११	१०	पूर्ण/६	—	—	—
१५ × १४	५	११	१०	पूर्ण/१६	—	—	—
११७ × ४४२	१	४२	१४	पूर्ण/१८	—	—	—
२१ × १२	७	९	१०	पूर्ण/२०	—	—	—
१३ × २१	२	१६	१६	पूर्ण/१६	—	—	—
१६२ × १०३	९	६	१७	पूर्ण/२९	१७९७ वि०	—	—
२७ × १६	२	५	३२	पूर्ण/१०	—	—	—
१४ × १०	४	८	१४	पूर्ण/१४	—	—	—
२९ × १२५	३	९	२९	पूर्ण/२४	—	—	—
१४५ × १०	५	८	२०	पूर्ण/२५	—	—	—
१२ × २१	४	१८	१३	पूर्ण/२८	१७९२ वि० (कार्तिकमासे शुक्लपक्षे तिथी ४ बुधवासरे)	—	—
२२ × ९५	४	७	३२	पूर्ण/२८	१७७४ वि०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५८६	१५५७/९६७	गंगाष्टक	कालिदास	—	देसी कागज	नागरी
५८७	१७८९/११९०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५८८	२८२८/१५२०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५८९	२८८५/१५३०	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९०	२८९१/१५३०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९१	३४७३/१८५५	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९२	३८०१.१/१९३५.१	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९३	३८४८ १/१९६३ १	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९४	३८७६.४/१९८३	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९५	३८९३ १/१९९०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९६	६५५४/३६१४ ९	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९७	६९३२/३९१२	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९८	१७६२/११६३	गणेशाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२० ३×११	५	७	२०	पूर्ण/२२	—	—
१६ २×८	७	५	२०	पूर्ण/२२	—	—
१२×७४	७	६	१६	पूर्ण/२१	—	—
२३.५×९ ५	५	६	२५	पूर्ण/२३	—	—
१८.५×१४	३	११	१६	पूर्ण/१६	—	—
१३.५×९ ५	६	७	१२	पूर्ण/२६	—	—
२०×११	४	८	१५	पूर्ण/१५	—	—
११×९	६	८	१६	पूर्ण/२४	१८२९ वि०	—
१७×११	१	६	१६	अपूर्ण/३	—	—
१२×२० ५	४	१६	१२	पूर्ण/२४	—	—
१८.५×११	४	१०	१५	पूर्ण/२०	—	—
२१×६.५	१	११	३०	पूर्ण/१०	—	—
१३×९ ४	६	५	१६	पूर्ण/१५	१९१० वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५९९	६७६७/३८०३	गणेशाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६००	३६२९/१८६३.१	गन्धाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६०१	२६१५.३/१४६७	गिरधराष्टक -	रघुनाथ	- - -	देसी कागज	नागरी
६०२	३६३४५/१८६३.१	गुर्वष्टक -	—	- - -	देसी कागज	नागरी
६०३	५८००/२९८४	गुर्वष्टक -	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६०४	३०९३/१५९५	गुर्वष्टक -	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६०५	५७०.२/५८०/५२६	गोकुलाष्टक	रघुनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६०६	२५४७.२/१४५३	गोकुलाष्टक	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
६०७	२६७६ १६/१४८५	गोकुलाष्टक	रघुनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६०८	२९१३.५/१५३९	गोकुलाष्टक	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
६०९	३७३८.३/१९०४ १	गोकुलाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६१०	५७०.१/५८०/५२६	गोपालाष्टक	विट्ठलेश	—	देसी कागज	नागरी
६११	५७०.३/५८०/५२६	गोपीजनवल्लभाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६५७ ५	४	६	२०	पूर्ण/१५	—	—
१३५२१	१	१४	१६	अपूर्ण, ७	—	—
२७५१६	२	१२	३२	पूर्ण २	—	—
१३५२१	१	२४	१६	पूर्ण, १२	—	—
२०.८५१४.१	२	१०	२०	पूर्ण, २२	—	—
२७५१२	१	७	४०	पूर्ण, ९	—	—
१७५१२	५	७	१८	पूर्ण, २०	—	—
११.७५१०.५	३	८	१६	पूर्ण १२	—	—
२७५१६	२	९	३२	पूर्ण १८	—	—
१६.५५२१	२	१५	१६	पूर्ण १५	—	—
२१५१७	३	९	१६	पूर्ण, १३	—	—
१७५१२	७	७	१५	पूर्ण, १३	—	—
१७५१२	४	७	१४	पूर्ण १३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६१२	२६१५.२/१४६७	गोपीजनबल्लभाष्टक	गोपीनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६१३	३४३/३१५	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	आनन्दगिरि	देसी कागज	नागरी
६१४	१४५८/९१८	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	आनन्दगिरि	देसी कागज	नागरी
६१५	२५७९/१४६०	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६१६	२८३७/१५२२	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६१७	३०९९/१५९८	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६१८	३६८०.१/१८७३	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६१९	६५९८/३६४५	चक्रेश्वरी-अष्टक	जिनदत्त	—	देसी कागज	नागरी
६२०	१५/११	चर्मरावत्यष्टक	श्रीकृष्ण भिक्षु	—	देसी कागज	नागरी
६२१	३६७७/१८७३	जगन्नाथाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६२२	३८४१ ५/१९६० १	जगन्नाथाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६२३	७२७५/४१२४	जगन्नाथाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६२४	१६१३/१०१८	ज(न)न्यष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७×१६	२	१३	३२	पूर्ण/२६	—	—
२१×१०	४५	६	२४	पूर्ण/२०२.५	—	सटीक, यह भाष्य एक महत्त्वपूर्ण व्याख्या है
२१ ८×१२	१८	१३	२७	पूर्ण/१९७	—	शङ्कराचार्यकृत 'गोविन्दाष्टक' पर ब्रह्मसूत्र के टीकाकार आनन्दगिरि की टीका
१३×९	६	७	१५	पूर्ण/२०	—	—
३०×१४	१०	१२	४०	पूर्ण/१५०	१८५० वि०	ग्रन्थ सटीक है
१७×२४	४	१४	१२	पूर्ण/२१	—	—
२०×१५ ५	४	१६	२०	पूर्ण/३५	—	—
२७×१३	२	१२	४०	पूर्ण/३०	—	—
१८×१२	३	९	२१	पूर्ण/१८	—	—
२०×१५ ५	२	१६	२०	पूर्ण/२०	—	—
६×११	५०	१२	८	पूर्ण/१५	—	—
२१ २×१६	३	१३	२०	पूर्ण/२४	—	—
१६×१० ६	३	९	१८	पूर्ण/१५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६२५	३०८०.२/१२९४	जन्मवैफल्यनिरूपणाष्टक	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
६२६	३१६६/१६१९	जन्मवैफल्यनिरूपणाष्टक	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
६२७	३७८०/१९००	जिनमगलाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६२८	४५४/४४५/४१३	त्रिपुरसुदर्णाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६२९	३८५५.१/१९६८.१	त्रिवेण्यष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६३०	३५८०.५/१८५३.१	नदकुमाराष्टक	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६३१	५८०/५९०/५३४	बलदेवाष्टक	रघुनाथ गोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
६३२	२५४७.१/१४५३	बल्लभाष्टक	विट्ठलेश	—	देसी कागज	नागरी
६३३	३०८०.२२/१५९४	बल्लभाष्टक	अग्निकुमार	—	देसी कागज	नागरी
६३४	३९६१.१/२०१७.१	बिल्वाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६३५	७६४/७७८/७०८	ब्रजमङ्गलाष्टक	राजा कृष्णदास	—	देसी कागज	नागरी
६३६	१७६२.१/११६३	भवानी-अष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६३७	३८४१.६/१९६०.१	भवानी-अष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पवित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	—
३५×१६.५	१	८	४२	पूर्ण/१०	१९१० वि० (वैशाख कृष्ण ३ सोम)	—
१५×१४	४	११	१०	पूर्ण/१३	—	—
१६ ५×१२	५	८	१६	पूर्ण/२०	१९०७ वि०	—
२२×१४ ५	१	२१	३६	पूर्ण/२४	१८९५ वि० १७६० शक	—
१६×११	१०	७	१०	पूर्ण/२०	—	—
१५×१०	३	१२	१०	पूर्ण/१४	वि० १९२९ (आषाढ शुक्ल रविवार)	—
१५ ७×१० ५	६	८	१६	पूर्ण/२४	—	—
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	—
१३×१०	५	७	१२	पूर्ण/१३	—	—
२६×२१	३	१२	२२	पूर्ण/२५	—	—
१३×९ ४	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	—
६×११	७	१२	८	पूर्ण/२१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६३८	१७७९/१९००	भावनाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६३९	२४६/२३५	भैरवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६४०	३१७३/१६२१	भैरवाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६४१	६४५३/३५४२	भैरवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६४२	६४५५/३५४२	भैरवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६४३	६७९१/३८११	भैरवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६४४	६८७०/३८८८	भैरवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६४५	४१३/३७४	मगलाष्टक	कालिदास	—	देसी कागज	नागरी
६४६	५८१/५९१/५३४	मधुराष्टक	गोपीनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६४७	२५४७.५/१४५३	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६४८	२६२३.३/१४६७	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६४९	२९१३/१५३९	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५०	३०८०.२०/१५९४	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×१४	५	११	१०	पूर्ण/१६	—	—
१२ ८ ५	५	६	२०	अपूर्ण/१८	१७२८ वि० (भाद्रवासिना ९)	—
१५×१०	६	७	१६	पूर्ण/२१	१९०६ वि०	—
१७×११	५	११	२०	पूर्ण/३४	१९११ वि० (माघ वदि ८ गुरुवार)	—
१७×११	३	११	२०	पूर्ण/२०	—	—
२०×११	१	१४	४८	पूर्ण/२१	—	—
८×७	१४	५	८	पूर्ण/ १७	—	—
१३×९	८	७	१६	पूर्ण/२८	१८७६ वि०	—
१५×१०	४	१२	१२	पूर्ण/१२	१९३७ वि०	—
१५ ७×१० ५	४	८	१६	पूर्ण/१६	—	—
२७×१६	१	८	२४	पूर्ण/६	—	—
१६ ५×२१	२	१५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६५१	३५८०.४/१८५३.३	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५२	३७३४.२/१९०४/१	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५३	७५९३/४२६१	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५४	३८५०/१९६१	मयूराष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६५५	३८१६/१९२७	महालक्ष्म्यष्टक	इन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
६५६	२४६१/१४३३	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५७	२६७६.२/१४८५	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५८	२९१३.२/१५३९	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६५९	३०८०/१५९४	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६०	३५८०.१/१८५३.१	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६१	३७९७.७/१९०४.१	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६२	३८९५.१/१९९०	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६३	६९३४/३९१२	यमुनाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर ० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×११	५	७	१०	पूर्ण/११	—	—
२१×१७	४	९	१६	पूर्ण/१८	—	—
२२×११ ४	२	८	२७	पूर्ण/१३	—	—
१५×७	५	६	१६	पूर्ण/१५	१६८१ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
८×६	६	५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१७×२८	२	२४	१८	पूर्ण/२७	—	—
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३ ५	—	—
१६ ५×२१	३	१५	१६	पूर्ण/२२	—	—
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	—
१६×११	७	७	१०	पूर्ण/१५	—	—
२१×१६ ५	४	९	१८	अपूर्ण/२०	—	—
१२×२० ५	३	१६	१२	पूर्ण/१८	—	—
२१×६ ५	१	११	३०	पूर्ण/१०	—	—

क्रम स०	ग्रन्थस०/वेष्टनस०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६४	४९४/४८५/४४८	यमुनाष्टक, गगाष्टक	केशव	—	देसी कागज	नागरी
६६५	२६९४/१४८९	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६६	३१७१ २/१६३१	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६७	३८४२.३/१९६० १	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६८	४२४६.३/१९८५	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६६९	३९५०.१/२०१७.१	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६७०	४३३७ २/२०२२	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६७१	७०४२/३९६८	लक्ष्मी-अष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६७२	३८५५ १/१९६८.१	लिगाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६७३	३०८०/२७	विट्ठलाष्टक	हरिराम	—	देसी कागज	नागरी
६७४	३७१६.१/१८८९.१	वेकटेश्वराष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६७५	३४१८.१/१८१८.१	शन्यष्टक	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
६७६	८३३/८५०	शरभाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्वित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४×५	६	५	१६	अपूर्ण/१२	—	—
१५×८	५	६	१६	अपूर्ण/१५	—	—
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१२×६	८	५	१६	पूर्ण/२०	—	—
१५.८×१३	६	६	१५	पूर्ण/१७	—	—
१३×१०	३	७	१०	पूर्ण/८	—	—
१६×११	३	८	१७	पूर्ण/१३	—	—
११×७	२	९	१०	पूर्ण/५	—	—
१३ ४×८ ५	४	८	१६	पूर्ण/१६	—	—
१६×१०	६	६	१५	पूर्ण/१७	१८४९ वि०	—
१५ ५×१०	४	७	१५	अपूर्ण/१७	—	—
१६×१०	२	९	२०	पूर्ण/११	—	—
२२.५×११	७	८	२८	पूर्ण/४९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६७७	१७९७.१/११९८	शिवाष्टक	काशिनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६७८	२८२९/१५२०	शिवाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६७९	३१७१.३/१६३१	शिवाष्टक	वसिष्ठ	—	देसी कागज	नागरी
६८०	६५५३/३६१४/९	शिवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८१	३१९१.६/१६३२	समयाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८२	३६३२.१/१८६३.१	समयाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८३	३०७८ ११/१५९३	सूर्याष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६८४	६७९२/३८२७	सूर्याष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८५	१०७३.१/८०६	हनुमताष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८६	३१७१.६/१६३१	हनुमानाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८७	३०८०/१५९६	हरिवदनाष्टक	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×९	५	५	१५	पूर्ण/१२	—	सुलिपि
१२×७.७	६	६	१४	पूर्ण/३६	—	—
१२×८	८	५	१२	पूर्ण/१५	—	—
१५×९.५	९	८	१०	पूर्ण/२२	—	—
२४ २×११	५	८	३२	पूर्ण/४०	—	—
१३×२१	३	१२	१६	पूर्ण/१८	—	—
१० ३×६.६	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	—
२०×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	—	—
१०×१३	८	११	८	पूर्ण/२२	—	—
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१६×१०	६	६	१५	पूर्ण/१७	१८४९ वि०	—

कवच

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६८८	१५४२/९५२	अन्नपूर्णाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६८९	१६९१.५/१०९४.१	अन्नपूर्णाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९०	७२२५/४०८६	अन्नपूर्णाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९१	१७६/१६८	अर्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९२	१८८५.१/१२७६	आपदुद्धारकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९३	१३८८/८९९	उच्छिष्टगणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९४	१६४१/१०४५	एकमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९५	३३१६/१७१२	एकमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९६	४३९/४४८.१/४०७	कार्तवीर्यार्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९७	९९७/७८६	कार्तवीर्यार्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९८	६८१७/३८४७	कार्तवीर्यार्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९९	४५९/५५०/४१८	कालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७००	१४६१/९१९	कालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×९	५	६	१८	पूर्ण/१७	—	—
१३×२२	६	१२	१२	पूर्ण/२७	१९५४ वि०	—
१४ ४×८ ८	८	६	१६	पूर्ण/२४	—	—
१५×११	४०	९	१९	पूर्ण/२१२	—	—
१७.५×१२	४	९	२०	अपूर्ण/२३	—	—
२६×१०	१७	५	२४	पूर्ण/६३	१९६६ वि० (१८३१ शाके)	—
१८ ५×११	१५	७	१६	अपूर्ण/५२	१९०० वि० (आषाढ कृष्ण ८ भौमवार)	—
१७ ६×८ ७	१७	४	२०	पूर्ण/४२	१९६२ वि० (माघ १० शनिवार)	—
२२ ५×१२	२१	१२	३२	पूर्ण/२५२	१९१२ वि० (चैत्र कृष्ण दशमी)	चौरादिभय निवारणार्थ सर्वाभीष्टसिद्ध्यर्थ कार्तवीर्यस्तोत्रनिरूपण
१८×१२	१०४	५	१०	पूर्ण/१६२	१९४२ वि० (माघ सुदी तिथौ ५ भौमवासरे)	—
२२×१०	१०	७	३२	अपूर्ण/७०	—	—
१९×१०	१३	८	३२	पूर्ण/१०४	१७८२ वि०	—
२६×९ ८	८	६	३२	पूर्ण/४८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७०१	१३८६/१४१८	कालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०२	१६४६/१०५०	कालीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०३	३४४९/१८३४	कालीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०४	५८९१/३०५८	गणपतिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०५	६७८५/३८२१	गणपतिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०६	३४९/३२०	गणपतिव्यथावध मोचनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०७	८५५/८७२/७५५	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०८	१६९१.१४/१०९४	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०९	१६९१.११/ १०९४.३	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१०	१७५८/११५९	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७११	३८६२ १/१९७३.१	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१२	११८/१११	गायत्रीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१३	५४२/४८८	गायत्रीकवच	ब्रह्मा	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८×११	९	७	१६	पूर्ण/३६५	—	—
२३ ५×११	९	८	२०	अपूर्ण/४५	—	—
१५.६×९५	९	६	१६	अपूर्ण/२७	—	—
१२ ५×८८	६	६	१६	पूर्ण/१८	—	—
१९×१३	११	८	१६	पूर्ण/४४	—	—
१०×८	२१	७	१२	पूर्ण/१२	—	—
१५ ५×११	८	५	१६	पूर्ण/२०	—	—
१३×२२	६	१२	१२	पूर्ण/२७	१९५४ वि०	—
१६ ८×२० ८	१२	११	१३	पूर्ण/५४	—	—
१७×१०.५	१२	७	१६	अपूर्ण/४२	१९५७ वि० (पीप शुक्ल ६)	—
१६×११	१०	८	१६	पूर्ण/४०	—	—
२० ५×१०	४	८	२४	पूर्ण/२४	—	—
१५ ५×७.५	६	५	११	अपूर्ण/१०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७१४	१४४७/९१४	गायत्रीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१५	३१९३/१६२४	गायत्रीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१६	३१७४/१६३१	गायत्रीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१७	३४२१/१८०७	गायत्रीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१८	३३०४/१७०२	गुरुकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१९	२६०३/१४६५	गोपालकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२०	३९१३.१/१९९६	गोपालकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२१	२७५/२५६	गौरिकालित्रैलोक्य मोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२२	१९५/१८७	चण्डीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२३	४७१/४३०	चण्डीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२४	८१८ १/८३४/७३०	चण्डीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२५	१४३४/९१०	चण्डीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२६	३२५०/१६४२	छिन्नमस्ताकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२८×११.६	६	६	३२	पूर्ण/३६	१९४२ वि०	—
१७.१×९.६	१७	७	२२	अपूर्ण/८२	—	—
१८×११	५	१०	१६	पूर्ण/२५	—	—
२३.५×१०.५	३	९	३५	पूर्ण/३०	—	—
१५.७×१०	४	८	२४	पूर्ण/२४	—	—
१३×२०.५	८	१८	२१	पूर्ण/९५	—	—
१५×१०.५	१०	९	१५	पूर्ण/४२	—	—
१३.५×९	७	१३	२०	पूर्ण/५७	—	—
१७×८	२५	७	२२	अपूर्ण/१२०	—	प्राचीन
१९×९.५	४	९	२६	अपूर्ण/२०	—	प्राचीन
१८.५×१०.५	१३	१२	३०	अपूर्ण/१४६	—	—
२२×९.४	२७	५	२१	पूर्ण/८९	—	—
१४×११.५	१२	९	१२	पूर्ण/६७	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७२७	९४/८६	त्रिपुरकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२८	३३३६/१७३२	त्रिपुरकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७२९	२४२/२३१	त्रिपुरमूर्तिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३०	२०३/२१३	त्रिपुरबालाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३१	३३४८/१७४३	त्रिपुरबालात्रिमूर्तिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३२	३८३० १/१९५२ १	त्रिपुरसुन्दरीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३३	७२३२/४०८९	त्रिपुरसुन्दरीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३४	९३/८१	त्रिपुरसुन्दरीजगन्वितामणि कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३५	३२५ ५/२९७	त्रिपुरसुन्दरीसौभाग्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३६	२३८०/१४१७	त्रिपुरसौभाग्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३७	३२६/२९७	त्रिपुरकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३८	३२६ २/२९७	त्रिपुरसर्वसौभाग्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७३९	३४६९/१८५१	त्रिमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५ ५ × ८ ५	७	६	१७	पूर्ण/२२	—	—
१७ × १०	१५	७	१५	पूर्ण/४९	१९२६ वि०	—
२० × ११	१७	६	१७	पूर्ण/५४	—	मुलिपि
१४ ७ × १० ३	७	७	१६	पूर्ण/२४	—	—
१६ × १०.७	१५	६	२०	पूर्ण/५६	—	—
१४ × ९ ५	६	६	१६	पूर्ण/१८	—	—
२३ ८ × १५.५	५	१२	३२	अपूर्ण/६०	—	—
१४ ५ × १०	११	९	१५	पूर्ण/४६	—	—
१६ × १३	४	७	१६	पूर्ण/१४	—	—
१३ × ७ ४	३७	५	१२	अपूर्ण/५८	—	—
१६ × १३	६	७	१६	पूर्ण/२१	—	—
१६ × १३	२४	८	१६	पूर्ण/८६	—	—
१५ × ८	६	९	२०	पूर्ण/६४	१९१९ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७४०	८/६	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४१	२२५/२१४	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४२	३२६ ३/२९७	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४३	३२६.४/२९७	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४४	३६२/३३२	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४५	३८४/३५०	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४६	४५२/४४३/४११	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४७	५१२/५२१/४६९	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४८	६७३१/३७७४	त्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७४९	४७२/४३१	त्रैलोक्यविजयकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५०	३४७९/१८६१	त्रैलोक्यविजयकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५१	८५९/८७६(१)/ ७५६	त्रैलोक्यविजयनामकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५२	१३९/१३२	दक्षिणाकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७ × १२	१०	७	१५	पूर्ण/३३	—	भैरवीवाला त्रिपुरसुन्दरी की तान्त्रिक स्तुति की गई है
१६ × १०	११	७	२०	अपूर्ण/४८	—	—
१६ × १३	२२	८	१६	पूर्ण/८८	—	—
१६ × १३	१०	७	१६	पूर्ण/३५	—	—
१८ × ९	१०	६	२४	अपूर्ण/४५	—	—
२३ × १०	२०	८	२४	पूर्ण/१२०	—	त्रिपुरसुन्दरी का तान्त्रिक कवच
२१ ५ × १०	५	११	३२	अपूर्ण/५५	१८७८ वि०	—
१४ × ९	५	११	२१	पूर्ण/३७	—	—
११ × १०	८	१०	१२	अपूर्ण/३०	—	—
१५ ५ × १०	८	१३	२२	पूर्ण/७२	—	—
१९ × ११	८	७	२४	पूर्ण/४२	—	—
१९ × ११ ५	१०	७	२४	पूर्ण/५२	—	—
१४ × १०	१६	६	१४	पूर्ण/४५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७५३	४६९/४२८	दक्षिणाकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५४	१४००(७)/८९९	दक्षिणाकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५५	१८८५/१२७६	दक्षिणाकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५६	३४७७/१८५९	दक्षिणाकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५७	३८८९ १/१९८९	दक्षिणाकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५८	१७६५/११६६	दक्षिणाकालिका त्रैलोक्य- मोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७५९	१५८४/९८८	दुर्गाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६०	१८५२/१२४६	दुर्गाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६१	३४७४/१८५६	दुर्गाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६२	३७०६ ३/१८८१ १	दुर्गाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६३	६६९२/३७३६	दुर्गाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६४	६५×५९	देवीकवच	—	—	देशी कागज	नागरी
७६५	१५६/१४९	देवीकवच	—	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३.५ × ८.५	२४	७	१२	अपूर्ण/६३	—	—
२३ × १०	३०२	५	१६	अपूर्ण/७५५	—	—
१७.४ × १२.३	७	९	१६	अपूर्ण/३१.५	—	—
१७ × १०.५	१८	७	१६	पूर्ण/६	—	—
१५.५ × १०.५	१२	७	१८	अपूर्ण/४८.५	—	—
१५५ × १०.५	२४	६	१३	पूर्ण/५८	—	—
१४.२ × ११	५	९	१६	पूर्ण/२२	—	—
२५ × ११	३४	७	३२	अपूर्ण/२३८	—	—
१५ × ११.५	१५	८	१२	पूर्ण/४५	—	—
२३ × १०	६	७	३२	पूर्ण/४२	—	—
२२ × १०	१४	६	२४	अपूर्ण/६३	—	—
१४ × १०	२३	७	१४	पूर्ण/१०१	—	—
१३ × ७.५	९	६	१६	अपूर्ण/२७	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७६६	१८९/१८२	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६७	१७६१/११६२	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७६८	२३८१/१४४१	देवीकवच	हरिहर ब्रह्म	—	देसी कागज	नागरी
७६९	२८९४/१५३१	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७०	३१५७/१६१६	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७१	३५५५/१८४७.१	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७२	३५९५/१८५६.१	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७३	३९५६ १/१९२४	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७४	४३४७/२०२३	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७५	७१८१/४०४४	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७६	७५८८/४२५८	देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७७७	१५७/१५०	देवीकवच तथा अगलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
७७८	४३१०.१/२०१६	धनदाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×१२	४१	९	१८	अपूर्ण/२०८	—	—
१७ २×११.५	१२	७	१६	अपूर्ण/४२	१९३४ वि० (चैत्र ९)	—
१३ ५×८	३२	६	१६	पूर्ण/७६	—	—
१२×७	४६	५	१२	पूर्ण/ १७	—	—
१२×७	३२	५	१२	पूर्ण/६०	१९०६ वि०	—
९.६×१०.२	११	१०	१६	पूर्ण/५५	—	—
१७×९	११	७	१५	पूर्ण/३६	—	—
२४×११	१०	७	३२	पूर्ण/७०	—	—
१४.८×९ १	३५	५	१४	पूर्ण/७७	—	—
१६ ६×१०.३	८	५	१४	पूर्ण/१७	—	—
१३ ८×९.१	२०	७	१७	अपूर्ण/७४	—	—
१३×७ ५	१८	६	१८	अपूर्ण/६१	—	—
१७×११ ५	४	९	१५	पूर्ण/२०	१९१३ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७७९	२२६/२१५	नारायणकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८०	८४०/८५७/७४६	नारायणकवच	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
७८१	४३१७/२०१७	नारायणकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८२	१७३१/११३२	नृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८३	३१३५/१६१३	नृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८४	३१९१.१/१६२३	नृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८५	५८६/५९७/५४०	पचमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८६	१०७३/८०६	पचमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८७	१८८२/१३७३	पचमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८८	६२७३/३३७६	पचमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७८९	६५९६/३६४५	पद्मावतीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९०	४३०७/२०१५	प्रत्यगिराकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९१	२/२	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९.५×१२.५	१८	७	१६	पूर्ण/६३	—	—
११ ५×१४	२०	८	११	अपूर्ण/५५	—	—
११×८	३६	५	१०	पूर्ण/ ५६	—	—
१७×६	८	६	२०	पूर्ण/३०	१९२७ वि० (शाके १७९२)	—
१९×१३	५	९	१०	पूर्ण/१४	१९२५ वि० (चैत्र कृष्ण १२मंगलवार)	—
९.३×१५ ३	५	१४	१२	पूर्ण/२६	—	—
२१.५×१०.५	१३	६	२२	पूर्ण/५४	—	—
१०×१३	१८	८	८	पूर्ण/३६	—	—
१३×७ ८	८	६	१५	अपूर्ण/२३	—	—
२१ ५×१२	८	८	१५	पूर्ण/३०	—	—
२७ ×१३	३	१२	४०	पूर्ण/६५	—	—
१६×१२	१२	९	१०	अपूर्ण/३४	—	—
१४×१०	६	९	१५	पूर्ण/२५	—	—
						रणादि भयकर परिस्थितियो मे शरीर- रक्षार्थं उपयोग्य तान्त्रिक कवच

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७९२	८६/७९	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९३	५९२/६०३/५४६	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९४	८८२/७६१	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९५	१६८६/८९९	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९६	१५६७/९७६	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९७	१७६६/११६७	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९८	३४५४/१८३९	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७९९	३४५६/१८४१	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८००	५९५५/३११२	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०१	६४७०/३५५३	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०२	६६०७/३६५३	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०३	७०३९/३९६८	बटुकभैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०४	२६९/२५०	बालाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×११	६	९	२४	पूर्ण/४५	१८९९ वि०	—
१५ ५×१३	७	१०	१६	पूर्ण/३५	१८७३ वि०	—
१६ ५×११ २	८	८	२७	पूर्ण/५४	—	दीपदानविधि
२५×९	५	५	३२	पूर्ण/२५	१९६४ वि०	—
१६×१०	९	७	१८	पूर्ण/३४	—	—
१८×९	८	५	१६	पूर्ण/२०	१९१७ वि०	—
१२ ५×७ ३	१०	५	१६	पूर्ण/२५	—	—
१३×७	११	७	१०	पूर्ण/२४	१८३९ वि० (श्रावण बुध .९ मदवार)	—
२५ २×११ २	५	९	२८	पूर्ण/३९	—	—
२६ ५×१२	३	१७	४०	अपूर्ण/२४	—	—
२४×१२	६	१२	४०	अपूर्ण/१०५	१८५६ वि०	—
११×७	४	९	१०	पूर्ण/११	—	—
१३×८	९	७	१६	पूर्ण/३१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८०५	७०२२/३९५६	बालात्र्याक्षरीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०६	६७४७/३७९०	वैतालकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०७	३२१५ १/१६२९	ब्रह्मकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०८	१११/१०३	ब्रह्मस्तोत्र देवीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८०९	२७६/२५६	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१०	५१६/५२६/४७२	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८११	५३०/४७६	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१२	१८०९/१२१०	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१३	३८२८ १/१९५० १	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१४	२९१७ २/१९९८	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१५	६५९३/३६४३	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१६	६८९८/३८९६	भवानीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८१७	१७८०/११८१	भैरवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×१४	२	१०	२०	पूर्ण/१२	—	—
१५×१०	६	१२	२४	अपूर्ण/५४	१९०९ वि०	—
१७×१३	२०	७	१६	पूर्ण/७०	—	—
१४×९	१२	७	१६	अपूर्ण/४२	—	—
१४×९	३	१७	२३	पूर्ण/३६	१८५८ वि०	—
१३५×९५	४	१०	१४	पूर्ण/१८	—	—
१४×१०	४	८	१६	पूर्ण/१७	१९१२ वि० (आश्विन सुदि २)	—
१६×११	१०	७	१६	अपूर्ण/३५	—	—
१९×१०	८	१२	२४	पूर्ण/७२	१८५० वि०	—
१६×१२	४	१०	१६	अपूर्ण/२०	—	—
२०×९	३	१२	३२	पूर्ण/३६	—	—
२२×१७	२	१८	२५	पूर्ण/२८	१७९५ वि० (ज्येष्ठ कृष्ण ४)	—
१५.४×८ २	४	५	२२	अपूर्ण/१४	१९३२ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८१८	३७८७.१/१९३०.१	भैरवकवच -	—	—	देसी कागज	नागरी
८१९	९२५/९४२ ४/७६८	मन्त्रविग्रहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२०	१३६/१२९	महाकालकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२१	३२६.१/२९७	महात्रिपुरसुन्दरीषोडशी- कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२२	२७०/२५१	महात्रिपुरसुन्दरी सिद्ध- सौभाग्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२३	७५२०/४२५३	योगिनीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२४	३८९२ ८/१९४० १	राधाकवच	७	—	देसी कागज	नागरी
८२५	६७३२/३७७५	रामकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२६	३४०६/१७९०	रामत्रैलोक्यमोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२७	१७८६/११८७	रामरक्षाकवच	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
८२८	१५०/१४२	लक्ष्मणकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८२९	३८४१ ७/१९६०.१	लक्ष्मीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३०	१३७/१३०	लक्ष्मीनृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३ × ९	५	६	१०	अपूर्ण/९	—	
१७.५ × ११.५	६	८	२०	पूर्ण/३०	—	
१७ ५ × १२.८	१६	१०	१९	अपूर्ण/९२	—	
१६ × १३	८	७	१६	पूर्ण/२८	—	
१७ × ९.५	१५	६	१५	पूर्ण/४२	—	
११ × १०	८	१२	१२	पूर्ण/३६	—	
१६ ८ × २१	२०	१२	१६	अपूर्ण/१२०	—	
१६ × १२	७	८	१६	अपूर्ण/२८	—	
२७ × १२	४	११	३०	पूर्ण/४१	१८९५ वि० (माघ कृष्ण २ चन्द्रवार)	
१३ × ८	२२	५	१२	अपूर्ण/४१	—	
१८.५ × ९८	५	९	२१	पूर्ण/२९	—	
६ × ११	६	१२	८	पूर्ण/१८	—	
१३ × १०	६	८	१२	पूर्ण/१८	—	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८३१	२६०५/१४६५	लक्ष्मीनृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३२	३३८२/१७७३	लक्ष्मीनृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३३	१६९१.३/१०९४.१	लक्ष्मीस्तोत्रकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३४	४३१६/२०१७	वक्रतुण्डकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३५	२०३/१९५	बालात्रिपुरकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३६	८४७/८६४(२)/ ७५१	शरभकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३७	२१३/२०३	शिवकवच	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
८३८	५६९/५७९/५२५	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३९	८४२/८५९/७४८	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४०	१६२५/१०२९	शिवकवच	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
८४१	३२९१/१६५९	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४२	३४८१/१८६३	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४३	३७२२.१/१८९३.१	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२० ५ × १३	२	१९	१८	पूर्ण/२१	—	—
२५ × १० ५	३	९	२०	पूर्ण/१७	—	—
१३ × २२	८	१२	१२	पूर्ण/३६	१९५४ वि०	—
११ × ८	३०	५	१०	पूर्ण/४७	—	—
१६.५ × १० ३	७	७	२०	पूर्ण/३०	१८७५ वि० (आश्विन कृष्ण)	—
२२.५ × ११ ५	२२	१०	३२	पूर्ण/२२०	—	चतुर्वर्गार्थ सिद्धिहेतु शरभदेव की तान्त्रिका स्तुति
२२ ५ × १०	१९	७	३२	पूर्ण/१३३	—	—
११ × ६ ५	४४	४	७	अपूर्ण/३४	—	—
१७ ५ × १२	१८	८	१७	पूर्ण/७६	१९०३ वि० (फाल्गुन शुक्ल २ बुधवासरे)	—
१२ ५ × ९.५	१३	१२	१८	पूर्ण/४४	—	—
१२ ५ × ९	२२	६	१४	अपूर्ण/५८	—	—
२४ × ११	३	८	३२	पूर्ण/२४	—	—
१५ × ११ ५	१२	८	१५	अपूर्ण/४५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८४४	६२७२/३३७५	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४५	६६९६/३७४०	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४६	१५४४.१/९५४	शिववर्मकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४७	१४००.२/८९९	शीतलाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४८	३८०३.१/१९३५.१	श्मशानकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४९	३७१७.१/१८८९.१	श्मशानकालीकवच (देवीध्यान)	—	—	देसी कागज	नागरी
८५०	६/४	श्यामाकवच (दक्षिण कालिकाकवच)	—	—	देसी कागज	नागरी
८५१	१५७५/९८०	श्रीकृष्णकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५२	२६०९.५/१४६५	श्रीकृष्णकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५३	४८२/४९१/४४५	सम्मोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५४	३९८/३६१	सरस्वतीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५५	३ ९.१/१९५१	सिद्धिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५६	१५४६/९५६	सुन्दरीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

कवच

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ ५×११	३५	७	१०	अपूर्ण/७६	—	—
१४×९	१२	१०	२०	अपूर्ण/३०	—	—
१८ ६×११ ५	१५	६	२४	अपूर्ण/ ६२	—	—
२५×१०	८	५	२८	पूर्ण/३५	१९५५ वि०	—
१९×११	१२	७	१५	पूर्ण/४२	—	—
१४×९ ५	७	६	१०	अपूर्ण/१३	—	—
२२ ५×११ ५	३१	९	३२	पूर्ण/२७९	१९०७ वि० (माघ सुदी ८)	श्मशान मे साधने के योग्य मारण, मोहन आकर्षणादि सिद्धिप्रद तान्त्रिक कवच
१६.५×९ ४	३	६	१६	पूर्ण/९	—	—
२०.५×१३	२	१८	१९	पूर्ण/२१	—	—
२२.५×१४	३	१०	१५	पूर्ण/१५	१९१९ वि०	—
१८×१३	३	९	१५	अपूर्ण/१२	—	—
१५×१०	३	८	१६	पूर्ण/१२	—	—
१८.५×११.५	१२	७	२४	पूर्ण/७४	१९०० वि० (चैत्र शुक्ल एकादशी)	—

संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८५७	१५६६/९७५	सुन्दरीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५८	२८६/२६३	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५९	१५३३/९४८	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६०	१६६२/१०६६	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६१	२६७१/१४८३	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६२	३०७८.६/१५९३	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६३	३८४१ ८/१९६० १	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६४	४३३५/२०२२	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६५	५९२९/३०८८	सूर्यकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६६	८८/८१	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६७	१५९/१५२	हनुमत्कवच	रामचन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
८६८	२७४/२५५	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८६९	४२६/३८६	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७०	२६९०/१४८९	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्षित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×११	१४	८	१६	पूर्ण/५६	—	—
१६×१०	१०	७	१६	पूर्ण/३५	१९१२ वि० (मिती फाल्गुन शुक्ल १३ बुद्ध)	—
२७.५×१२	७९	७	२६	पूर्ण/४४९	—	—
१४.५×९	४	९	१५	पूर्ण/१७	—	—
२६×११ ५	९	८	३५	पूर्ण/७९	—	—
१०.२×६ ६	१०	६	१६	पूर्ण/३०	—	—
८×११	७	१२	८	पूर्ण/२१	—	—
१६×११	५	८	१७	पूर्ण/२२	—	—
१४.२×११ ५	४	११	२४	पूर्ण/३३	१८२५ वि० (चैत्र १३)	—
११×८	२०	८	२०	अपूर्ण/१००	१८६२ वि०	—
१२.५×६	४०	६	१२	अपूर्ण/९०	१९४२ वि०	—
१५×१०	१३	७	१४	पूर्ण/२३	१८५० वि०	—
१६×१०	५	८	१६	पूर्ण/२०	—	—
१८×११	९	८	५४	पूर्ण/२४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८७१	२८५१/१५२६	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७२	२८५२ १/१५२६	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७३	२८७३/१५२९	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७४	२८७६/१५३०	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७५	२९८६/१५६३	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७६	३१९१.३/१६२३	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७७	३३८३/१७७४	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७८	३९७३/१९२८	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८७९	५८६७/३०३३	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८८०	६४४८/३५३७	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८८१	६७०१/३७४५	हनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८८२	३३६७/१७६१	हनुमत्पचमुखीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८८३	६८६६/३८८८	हनुमानकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८८४	४३१५/२०१७	हरिद्रागणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (च)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१२	१२	१०	२०	अपूर्ण/७५	—	—
१६×१२	८	८	१७	पूर्ण/३४	—	—
१६.५×१३३	१७	१०	१३	पूर्ण/६९	—	—
२२×१४	१४	७	२०	पूर्ण/६१	१९४४ वि० (विशाख कृष्ण १३ गुरुवार)	—
२६×१५	५	११	३३	पूर्ण/५७	—	—
१५ ३×८ ७	५	७	१६	अपूर्ण/१७	—	—
१८×११ ५	१२	१६	१०	पूर्ण/६०	—	—
१६×१३	८	९	२०	पूर्ण/४५	१८८७ वि०	—
१७/१० ५	१०	८	२४	अपूर्ण/६०	—	—
५०×१७	१	६०	२०	अपूर्ण/३७	—	—
१५×१०	४	१२	३२	पूर्ण/४८	—	—
१९×११	१२	८	२१	पूर्ण/६३	—	—
९×७	१८	६	८	अपूर्ण/२७	१९१६ वि०	—
११×८	९	५	१०	पूर्ण/१४	१९०२ वि०	—

पटल

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८८५	७२२६/४०८६	अन्नपूर्णापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८८६	१६९१.१०/ १०९४ ३	उच्छिष्टगणेशपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८८७	७९०/८०६/७१५	कार्तवीर्यार्जुनपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८८८	१९३/१८५	कालिकापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८८९	६०/५५	कालीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९०	३९०२.१/१९९२	कालीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९१	१३६९/८९७	गयापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९२	१६६१/१०६५	गयापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९३	१४७७.१/९१४	गायत्रीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९४	३०१२/१५७२	गोपालपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९५	५८/५३	त्रिपुरबालापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९६	७०२३/३९५६	त्रिपुरबालापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
८९७	८३/७६	त्रिपुरसुन्दरीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८९८	४५५/४४६	त्रिपुरसुन्दरीपटल (श्रीपटल)	—	—	देसी कागज	नागरी
८९९	५९०/६०१/५४४	त्रिपुरसुन्दरीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९००	४३०८/२०१६	धनदायक्षिणीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०१	६५९५/३६४५	पद्मावतीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०२	९२५/९४२.७/७६८	पारायणपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०३	८६३/८८०/७५६	बटुकभैरवआपदुद्धारण- पटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०४	१२३/११६	बटुकभैरवपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०५	७१/६५	वालापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०६	३२४/२९५	वालापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०७	५५८/८७५/७५६	वालापटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०८	८९०/७६१	भुवनेश्वरीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९०९	३४४७/१८३२	भुवनेश्वरीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१०	३१३/२८४	यक्षिणीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५×१६	३०	१६	८०	अपूर्ण/४८०	—	—
२०×१५ ५	१४	१५	२८	अपूर्ण/१८४	—	—
१७×११ ५	६	९	१६	पूर्ण/२७	—	—
२७×१३	३	१२	४०	पूर्ण/४५	—	—
१७×१२	३४	१०	१८	अपूर्ण/१९१	—	—
१९×१२	३१	८	२०	पूर्ण/१५५	—	—
१८ ५×११ ५	३५	७	२४	पूर्ण/१८४	—	—
१७×१२.५	९	१०	१९	पूर्ण/२६	—	—
१७.५×१२.५	१२	११	२४	पूर्ण/९९	—	—
१९×११	१९	८	२२	पूर्ण/१०४	१८९८ वि० (पौष शुक्ल ९ भृगो)	—
१९ ५×१० ५	७	१८	३१	पूर्ण/१२२	१५९८ शक	—
१६ ५×९	६४	७	२०	पूर्ण/२८०	—	इसमे भुवनेश्वरी देवी की तान्त्रिक स्तुति की गई है
१६×९.५	३७	८	१६	पूर्ण/१४८	१८५९ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९११	३४०५/१७९०	रामपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१२	७३५६/४१६६	रामपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१३	५९३/६०४/५४७	शिवपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१४	५१८/५२८/४७४	सरस्वतीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१५	६६३३/३६७९	सरस्वतीप्रयोगपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१६	३६५८/१८६८	सूर्यपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१७	५८६६/३०३३	हनुमत्हृदयपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१८	६०३२/३१६६	हेतुजटापटल	हयग्रीव	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७ × १२	३	११	३०	पूर्ण/३१	१८९५ वि० (माघकृष्ण ६ भृगुवार)	—
२१ × १३.३	२०	८	३१	पूर्ण/१५६	१९२१ वि०	—
२३.५ × ११	१३	९	३०	पूर्ण/१०६०	—	—
१४ × ९	८	११	१६	पूर्ण/४४	—	—
१६ × ८	५	७	१६	पूर्ण/१७५	१८२० वि०	—
१८ × ११	२०	८	१०	पूर्ण/५०	—	—
१७ × १०.५	५	८	२४	पूर्ण/३०	—	—
२०.५ × ९ ८	११	१०	३३	पूर्ण/११३	१८९६ वि०	क्रमपाठ से जटापाठ करने की सरणों का विवेचन

•

६

माहात्म्य

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९१९	७०५४/३९७९	अक्षयनवमीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२०	२९९/२७०	अथर्वणमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२१	३३०/३०१	अथर्वणमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२२	३४५९.१/१८२७.१	अधिकमासमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२३	३१४१ १/१६१४	अन्नकूटमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२४	१६०१/१००७	अयोध्यामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२५	२८१३/१५१६	आदित्यमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२६	३०८/२७९	आनन्दार्णवमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२७	९८९.१/१००७.१/ ७८२	इन्दिराव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२८	५८३/५९३/५३६	उच्चीष्टमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९२९	७७१/७९७/७०९	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३०	७९७/८१३/७१७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३१	८०५/८२१/७२२	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

अकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१४	८	११	२०	पूर्ण/५५	—	—
१६५×१२	४३	११	१६	अपूर्ण/२३६.५	—	—
१७×१२	२९	१७	२४	अपूर्ण/३६९७	—	—
२७५×१४	२	१५	३५	अपूर्ण/३३	—	—
२४.५×१५ ७	४	१२	२२	पूर्ण/३३	१९११ वि० (फाल्गुन शुक्ल १२ बुधवार)	
३३.७×१६ ५	५९	१३	४०	अपूर्ण/९५८	१९१७ स० (आश्विन शुक्र- वार १४)	
२८×१६	१०	१०	३०	पूर्ण/१००	—	
१७×१२	७	१०	२४	अपूर्ण/५२.५	—	—
२६५×१२	५	१०	३०	पूर्ण/४६	—	
१५×८.५	२६	६	२०	अपूर्ण/६५	—	—
२७×१३	६०	९	३४	अपूर्ण/५७४	—	—
२४५×११ ५	२२	८	२८	अपूर्ण/१५४	—	—
२५×१०.५	१७५	७	३२	पूर्ण/१२२५	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९३२	१३४२/८८६	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३३	८९१/९०८	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३४	२६२६/१४६७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३५	२८३३/१५२२	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३६	२८५४/१५२७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३७	२९०५/१५३६	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३८	२९०७/१५३७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३९	३०७६/१५९१	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४०	३२८३/१६५५	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४१	३४२२/१८०८	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४२	३४४७/१८२६.१	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४३	३५२८/१८४०.१	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४४	३७००/१८७७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पू०स०	पक्ति प्र०पू०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३१×१६	७६	११	४०	पूर्ण/१०४५	१९०४ वि०	विविध पुराणो से सकलित
२३×१० ५	११८	१०	२८	पूर्ण/९९५	—	—
२६×१४	११७	११	३२	पूर्ण/ १२८७	१९२५ वि०	—
२८×१३	९६	१०	३२	अपूर्ण/९६०	—	—
२६.५×११	६९	७	२७	अपूर्ण/४०८	—	—
२३.३×१० ५	४२	९	२६	पूर्ण/३०७	१८९३ वि० (चैत्र शुक्ल ६ बुधवार)	—
२२.२×१०.२	१०१	७	३०	अपूर्ण/६६३	—	—
३०×१५	७७	१०	३२	अपूर्ण/७७०	—	—
२२×१० ५	३९	७	२५	पूर्ण/२१३	१८९६ वि० (भाद्रपद शुक्ल १)	—
२४×११	२०	९	२०	अपूर्ण/१८०	१८२० वि०	—
२६×१२ ५	८	११	३६	अपूर्ण/९९	—	—
२८ ५×१३.३	१५७	११	३२	पूर्ण/१७२७	१९९४ वि० (वैशाख कृष्ण एकादशी)	वर्ष के बारहो महीनो की तथा अधिमास की एकादशियों के माहात्म्य का ब्रह्म- वैवर्तपुराणोक्त निरूपण
२८×१२ ५	४२	१०	२०	अपूर्ण/२६२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९४५	३८७५ १/१९८०	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४६	३९२०.१/१९९९	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४७	६०१३/३१४९	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४८	२६४३.१/१४७६	एकादशीव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४९	७३७३/४१७८	एकादशीव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५०	३८२० २/१९२५	कार्तवीर्यमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५१	२५३०/१४४९	कार्तिकएकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५२	१०५३/८००	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५३	१०५३ १/८००	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५४	११०९/८१३	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५५	१२४७/८६२	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५६	१३४७/८८७	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५७	१८१६/१२१७	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२४.५ × १२.५	१३	११	३०	अपूर्ण/१३४	—	—
२४ × १५	६	१२	२४	अपूर्ण/५४	—	—
२७ × १२	४	१२	३६	पूर्ण/५४	—	—
२६ × १०.६	२२	८	२८	अपूर्ण/१५४	—	—
२८ × १२	२२	११	३६	अपूर्ण/२७२	—	—
—	१	१४४	२०	अपूर्ण/९०	—	कुण्डलाकार
२२ × ११.५	९	७	२६	पूर्ण/५१	—	सुलिपि
२६ ५ × १४ ५	९०	९	२८	अपूर्ण/७०९	—	—
२९ × १३ ५	९	१२	३९	अपूर्ण/९८	१८०३ वि०	—
२३ × १४	१२२	१०	२४	अपूर्ण/९१५	१८७८ वि० (शाके १७४३ मिति पीस सुदी ३ गुरुवार)	—
२९ × १४.५	१५८	१०	३२	पूर्ण/१५८०	१८३६ वि०	—
३४ × १३	११२	७	४८	अपूर्ण/११७६	—	—
३३.५ × १३ २	९७	८	४३	पूर्ण/१०४६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९५८	२५२९/१४४९	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९५९	२६२५/१४६९	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६०	२८२२/१५१९	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६१	३४०६.१/१८०६.१	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६२	३४३८.१/१८२५.१	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६३	३५३१/१८४०.१	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६४	३५३३/१८४१.१	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६५	४३५३/२०२६	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६६	६१९६/३३११	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६७	६५२९/३६१३	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६८	६८७८/३८९३	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९६९	७२५६/४१११	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७०	७२८८/४१३०	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५×१३	१३७	१०	२६	पूर्ण/१११३	१९०६ वि० (वैशाख शुक्ल १५ चन्द्रवार)	सुलिपि
२५ २×१३.६	१००	९	३२	पूर्ण/९००	१८३७ वि० (आषाढ १३ मंगलवार)	-
३० ४×१४ ६	१०	१३	३८	पूर्ण/१४१	-	-
२५×११	६	९	३२	अपूर्ण/५४	-	-
२५.५×११.५	४०	९	२०	अपूर्ण/२२५	-	-
२९×१३ ६	१२३	१२	२८	पूर्ण/१२९२	पौष १२ बुधवार	-
२८.२×१८	९०	१२	२८	पूर्ण/९४५	१९३० वि० (कार्तिक शुक्ल १३)	-
३२×१४	४२	११	३०	पूर्ण/४३३	-	-
२५ २×११ ४	१२	९	३६	अपूर्ण/१२१.५	-	-
२९×१५	१६	१४	४०	पूर्ण/२८०	-	-
३२×१४	६	१५	४०	अपूर्ण/११२	-	-
२४×१२ ५	१४८	१०	२४	पूर्ण/१११०	१७५९ वि० (कार्तिक शुक्ल ११)	-
३१×१४ ८	४६	१३	४४	अपूर्ण/८२२	-	-

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम -	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९७१	७३७४/४१७८	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७२	१२०८/८४९	कार्तिकव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७३	१७६९/११७०	कालिजरमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७४	९८९.१/१००७/ ७८२	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७५	१२६१/८६८	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७६	१३३५/८८४	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७७	१४४३/९१३	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७८	१४८८ १/९२८	काशीमाहात्म्य	काकारामदत्त	—	देसी कागज	नागरी
९७९	२८९३/१५३३	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८०	३९३०.२/२००६	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८१	१७९३/११९४	कुशमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८२	७४६१/४२३४	कोकिलामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८३	४२१/३८०	गंगामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५.२×११ ५	४२	९	३४	अपूर्ण/४०२	—	—
२६×१६.२ कुछ पत्र २६×१८	८४	१२	३०	अपूर्ण/१४५	१८९७ वि०	—
१३×११	१४	१२	२०	पूर्ण/१०५	१९२९ वि० (शाके १७९४)	—
२६ ५×१२	४	१०	३०	पूर्ण/३७	—	—
३४×१३ ५	१४२	११	५४	अपूर्ण/२६३६	—	—
३८×१५	४६	११	४८	पूर्ण/७५९	—	—
२४ ५×१० ६	५३१	७	२९	पूर्ण/३३६९	—	—
३५×१८ ५	४५	१४	३८	अपूर्ण/११८५	—	सटीक
२९ ५×१४	१५	१५	४५	पूर्ण/३१६	—	—
१७×७	४	३	१६	पूर्ण/६	—	—
२१.८×११	२	८	३२	अपूर्ण/१६	—	—
२४×१२	१२२	१०	३२	पूर्ण/१२३०	—	—
१७×१०	१८	११	२५	पूर्ण/१०१	१८३५ वि० (आषाढसुदि ७ बुधवार)	विविध पुराणप्रतिपादित गङ्गामाहात्म्य संग्रह

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९८४	१३३७/८८४	गयामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८५	१४६८/९२१	गयामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८६	३४/२९	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८७	२७६६/१५०६	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८८	२८१७/१५१७	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८९	३१४४/१६१४	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९०	१०२६/७९५	चान्द्रीयएकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९१	९८६/१००३	जम्बूमार्गमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९२	२९८४/१५६३	जम्बूमार्गमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९३	२५१७/१४४६	जानकीनवमीव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९४	३४७४.१/१८२९ १	तुलसीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९५	३४०५/१७९१	दुर्गामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९६	१६९१/१०९४	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३०×१५	७६	११	२४	पूर्ण/६२७	—	—
३०×११	३६	१२	५२	पूर्ण/७०२	—	—
२०×१०.५	३२	५	२०	पूर्ण/१००	—	—
२६ ५×१५.५	१२	९	२४	पूर्ण/८१	—	—
२७×११ ५	१२	९	३०	पूर्ण/१०१	—	—
२६ ५×१३.५	८८	१२	३२	अपूर्ण/१०५६	—	—
२५.५×१३	१४९	१२	३५	पूर्ण/१९५९	१७७१ वि०	—
२४.५×१५	१८	७	१४	पूर्ण/५५	—	—
२७.३×१४.५	५६	१०	२६	पूर्ण/४६	१९१९ वि० १७८४ शक	—
३०×१४	१६	११	४१	पूर्ण/२२५.५	—	—
३२ ५×१६ ६	५	१३	४२	पूर्ण/८५	—	—
१७ ५×८	११	७	१०	अपूर्ण/२५	—	—
२३×११	८६	९	२४	अपूर्ण/५८०५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९९७	२३८३.१/१४१७	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९८	३३३३/१७२९	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९९	३४१९.१/१८१९.१	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०००	३६१७/१८६०.१	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००१	३६२३/१८६१.१	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००२	७२२३/४०८४	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००३	७२३०/४०८७	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००४	१६८/१६१	द्वारिकामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००५	३५२९/१८४०.१	धनुर्मासमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००६	३४८०.३/१८२९.१	पद्मानामैकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००७	२४९५/१४४१	पुष्करमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००८	२००९/१५६९	प्रबोधएकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१००९	१३६०/८९४	प्रयागमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्षित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३.५×८	४४	६	१६	अपूर्ण/१३२	—	—
१४.५×१२.५	९४	७	१६	अपूर्ण/३३९	—	—
१९×११	३१	९	२४	अपूर्ण/२०९	—	—
१८.२×१०.२	१४	७	२२	अपूर्ण/६७	—	—
१७×१० ५	१५२	८	१०	अपूर्ण/३८०	१७९४ वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी गुरुवार)	—
२१×१०.८	१५१	१२	४२	पूर्ण/१८७८	—	सटीक
१३.५×१०.४	९०	९	१६	अपूर्ण/४०५	—	—
२२.५×१०	२६	८	३२	अपूर्ण/२०८	१७१३ वि०	—
२९ ४×१५ ६	२०३	१०	३२	पूर्ण/२०३०	१८३९ वि० (आश्विन कृष्ण १४)	—
२४.३×१४७	२	१०	२२	पूर्ण/१३	—	—
३१×१४	१६७	११	४२	पूर्ण/२४११	१८३४ वि० (उत्तरायण श्री सूर्यग्रह शुदि १ गुरुवासर)	सुलिपि
३५×१३.५	११०	९	४५	पूर्ण/१३९२	१९२२ वि० (माघकृष्ण १४ भौमवार)	जीर्ण
३५×१३	२३४	१०	४०	पूर्ण/२९२५	१८९४ वि०	१०० अध्यायो मे पद्मपुराणान्तर्गत प्रयागमहिमावर्णन

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आचार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०१०	१५६३/९७२	प्रयागमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०११	४२५७/१९९७	प्रयागमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१२	३००८/१५६९	फलद्वितीयामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१३	१६००/१००६	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१४	२८६६/१५२८	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१५	२८६६.१/१५२८	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१६	३१४०/१६१४	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१७	३१९२.२/१६२३	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१८	३२६९/१६५२	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०१९	४३७३/२०३३	भागवतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२०	३४०५.१/१८०५.१	भीष्मपंचकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२१	३४३८.१/१८२५.१	मथुरामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२२	१०८१/८०६	माघमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३२ ३×१५.६	२७४	१४	३६	पूर्ण/४६२८	१८४७ वि०	इसमे पद्मपुराण के 'पातालखण्ड' के एक भाग 'प्रयागमाहात्म्य' का संग्रह किया गया है इसमे पद्मपुराण के पातालखण्ड के अश रूप १०० अध्यायो का प्रयागमाहात्म्य उपनिबद्ध है
२४×१०.५	५५१	९	३५	पूर्ण/५४२४	१८५६ वि०	
२७ ५×११.५	७	१२	३६	पूर्ण/९४	१७४२ वि० (श्रावण वदि ५ शुक्रवार)	—
३६×१५	११	१०	३८	अपूर्ण/१३०	—	—
२९×१२	२१	११	३२	पूर्ण/२३१	१९४० वि०	—
२९×१२	२६	१०	२४	पूर्ण/१९५	—	—
२५×११.७	४४	८	३२	पूर्ण/३५२	१९२९ वि० (चैत्र ७ गुरुवार)	—
२८५×१५.५	८	१०	२८	अपूर्ण/७०	—	—
२२ ८×१०.४	२४	७	२८	पूर्ण/१४७	१८२८ वि० (श्रावण कृष्ण ३)	—
३४×१६.५	३३	१३	३०	पूर्ण/४९५	—	—
२५×१४	६	११	३२	अपूर्ण/६६	—	—
२५×१३	२६	१५	२०	अपूर्ण/२४४	—	—
२५ ८×१७	११२	१०	२६	पूर्ण/९१०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०२३	१४७५.१/९२२	माघमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२४	१५१४/९३३	माघमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२५	१८३७/१२३४	माघमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२६	१८०८/१२०९	मार्गशीर्षमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२७	२७६०/१५०४	मार्गशीर्षमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२८	२८९५/१५३३	मार्गशीर्षमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०२९	३५२०/१८३९ १	मार्गशीर्षमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३०	३५९९/१८५६.१	मार्गशीर्षमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३१	४३५५/२०२७	मार्गशीर्षमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३२	२८२१.२/१५१९	(माहात्म्य)	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३३	१६०६ १/११०८	रामतीर्थमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३४	१७८५ ६/११८६	रामनाममाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३५	१६३९.१/१०४३	रुद्रमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३२×१३	१४२	१२	४८	अपूर्ण/२५५६	—	—
३४ ३×१२ ३	१२	१०	४७	अपूर्ण/१७६	—	—
३०×१४	९०	१२	३२	पूर्ण/१०८०	१८४६ वि०	—
२७ ५×१३	८१	९	४०	पूर्ण/९११	—	—
३०×१५	३२	११	३५	अपूर्ण/३८५	१८३२ वि० (मार्गशीर्ष वदि ३०)	जीर्ण
३१×१४	११७	१२	३६	पूर्ण/१५७९	—	—
३२×१४ ५	१४०	१३	३०	पूर्ण/१७०६	१९३३ वि० (वैशाख कृष्ण ५ भृगुवार)	—
२३×१० ५	७	९	२०	अपूर्ण/४०	—	—
२३.१×१२	१४३	९	२४	पूर्ण/९६५	—	—
२९.६×१३ ५	१०	१०	३२	पूर्ण/१००	—	—
१४ ३×१३	११	१०	१७	अपूर्ण/५८	—	—
२५×३०	२	२४	४०	पूर्ण/६०	—	—
२६.२×१७.२	४	५	१७	अपूर्ण/११	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०३६	४९/४४	वसिष्ठमुनिमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३७	१३३४/८८३	विष्वपुराणमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३८	१३१४/८८१	विष्वमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०३९	६०३५/३१६९	विभूतिमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४०	६१४१/३२६२	विभूतिमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४१	३३२७/१७२३	वैशाखमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४२	६१५६/३२७६	व्रतोपवासमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४३	१६३०/१०३४	शालिग्रामशिलामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४४	१७८५.७/११८६	शिवनाममाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४५	५६३/५७३/५१९	संक्रांतिमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४६	६७७०/३८०६	सगममाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४७	६३३५/३४३७	सोमवतीअमावस्यामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
११ × ६.५	११	६	१४	अपूर्ण/२९	—	—
४० × १४	३१८	८	४०	पूर्ण/३१८०	१९२३ वि०	—
३७ × १०	२४०	१२	३२	पूर्ण/२८८०	—	सटीक
१४.७ × ९.७	३७	११	२३	पूर्ण/२९३	—	भस्मधारण की सप्रमाण विधि एवं फल का विवेचन
१९ ८ × १०.४	१	१४	३७	पूर्ण/१६	—	—
२६ × ११	१०९	१३	४८	अपूर्ण/२१२५	१६६८ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२५.७ × ९.८	१६	८	३८	अपूर्ण/१५२	—	—
२६ ६ × १२.६	११	९	३७	अपूर्ण/११४	—	—
२५ × ३०	२	२४	४०	पूर्ण/६०	१९१० वि०	—
२५ × ११.५	६	९	२६	पूर्ण/४७	—	—
२१ × ११	१६	९	२४	पूर्ण/१०८	१७३७ शक	—
२४ × ११	११	९	२०	पूर्ण/६२	१८८२ वि० (मिति श्रावण)	—

रहस्य

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०४८	४७३/४३२	त्रिकूटरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४९	१४१३/९०२	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५०	२४८४/१४१७	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५१	६५४४/३६१४.६	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५२	७५७७/४२५३	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५३	६९९८/३९४५	भुवनेश्वरीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५४	४३५/३९५	मंत्रपूजारहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५५	३४३०/१८१५	मूर्तिरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५६	४३७/३९०	शिवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५७	१३७३/८९०	शिवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५८	१३६६/८९६	शिवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५९	१४३८/९१०	शीतलारहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०६०	१२२७/८५६	श्यामारहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१०	१५५	७	१५	अपूर्ण/५०८	—	—
२७४×११.९	५१७	८	३३	पूर्ण/४२६५	१९२५ वि०	यह रुद्रयामलतन्त्र का एक भाग है। ६० पटलो के इस ग्रन्थ में शक्तितन्त्र का विस्तृत विवेचन किया गया है
१६.२×१०	४४१	७	१६	पूर्ण/१५४३	—	—
१६×१९	१६९	७	१०	पूर्ण/३७०	—	—
२५.२×१०	१४७	७	२१	पूर्ण/६७५	—	—
३०×१६.५	४७	१०	२०	पूर्ण/२९४	—	—
२३×११.५	२५८	९	३२	अपूर्ण/२३२२	—	—
१९.४×१०.६	१५	१०	२५	पूर्ण/११७	—	—
२३×११	२१	९	२४	अपूर्ण/१४१	—	—
२७×१२	१९	७	३२	अपूर्ण/१३३	—	—
३६×१८.२	२०२	१५	४६	पूर्ण/४३५६	—	स्कन्धपुराण का एक अंश शिवरहस्य है जिसमें कुल ६० अध्याय हैं। यह प्रथम भाग है। द्वितीय भाग के भी कुछ पत्र इसके साथ उपलब्ध हैं। इसमें साम्ब- शिव के रहस्यमय चरित का वर्णन किया गया है
२२.४×१०	४	९	२४	पूर्ण/२७	—	—
२४×१६	२९२	१२	३२	पूर्ण/३५०४	१८९९ वि०	बीस परिच्छेदों में श्यामामाहात्म्य संकलन

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६१	१३६३/८९४	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द गिरि	—	देसी कागज	नागरी
१०६२	१८२५/१२२५	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१०६३	१८२७/१२२७	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१०६४	१४४२/१४३६	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१०६५	१९४/१८६	हयग्रीवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३४×१४	२६३	१३	४८	पूर्ण/५१३३.५	—	—
३०×१४	८०	१६	५०	अपूर्ण/२०००	—	—
२८×१४	६०	१३	४८	अपूर्ण/१४७०	—	—
२७×१२	३४१	८	३६	अपूर्ण/३०६९	१९२६ वि०	—
१७.५×११.५	१६	६	१६	अपूर्ण/४८		—

व्रतकथा

क्रम सं०	न्य स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आवार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६६	२५३३/१४४९	अक्षयनवमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०६७	२७४५/१५००	अक्षयनवमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०६८	३४०४.१/१८०४.१	अक्षयनवमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०६९	९१४.४/९३१/७६७	अगस्त्यकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७०	१०४६/७९८	अगस्त्यकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७१	२४३६/१४२९	अगस्त्यऋषिकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७२	२७४६/१५००	अगस्त्यऋषिकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७३	१०७९/८०६	अगस्त्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७४	२८५३/१५२६	अगस्त्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७५	३४७७.१/१८२९.१	अगस्त्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७६	६९९५/३९४५	अचलासप्तमीव्रतकथा	शकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१०७७	२६५६/१४८०	अनन्तचतुर्दशीव्रतकथा, पाली तथा कदलीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७८	५६४.१/५७४/५२०	अनन्तदेवकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×१२	१०	१०	३०	अपूर्ण/९४	१९०५ वि० (कार्तिक कृष्ण ३० गुरुवार)	सुलिपि
२५×१३	११	१०	३२	पूर्ण/११०	१९०८ वि०	—
२४×१४	५	१२	३२	अपूर्ण/६०	—	—
२५ ५×१४.५	९	११	२८	अपूर्ण/८७	—	—
२२.५×१४	९	१३	३०	अपूर्ण/१०९	१७५३ वि० (भाद्रवासुदी ५ शनिवार)	—
२९×१४.५	७	१२	४०	पूर्ण/१०५	१८४३ वि० (आश्विन कृष्ण तिथि १ शनि- वासरे)	—
२४×१२	१९	८	२४	पूर्ण/११४	१९०३ वि०	—
१९.३×१४	१३	१०	२२	पूर्ण/८९	—	—
१७×१०	२६	७	२४	पूर्ण/१४१.५	—	—
२८×१८	९	१३	३०	पूर्ण/१०७	१९१७ वि० भाद्र शुक्ल ६)	—
२६×१४.५	४	१२	२०	पूर्ण/३०	१८४८ वि० (माघ शुक्ल १४ भौमवार)	—
२५×१६.५	५३	१०	२४	पूर्ण/३९७	—	—
२३.५×१२	१३	९	२८	पूर्ण/१०३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०७९	२५९६/१४६४	अनन्तपूजन एव व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८०	१०४३/७९८	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८१	११०८/८१२	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८२	११४०/८२६	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८३	१५०५/९३१	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८४	२४३५/१४२९	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८५	२४९३/१४४१	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८६	३०७४/१५९१	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८७	३६८२/१८७३	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८८	१४८४/९२६	अन्नपूर्णाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८९	१६८९/१०९२	अन्नपूर्णाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९०	९१४.२/९३१/७६७	अष्टसौभाग्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९१	३२७२/१६५२	अष्टसौभाग्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×१२	७	१०	३०	अपूर्ण/६५	—	—
२६ ५×१२	१०	११	३२	पूर्ण/१८७	१८१७ वि०	—
२२ ५×१४.५	१५	९	२०	अपूर्ण/ ८४	—	—
२३ ५×१४	११	१०	१८	अपूर्ण/६१	१९०० वि०	—
२९.५×११.५	१७	७	३०	पूर्ण/१११	—	—
२९×१४	११	१०	३४	पूर्ण/११७	—	—
३०×१५	१६	१२	५०	पूर्ण/३००	१८४२ वि० (भाद्रपद सुदी १४ शुक्र)	—
३०×१६	१०	१२	३२	पूर्ण/१२०	१८९० वि०	—
२२.५×१४	९	१२	२०	पूर्ण/६७	—	—
२९×१०	१५	११	३६	पूर्ण/१८५	१९१७ वि०	—
२७ ५ × १२	२७	९	२४	अपूर्ण/२०२	—	—
२५ ५×१४.५		१५	३६	पूर्ण/१५२	—	—
२६.४×११.५	२१	६	२८	पूर्ण/१८	१८१६ वि० (आश्विन कृष्ण २)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०९२	३४५८.२/१८२७.१	आषाढकृष्णयोगिनीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९३	३७३५ १/१९०३.१	आषाढशुक्लएकादशीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९४	५६६/५७६/५२२	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९५	१३३५/८८२	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९६	२५९५/१४६४	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९७	२८०८/१५१६	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९८	३१४३/१६१४	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९९	३४४२/१८२६.१	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११००	३४४४.१/१८२६.१	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०१	५९५१/३१०९	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०२	९११/९२८/७६७	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०३	१०९२/८००	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०४	११३५/८२४	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०.८ × १२.२	६	९	२२	पूर्ण/३७	—	—
२५.५ × १६	४	१०	१६	पूर्ण/२०	—	—
२७ × ११	९	८	३२	पूर्ण/७२	—	—
२९.५ × १३	१०	६	१५	पूर्ण/२८	१९४९ वि० (भाद्र शुक्ल- पक्ष चतुर्थी शुक्रवार)	—
२३ ५ × १०	४	९	३२	पूर्ण/२८	—	—
२५ × १५	८	९	२४	पूर्ण/७२	१९४० वि०	—
२४.२ × १३.२	९	११	३२	पूर्ण/९९	१९०१ वि० (भाद्रपद शुक्ल एकादशी)	—
२५ × १३	२	१२	३२	अपूर्ण/२४	—	—
२५ × १२.५	३	१३	३२	अपूर्ण/३९	—	—
२७ ४ × १२.८	४	९	३६	पूर्ण/८१	—	—
२४ × १३.५	१८३	९	२८	पूर्ण/१४४१	१८०४ वि०, (१६६९ शक)	इसमे सभी महीनो की एकादशियों के व्रत का माहात्म्य विविध पुराणो से संगृहीत है
२९ × १३	२८	१२	३४	अपूर्ण/३५७	—	—
२३.८ × १४ ४	८	१०	१८	पूर्ण/४५	१९१९ वि० (भाद्रपद)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११०५	२४९४/१४४१	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०६	२६४४/१४७६	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०७	२७७०/१५०८	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०८	२९०४/१५३६	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०९	३२८६/१६५५	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११०	३७३७ १/१९०४.१	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११११	३८११.१/१९३९.१	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११२	६७२६/३७६९	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११३	३८७०.१/१९७८	कार्तवीर्यकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११४	२५८८/१४६२	कार्तिकएकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११५	२५८८.१/१४६२	कार्तिकएकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११६	३१३८/१६१४	कार्तिकशुक्लनवमीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११७	६०२५/३१६०	कार्तिकशुक्लपञ्चमीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

अकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२९×१३	१३	९	२८	पूर्ण/१०२	—	
२५ ५×११.३	३४	१०	३२	पूर्ण/३४०	—	
२२, ८×१३	९	९	२२	अपूर्ण/५५	—	
३३, २×१० ४	१३	९	२६	अपूर्ण/९६	—	
२२×१०	८	७	२५	अपूर्ण/४४	—	
३१.७×१३ ९	२५	१०	३२	अपूर्ण/२५०	—	
२२.५×१०.५	१८	६	२४	अपूर्ण/८१	—	
२७×१५	८	१२	२८	पूर्ण/८४	—	
२४×१४	२५	१०	३२	पूर्ण/२५०	—	
२२.३×१३.५	८	१०	२४	पूर्ण/६०	१९२५ वि० (श्रावणशुक्ल १३)	
२५.५×१३	७	१०	३२	अपूर्ण/७०	—	
२४×१६	८	१२	२६	पूर्ण/७८	१९२२ वि० (फाल्गुनशुक्ल १० चन्द्रवार)	
२४ ४×१२ २	७	१३	३८	पूर्ण/१०८	—	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१११८	३६४८/१८६६	कार्तिकशुक्लाप्रबोधनी- व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११९	९८८/१००५/७८२	कार्तिकीशुक्लाप्रबोधनी- व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२०	३४८०.२/१८२९.१	कृष्णचतुर्थीसंकष्टहरव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२१	३४५८.३/१८२८.१	कैवल्यैकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२२	५८३३/३००७	कोकिलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२३	५९०७/३०७६	कोकिलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२४	२७७३/१५०८	गणेशप्रतिपत्तकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२५	२७४४/१५००	गणेशप्रतिपदाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२६	८४६/७३९	गोत्रिरात्रिव्रतोद्यापन	—	—	देसी कागज	नागरी
११२७	९१०.१/७६७	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२८	१०४५/७९८	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२९	२७४१.१/१४९८	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३०	२७४१.३/१४९८	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से०मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२९.७×१४	८	१२	४०	पूर्ण/१२०	—	—
२६ ५×१३.५	७	९	३६	पूर्ण/७०	—	—
२८.५×१८.२	७	१६	३६	पूर्ण/१२६	—	—
२४×१४ ७	४	१३	३५	पूर्ण/५७	—	—
२०.५×१०	६	९	२४	अपूर्ण/४०	—	—
२०.७×१०	८	९	२४	अपूर्ण/५४	१८८५ वि० (आषाढ़ १)	—
२३×११ ६	११	८	२८	पूर्ण/७७	—	मृगधर्ममाहात्म्य वर्णित
२४×१३	७	१०	३२	पूर्ण/७०	१९०८ वि०	—
२२×१२	२६	१०	२५	पूर्ण/२०३	१७६१ वि० (१६२६ शक)	—
१४.५×१०	१५	८	१५	अपूर्ण/५६	—	—
२५×१४	६	१३	३६	पूर्ण/८७	—	—
२७ ८×१३.८	२	१२	४३	अपूर्ण/३२	—	—
२६ ५×१३	१६	१२	४३	पूर्ण/२५८	१८१५ वि०	इसमे भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष की त्रयोदशी को किये जाने वाले गोपूजा- परक सुखसौभाग्यप्रद व्रत का प्रति- पादन हुआ है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११३१	३२७१/१६५२	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३२	३४४३.१/१८२६.१	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३३	३७९५.१/१९३२.१	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३४	३४४३.१क/ १८२६.१क	गोत्रिसद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३५	१०१४/७९१	जन्माष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३६	२७४८/१५००	जन्माष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३७	३१४८/१६१४	जयापार्वतीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३८	७००५/३९४६	देवोत्थानीएकादशीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३९	६३८१/३४८०	निशल्याष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४०	२८२४/१५१९	नृसिंहचतुर्दशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४१	३७४३.१/१९०८.१	नृसिंहव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४२	१०८०/८०६	फलद्वितीय व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४३	३१४५/१६१४	फाल्गुनपूर्णिमाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२४×१३	१२	१०	२२	पूर्ण/८२	१७३१ वि० (मार्गकृष्ण प्रतिपदा)	खण्डित
२०×१४	२	१०	२८	अपूर्ण/१७५	—	
२५.३×१२ ३	४	११	३६	पूर्ण/४९	—	
२६×१४	३	१४	३२	पूर्ण/४२	१८४८ वि०	
२४×१४	१४	९	२२	पूर्ण/८७	—	
२४×१३	१०	१२	२८	पूर्ण/१०५	—	
२०.५×१० ७	५७	— ८	२८	पूर्ण/३९९	१९३७ वि० (कार्तिककृष्ण ६ रविवार)	
२४×१४	७	१२	२०	अपूर्ण/५२		
२४×११ ५	३	१०	२०	पूर्ण/१९	—	
२७.५×१२	१२	९	३२	पूर्ण/१०८	—	
२३×१६	६	१०	२३	अपूर्ण/४३	—	
२४×१३.५	७	१०	३२	पूर्ण/७०	१७५५ वि० (आश्विन- शुक्ल ७)	
२४७×१२.८	९	९	३२	पूर्ण/८१	१९०९ वि० (फाल्गुन वदि १४)	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११४४	१२९८/८७७	बहुलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४५	१२७०/८६९	बहुलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४६	१३१९/८८२	बहुलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४७	२८११/१५१९	बुधाष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४८	११३५.१/८२४	भाद्रपदकृष्णतृतीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४९	६७४१/३७८४	भौमकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५०	१०४४/७९८	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५१	२०७६/८०६	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५२	२४५८/१४३३	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५३	७६३५/४२८६	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५४	१०८२/८०६	माघकृष्णचतुर्थीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५५	३४५८.४/१८२७१	मोहिनीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
११५६	६११९/३२४१	मौनीएकादशीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×१०.५	१२	६	२२	पूर्ण/३७	१९६० वि० (भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे चतुर्थ्या भीमवासरे)	-
२५×१०	१२	७	३१	पूर्ण/८१	-	-
२७×१३	७	८	२५	पूर्ण/४४	१९५९ वि० (भाद्रकृष्णपक्ष चतुर्थी शुक्रवार)	-
२६.८×१२.७	४	१२	३०	पूर्ण/४५	-	-
२७×१५	७	१०	२२	अपूर्ण/४८	-	-
१४×११	४४	१०	१६	पूर्ण/२२०	-	-
२६.५×१३	११	११	४०	पूर्ण/१५१	-	-
१८.५×१३.५	३९	९	१४	पूर्ण/१८४	-	-
१८×१३.५	६	११	२४	पूर्ण/४९.५	१८८२ वि०	-
२१×१३.५	२७	१०	२०	पूर्ण/१६९	१९१२ वि० (श्रावण सुदी १ शनिवार)	-
२३×१४.५	४	१३	३२	पूर्ण/५२	-	-
२१.८×१४.८	४	१२	३०	पूर्ण/४५	-	-
२०.५×१०.८	८	११	३०	पूर्ण/८३	१९३७ वि०	-

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११५७	७८९/८०५/७१५	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५८	१०१२/७९१	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५९	३१३६/१६१४	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६०	३७३२.१/१९०३.१	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६१	६६३९/३६८५	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६२	६९९४/३९४५	यमद्वितीयाव्रतोपाख्यान	—	—	देसी कागज	नागरी
११६३	२४५८.२/१४३४	रामनवमीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६४	१३१८/८८२	ललिताषष्ठीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६५	१३२१/८८२	वटसावित्रीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६६	६३२७/३४२९	वटसावित्रीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६७	६७०३/३७४७	वटसावित्रीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६८	३४७६.१/१८२९.१	वसन्तपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६९	५५९/५६९/५१५	विष्णुव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिगण	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७×१५	८	११	३०	पूर्ण/८३	१८८० वि० (चैत्र)	—
२४×१६	१८	९	१५	पूर्ण/६३	—	—
२७×१३.२	१०	१०	२८	पूर्ण/१७५	१९१० वि० (फाल्गुन- शुक्ल तृतीया)	—
२७.४×१६.७	११	१०	२४	पूर्ण/८०	१९२८ वि० (फाल्गुन वृष्ण ९)	—
२५.२×१३	१०	८	२४	पूर्ण/६०	—	—
२८×१३	६	९	३०	पूर्ण/५०	—	—
२९.१४	४	१०	४०	पूर्ण/५०	—	—
२६.५×११.५	९	८	३०	पूर्ण/६७	१९५३ वि० (भाद्रपदवृष्ण १ चन्द्रवार)	—
३०×१३	२४	७	२८	पूर्ण/१४७	१९४९ वि० (ज्येष्ठवृष्ण- पक्ष बुधवार चतुर्दशी)	—
१७×१२	१८	७	१०	पूर्ण/३९	—	—
१५×९	४०	७	१६	पूर्ण/१४०	१८०४ वि०	—
२३.४×१६.७	२	१६	२८	पूर्ण/२८	१९११ वि० (फाल्गुन- शुक्ल ८)	—
२१×१०	१४	८	२४	अपूर्ण/८४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११७०	६४८७/३५७०	विष्णुशयनीएकादशीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
११७१	३७३६ १/१९०३.१	व्यतीपातव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७२	१०७५/८०६	शरदकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७३	५६५/५७५/५२१	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७४	१०८३/८०६	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७५	९१२/८२९	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७६	३१३७/१६१४	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७७	३८७७.१/१९८२	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७८	१२६९/८६९	शीतलासप्तमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७९	२५११/१४४५	श्रावणद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८०	३२७०/१६५२	श्रावणद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८१	६७०९/३७५३	श्रावणद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८२	७३८२/४१७८	श्रीकृष्णजन्मव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७.५ × १३	८	१२	३०	अपूर्ण/९०	—	—
२८ ५ × १६	४	११	२८	पूर्ण/३८	—	—
१८ ५ × १३ ५	१३	९	२४	पूर्ण/ ८७	—	—
२५ ५ × ११	१०	८	३८	अपूर्ण/९५	—	—
२५ × १३.५	९	१२	३४	पूर्ण/११४	—	—
२६ × १७ ५	७	७	३४	पूर्ण/५२	१८७७ वि०	—
२६.२ × १४.२	२९	१०	३२	पूर्ण/२९०	—	—
२५ × १२	१७	८	३२	पूर्ण/१२६	—	—
२५.५ × ९	१३	८	३६	पूर्ण/११७	—	—
२७ × १२	१०	८	३०	अपूर्ण/७५	—	—
२६ ४ × १२.४	१०	९	३२	पूर्ण/९०	—	—
२८ × १३	८	११	३६	पूर्ण/९९	१८६१ वि०	—
२६ १ × १३.१	८	१२	२६	पूर्ण/७८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११८३	१५०४/९३१	सकटचतुर्थोन्नतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८४	१३२०/८८२	सकटचतुर्थोन्नतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८५	१८०८ १/१२०९	सकष्टनाशनगणेशव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८६	१७२३/११२४	सत्यनारायणव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८७	२४५९/१४३६	सत्यनारायणव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८८	२४९०/१४४०	सत्यनारायणव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८९	२७३३/१४९४	सत्यनारायणव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९०	३३७४/१७६५	सत्यनारायणव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९१	६१५७/३२७७	सत्यनारायणव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९२	७५१३/४२४७	सिद्धिविनायकव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९३	३१३५/१६१४	सिद्धिविनायकव्रतोपाख्यान	—	—	देसी कागज	नागरी
११९४	२४५८ १/१४३६	सीतानवमी	—	—	देसी कागज	नागरी
११९५	५८२.१/५९२/५३५	सुन्दरीद्वितीयाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६ ५×११	१०	६	२१	पूर्ण/६९	१९५२ वि० (माघकृष्ण तृतीया शुक्रवासरे)	—
३०×१३	८	८	३२	पूर्ण/६४	१९५३ वि० (माघकृष्ण- पक्ष ४)	—
१८×१४	९	१०	१५	अपूर्ण/४२	१९०७ वि० (वैशाख सुदि ४ बुधवार)	—
२३.५×११.८	१६	१०	३२	अपूर्ण/१६०	—	—
२६×१३	३२	८	२४	अपूर्ण/१६२	—	—
२८×१५	९४	१०	३२	पूर्ण/९४०	—	—
२७×११.४	३२	८	२६	पूर्ण/२०८	—	—
३३×१३	४०	८	३०	पूर्ण/३००	१९११ वि० (वैशाखकृष्ण अष्टमी बुधवार)	—
३०×१० ८	२५	७	४०	अपूर्ण/२१९	—	—
१३×२३	५	२०	१६	पूर्ण/५०	—	—
२० ५×११ ५	२४	१०	२४	पूर्ण/४५	१७९० वि० (श्रावण ३० भौमवार)	—
३०×१४	४	९	४०	पूर्ण/४५	—	—
१४ ५×१०	१६	६	१६	पूर्ण/४८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११९६	३८७६.५/१९८३	सूर्यषष्ठीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९७	४७६/४३५	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९८	१३३०/८८२	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११९९	२५३१/१४४९	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२००	५९५६/३११२	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०१	७००४/३९४६	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०२	३१९१/१६२३	हरितालिकातृतीयाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०३	८२९.१/८४६.१/ ७३९	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०४	९१४/९३१/७६७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०५	९४३/९६०/७७०	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०६	१०४९/७९९	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०७	१३२९/८८२	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२०८	२२९९/१४२२	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×११	३	६	२६	अपूर्ण/९	—	—
१३×८	४२	७	१०	पूर्ण/९२	१७८७ वि० (शाके १६५२ भाद्र १२ रविवार)	—
३०×१३	१७	८	३२	पूर्ण/१३६	१९५० वि० (ज्येष्ठकृष्ण १४)	—
२४×१३	२८	११	२५	पूर्ण/२४६	१९३० वि० (आषाढकृष्ण ८ बुधवार)	सुरक्षित
२१ २×१०.२	७	१०	२४	अपूर्ण/५२	१८१२ वि० (ज्येष्ठ २)	—
२७.५×१३.५	९	१३	३०	पूर्ण/१९	१८४७ वि० (वैशाखकृष्ण १३ चंद्रवार)	—
२४×१०.६	७	१२	३६	पूर्ण/९४	—	—
१७ ५×१२.५	१९	८	२०	पूर्ण/९५	—	—
२५ ५×१४ ५	१०	११	३०	पूर्ण/१०३	१८०३ वि०	—
२४.५×११.५	१३	८	२८	पूर्ण/९१	१७९० (भाद्रपद)	—
२४×१३	११	१०	२८	पूर्ण/९६	१८७६ वि०	—
३०×१३	१५	८	२८	पूर्ण/१०५	१९४९ वि० (भाद्रशुक्ल- पक्ष तृतीया गुरुवार)	—
१६×१०	६	८	२८	अपूर्ण/४२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२०९	२५२३/१४६४	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१०	२६१९/१४६७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२११	३३०९/१७०७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१२	३७४४.१/१९०८.१	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१३	५८०३/२९८७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१४	२८११/१५१६	हस्तगौरीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१५	४०९४/१९४४	हस्तिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६ × १३	११	९	३०	पूर्ण/९३	—	सुलिपि
२४ × १३	२१	११	३२	पूर्ण/२३१	—	—
२१५ × १० ७	११	९	२८	पूर्ण/११५	१९१९ वि० (भाद्र पञ्चमी गुरुवार)	—
२७ २ × १३	५	१३	४८	पूर्ण/९८	—	—
२३ ७ × ११.५	१४	७	२४	अपूर्ण/७३	—	—
२३ × १४	७	१२	२४	पूर्ण/६३	१८४६ वि०	—
२३ × १४	५	१२	२४	पूर्ण/४५	१८९३ वि०	—

स्तोत्र

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२१६	६४६०/३५५३	अंबिकापञ्चरत्न	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२१७	३७१ (क)/३४०	अग्न्युत्तार	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१८	२५०२ १/१४४४	अज्ञानविमोचनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१९	३६०१/१८५६.१	अध्यात्मस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२०	१४०/१३३	अथर्वणरहस्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२१	३५/३०	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२२	१५४५/९५५	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२३	३०४४/१५८२	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२४	३०६४ ३/१५८९	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२५	३१७५/१६२१	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२६	३२२१/१६३१	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२७	३६२६/१८६२ १	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२८	३६७९/१८७३	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६.५ × १२	१	१७	४०	पूर्ण/२१	—	—
२३ × १३	२	११	२२	अपूर्ण/ २५	—	—
२३.५ × १२ ५	१	१५	५२	पूर्ण/२४	—	—
२३ × १० ५	२२	६	२०	पूर्ण/८२	—	—
१४ × १०	१०	६	१२	पूर्ण/२२	—	—
१७ × १० ५	२५	७	२०	पूर्ण/१०९	—	—
१४ × १८	२९	६	१६	पूर्ण/८७	—	—
११ ५ × ९ ५	३६	७	१५	पूर्ण/११८	१९१४ वि०	—
११.८ × ७.५	३७	६	१५	पूर्ण/१०४	—	—
१८ × १०	२१	९	१६	पूर्ण/९०	—	—
३३ × २०	४०	५	२४	पूर्ण/१५०	—	—
१५ ५ × १२	१८	९	१०	पूर्ण/५१	१८९५ वि० (आश्विन- कृष्ण १० गुरुवार —	—
२० × १५ ५	२१	१६	२०	पूर्ण/२१०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२२९	४२४७.१/१९८६	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३०	४२४७.१/१९८६.१	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३१	७५८७/४२५८	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३२	८६५/८८२/७५६	अन्नपूर्णास्तोत्र	परमहंस परिव्राजकाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२३३	१६९१.४/१०९४.१	अन्नपूर्णास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३४	७२२९/४०८६	अन्नपूर्णामन्त्रनामसहस्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३५	७२२८/४०८६	अन्नपूर्णेश्वरीस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३६	२५९२/१४६३	अपराजितास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३७	३८९-	अपराधक्षमास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३८	५६१/५७१/५१७	अपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२३९	३०७८.१२/१५९३	अपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४०	६७७७/३८१३	अपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४१	३१६४.९/१६१९	अपराधनिरसनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२० ५×१४	५	७	१०	अपूर्ण/११	—	—
१२×७	२५	६	१०	पूर्ण/४७	—	—
१५ ४×८.८	१५	९	१८	अपूर्ण/७६	—	—
१८×९ ५	४	७	२०	पूर्ण/१७	१८६६ वि० (बुधवार ५)	—
१३×२२	३	१६	१२	पूर्ण/१८	१९५४ वि०	—
१४ ४×८.८	६९	६	१६	पूर्ण/२०७	—	—
१४.४×८.८	१३	६	१६	पूर्ण/३९	—	—
१७×१६	६	१६	२२	पूर्ण/६६	—	—
१३×८	१२	७	१६	पूर्ण/४२	१८३८ वि०	—
१६.५×१२ ५	६	८	११	अपूर्ण/१७	—	—
१०.२×६ ६	१०	६	१६	पूर्ण/३०	१८७४ वि० (पौष १३ भीमवार)	—
१६×१०	५	८	२०	पूर्ण/२५	—	—
३५.७×१६.७	३	११	३२	पूर्ण/३३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२४२	४९७/४५१	अपराधभञ्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२४३	५२९/५१९(१)/ ४७५	अपराधसमापनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४४	३९५५.१/२०१७ १	अपराधसमापनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४५	१५२५/९४०	अपराधसुन्दरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२४६	३१९२/१६२३	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४७	३३०६/१७०४	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४८	३९०८.१/१९९३	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४९	४३४६/२०२३	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२५०	१८०१(१)/१२०२	अपराधस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५१	११०/१०३	अपामार्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५२	१७२/१६५	अपामार्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५३	२६९५/१४८९	अपामार्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५४	२८५८	अपामार्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×१२	७	९	१९	पूर्ण/३७	१८९८ वि० (शक्ते १७६४)	—
११×१०	५	५	१२	पूर्ण/१५	१८६० वि० (भाद्रपद शुक्ल पचमी सोमवार)	—
१३×१०	१०	७	१०	पूर्ण/२२	—	—
१९ २×११.३	९	७	२१	पूर्ण/४१	—	—
२५×११	४	१०	१४	पूर्ण/१०	—	—
११.५×५ ८	१०	५	१३	पूर्ण/२०	—	—
१७.३×१०	१३	६	१६	पूर्ण/२६	१७६५ वि० (श्रावण १४)	—
१३×९.५	१२	७	१७	पूर्ण/४१	—	—
१६×९	४	५	१५	पूर्ण/९	—	—
१४.५×८.५	३०	६	१६	पूर्ण/९०	१८४४ वि० मीति (आसीज सुद ४ चडवार)	—
१३.५×८.५	८१	५	१३	अपूर्ण/१६४	—	—
१६×१०	३०	९	१८	पूर्ण/१३५	—	—
२६×११.५	२५	८	२२	पूर्ण/१३८	१७६१ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२५५	३५६१/१८४८ १	अपमार्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५६	७७७/७९३/७११	अभिलाषाष्टकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५७	३८४१.२/१९६० १	अर्गलास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५८	२३८१.१/१४१७	अर्गलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५९	३६७६.१/१८७३	अष्टपदी	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६०	३०८०.२९/१५९४	आचार्यनामावली	हरिराम	—	देसी कागज	नागरी
१२६१	१२६/११९	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६२	१२९/१२२	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६३	१३०/१२३	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६४	२२९/२१८	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६५	२८८/२६३	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६६	४०९/२७०	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६७	३३८/३१०	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ ७×१०	२४	७	२७	पूर्ण/१४२	१७७२ वि०	
१८.५×१४	५	१०	१६	पूर्ण/२५	—	
६×११	६	१२	८	पूर्ण/१८	—	
१३.५×८	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	
२०×१५ ५	१	१६	२०	पूर्ण/१०	—	
१६×१०	१५	६	१५	पूर्ण/४२	१८४९ वि०	
१७×९.५	४४	८	२०	पूर्ण/२१०	—	
१९×११	५०	६	२०	अपूर्ण/१८८	—	
१४ ५×१०	५६	८	१६	पूर्ण/२२४	१९६० वि०	
१३.५×८ ५	६७	६	१६	पूर्ण/२०१	—	
१३.५×८	७९	५	१६	अपूर्ण/१९७	—	
२०×१३ ५	३५	८	२०	पूर्ण/१७५	१८२८ वि०	
१७ ५×७	५९	५	२४	पूर्ण/२२१	१८५० वि०	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२६८	३५०/३२१	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६९	४१०/३७१	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७०	४४०/४००	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७१	४५१/४४२	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७२	५१४/५०५/४६३	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७३	५३७/४८३	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७४	५४६/५३६/४९२	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७५	५४६/५५६/५०२	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७६	८१७/८६३/७२९	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७७	११४५/८२७	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७८	१६९५/१०९८	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२७९	२८९५/१५३१	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२८०	२९०२/१५३१	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द से)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×१२	२०	१०	३२	पूर्ण/२००	१८०८ वि० (माघशुक्ल ७ रविवार)	—
१९×१२	३५	१२	२४	पूर्ण/३१५	१८१६ वि०	—
१४×८	६२	८	१६	पूर्ण/२५२	१९०३ वि०	—
२१ ५×८.५	४९	५	२४	पूर्ण/३६७	—	—
१९×१०	४२	८	२४	अपूर्ण/२५२	१७७९ वि०	—
१७×१२	६६	७	१४	पूर्ण/२०५	—	—
१९.५×१२	२५	१०	२५	पूर्ण/१९२	—	—
२७.५×१३	२९	१०	४०	पूर्ण/३६३	—	—
२०×१० ५	७९	५	१८	पूर्ण/२२३	—	—
२६.८×१४ ५	१६	११	३६	पूर्ण/१९८	—	—
२२ ३×१०.२	३४	५	२८	अपूर्ण/१२१	—	—
१२×७	११८	५	१२	पूर्ण/२२१	—	सुरक्षित
२२.५×९.२	३९	६	२४	पूर्ण/१७५	१७८९ वि० (चैत्र, बुधवार १३)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२८१	२९०९/१५३८	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२८२	६००४/३१४०	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२८३	६३०६/३४०८	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२८४	७७/७१ १	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२८५	७७/७१	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२८६	११५९/८३२	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	डिडिमराम कवि	देसी कागज	नागरी
१२८७	११८०/८३८	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२८८	१७८८/११८९	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२८९	६७१३/३७५७	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२९०	२४१८/१४२६	आपदुद्धारवटुकभैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२९१	६४.२/५८	आपदुद्धारस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२९२	७४९०/४२३९	आपदुद्धारस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२९३	८२२/८३८/७३२	आम्नायस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी-

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द 'मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५.५ × १०.५	७८	८	१५	अपूर्ण/२९२	—	—
१३ × ८.४	२८	७	१६	अपूर्ण/९८	—	—
१४.५ × ९.५	५८	६	१०	पूर्ण/१०९	—	—
१७ × ११	९	८	२१	पूर्ण/४७	१८९० वि०	—
१४ × १०	९	९	२४	पूर्ण/६०	—	—
२७.५ × १५	१६५	१३	४३	पूर्ण/२२५७	१८५८ वि० (चैत्रशुद्ध रविवासरे)	मूल के १०२ श्लोको सहित संस्कृत टीका
२१ × १३	४	११	३२	पूर्ण/४४	—	—
२२.५ × १३	८	६	२८	पूर्ण/४२	—	—
१८ × ११	९	८	१६	पूर्ण/३६	१८९० वि०	—
१६.५ × १३	२४	१३	२०	पूर्ण/१९२	१९३८ वि० (माघशुक्ल १३ मंगलवासरे)	—
१७ × १०	५२	६	१२	पूर्ण/११७	—	—
११ × ७	१८	८	१६	पूर्ण/७२	—	—
२२.५ × १३	७२	१०	२८	पूर्ण/६३०	१८४० वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२९४	९२६/९४३/७६८	अम्नायस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२९५	२६२२.५/१४६७	आर्या	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२९६	२६७६.११/१४८५	आर्या	—	—	देसी कागज	नागरी
१२९७	१७३/१६५	आर्याद्वादश	शाम्भवाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२९८	७०६९/३९८०	आर्याद्वादशक	—	—	देसी कागज	नागरी
१२९९	२६७६/१४८५	आर्याद्वितीया	—	—	देसी कागज	नागरी
१३००	१७१/१६४	आर्यासप्तक	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०१	३७३८.६/१९०४.१	आर्यास्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३०२	३७०६ १/१८८१.१	इन्द्राक्षीस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०३	५०१/४५५	इन्द्राक्षीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०४	२८८१/१५३०	इन्द्राक्षीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०५	३४१३/१७९९	इन्द्राक्षीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०६	६७९३/३८२७	इन्द्राक्षीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१२	५	१२	१६	पूर्ण/३०	१८९४ वि० (ज्येष्ठकृष्ण)	—
२७×१६	९	८	३२	पूर्ण/१६	—	० कृष्णस्तुति
२७×१६	२	८	२४	पूर्ण/१२	—	—
१५×८ ५	५	७	१८	पूर्ण/१९	१९५५ वि० (पौषकृष्ण एकादशी)	—
५५×१८	२	२८	१०	पूर्ण/१७	—	—
२७×१६	२	९	३२	पूर्ण/१८	—	—
१६ ५×१३	६	६	१६	पूर्ण/१८	—	—
२१×१७	७	९	१६	अपूर्ण/३१	—	—
२३×१०	४	७	३२	पूर्ण/२८	—	—
१२×६	१४	५	१५	पूर्ण/२३	—	—
१८ ५×१४	५	११	१६	पूर्ण/२७	१८८३ वि० (श्रावणकृष्ण ८ गुरुवार)	—
१६ ५×९ ७	१	१०	२४	अपूर्ण/७.५	—	—
२०×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३०७	६८०७/३८४०	उग्रतारास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०८	१६९१.१३/१०९४३	उच्छिष्टगणेशसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०९	१०८/१००	उपस्थापनसहस्राक्षरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१०	६७१७/३७६१	ऊर्ध्वपुण्ड्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३११	३८००.१/१९३५.१	ऋणमोचनगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१२	७०६७/३९८०	ऋणमोचनगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१३	३८८९.३/१९१८	ऋणहरगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१४	३८४१.४/१९६०.१	ऋणहरगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१५	६७२२/३७६५	ऋणहरस्तोत्र	नारद	—	देसी कागज	नागरी
१३१६	३८९२.१/१९४०.१	एकश्लोकीविष्णुसहस्रनाम- स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१७	३९५३.१/१९२३	एकीभावस्तोत्र	वादिराज	—	देसी कागज	नागरी
१३१८	२५४७ ६/१४५३	एकादशभक्तिवर्द्धिनी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३१९	१५२/१४४	ऐन्द्राक्षीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२४ × ११	१	८	४८	पूर्ण/१२	—	—
१६.८ × २०.८	३	१५	१८	अपूर्ण/ २५	—	—
२२.५ × १० ८	११	९	२३	पूर्ण/७१	१८०० वि०	—
१६ × १०	१०	८	१६	पूर्ण/४०	—	—
२० × ११	४	७	१५	पूर्ण/१७	—	—
४२ × १५	१	२८	१५	अपूर्ण/१३	—	—
१७ × ११	६	८	१६	पूर्ण/२४	—	—
६ × ११	५	१२	८	पूर्ण/१५	—	—
१६ × १०	२	१०	३२	पूर्ण/२०	१९०९ वि०	—
१६.८ × २१	२	१२	१०	पूर्ण/७	—	—
१२ × ९	१८	६	१६	पूर्ण/५४	—	—
१५ ७ × १०.५	४	८	१६	पूर्ण/१६	—	—
२० × १२	५	८	२०	पूर्ण/२५	१८६३ वि० (आश्विन- शुक्ल ५)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३२०	३७९९.१/१९३४.१	ककारात्मकसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३२१	६०५२/३१८५	कनकधारालक्ष्मीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३२२	६८०९/३८४०	कनकधारास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३२३	१९८६/१३११	कपिलगीत	—	—	देसी कागज	नागरी
१३२४	३८२९.१/१९५१.१	कपूरस्तवराज	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
१३२५	९५३/९७०/७७२	करुणामृत	भारद्वाज	—	देसी कागज	नागरी
१३२६	९५३/९७०/७७२	करुणामृत	—	—	देसी कागज	नागरी
१३२७	३६३/३३३	कर्पूरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३२८	३६५/३३५	कर्पूरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३२९	९२७/९४४/७६८	कल्याणस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३०	१५९८/१००४	कल्याणीस्तोत्र	ब्रह्मा	—	देसी कागज	नागरी
१३३१	३४२७/१८१३	कामरूपस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३२	२३९६/१४१६	कामरूपस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० म०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९×११	६४	१०	१५	पूर्ण/३००	१९३१ वि० (फाल्गुनशुक्ल १२ गुरुवार)	—
२२ ५×१० ८	२	१३	३३	पूर्ण/२७	—	—
२४×११	२	८	४८	पूर्ण/२४	—	—
१६.५×१२ ५	४	१५	१८	पूर्ण/३४	—	—
१८ ७×१०.८	८	१२	२८	अपूर्ण/७४	—	—
२१×१४	५०	१०	३२	पूर्ण/५००	१९३२ वि० चैत्रसुद ३)	—
२१×१४	५०	१०	२४	पूर्ण/३७.५	१९३२ वि०	भक्तिपूर्ण कृष्ण के स्तोत्र द्वितीय एवं तृतीय शतक
१७×११	५	१२	२२	पूर्ण/४४	१८४६ वि०	—
१८×११	९	९	२२	पूर्ण/५६	—	—
१७ ५×१२	८	१०	१८	पूर्ण/४५	—	—
१९ ८×७ ७	६	५	३५	पूर्ण/३३	१९१० वि०	—
७×५	९	७	२६	पूर्ण/५१	—	—
१९×९	८	७	२४	अपूर्ण/४२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३३३	१५८३/९८७	क्रमाक्षीस्तुतिशतक	भूककवि सार्वभौम	—	देसी कागज	नागरी
१३३४	३६२९/१८६३.१	कामेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३५	३६३१.१/१८३६.१	कामेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३६	४०४/३६५	कार्तवीर्यकल्प	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३७	२१२/२०३	कार्तवीर्यपञ्जर	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३८	११४/१०६	कार्तवीर्यार्जुनसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३९	६६/६०	कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४०	७९०/८०६/७१५	कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४१	१००८.१/७९१	कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४२	३४५/३१७	कालिकाचतुःश्लोकी	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४३	१९३(क)/१८५	कालिकापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४४	३६५६/१८६८	कालिकासहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४५	४६/४१	कालिकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७.४ × १२	३४	८	२६	पूर्ण/२२१	—	—
१३ × २१	३	१६	१२	अपूर्ण/१८	—	—
१३ × २१	२	१२	१६	अपूर्ण/१२	—	—
२४ × १४	२१७	१३	३०	पूर्ण/२६४५	१८९५ वि०	—
१६ ५ × ९.५	१९	७	२४	पूर्ण/९९.८	—	—
१७ × १०.३	६३	६	२०	पूर्ण/२३६	—	—
१३ × ९.८	४	९	१६	पूर्ण/१०	—	—
२२ ५ × १४	४३	७	२२	पूर्ण/२०८	—	—
२१ ५ × १२	१२	१२	२८	अपूर्ण/१२६	—	—
२२ × ११	४	८	२३	पूर्ण/२३	—	—
१६ × ८.५	४	९	२६	अपूर्ण/२९.८	—	—
१५.५ × ११	३४	१२	१०	अपूर्ण/१२७	—	—
१६ × ११	६	७	१६	पूर्ण/२१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार ,	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३४६	९९४/१०१३	कालिकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४७	१२/९	कालीत्रैलोक्यमोहनमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४८	३८९१/१९९१	कालीभुजंगप्रयातस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४९	१२.१/९	कालीसहस्राक्षरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५०	४८७/४७८/४४३	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५१	४८८/४७९(१)/४४३	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५२	१७७०/११७१	कालीस्तोत्र	गणेशानुज	—	देसी कागज	नागरी
१३५३	३४७०/१८५२	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५४	३४७५/१८५७	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५५	४८९/४८०/४४३	काल्यण्टोत्तरशतनामस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५६	१६१२/१०१७	काशीविश्वनाथस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३५७	२३८१ २/१४१७	कीलकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५८	३८४१.३/१९६०.१	कीलकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पवित्र प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६.५×१२	२०९	९	१९	पूर्ण/१११७	—	इसमे ध्यान, न्यासादि सहित दक्षिण- कालिका सहस्रनाम तथा अन्त मे कालीस्तव उपनिबद्ध है
१८.५×१०.५	२	८	१६	पूर्ण/८	१९०१ वि० (श्रावणशुक्ल ७ चन्द्रवार)	—
१६.५×११.२	४	९	२०	पूर्ण/२२	—	—
१८.५×१०.५	७	८	१६	पूर्ण/२८	१९०१ वि० (श्रावणशुक्ल ७ चन्द्रवार)	—
२१×१०.५	१०	७	२०	पूर्ण/४४	१८९९ वि० (ज्येष्ठकृष्ण २ गुरुवासर)	—
१८.५×१०.५	१	६	१८	पूर्ण/३	—	—
२०×११	१७	७	१६	अपूर्ण/६०	—	—
११.५×७.५	१६	५	१२	पूर्ण/३०	—	—
१६×११	८	८	१२	पूर्ण/२१	—	—
१८×१०.५	७	९	१६	पूर्ण/३१	१९०१ वि० (श्रावणशुक्ल ५)	—
१८.२×११.२	१२	७	२४	पूर्ण/६३	—	—
१३.५×८	६	६	१६	पूर्ण/१८	—	—
६×११	६	१२	८	पूर्ण/१८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३५९	३४१/३१३	कृष्णआरती	—	—	देसी कागज	नागरी
१३६०	२६७६.२/१४८५	कृष्णत्रिविधलीला	बल्लभदीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
१३६१	२६१६/१४६७	कृष्णनामावली	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
१३६२	३५८० ६/१८५३.१	कृष्णप्रेमामृत	विठ्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
१३६३	२६७६/१४८५	कृष्णसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३६४	२६२० १/१४६७	कृष्णसेवा	—	—	देसी कागज	नागरी
१३६५	३५५/३२५	कृष्णस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३६६	३०८०/२६	कृष्णस्तुतिग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
१३६७	४८२/४७३/४४०	कृष्णस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३६८	२९१३ १/१५३९	कृष्णस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३६९	३०८० ११/१५९४	कृष्णाश्रयस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३७०	३५८० ३/१८५३ १	कृष्णाश्रयस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३७१	३१३८/१६१३	कृष्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×११	४	८	२०	पूर्ण/२०	—	—
२७×१८	८	९	२४	अपूर्ण/७२	—	—
८×६	६	१२	३२	पूर्ण/७२	—	—
१६×११	६	७	१०	पूर्ण/१३	—	—
२७×१६	२	९	२४	अपूर्ण/१३.५	—	—
२७×१६	११	१२	३२	पूर्ण/१४२	—	—
१७×१२	६	६	१५	पूर्ण/१७	—	—
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/१९.७	१८४९ वि०	—
१३×१०	८	७	१२	पूर्ण/२१	—	—
१६.५×२१	३	१५	१६	पूर्ण/२२	—	—
१६×१०	५	६	१५	पूर्ण/१४	१८४९ वि०	—
१६×११	४	७	१०	पूर्ण/९	—	—
२१×१७	६	९	१२	अपूर्ण/२०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३७२	६२८१/३३८४	केदारसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३७३	३१५/२८६	क्षमाषोडशीस्तोत्र	रगराज वेदान्ता-चार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३७४	३८६० २/१९७३.१	क्षिप्रप्रसादनगणेशमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३७५	७०४१/३९६८	क्षेत्रपालस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३७६	३८०/३४७	क्षेत्रपालस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३७७	३७८५/१९००	क्षेत्रपालस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३७८	३६५७/१८६८	गगापुष्पाञ्जलि	—	—	देसी कागज	नागरी
१३७९	६२६९/३३७२	गगानामावली	—	—	देसी कागज	नागरी
१३८०	३३१/३०२	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८१	४६३/४५४/४२२	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८२	२५४३/१४५२	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८३	२५७७/१४६०	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८४	२५८२/१४६०	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×११	१४	१९	४५	पूर्ण/३७४	मार्गशीर्ष वदि ५ सोमवार	—
१८ ५×९	८	७	२४	पूर्ण/४२	—	—
१६×१०	४	८	१४	अपूर्ण/१४	—	—
११×७	३	९	१०	अपूर्ण/८	—	—
१४×१०.५	५	८	१६	अपूर्ण/२०	—	—
१४×१६.५	३	१०	१०	अपूर्ण/९	—	—
१५×११	६	८	१०	पूर्ण/१५	—	—
२१×१२	४	७	१०	अपूर्ण/९	—	—
१६×११	१३	९	१६	अपूर्ण/५८.५	—	—
१३×९.५	८	५	१६	अपूर्ण/२०	—	—
२६×१२	१८	७	२४	अपूर्ण/९४.५	—	—
१६.५×१०	३४	७	१२	पूर्ण/८९	—	—
१६ ५×१३	२६	८	१४	अपूर्ण/८६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३८५	२६६०/१४८१	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित- राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८६	२८५५/१५२७	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित- राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८७	३२३०/१६३१	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित- राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८८	६१९१/३३०६	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित- राज	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
१३८९	६७११/३७५५	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित- राज	—	देसी कागज	नागरी
१३९०	७५७९/४२५४	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित- राज	—	देसी कागज	नागरी
१३९१	६२६८/३३७२	गंगाष्टोत्तरशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९२	१२७/१२०	गंगासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९३	१५२७/४९९	गंगास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३९४	४३३८/२०२२	गंगास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९५	१२२/११५	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९६	३०४६.२/१५८२	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९७	३०६४.२/१५८९	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×१४ २	२२	७	२७	पूर्ण/१३०	—	—
१९.५×११.५	२२	८	१८	पूर्ण/९९	—	—
३१×२०	१९	८	२०	पूर्ण/९५	—	—
१६ २×१० ८	८	७	१६	अपूर्ण/२८	—	मराठी टीका सहित
१६×१०	२८	७	१६	पूर्ण/९८	—	—
१४×८ ६	३६	६	१८	पूर्ण/१२२	—	—
१७×१२	१३	८	१०	अपूर्ण/३२	—	—
२२×१०	३३	७	३२	पूर्ण/२३१	१८४५ वि०	—
१८ ५×११.५	५	७	२०	पूर्ण/२२	१९०३ वि० (शाके १७६८)	—
१६×११	५	८	१७	पूर्ण/११	—	—
१७×११	४२	७	२०	पूर्ण/१८४	१८५८ वि०	—
११ ५×९ ५	५९	७	१५	पूर्ण/१९४	१९९४ वि०	—
११ ८×७ ५	५८	६	१५	पूर्ण/१६३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३९८	३१८०/१६२१	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९९	३२२०/१६३१	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४००	३६८०/१८७३	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०१	३४४५.१/१८३०	गणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०२	३७०६ २/१८८१.१	गणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०३	३८८९.१/१९१८	गणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०४	३९११.१/१९९५	गणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०५	४३३६/२०२२	गणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०६	६२६५/३३७२	गणपतिस्तोत्र	महर्षि नारद	—	देसी कागज	नागरी
१४०७	३८९०.१/१९९०	गणपतिद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०८	३८४१.९/१९६०.१	गणेशपूजास्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१४०९	३७८/३४५	गणेशभुजगस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१०	२८९३/१५३१	गणेशभुजगस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×९	२४	९	२४	पूर्ण/१६२	—	—
३३×२०	६०	५	२०	पूर्ण/१८७.५	१९१३ वि०	—
२०×१५.५	३१	१६	२०	पूर्ण/३१०	—	—
१६.८×१०.५	४	७	२०	पूर्ण/३५	—	—
२३×१०	१	७	३२	पूर्ण /७	—	—
१७×११	३	७	१६	पूर्ण/१०५	—	—
१७×१२.५	८	७	१६	अपूर्ण/२८	—	—
१६×११	३	८	१७	पूर्ण/१३	—	—
२१×१२	३	९	१०	पूर्ण/८	—	—
१२×२० ६	२	१४	१०	पूर्ण/८	—	—
६×११	९	१२	८	पूर्ण/२७	—	—
१६×१०	३	७	२४	पूर्ण/१६	—	—
१२×७	६	५	१२	पूर्ण/११	—	—

क्रम सं०	ग्रंथ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४११	११६१.४/८३३	गणेशमन्त्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१२	४३१४/२०१७	गणेशरक्षकिरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१३	१८/१४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१४	२५८/२४४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१५	५२२/४७८	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१६	५३२/४७८	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१७	३७३६/१४९५	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१८	६६८५/३७२९	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१९	८५३/८७०/७५५	गणेशस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२०	३१७१.१/१६३१	गणेशस्तोत्र	परसराम	—	देसी कागज	नागरी
१४२१	३१७१.७/१६३१	गणेशस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२२	४२४६/१९८५	गणेशस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२३	७१७९/४१४४	गणेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	देशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५.५ × ९.७	३	८	२०	अपूर्ण/१५	—	—
११ × ८	१०	५	१०	पूर्ण/१५	—	—
११ × ८	५३	७	१३	पूर्ण/१३२	—	—
१३ × १६	१६	१४	१५	पूर्ण/१०५	—	—
१६ × ८	४७	५	२४	अपूर्ण/१७६	—	—
१३.५ × ९	४५	५	२०	पूर्ण/१४१	—	—
२० ५ × १२	३५	९	२०	पूर्ण/१९७	१८३०, वि० (चैत्रशुक्ल १५)	—
२४ × ११	२८	१२	२४	पूर्ण/२५२	१८६६ वि०	—
१५ ५ × ११	११	५	१८	पूर्ण/३१	—	—
१२ × ८	१०	५	१६	पूर्ण/२५	—	—
१२ × ८	६	५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१८ ५ × १३	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	—
१६ ६ १०.६	२३	५	१२	पूर्ण/४३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४२४	३६३२.२/१८६३.१	गर्भपात्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२५	६६१३/३६५९	गर्भषडारचक्र	देवनन्दि	—	देसी कागज	नागरी
१४२६	२५७/२४३	गायत्रीवर्णस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२७	३०६/२७७	गायत्रीवर्णस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२८	४४५/४३६(१)४०४	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२९	३६३६.१/१८६४.१	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३०	६५६१/३६१४/१६	गायत्रीस्तवराज	विश्वमित्र	—	देसी कागज	नागरी
१४३१	१४७७.३/१९१४	गायत्रीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३२	६८६८/३८८८	गायत्रीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३३	३८५२-१/१९६७.१	गायत्रीहृदय	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३४	३०४/२७५	गायत्रीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३५	१५४४/९५४	गायत्र्याष्टसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३६	१०/८	गीतस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×२१	४	१६	१६	पूर्ण/३२	—	—
२५×११	९	६	२४	पूर्ण/४०.५	—	—
२२×१२	५	७	२७	पूर्ण/२९	—	गायत्री मन्त्र का वर्णों के अनुसार स्तोत्र
१५.५×११	२०	७	१६	पूर्ण/७०	—	—
१५.५×१०.५	६२	७	१६	पूर्ण/२१७	—	—
१५.३×८.६	२२	१४	१५	अपूर्ण/१४४	—	—
१३.८×१७	१०	१४	१६	अपूर्ण/७०	—	—
२७.९×११.३	७	७	३०	पूर्ण/४६	१९४२ वि०	—
९×७	१३	५	८	पूर्ण/२१	—	—
२०×८	२४	५	२८	पूर्ण/१०५	१७०३ वि०	—
१५.५×११	४३	७	१६	पूर्ण/१५०.५	—	—
१९×११.५	३९	७	२२	पूर्ण/१८७	१९१० वि०	—
१७.५×११.५	१४	६	१६	अपूर्ण/४२	—	इसमे ककारादि वर्णों के क्रम से देवी के नामों की स्तुति की गई है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४३७	३२७५/१६५२	गीतासारस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३८	१४३५/९१०	गुरुगीतास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४३९	१७.१/१३	गुरुदक्षिणामूर्तिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४०	३६०/३३०	गुरुस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४१	२२८/२१७	गुरुस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४२	३७९२.२/१९३२.१	गुरुस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४३	२६७६.१०/१४८५	गोकुलेशनामानि	विट्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
१४४४	३७९०.१/१९३२/१	गोपस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४५	३८१७.१/१९०७	गोपालचूडामणिस्तवराज स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४६	८५/७८	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४७	१५८/१५१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४८	५३८/४८४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४४९	११०२/८१०	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८.७×९	२०	७	२४	पूर्ण/१०५	—	—
१६.३×८.२	२०	९	२६	अपूर्ण/१४६	—	—
१२×८	९	१०	८	पूर्ण/२२	(१९१४ वि० आ० शु० १३)	—
१५.५×१०	४	९	२४	पूर्ण/२७	१९२५ वि०	—
१५×९	१०	६	१२	पूर्ण/२२ ५	—	—
१७.६×१२	३	७	१६	पूर्ण/१०	१९४४ वि० (फाल्गुनशुक्ल ८)	—
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३.५	—	जीर्ण
१४.५×७	६	७	२०	पूर्ण/२६	—	—
१७.२×१०.६	१०	५	१६	पूर्ण/२५	—	—
१३.५×११	४१	१०	१६	पूर्ण/२०५	१९४३ वि० (शाके १८०८)	—
१७×१२.५	४१	१०	२४	पूर्ण/३०७	—	—
१६.५×८.५	३७	६	२०	पूर्ण/१२६	—	—
१८×१३.५	६५	७	१४	पूर्ण/१९९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/विष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४५०	३१४७/१६१४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५१	३४२३.१/१८२३.१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५२	३९३२/२००९	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५३	४३३२/२०२१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५४	६३४०/३४४१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५५	७५९४/४२६१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५६	६६६९/३७१४	गोपालस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५७	६०४०/३१७४	गोपीगीत	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५८	७३८७/४१७८	गोपीगीत	—	—	देसी कागज	नागरी
१४५९	२०१४/१३२१	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	विल्वमंगल	—	देसी कागज	नागरी
१४६०	३७१९.१/१८९१.१	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	विल्वमंगल	—	देसी कागज	नागरी
१४६१	३७२१.१/१८९१.१	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	विल्वमंगल	—	देसी कागज	नागरी
१४६२	१९९९/१३१६	गोविन्दस्तोत्र	विल्वमंगल	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्षित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२४ ७×११.५	२८	८	३२	पूर्ण/२२४	१९२९ वि०	—
१५×१२	२२	११	१६	अपूर्ण/१२१	—	—
२३×११	४	८	३०	अपूर्ण/३०	—	—
१५.५×११.५	८७	७	१०	पूर्ण/१९०	—	—
२६ ५×११	३४	८	१५	पूर्ण/१२७	१८७८ वि०	—
१६×१० ५	४५	९	२१	पूर्ण/२६६	—	—
१७×१२	५	७	१६	अपूर्ण/१८	—	—
१२ ८×११	९	९	१५	पूर्ण/३८	—	—
१८.७×१३.२	४	९	१६	अपूर्ण/१८	—	—
२३×१४	७	१८	१४	पूर्ण/५१	—	—
१०.५×१० ५	१७	९	१०	अपूर्ण/४८	—	—
१६×९	१७	६	१५	अपूर्ण/७२	—	—
२१×१२	१५	८	२०	पूर्ण/७५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४६३	६६२२/३६६८	गोस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१४६४	६४५६/३५४२	चक्रेश्वरीदेवीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४६५	२०४९/१४५३	चण्डीस्तोत्रविधि व्याख्यान	नागोजिभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४६६	३१६६४/१६१९	चतुर्विंशतिगायत्रीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४६७	२४६२/१४३३	चतुःश्लोकी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४६८	२५४७८/१४५३	चतुःश्लोकी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४६९	२९१३.४/१५३९	चतुःश्लोकी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४७०	३०८०२५/१५९४	चतुःश्लोकी	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७१	४८७/४७९/४४३	चतुःश्लोकी(कालिका)स्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७२	३१९१.२/१६२३	चतुःषष्टियोगिनीनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७३	७६५८/४२९०	चतुःषष्टियोगिनीस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७४	२७८९/१५१३	चाटुपुष्पाजलिस्तोत्र	रूपगोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
१४७५	६७८७/३८२३	चामुण्डास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० पृ०	दशा / परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×११	२	८	२४	पूर्ण/१२	—	—
१७×११	४	११	२०	पूर्ण/२७	—	—
२२ ५×१०	६०	१०	२४	अपूर्ण/१२००	१८७७ वि० (श्रावण ३)	मार्कण्डेयपुराणान्तर्गत सप्तशतीस्तोत्र का नागोजीकृत व्याख्यान। ग्रन्थ खण्डित एव जीर्ण
२९.१×११.५	२	१०	३०	पूर्ण/१८	—	—
१७×२९	२	४	१८	पूर्ण/४	—	—
१५.७×१०.५	२	८	१६	पूर्ण/८	—	—
१६.५×२१	२	१५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१६×१०	२	६	१५	पूर्ण/६	१८४९ वि०	—
१८ ५×१०.५	५	९	१७	पूर्ण/२४	—	—
१३×१५ ३	३	१४	१२	पूर्ण/१५	—	—
११ ५×९ ५	३	१३	२०	पूर्ण/२४	—	—
२२ ५×१०	४	८	३०	पूर्ण/३०	१७३८ वि० (कार्तिकशुक्ल १ मंगलवार)	—
१८×५२	२	२४	१६	पूर्ण/२४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४७६	२६०९.७/१४६५	चौर्यलीला	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७७	३६३४ २/१८६३.१	जगदम्बास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७८	३७७/३४५	जगन्नाथस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४७९	३१६४.३/१६१९	जलदाख्यानस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४८०	२६२२ ८/१४६७	जलभेदस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४८१	६२०९/३३२४	जानकीदेवीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४८२	३३४६.२/१७४१	जुगुलस्तोत्र	हनुमान	—	देसी कागज	नागरी
१४८३	१५४३/९५३	ज्वालामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४८४	४३७ १/४४६/४०५	तारासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४८५	५११/५०२/४६०	तारासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४८६	५०६/४९७/४५८	तारास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४८७	८६४/८८१/७५६	तारास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४८८	३४५७/१४४२	तारास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पू० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२० ५×१३	५	१८	१६	पूर्ण/४५	—	—
१३×२१	१	१२	१६	पूर्ण/६	—	—
१६×१०	५	७	२४	पूर्ण/२६	१८६१ वि०	—
३५×१७	२	१०	३४	पूर्ण/२१	—	—
२.७×१६	२	१२	३९	पूर्ण/२४	—	—
२७ ८×१२ ८	२७	६	२६	अपूर्ण/१३२	—	—
१८.२×९.७	३	९	२४	पूर्ण/२०	—	—
१६.५×१०	७	७	२२	पूर्ण/३४	—	—
१७.७×९ ६	३८	६	२४	पूर्ण/१७१	—	समस्तकामनासिद्धयर्थ तारानामस्तोत्र- निरूपण
१७×१०	१११	७	२४	पूर्ण/५८२	—	—
२०×११	३	१०	२४	पूर्ण/२२.५	—	ताराष्टक
१९×११	४	७	२०	पूर्ण/१३	—	—
१२×९	१०	५	१०	पूर्ण/१५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थ फार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४८९	३९६०.२/२०१७.१	तुलसीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९०	३३४/३०६	त्रिपुरसुन्दरीमहिम्नस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९१	५५/५०	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९२	७९९/८१५/७१९	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९३	३३०१/१६९९	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९४	७१८५/४०४८	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९५	७०७३/३९८०	त्रिपुरसुन्दरीस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९६	१००/९२	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९७	४६६/४५७/४२५	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९८	४९३/४८४/४४०	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९९	५५०/५६०/५०६	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५००	११६१५/८३३	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०१	३६३२/१८६३.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×१०	१०	७	१२	पूर्ण/२६	—	—
१७×८.५	३५	६	२४	पूर्ण/१०५५	१८५२ वि०	—
१६×१२	५१	७	१६	पूर्ण/२०४	१८२० वि०	—
१७.५×१२.५	४३	९	२०	अपूर्ण/२४२	—	—
१६×११.८	४४	८	१६	अपूर्ण/१७६	१७९१ वि० (मार्गशीर्ष- शुक्ल)	—
१६×११.७	६६	७	१६	अपूर्ण/२३१	—	—
२२×१२	२	१९	१५	पूर्ण/१८	—	—
१७२×११.५	८	७	१९	पूर्ण/३३	—	परमश्रेयः प्राप्ति हेतु तान्त्रिकस्तोत्र
२१×११	२९	७	३२	पूर्ण/२०३	—	रुद्रयामलतन्त्रप्रोक्त त्रिपुरसुन्दरी की स्तुति
१५×९	९	८	२४	पूर्ण/५४	—	—
१५.५×११	४	९	१७	पूर्ण/१८	—	—
२६.७×१६	१	११	१६	पूर्ण/५	—	—
१३×२१	३	१२	१६	पूर्ण/१८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५०२	३६३४/१८६३.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०३	३६३४/१८६३.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०४	३९०४.१/१९९२	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०५	३७७६.१/१९२८.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०६	३६९२/१८७६	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०७	६७६४/३८०१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०८	१७५७/११५८	त्रिपुरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०९	५९३५/३०९३	त्रिपुरातापिनी	—	—	देसी कागज	नागरी
१५१०	७०२४/३९५६	त्रिपुराबालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५११	७०/६४	त्रिपुरालघुस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१५१२	३६४/३३४	त्रिपुरास्तोत्र	लघ्वाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५१३	३४७९.२/१८३१	त्रिपुरास्तोत्र	लघ्वाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५१४	६०४१/३१७५	त्रिपुरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×२१	२	२४	१६	अपूर्ण/२४	—	—
१३×२१	३	१६	१६	पूर्ण/२४	—	—
१८×११.७	२०	७	१६	अपूर्ण/७०	—	—
१५.७×११	८	७	१४	पूर्ण/१४	—	—
२५×१२.५	२९	९	२४	अपूर्ण/२९५	—	—
१३×८.५	१६	६	१६	अपूर्ण/४८	—	—
१६ २×११.५	७	७	२२	पूर्ण/३४	—	—
१९.९×१० ५	४४	७	३२	पूर्ण/३०८	—	—
२६×१४	३	१०	२०	पूर्ण/१९	—	—
१५ ५×७.५	२३	५	२०	पूर्ण/७२	१८९६ वि० (आषाढ- हृष्ण ६)	त्रिपुरसुन्दरीस्तुति
१७×१२	११	९	१९	पूर्ण/५९	—	—
१९×११	१६	७	२०	पूर्ण/७०	—	—
२३.४×१०.४	४	११	२०	पूर्ण/५५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५१५	७४७८/४२३९	त्रिपुरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५१६	५३३/४७९	त्रिपुराहृदय	—	—	देसी कागज	नागरी
१५१७	२५४७/१४५३	त्रिविधनामावलीलीला	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५१८	२६१५ १/१४६७	त्रिविधलीलानामावली	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५१९	३१/२६	त्रैलोक्यविजय अपराजिता-स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२०	३४५३/१८३८	त्वरितरुद्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२१	२८१०/१५१६	दक्षस्तप	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२२	२३९२/१४१८	दक्षिणाकालिकासहस्रनाम	आदिनाथ	—	देसी कागज	नागरी
१५२३	५६/५१	दक्षिणाकालिकासहस्राक्षरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२४	५०४/४९५/४५६	दक्षिणाकालिकासहस्राक्षरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२५	५५७/५६७/५१३	दक्षिणाकालिकाहृदय	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२६	१९७/१८९	दक्षिणाकालीसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२७	२७१/१७९	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	मन्नालाल	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
११×७	५	८	१६	पूर्ण/२०	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२२×१०	१९	११	३२	पूर्ण/२०९	—	—
१५.७×१०.५	२०	८	१८	अपूर्ण/९०	—	—
२७×१६	१२	१२	३२	पूर्ण/१४४	—	—
१३×८	१०	९	२०	पूर्ण/५६	—	—
१३.५×८.७	४	५	१०	पूर्ण/६	—	—
२८×१६	१४	११	३२	पूर्ण/१५४	—	—
२३×१०	७६	७	३२	पूर्ण/५३२	—	—
१७×१२.५	२४	९	१५	पूर्ण/१०८	—	कालिका की आराधना का माहात्म्य तथा फल
२०×११	९	७	१६	पूर्ण/३१५	१८०७ वि०	—
१७.५×१२	१४	८	१९	पूर्ण/६७	—	—
१५×१०	५८	८	१०	पूर्ण/१४५	१८८० वि० (आश्विन शु० सं०)	सुचारु
१४×९.५	५	१०	१६	पूर्ण/२५	१९३६ वि० (फाल्गुन- शुक्ल)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५२८	२११/२२२/२२१	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५२९	३७९३.१/१९३२.१	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५३०	५९२३/३०८३	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५३१	४४३/४३४(१)/४०२	दत्तात्रेयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५३२	३८७८.३/१९८३	दत्तात्रेयस्तोत्र	नारदमहर्षि	—	देसी कागज	नागरी
१५३३	६२६७/२३७२	दत्तात्रेयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५३४	६७६८/३८०४	दत्तात्रेयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५३५	४३६/४५०-	दशहरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५३६	५६७/५७७/५२३	दशहरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५३७	५९७३/३११७	दारिद्र्यदुःखनाशनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५३८	३७९६.३/१९३२.१	दारिद्र्यविदारणस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५३९	१४६२/९१९	दारुणसप्तकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४०	३६३० १/१८६३.१	दुर्गाभारती	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×१३	४	११	१६	पूर्ण/४४	—	—
१५.५×१०.४	४	७	१६	अपूर्ण/१४	—	—
१५.२×१०.८	१३	९	१६	पूर्ण/५८	—	—
१६×८	८	६	१६	पूर्ण/२४	—	—
१७×११	६	६	१६	पूर्ण/१८	१९२६ वि०	—
२१×१२	८	९	१०	पूर्ण/२०	—	—
१६×७.५	१०	७	२०	पूर्ण/६१	—	—
१७×१२	७	११	२०	पूर्ण/४८	—	—
१८×१२	११	८	१८	पूर्ण/५०	१९७० वि० (ज्येष्ठ-शुक्ल १३ रविवार)	—
२४.५×१११	२	९	३०	पूर्ण/१६	—	—
१७ ७×१२ २	३	७	१६	अपूर्ण/१०	—	—
२४.३×८.९	१०	७	३०	पूर्ण/६६	१९५३ वि०	यह 'आकाशभैरवकल्प' का अंश है। इसमें शत्रु के शीघ्र उच्चाटन के लिए पक्षिराज शरभेश की तान्त्रिक स्तुति प्रतिपादित है।
१३×२१	२	१६	१६	पूर्ण/१६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५४१	१७८४/११८५	दुर्गापञ्चरत्नस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४२	५९१७/३०७९	दुर्गामाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४३	३४१३.१/१७९९	दुर्गास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४४	१६३२/१०३६	दुर्गास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४५	१६३९/१०४३	दुर्गास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४६	१८००/१२०१	दुर्गास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४७	६२६६/३३७२	दुर्गादेवीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५४८	२४०३/१४२०	देवीअपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५४९	३५९६/१८५६ १	देवीकवचादिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५०	६३२६/३४२८	देवीमानसपूजा	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५५१	११५२/८२८	देवीमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५५२	३५८३/१८५५.१	देवीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५३	६००७/३१४३	देव्यथर्वशीर्ष	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से०मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२.५ × ९.५	५	१०	८	पूर्ण/१२	—	—
१३.३ × १०.५	१	११	२४	पूर्ण/७	—	—
१३.५ × १२.५	५	७	१४	पूर्ण/१५	—	—
१८ × ११	५	६	१८	अपूर्ण/१८	—	त्रयोदशश्लोकी दुर्गा
२६.५ × १७.५	१५	५	१८	अपूर्ण/४२	—	—
१७.५ × ११	३	६	१८	अपूर्ण/१०	—	—
२१ × १२	९	९	१०	पूर्ण/२५	—	—
२२ × १०	४	७	२४	पूर्ण/२१	—	—
१९ × ९	१७	७	१५	पूर्ण/५६	—	—
१३.५ × ८.५	२४	८	१०	पूर्ण/६०	१९०६ वि० (फाल्गुनकृष्ण १ भौमवार)	—
२८.५ × १५	९	१५	३१	पूर्ण/१३१	१८३७ वि० (वैशाख कृष्ण १४ बुधे)	—
१८.५ × ११.५	१०	९	२४	अपूर्ण/६८	—	—
१९.९ × १०.३	९	७	२४	पूर्ण/४७	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५५४	४४९/४१०	द्वादशमन्त्रोद्धार	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५५	१७८५.१०/११८६	द्वादशलिंगस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५६	७०६६/३९८०	द्वादशश्लोकीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५७	६२६१/३३६९	द्वादशस्तोत्र	आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५५८	२४६९/१४३८	धनदायक्षणीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५९	४३०९ १/२०१६	धनदासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५६०	४३०९/२०१६	धनदास्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१५६१	६४/५८	नर्मदाष्टकस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५६२	७१६०/४०२९	नवग्रहगर्भितस्तोत्र	भद्रबाहु	—	देसी कागज	नागरी
१५६३	६८६९/३८८८	नवग्रहगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
१५६४	२६६८/१४८३	नवग्रहस्तोत्र	—	बलदेव	देसी कागज	नागरी
१५६५	४०७९.२/१९३६	नवग्रहस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५६६	३८४०.१/१९६०.१	नवग्रहस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८×९	४	८	२७	पूर्ण/२७	—	ॐ नमोभगवते वासुदेवाय का न्याम, जप, ध्यानादिविवेचन
२५×३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	—	—
५४×१९	२	४०	१५	पूर्ण/२७	१९१५ वि०	—
१८×६	२५	७	२०	पूर्ण/१०९	—	—
२०.५×१५.३	३	१०	२४	अपूर्ण/२२	१९३० वि० (पौषसुदि ४ भीमवार)	—
१७×११.५	३६	९	१९	पूर्ण/१९३	१९१३ वि० (१७७८ शक)	—
१७×११.५	४	९	१९	पूर्ण/२१	—	—
१७×१०	८	६	१२	अपूर्ण/१८	—	—
२८ ४×१४.५	१	१५	३८	पूर्ण/१८	—	—
९×७	६	५	८	पूर्ण/८	—	—
२५.६×११	२६	८	२९	पूर्ण/१८९	१९०१ वि०	—
२५×३०	१	३२	४०	पूर्ण/४०	—	—
१२×६	६	७	१६	पूर्ण/२१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५६७	६७६१/३७९८	नवग्रहस्तोत्र	वसिष्ठ	—	देसी कागज	नागरी
१५६८	५१/४६	नवरत्न	—	—	देसी कागज	नागरी
१५६९	६३३०/३४३२	नवरत्न	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७०	१०३७/७९७	नवरत्नमालास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७१	२५४७ ३/१४५३	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७२	२९१३ ३/१५३९	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७३	३५८०.२/१८५३.१	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७४	३७३८ ४/१९०४.१	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७५	५२३ २/४६९	नवार्णमन्त्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५७६	१७२६/१२२७	नवार्णसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५७७	३०८०/२७.१/ १५९४	नामरत्नस्तोत्र	रघुनाथ जी	—	देसी कागज	नागरी
१५७८	१५६९/९९७	नामावलीस्तुति	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५७९	३०७८ १०/१५९३	नारायणवर्म	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पवित्र प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दया/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिलाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×१२	३६	७	२४	अपूर्ण/१८९	१९९४ वि०	-
१४×८	७	५	१२	अपूर्ण/१३	-	-
१९.५×१५	२	९	२०	पूर्ण/११	-	-
१६×१०	४	९	२४	पूर्ण/२७	१८९८ वि० (आपादकृष्ण पक्ष)	-
१५.७×१०.५	४	८	१६	पूर्ण/१६	-	-
१६.५×२१	२	१५	१६	पूर्ण/१५	-	-
१६×११	४	७	१०	पूर्ण/९	-	-
२१×१७	४	९	१६	पूर्ण/१८	-	-
१७×९	९	५	१८	पूर्ण/२६	-	-
१७×११	३०	१०	२०	अपूर्ण/१८७	१९५० वि० (कार्तिकगुप्त पूर्णिमा)	-
१६×१०	११	६	१५	पूर्ण/३१	१८४९ वि०	-
१५×११	७	५	१६	पूर्ण/१७.५	१८१८ वि०	-
१०.२×६.६	३१	६	१६	पूर्ण/९३	-	-

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५८०	३५५२/१८४७.१	नारायणस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८१	७६/७०	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८२	३१८६.५/१६२३	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८३	३२१३/१६२९	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८४	३२१७/१६२९	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८५	६८०६/३८३९	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८६	७३४८/४१६०	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८७	६७३०/३७७३	निग्रहदारुणसप्तक	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८८	३५८५ १/१८५५.१	नृपतिस्तुतिग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८९	३८९६ १/१९९०	नृसिंहवज्ररक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९०	६२५८/३३६९	नैवेद्यसमर्पणस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९१	३४६५/१८३८	पञ्चदशीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९२	३२९/३००	पञ्चमीस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४.७×११	१०	८	१६	अपूर्ण/४०	—	—
१४×९.५	७	११	२०	पूर्ण/४६	(श्रा० कृ० ७ बुधवार)	—
२३ ५×१० ५	२	९	३६	अपूर्ण/२०	—	—
१७×१२.५	११	८	१६	पूर्ण/४४	—	—
१९×१३	९	९	२०	पूर्ण/५०	—	—
१२×८	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१५.८×१०.५	३	९	१७	अपूर्ण/१४	—	—
१८×३०	१	३२	२९	पूर्ण/२९	—	—
२० ३×१२	४	९	२८	अपूर्ण/३२	—	—
१४ १×९ ९	३	७	१६	पूर्ण/१०	—	—
१८×६	१२	७	२०	पूर्ण/५२	—	—
१७×१२	३१	११	१५	पूर्ण/५१०	१९०६ वि० (आषाढकृष्ण ९ भृगुवार)	—
१४×१० ५	२७	१२	२०	अपूर्ण/२०२.५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५९३	८११/८२७	पञ्चमीस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९४	८८३/७६१	पञ्चशीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५९५	२९९४/१५६६	पञ्चमुखीहनुमत्कवचस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९६	२४२०/१४२६	पञ्चमुखीहनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९७	३१७१.४/१६३१	पञ्चरत्न	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९८	१८७३.१/१२६४	पञ्चरत्नस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९९	३१७१.२/१६३१	पञ्चाक्षरीमदनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६००	३९५९.१/२०१७.१	पञ्चाक्षरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०१	२८७८/१५३०	पद्मावतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०२	६२१२/३३२७	पद्मावतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०३	६३६४/३४६४	पद्मावतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०४	६५९७/३६४५	पद्मावतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०५	७०३६/३९६७	पद्मावतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०.५×१०.५	१९	१२	२२	पूर्ण/१५७	—	—
१८×११५	५	९	२१	पूर्ण/३०	—	इसमे किसी शङ्कराचार्य द्वारा लक्ष्मी की १५ श्लोको मे तान्त्रिक स्तुति की गई है—“श्रीचक्र-प्रिय-विन्दु-तर्पण- परा श्री राजराजेश्वरीम्” प्रत्येक श्लोक का चतुर्थ चरण है
१३.५×८.५	१०	६	१८	अपूर्ण/३४	—	—
१७×१४	९	९	१७	पूर्ण/४०	—	—
१२×८	४	५	१२	पूर्ण/७५	—	—
१७×१२ २	२	७	१६	अपूर्ण/७	१९४४ वि०	—
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	—	—
१३×१०	२	७	१०	पूर्ण/४	—	—
१६.५×११	१०	१६	११	पूर्ण/५५	—	—
१२×५	३	१७	२०	पूर्ण/३२	—	—
२५×११.५	२	१२	२०	पूर्ण/२०	—	—
२७×१३	१	१२	४०	पूर्ण/१५	—	—
१४×१०	९	१९	१०	पूर्ण/५३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६०६	७४८४/४२३९	पद्मावतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०७	९५४/९७१/७७२	पद्मपुष्पाञ्जलिस्तोत्र	रामकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
१६०८	३७७१.१/१९२७.१	परब्रह्मस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०९	१००८/७९१	परमदिव्यसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६१०	६१७०/३२९०	परमहसस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६११	३६३०/१८६३.१	पात्रवन्दन	—	—	देसी कागज	नागरी
१६१२	३२५/२९६	पादुकापचक	—	—	देसी कागज	नागरी
१६१३	२३८२/१४१७	पीताम्बरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६१४	६३९७/३४९६	पीताम्बरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६१५	२४५६/१४३३	पीयूषलहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	—	देसी कागज	नागरी
१६१६	३०८०.३/१५९४	पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्र	वैश्वानर द्वारा प्रोक्त	—	देसी कागज	नागरी
१६१७	३१४०/१६१३	पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६१८	३५८०/१८५३.१	पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्र	रघुनाथ गोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
११ × ७	१८	८	१६	पूर्ण/७२	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१८ ५ × १४ ५	१५	८	१६	पूर्ण/६०	—	—
२४ × १०.५	३	११	२०	पूर्ण/२१	—	—
२१ ५ × १२	४	१२	२८	अपूर्ण/४२	—	—
२५ ७ × ११.४	३२	१३	४१	पूर्ण/५३३	१८७४ वि०	
१३ × २१	४	१२	१६	पूर्ण/२४	१९५० वि०	—
१७ ५ × १२ ५	३	९	२४	पूर्ण/२०	१८९९ वि०	—
१६ ५ × ८ २	१६	७	२०	पूर्ण/७०	१८९६ वि० (श्रावणकृष्ण २)	—
१७ × १२	५	१२	२०	पूर्ण/३७	—	—
१६ ५ × १३ ५	२५	९	१७	पूर्ण/११९	१८८६ वि० (कार्तिकवदि ९ बुधवार)	—
१६ × १०	९३	६	१५	पूर्ण/२६२	१८४९ वि०	भागवतपुराण के विविध स्कन्धों से विष्णु नामों को लेकर निर्मित भागवतसार-समुच्चय से सहस्रनामों का उल्लेख कर श्री विष्णु की स्तुति की गई है
२१ × १७	१३	९	१२	पूर्ण/४४	—	—
१६ × ११	१३९	७	१०	पूर्ण/३०४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६१९	३१६६ २/१६१९	पुष्टिगतिस्तुति	गोपालकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
१६२०	९५४/९७१/७७२	पुष्पाञ्जलि	रामकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
१६२१	१५७७/९८२	पुष्पाञ्जलिस्तुतिस्तोत्र	रामकृष्णकवीन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
१६२२	२३९८/१४१९	प्रजावर्धनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२३	६६०४/३६५१	प्रतिष्ठावृहस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२४	५९१५/३०७९	प्रत्यगिरामाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२५	४४/३९	प्रत्यगिरास्तवराज	चण्डेश्वर शूलपाणि	—	देसी कागज	नागरी
१६२६	२८/२४	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२७	१४४/१३७	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२८	३५३/३२४	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२९	१४५१/९१६	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३०	१७८१/११२२	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३१	२४०७/१४२१	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३३ ५×१६ ६	२	१२	२८	पूर्ण/२१	१९१२ वि० (पौषकृष्ण १५)	-
१८×१४	१३	८	१६	पूर्ण/५२	१९१७ वि०	-
१७ ७×११ ७	२०	१३	१०	पूर्ण/८१	१९४४ वि०, १८०९ शक	-
१८×१०	२	७	१६	पूर्ण/७	-	-
२६×११	२	१२	३२	पूर्ण/२४	-	-
१३ ३×१० ५	३	९	२४	पूर्ण/२०	-	-
१४ ५×८	२०	६	१८	पूर्ण/६८	-	-
३२×१४	१२	३०	४०	अपूर्ण/४५०	-	-
१६ ५×१३	६	१७	२५	पूर्ण/७९	-	प्रत्यङ्गिरा देवी का तान्त्रिक स्तवन
२१×१०	४	५	२५	अपूर्ण/३७	-	-
१७×९	१८	८	२४	अपूर्ण/१०८	-	-
१५.८×१०	५	१०	१९	पूर्ण/३०	-	-
२०×११	१२	७	२०	पूर्ण/५२	१९३७ वि० (चैत्रवदि ११)	-

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६३२	६६७०/३७१५	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३३	७४८७/८२३९	प्रत्यगिरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३४	२८५ १/२६२	प्रदोषमहिमावरानिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३५	५२९/५१९/४७५	प्रदोषस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३६	२६१६ १/१४४९	प्रेमामृत	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३७	१६२/१५५	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३८	२०२/१९४	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६३९	२३७०/१४१६	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४०	३३०२/१७००	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४१	६५५२/१७२१	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४२	३४७१/१८५३	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४३	३६३३/१८६३ १	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४४	३७२९/१८८७	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पू०स०	पक्ति प्र०पू०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×११	३२	५	१०	अपूर्ण/५०	—	—
११×७	१४	८	१६	पूर्ण/५६	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण
१९×१२	४	१०	१६	पूर्ण/२०	१८५५ वि० (चैत्रसुदी ३ भौमवासरे)	—
११×१०	४	८	१२	पूर्ण/१२	१८६० वि० (भाद्रपदशुक्ल पञ्चमी सोम- वार)	—
२७×१६	६	१२	३२	अपूर्ण/७२	—	—
१६×१०	८	८	२६	पूर्ण/५६	—	—
२७×२०	६	१९	२१	पूर्ण/७५	—	—
२३×१० २	११	७	२९	पूर्ण/७०	—	यह रुद्रयामलतन्त्रस्थ वगलामुखी देवी का तान्त्रिक स्तोत्र है । इसे ब्रह्मास्त्र भी कहा गया है
१६×९.५	९	८	२०	पूर्ण/४५	—	—
१७ ५×१२	१४	८	१५	अपूर्ण/५२	—	—
१८ ५×११.५	१०	८	२०	पूर्ण/५०	१९२८ वि० (मार्गशीर्ष- कृष्ण ३०)	—
१३×२१	३	१६	१६	अपूर्ण/२४	—	—
२४×१२.८	३६	७	२४	पूर्ण/६३	क्वार २	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६४५	३८६५.१/१९४१	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४६	५९००/३०६६	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४७	६६६२/३७०८	बगलामुखीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४८	३३१०/१७०८	बटुकभैरवनामाष्टशतक- स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६४९	१७२७/११२८	बटुकभैरवसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५०	४३९/३९९	बटुकभैरवस्त	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५१	१०२७/७९५	बटुकभैरवस्त	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५२	९८४/१००१	बटुकभैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५३	१७३६/११३७	बटुकभैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५४	३९५८/१९२४	बटुकभैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५५	६७७१/३८०७	बटुकभैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५६	७४७९/४२३९	बटुकभैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५७	१८७३/१२६४	वद्रीनाथस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द से)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२८×११	७	८	२४	पूर्ण/४२	—	—
१६ ८×११ २	५	१०	२४	पूर्ण/३७	—	—
१५×१२	६	८	१२	अपूर्ण/१८	—	—
२७ ३×९.६	११	८	३६	पूर्ण/९९	१९२० वि० (फाल्गुनकृष्ण ८)	—
१७.५×११	४५	१०	१५	पूर्ण/२११	—	—
१६×७	२९	६	२४	अपूर्ण/१३५	१८६४ वि०	—
११×७	२४	६	१६	अपूर्ण/७२	—	—
१३×२४.५	१०	११	३६	पूर्ण/१२३	—	—
२४ ८×११.९	५	१०	३४	अपूर्ण/५३	(१८४३ वि०, १७०८ शक)	—
२२×११	२२	७	२४	पूर्ण/११५	—	—
१६×११	१६	८	२०	पूर्ण/८०	—	—
११×७	२३	८	१६	पूर्ण/९२	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१७×१२.२	३	७	१६	पूर्ण/१०	१९४४ वि० (माघ शुक्ल १५)	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६५८	२७१/२५२	बालाग्रष्टोत्तरशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५९	९९/९१	बालाभारती	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६०	३६६४/१८६९	बालात्रिपुरसुन्दरीसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६१	९८/९०	बालात्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६२	८६९.१/८८६.१/ ७५६	बालात्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६३	३९००.१/१९९१	बालात्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६४	१६/१२	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६५	५९/५४	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	लब्धवाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६६६	२७२/२५३	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६७	२८९९/१५३६	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६८	७४८०/४२३९	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६९	८६६/८८३/७५६	बालात्रिपुरास्तुति	लघुपण्डित	—	देसी कागज	नागरी
१६७०	३८३२.१/१९५४.१	बालात्रिपुरास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ० ग०	पत्रित प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ग)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७ ५×१० ५	७	८	१८	पूर्ण/३१	—	—
१७×११ ५	३	७	१९	पूर्ण/१३	—	—
१७×१०.५	५८	७	१६	पूर्ण/२०३	१९२० वि०	—
१७×११.५	६२	७	१६	पूर्ण/७९	—	—
१८.५×११	२९	७	१८	अपूर्ण/११४	—	—
१७ २×१० २	५५	८	२०	पूर्ण/२७५	१९०४ वि० (आश्विनकृष्ण त्रयोदशी)	—
१८×१२	११	७	१५	अपूर्ण/३६	—	—
१७×११	२३	७	२०	पूर्ण/११५	—	—
१८×१३	३०	१२	२१	पूर्ण/२३६	—	वाला त्रिपुरसुन्दरी 'व' ने प्रारम्भ होने वाले महम्मनामो का स्तवन
१७ ४×११	१०	८	१६	पूर्ण/४०	—	—
११×७	६	८	१६	पूर्ण/२४	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि ने महत्त्वपूर्ण
१९×११ ५	९	९	२५	पूर्ण/६७	१८९९ वि० (चैत्रसुदी ११)	—
७×५	२	१०	४०	पूर्ण/२५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६७१	३४८०/१८६२	बालान्निपुरास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७२	८०९/८२५/७२५	बालासम्पुटस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७३	२६१/२४७	बालासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७४	४७४/४३३	बालासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७५	५१८/५०९/४६७	बालासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७६	३६५४/१८६७	बालासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७७	७०२१/३९५६	बालासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७८	३९/३४	बालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६७९	१२५/११८	बालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८०	२०३ २/१९५	बालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८१	१५९८.१/१००४	बालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८२	१७६७/११६८	बालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८३	२१/१७	बालाहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ० म०	पन्नि प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	त्रिपिकाल	विज्ञाप विवरण
८ (रु)	८ (म)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७/८	८	६	२०	पूर्ण/३०	—	—
२१×११	२५	११	२८	पूर्ण/२५४	—	—
१६×११	४७	३	२०	पूर्ण/२६४	—	सुचारु
१६×१०	३७	८	१६	पूर्ण/१४८	१८८३ वि०	—
१७×११	४०	१०	१६	पूर्ण/२०८	—	—
१८×११	१५	७	१६	अपूर्ण/१०३.५	१८९८ वि०	—
२६×१४	१८	१०	२०	पूर्ण/११२	—	—
१३ ५×९	९	७	१६	पूर्ण/३१	—	—
१४ ५×१२ ५	९	८	१४	पूर्ण/३१	—	—
१५.५×११	०	६	१६	पूर्ण/२७	—	—
१९ ८×७.७	४	५	३७	पूर्ण/१७	—	—
१७/११	२०	५	१६	पूर्ण/५०	१९४५ वि० (१८१० शक)	—
१४×९.५	८	८	१४	पूर्ण/२८	१९६२ वि०	—

क्रमसं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६८४	२७८/२५७	बालाहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८५	३७७९.१/१९२९.१	बालाहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८६	७०६१/३९८०	बृहच्छातिस्तोत्र	—	हर्षकीर्तिसूरि	देसी कागज	नागरी
१६८७	३८३४ १/१९५४.१	बृहस्पतिहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८८	६२५४/३३६९	ब्रह्मपाराख्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८९	३३७९/१७४४	ब्रह्मस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९०	१७७९/११८०	भक्तिलहरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९१	३१६१/१६११	भक्तिवर्द्धिनी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६९२	२६२० २/१४३७	भक्तिवर्द्धिनीस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६९३	७६१७/१४६७	भगवतसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९४	२३८/२२७	भगवतीपद्मपुष्पाञ्जलि	रामकृष्णकवि	—	देसी कागज	नागरी
१६९५	३८३१ १/१९५३ १	भगवतीसहस्रदल	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९६	५४५/५३५/४९१	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी, परमहंस	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ ५×१३	८	८	१६	अपूर्ण/३२	—	—
२४ ७×१४	३	११	११	पूर्ण/२८	१९१७ वि० (श्रावण बुध ५)	—
२६×१२	२०	११	३०	पूर्ण/२०६	१९२६ वि० (ज्येष्ठवदि ३ भृगुवार)	—
१५×१३	६	८	१६	अपूर्ण/२४	—	—
१८×६	२	७	२०	पूर्ण/९	—	—
१९.५×११ ५	५	७	१६	अपूर्ण/१७	—	—
११.५×९.५	३	७	२१	अपूर्ण/१४	—	—
३५×१६.६	१	१०	४८	पूर्ण/१५	—	—
२७×१६	२	१०	२४	पूर्ण/१५	—	—
२७×१६	२०	१२	३२	अपूर्ण/२४०	—	—
२२ ५×११ ५	८	९	३०	पूर्ण/६७	१८९४ वि० (शाके १७५९ आषाढमासे शुक्ल पक्षे)	—
२१.७×१०.७	७४	८	२२	अपूर्ण/४०७	—	—
२३.५×१२	६०	१२	३०	अपूर्ण/६७५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६८४	२७८/२५७	बालाहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८५	३७७९ १/१९२९ १	बालाहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८६	३०६१/३९८०	बृहच्छातिस्तोत्र	—	हर्षकीर्तिसूरि	देसी कागज	नागरी
१६८७	३८३४ १/१९५४ १	बृहस्पतिहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८८	६२५४/३३६९	ब्रह्मपाराख्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८९	३३७९/१७४४	ब्रह्मस्नोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९०	१७७९/११८०	भक्तिलहरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९१	३१६१/१६११	भक्तिवर्द्धिनी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६९२	२६२० २/१४६७	भक्तिवर्द्धिनीस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६९३	२६१८/१४६७	भगवतसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९४	२३८/२२७	भगवतीपद्मपुष्पाञ्जलि	रामकृष्णकवि	—	देसी कागज	नागरी
१६९५	३८३१ १/१९५३ १	भगवतीसहस्रदल	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९६	५४५/५३५/४९१	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी, परमहंस	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४.५ × १३	८	८	१६	अपूर्ण/३२	—	—
२४.७ × १४	३	११	११	पूर्ण/२८	१९१७ वि० (श्रावण बुध ५)	—
२६ × १२	२०	११	३०	पूर्ण/२०६	१९२६ वि० (ज्येष्ठवदि ३ भृगुवार)	—
१५ × १३	६	८	१६	अपूर्ण/२४	—	—
१८ × ६	२	७	२०	पूर्ण/९	—	—
१९.५ × ११ ५	५	७	१६	अपूर्ण/१७	—	—
११.५ × ९ ५	३	७	२१	अपूर्ण/१४	—	—
३५ × १६.६	१	१०	४८	पूर्ण/१५	—	—
२७ × १६	२	१०	२४	पूर्ण/ १५	—	—
२७ × १६	२०	१२	३२	अपूर्ण/२४०	—	—
२२ ५ × ११ ५	८	९	३०	पूर्ण/६७	१८९४ वि० (शाके १७५९ आषाढमासे शुक्ल पक्षे)	—
२१.७ × १०.७	७४	८	२२	अपूर्ण/४०७	—	—
२३.५ × १२	६०	१२	३०	अपूर्ण/६७५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६९७	२९८८/१५६३	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१६९८	३०१०/१५६९	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१६९९	८५४/८७१/७५५	भगवन्नामानि	—	—	देसी कागज	नागरी
१७००	१५७५/९७९	भजगोविन्दस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७०१	५७६९/२९५३	भयहरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०२	७४६४/४२३५	भयहरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०३	६६८७/३७३१	भरतसावित्रीस्तोत्र	व्यास	—	देसी कागज	नागरी
१७०४	३९१/३५५	भवानीपञ्चरत्न	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०५	७४८९/४२३९	भवानीसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०६	७१७७/४०४४	भवानीसहस्रनामस्तवराज- स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०७	४१८/३७७	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०८	४५०/४४१/४०९	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०९	२८५०/१५२६	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६ ५ : १४ ५	७०	१२	२५	पूर्ण/६५६	१८८० वि०	इसमे पौराणिक आधार पर भगवान् श्रीकृष्ण की लीलाओ का वर्णन किया गया है। ग्रन्थविरचनाओ मे विभक्त है
३२ × १३	११६	११	४५	पूर्ण/१७९४	१८४३ वि० (मिति चैत्रसुदी १० रविवार)	भगवद्भक्तिमाहात्म्य, सटीक
१५.५ × ११	४	५	१६	पूर्ण/१०	—	—
१३.५ × ११ ५	४	११	१८	पूर्ण/२४	—	—
२५.४ × १०.४	३	१३	४०	पूर्ण/४८	—	—
२५ × ११	८	१६	४०	पूर्ण/१६००	—	सटीक
१३ × ८	२४	६	२०	पूर्ण/९०	—	—
१४ × १०	४	७	१६	पूर्ण/१४	—	—
११ × ७	६८	८	१६	पूर्ण/२७२	१९६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१६.६ × १०.६	१०५	५	१६	पूर्ण/५१२	—	—
१३ ५ × ९ ५	३२	१४	२०	पूर्ण/२८०	१८२९ वि० (फाल्गुनसुदि ५ गुरुवार)	—
२० × ९	३९	८	२५	पूर्ण/२४८	१७२३ वि० (माघशुक्ल ११ भृगुवार)	—
१६ × ११	६४	७	१३	पूर्ण/१८२	१८४७ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७१०	६८९७/३८९६	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७११	६५९२/३६४३	भवानीस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१७१२	१०६/९८	भवानीस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१७१३	७९/७३	भवानीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७१४	१६४०/१०४४	भवानीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७१५	५२४/५१४/४७०	भवान्यष्टकस्तोत्र	शङ्कराचार्य (?)	—	देसी कागज	नागरी
१७१६	२७४०/१४९७	भगवतस्तुतिसमुच्चयसंग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
१७१७	३२७/२९८	भारतीस्तोत्र	राजमुकुटमणि	—	देसी कागज	नागरी
१७१८	३४२/३१८	भारतीस्तोत्र	राजमुकुटमणि	—	देसी कागज	नागरी
१७१९	५९३०/३०८८	भौमस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२०	३०४६ १/१५८२	भीष्मदेहोत्सर्गस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२१	३०६४.४/१५८९	भीष्मराजस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२२	३२१९/१६३१	भीष्मस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×१७	१३	१८	२५	पूर्ण/१८३	१७९५ वि० (ज्येष्ठकृष्ण ४)	—
२०×९	१७	१२	३२	पूर्ण/२०८	—	—
१७.५×११.५	४	९	१८	अपूर्ण/२०	—	—
१४×१०	८	८	२०	पूर्ण/४०	—	—
१७×८.५	१९	५	१४	अपूर्ण/४२	—	—
१३×१०	५	७	१४	पूर्ण/१५	—	—
१६×२०	४५६	११	११	पूर्ण/१७२४	—	भागवतपुराण मे वर्णित शुक, कुन्ती आदि द्वारा की गई स्तुतियों का संग्रह किया गया है
१८×१०.५	११	७	२४	पूर्ण/५७ ५	१८८६ वि०	—
१५.५×११	१५	८	१६	पूर्ण/६०	१९२३ वि०	—
१४.२×११.५	४	१०	१६	पूर्ण/२०	१८२५ वि० (ज्येष्ठ २)	—
११.५×९.५	४३	७	१५	पूर्ण/१४१	१९९४ वि०	—
११.८×७.५	४७	६	१५	पूर्ण/१३२	१८४६ वि०	महाभारत
३३×२०	३४	५	१६	पूर्ण/८५	—	सटीक

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७२३	४२४७.१/१९८६	भीष्मस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२४	१७३५/११३६	भीष्मस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२५	२७४९/१५००	भीष्मस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२६	४२४७.१/१९८६.१	भीष्मस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२७	३३१२/१७०९	भुवनेश्वरीपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२८	३८६६.१/१९७४.१	भुवनेश्वरीशताष्टकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२९	३१६/२८७	भुवनेश्वरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३०	८८७/७६१	भुवनेश्वरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३१	४०२९/१९३३	भुवनेश्वरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३२	७२/६६	भुवनेश्वरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३३	३३११/१७०९	भुवनेश्वरीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३४	१८८०/१२७१	भैरवअष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३५	३८९२.१/१९९०	भैरवअष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०.५×१२	३७	७	१०	अपूर्ण/७०	—	—
१५.६×८.६	४६	५	१४	पूर्ण/१०१	—	जीर्ण
२२×१०	३९	६	२४	पूर्ण/१७५ ५	१८८२ वि०	—
१२×७	३७	६	१०	पूर्ण/७०	—	—
१५ ५×१०	१७	६	१०	पूर्ण/३२	—	—
१८×११	३	८	२४	पूर्ण/१८	—	—
२२×११	१७	१२	२५	अपूर्ण/१५९	—	—
२१.५×१० ५	१७	१२	३१	पूर्ण/१९८	—	भुवनेश्वरी देवी के सहस्रनामो का स्तवन किया गया है तथा उनके पाठ का महत्त्व बताया गया है।
१७×११ ८	३०	८	१७	पूर्ण/१२८	—	
१७ ५×१२	१२	८	१६	पूर्ण/४८	—	
१५ ५×१०	३	६	१०	अपूर्ण/५	—	
१८×१२	१३	११	१६	अपूर्ण/७१	—	
१२×२० ५	३	१६	१२	पूर्ण/१८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७३६	७०३८/३९६८	भैरवक्षेत्रपालस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३७	५४९/५५९/५०५	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३८	१७ १/१२	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३९	२३०/२१९	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४०	३७९/३४६	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४१	३९३/३५६	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४२	४२७/३८७	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४३	३७४५.१/१९०८ १	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४४	५८९९/३०६५	भैरवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४५	३४७९ १/१८३१	भैरवीस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४६	१७४३/११४४	मंगलस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४७	४३१८/२०१७	मंगलस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७४८	२९०/२६४	मंगलाष्टकस्तोत्र	कालिदास	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
११×७	४	९	१०	पूर्ण/११	—	—
१५×१०	१२	६	१४	अपूर्ण/३२	—	—
१६×१०	७	७	१३	पूर्ण/२०	—	—
१७×९	१४	७	२०	पूर्ण/६१	—	—
१६.५×११	२४	८	१९	पूर्ण/११४	—	—
१४×९.५	३१	६	१६	पूर्ण/९३	१९४० वि०	—
१५ ५×१०	४४	६	१२	पूर्ण/९९	१९२७ वि०	—
१५×९ २	१२	६	१८	अपूर्ण/४१	—	—
१५ ५×१० ३	४	१०	२२	अपूर्ण/२७	—	—
१९×११	७	७	२४	पूर्ण/३७	—	—
१७ ५×१० ५	२	८	२२	अपूर्ण/११	१९३९ वि० (मार्गशीर्ष- शुक्ल १५ रविवार)	—
११×८	६२	५	१०	पूर्ण/९७	—	—
१७×१०	८	८	२४	पूर्ण/४८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७४९	५९२८/३०८७	मंगलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५०	६१३८/३२५९	मणिकर्णिकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५१	६२९४/३३९६	मल्लारीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५२	३७३१/१८८७	महाकालशनिमृत्युञ्जयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५३	५९८०/३१२३	महाकालीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५४	६३९५/३४९४	महाकालीसूक्त	सदाशिव	—	देसी कागज	नागरी
१७५५	१५२४/९३९	महाकाल्यष्टोत्तर शतनामावलि	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५६	८५६/८७३/७५५	महागणपतिगकारादि सहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५७	६८१५/३८४५	महागणपतिसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५८	१७८६.१/११८७	महागणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७५९	१७८३/११८४	महादेविस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६०	६७१५/३७५९	महादेवीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६१	२४६८.१/१४३८	महानारायणस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ २ × ११.५	३	११	२४	पूर्ण/२४	१८२५ वि० (चैत्र ११)	—
१६.५ × १०	३	९	२०	अपूर्ण/१७	—	—
१७ × १०.५	३८	८	२०	पूर्ण/१९०	१८४४ वि० (भाद्रपदशुक्ल सप्तमी भौमवार)	—
२०.२ × १२.५	२८	७	१६	अपूर्ण/९८	—	—
१५.९ × १०	२४	७	२०	पूर्ण/१०५	—	—
१२ × ८	१६	१०	१५	पूर्ण/७५	—	—
२१ ३ × ११	७	५	१८	पूर्ण/२०	—	—
१५ ५ × ११	८४	५	१८	पूर्ण/१३५	—	गणेश के गकार से प्रारम्भ होने वाले सहस्रनामों की स्तुति की गई है। यह रुद्रयामल तन्त्र का एक अंश है
२२ × १०	१८	७	२४	अपूर्ण/९५	—	—
१३ × ८	६	५	१२	पूर्ण/११	—	—
१८.७ × १०.३	६	७	१६	पूर्ण/२१	—	—
१६ × ११	५	७	१६	पूर्ण/ १७	१८९२ वि०	—
१४ × ९.३	३०	७	२०	पूर्ण/१३१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७६२	५९१६/३०७९	महालक्ष्मीमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६३	५८१३/२९८९	महालक्ष्मीव्यकटेश- सहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६४	४९५/४४९	महालक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६५	३२१३.१/१६२९	महालक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६६	३८६०.१/१९७३.१	महालक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६७	६८०८/३८४०	महालक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६८	६८१०/३८४०	महालक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७६९	३२२/२९३	महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७७०	९२०/९३७/७६८	महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७७१	३८८६/१९१८	महाक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७७२	३१८६.२/१६२३	महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७७३	५०/४५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७४	१५१/१४३	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३ ३×१० ५	१	११	२४	पूर्ण/७	—	—
१४ २×११.३	५९	७	१६	अपूर्ण/२१६	—	—
१४.५×१०	४	१२	२०	अपूर्ण/१२	—	—
१७×१२ ५	२८	८	१६	अपूर्ण/११२	—	—
१५×१०	६	८	१६	अपूर्ण/२४	१९२५ वि०	—
२४×११	१	२	४८	पूर्ण/३	—	—
२४×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	—	—
१९×१३	४२	९	१८	पूर्ण/२१२	१९४५ वि० (द्वि० चैत्र- शुक्लपक्ष १३ भौमवार)	अभीष्टसिद्धिहेतु लक्ष्मीस्तुति निरूपित
१६.५×१२	३५	८	१६	पूर्ण/१४०	—	—
६×६.५	५७	८	८	अपूर्ण/११४	—	—
२३.५×१० ५	१६	९	३६	पूर्ण/१५२	—	—
१४×११	१३	११	१०	पूर्ण/४५	१८८९ वि० (फाल्गुनसुदी ३)	—
१५.५×१०.५	१०	१६	२५	पूर्ण/१५०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७७५	२८१/२६०	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७६	३२३/२९४	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७७	३८८/३५४	महिम्नस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७८	३९७/३६०	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७९	५४७/५५७/५०२	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८०	१७१०/११११	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८१	१७४२/११४३	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८२	१७४४/११४५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८३	२५०१/१४४४	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८४	२७५७/१५०२	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८५	३१५८/१६१६	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८६	३२२८/१६३१	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८७	३२९३/१६९१	महिम्नस्तोत्र	विष्णु	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६.३×८.५	३५	५	१६	पूर्ण/८७	—	—
१७×११	१६	९	१६	पूर्ण/७२	—	—
१३×८	६१	५	१६	अपूर्ण/१५२ ५	—	—
१३ ५×९	१७	७	१४	पूर्ण/३०	—	—
२४.५×१२	२२	१४	३४	पूर्ण/२७८	१८९६ वि०	एक सामान्य संस्कृतटीकासहित महिम्नस्तोत्र
१२×१६	५२	११	१०	अपूर्ण/१७८	१९४२ वि० (वैसाख १२)	—
१७.५×९.५	१४	७	१८	अपूर्ण/५५	—	—
१२.५×९	२८	७	१२	पूर्ण/७३	—	—
२५ ५×१२.५	३५	११	३६	पूर्ण/४३३	—	अज्ञातकर्तृक टीकासहित शिवस्तोत्र
२०×१०	१३	७	२४	पूर्ण/६८	१८५० वि०	—
१२×७	५०	५	१२	पूर्ण/९४	—	—
३३×२०	३२	८	२४	पूर्ण/१९२	१९०३ वि०	सटीक सम्पूर्णस्तोत्र
१२.५×९.२	२५	७	१६	अपूर्ण/८७	१८६९ वि० (माघ ९)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७८८	३३३२/१७२८	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८९	३५४६/१८४६.१	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९०	४२४६.२/१९८५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९१	६००८/३१४४	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९२	६२४६/३३८८	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९३	६७३५/३७७८	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९४	६८४६/३८७५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९५	७०२०/३९५६	महिम्नत्रिपुरसुन्दरी स्तवराज	दुर्वासामहर्षि	—	देसी कागज	नागरी
१७९६	७१७८/४१४६	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९७	७४८३/४२३९	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९८	८५९/८७६/७५६	महोन्नतारिकादडक	कालिदास (कवि सार्वभौम)	—	देसी कागज	नागरी
१७९९	८९६/९१३/७६४	मात्रिकामत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८००	५०/४५	मानसिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५ × ११.५	२६	८	६	अपूर्ण/३९	—	—
१४ ५ × ८ २	२७	६	१६	पूर्ण/५४	—	—
१८.५ × १३	३४	६	१५	पूर्ण/९६	—	—
२३ ३ × १०.३	९	९	३६	पूर्ण/९१	१८९८ वि० (कार्तिक १२)	—
१९.५ × ९	१४	७	२०	पूर्ण/६१	—	—
१९ × १३	६	११	१६	अपूर्ण/३३	—	—
१७ × ११	७	२२	१६	पूर्ण/७७	—	—
१६ × १४	१४	१०	२०	पूर्ण/८७	—	—
१६.६ × १०.६	३६	५	१४	पूर्ण/७८	—	—
११ × ७	२६	१८	१६	पूर्ण/१०४	१६६५ वि०	—
१९ × ११.५	१३	७	२४	पूर्ण/६८	—	—
२४.५ × १२.५	२८	११	३६	पूर्ण/३४६	१८४१ वि०	—
११ × ७	३३	८	२०	पूर्ण/१६५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८०१	७२७०/४१२२	मायाबीजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८०२	१७८५.९/११८६	मुक्तिद्वारस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८०३	१७८५.२/११८६	मुक्तिप्रदस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८०४	२२१/२१०	मृत्युञ्जयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८०५	६८६७/३८८८	मृत्युञ्जयस्तोत्र	मार्कण्डेय	—	देसी कागज	नागरी
१८०६	३९४/३५७	यंत्रोद्धार आरती	—	—	देसी कागज	नागरी
१८०७	५२३.३/४६९	थज्ञोपवीतमन्त्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८०८	७५.१/६९	यमुनाष्टकस्तोत्र	महूपगोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
१८०९	३०८०.३१/१५९४	यमुनाष्टपदी	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
१८१०	२४५९/१४३३	यामुनस्तोत्र	यामुनाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८११	२४१/२३०	युगलकिशोरसहस्रनाम- स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१२	३१९१.७/१६२३	योगभोगस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१३	३१९१.८/१६२३	योगभोगस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२३.४ × १३.४	१	१०	४०	पूर्ण/१२ ५	—	—
२५ × ३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	—	—
२५ × ३०	१	२८	१२	पूर्ण/१०.५	—	—
२० ४ × १०.५	४	८	२६	पूर्ण/२६	—	—
९ × ७	१०	५	८	पूर्ण/१३	—	—
१२.५ × ९	५	५	१५	पूर्ण/१२	—	—
१७ × ९	२	५	१८	पूर्ण/६	—	—
१४.५ × १०	२	८	२०	अपूर्ण/१०	—	—
१६ × १०	८	६	१५	पूर्ण/२३	—	—
१८ × १४	१९	१०	१६	पूर्ण/९५	—	—
१६ × ९	२६	८	२६	पूर्ण/१६४	—	—
२५ × ११	६	१०	२४	पूर्ण/४५	—	—
२५ × ११	५	१०	२४	पूर्ण/३७	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८१४	३७८१.१/१९२९.१	योगिनीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१५	५९१८/३०७९	योगेश्वरीमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१६	७१४६/४०२३	रघुवरसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१७	६७००/३७४४	रहस्यत्रय	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१८	३६८/३३८	राजराजेश्वरीध्यानस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१९	६७६६/३८०३	राजराजेश्वरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८२०	३८१७/१९०७	राधाज्योत्तरनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२१	४७/४२	राधाकृष्णस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२२	२६०९.६/१४६५	राधानाथसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२३	३१७६/१६२१	राधासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२४	१५८१/९८५	राधास्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२५	३१६६ ३/१६१९	राधास्तोत्र	विठ्ठलेश	—	देसी कागज	नागरी
१८२६	६५१३/३५९७	राधास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९ ७×११	९	८	२६	अपूर्ण/५८.५	—	—
१३ ३×१० ५	२	११	२४	पूर्ण/१६	—	—
१८×९.५	६०	५	१०	पूर्ण/९४	—	—
१६×१०	२२	७	२४	पूर्ण/१२०	१८०४ शा०	—
२०.५×१५ ५	१९	७	२०	पूर्ण/८३	—	—
११ ३२	२	२०	३२	पूर्ण/४०	—	—
१७.२×१०.६	१२	५	१६	पूर्ण/३०	—	—
१८×१२	३६	८	१६	पूर्ण/११४	—	—
२० ५×१३	२६	१८	१७	पूर्ण/२४२	—	—
१८×११	६२	९	१६	पूर्ण/२७९	—	—
२४×६	४१	८	३२	पूर्ण/३२८	—	—
३५×१६.५	१	१४	४८	पूर्ण/२१	१९१० वि० (चैत्रशुक्ल १५ शनिवार)	—
२७ ५×२२ ५	३	१६	१२	पूर्ण/१८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टने सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८२७	६३२३/३४२५	रामअष्टाविंशतिनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२८	४२८/३८८	रामखड्गमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२९	७५७५/४२५१	रामखड्गमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३०	११६/१०९	रामचन्द्रशतनामस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३१	३७२० १/१८९१.१	रामचन्द्रस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३२	३३४६ १/१७४१	रामजनस्तोत्र	हनुमान	—	देसी कागज	नागरी
१८३३	५६२/५७२/५१८	रामनामअष्टशतकम्	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३४	३३१४/१७१०.१	रामपद्यदशक	महेश्वर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१८३५	५९९४/३१३०	रामप्रशस्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३६	४३९६/२०४०	राममहिम्नसंस्थास्तोत्र	गन्धर्वराज	—	देसी कागज	नागरी
१८३७	९/७	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३८	१०३.३/९५	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८३९	३४६/३१८	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२३×१२	१	२१	१०	पूर्ण/६	—	—
१३×९.५	३६	६	१२	पूर्ण/८१	१९६२ वि०	—
११×१८	१४	१२	१६	पूर्ण/८४	१९०३ वि०	—
१५×११ ५	१०	८	१६	पूर्ण/४०	—	—
२१.५×११	५	९	२०	अपूर्ण/२८	—	—
१८ २×९ ७	२	९	२४	पूर्ण/२७	—	—
१५×११.५	८	८	१३	अपूर्ण/२६	—	—
२३×१३	९	११	३०	पूर्ण/२०	—	—
२५ ८×१२	१२	११	३२	अपूर्ण/१३२	—	—
२२ ५×११ ५	११	१०	२०	पूर्ण/६९	१९९० वि०	—
१८×११.५	१२	७	१५	पूर्ण/३९	—	—
२१×११.५	५	९	३०	पूर्ण/४२	—	—
१३×१० ५	३	९	१६	अपूर्ण/१३५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८४०	४०३/३६४	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	—	देसी कागज	नागरी
१८४१	४४२/४३३(१)/ ४०१	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	—	देसी कागज	नागरी
१८४२	५४४/४८९	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र ऋषि	—	देसी कागज	नागरी
१८४३	५४९/५३९/४९५	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८४४	१८०३/१२०४	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८४५	२६९६/१४९०	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	—	देसी कागज	नागरी
१८४६	३०६४.५/१५८९	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८४७	३१५५/१६१६	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	—	देसी कागज	नागरी
१८४८	३३२०/१७१६	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८४९	३५५५.१/१८४७.१	रामरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५०	४३४१/२०२२	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	—	देसी कागज	नागरी
१८५१	५८९०/३०५७	रामरक्षास्तोत्र	बुधकौशिक	—	देसी कागज	नागरी
१८५२	५१५/५२५/४७१	रामरक्षास्तोत्र	बुधकौशिक	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२४ ५×११ ५	८	९	१९	पूर्ण/३६	—	—
१६×९.५	१२	८	२२	पूर्ण/६६	१८९३ त्रि०	—
१४ ५×१०	१४	७	१७	पूर्ण/४३	—	४३ श्लोको मे राम की स्तुति । प्रकाशित रामरक्षास्तोत्र से पर्याप्त भिन्न
२३ २×१० ३	५	१०	३२	अपूर्ण/५०	—	—
२८ ५×१३.५	१०	७	२०	पूर्ण/४४	—	सुरक्षित
१८×१०	२५	७	७	पूर्ण/३९	—	—
११ ८×७.५	१५	६	१५	पूर्ण/४२	—	—
१२×७	८२	५	१२	पूर्ण/१५४	—	—
२०×१० ३	११	७	२२	पूर्ण/५३	—	—
१२.८×९	१८	८	१४	अपूर्ण/६३	—	—
१६×११	१२	८	१५	पूर्ण/४५	—	—
१२×१८.५	४	१७	१६	पूर्ण/३४	—	—
१४×८.५	१२	६	१५	अपूर्ण/३३	—	—

क्रम सं०	ग्रंथ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८५३	३९५२.१/२०१७.१	रामवल्लभास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५४	३४०४/१७९०	रामसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५५	३९५०.१/२०१७.१	रामसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५६	६२९५/३३९८	रामसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५७	३९५३.१/२०१७.१	रामस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५८	११/९	रामस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८५९	५००/४५४	रामस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६०	३९४८.१/२०१७.१	रामस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६१	२७५७.१/१५०२	रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६२	१८३८/१२३१	रामस्वराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६३	२९९०/१३१२	रामहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६४	३४८२/१८६४	रामहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६५	६५०९/३५९३	रुद्रजाप	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पू० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×१०	३	७	१०	पूर्ण/८	—	—
२७×१२	६	११	३०	पूर्ण/६२	—	—
१३×१०	५६	७	१०	पूर्ण/१२२	—	—
१५×९.५	४७	९	१०	पूर्ण/१३२	—	—
१३ : १०	४	७	१०	पूर्ण/१०	—	—
१७.५×१०	२८	७	२०	पूर्ण/१२२	—	सुलिपि
१०×७	३९	७	१४	पूर्ण/९७	—	—
१३×१०	२७	७	१०	पूर्ण/५९	—	—
१६×१८	२	१०	३२	पूर्ण/२०	—	—
१४×१२	२४	१०	२०	पूर्ण/१५०	१८८६ वि०	—
१४×१२	२०	८	१६	अपूर्ण/८०	—	सटीक
१५×१०	१२	७	२०	पूर्ण/५१.५	—	—
२३×११.५	२२	९	२०	अपूर्ण/१२४	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८६६	२८४/२६२	रुद्रहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६७	५७७३/२६५९	रेवासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६८	६५३१/३६१४	लक्ष्मीपञ्चरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८६९	३४१०.१/१७९६	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७०	४७५/४३४	लक्ष्मीस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७१	४८४/४७५/४४१	लक्ष्मीस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७२	७७९/७९५	लक्ष्मीस्तुति	रामचन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
१८७३	१७४६/११४७	लक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७४	३१४२/१६१४	लक्ष्मीस्तोत्र	अगस्त्य	—	देसी कागज	नागरी
१८७५	६६३१/३६७७	लक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७६	४७२/४८१/४३९	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७७	२७४६ १/१४४७	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८७८	३४७५.२/१८२९.१	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९×१२	५	१०	१६	पूर्ण/२५	१८५५ वि० (चैत्रसुदी ३ भीम)	—
१९.२×१०.४	३८	५	१६	अपूर्ण/९५	—	—
२३.५×१०.५	४	१३	३०	पूर्ण/४९	१८७५ वि० (आषाढवदि २)	—
१८.३×१४.४	२	७	२०	पूर्ण/८	—	—
१७×८.५	२१	५	११	पूर्ण/३६	—	—
१८×११ ५	११	७	१६	पूर्ण/३८	—	—
१७ ५×१३	१२	११	१३	पूर्ण/५०	१९७३ वि०	—
१४×११	१४	७	१६	पूर्ण/४९	१९३५ वि०	—
२२.७×१३.६	७	८	२४	पूर्ण/४२	१९५३ वि० (पौषशुक्ल ६)	—
१५×१०	३	१२	१६	पूर्ण/१८	—	—
२०.५×११.७	२२	९	२४	पूर्ण/१४८	१९०७ वि० (श्रावणकृष्ण १३ भीमवार)	—
१४×११	६४	७	१६	पूर्ण/२२४	१९३५ वि०	—
२९.५×१५.३	२	१७	४२	अपूर्ण/४४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८७९	५८९८/३०६४	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८०	६८५६/३८७८	लघुस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८१	६४५४/३५४२	लघुस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८२	७४८५/४२३९	लघुस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८३	३७६९.१/१९२५.१	ललिताष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८४	३५६/३२६	ललितासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८५	८०३/८१९/७२१	ललितासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८६	९२३/९४०	ललितासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८७	२३०८/१४०२	ललिताहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८८	१७९.१/१७१	लिंगस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१८८९	३४०/३१२	वदीमोचन	—	—	देसी कागज	नागरी
१८९०	३८१९.१/१९४३.१	वक्रतुण्डाष्टकस्तोत्र	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
१८९१	११६९/८३५	वचनफलस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६.८×९	६१	५	१६	अपूर्ण/१५२	—	—
२५×१२	२	१०	३२	पूर्ण/२०	१९३८ वि०	—
१७×११	७	१२	२०	पूर्ण/४८	—	—
११×७	१४	८	१६	पूर्ण/५६	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२२×१३	३१	२६	१२	पूर्ण/३०२	१९१२ वि० (श्रावणकृष्ण ९ चद्रवार)	—
७×१२	६७	९	१७	पूर्ण/३२०	१९०४ वि० ज्येष्ठकृष्ण ६ भृगुवासरे)	सुलिखित
२२.५×१०.५	६७	७	२०	पूर्ण/२९३	१७२९ वि० (मार्गशीर्ष)	—
१७.३×११.५	२५	१६	२६	पूर्ण/३२५	१८९३ वि० (फाल्गुनकृष्ण तृतीया)	—
२१×१२	१४	६	२०	पूर्ण/५३	—	—
१४×९.५	१	७	१८	अपूर्ण/४	—	—
१५.५×९.५	७	९	२४	पूर्ण/४७	१८१९ वि०	—
२१×१०	४	८	२०	पूर्ण/२०	—	—
१९.५×१४	४६	१०	१८	पूर्ण/२२५	१९१४ वि० (वैशाखकृष्ण)	—

क्रम सं०	ग्रंथ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८९२	७३९८/४१८६	वसुधारा	—	—	देसी कागज	नागरी
१८९३	६१५३/३२७३	वागीश्वरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८९४	६२५७/३३६९	वायुस्तुति	त्रिविक्रम पण्डिताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८९५	१०७३.२/८०६	विचित्रहनुमान्	—	—	देसी कागज	नागरी
१८९६	३०८०.६/१५९४	विट्ठलनामावली	हरिराम	—	देसी कागज	नागरी
१८९७	७४१७/४२००	विद्यामानसपूजा	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८९८	९२५/९४२.६/७६८	विद्याषडाम्नाय	—	—	देसी कागज	नागरी
१८९९	५२/४७	विद्यासहस्र शक्ती	—	—	देसी कागज	नागरी
१९००	३४४५.२/१८३०	विभूतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०१	२६२२ ४/१२१२	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९०२	२६७६.८/११५८	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९०३	२३८७/१४१८	विश्वनाथस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०४	३७५३/१८९४	विपापहारस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५.५×११ २	१६	९	३१	पूर्ण/१४०	—	—
२५ ७×११.७	२	१२	४३	पूर्ण/३२	—	—
१८×६	२३	७	२०	पूर्ण/१००	१९०५ वि०	—
१०×१३	६	१०	८	पूर्ण/१५	—	—
१६×१०	१६	६	१५	पूर्ण/४५	१८४९ वि०	—
१८×१२	९	९	१७	पूर्ण/४३	—	—
१५×१२.५	१२	१३	२०	अपूर्ण/९७	—	—
१३×९	९	१०	२०	पूर्ण/५६	—	—
१६.८×१० ५	६	८	१६	अपूर्ण/२४	—	—
७×६	२	१२	२४	पूर्ण/१८	—	—
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३५	—	जीर्ण
२०×१०	२	४	२०	पूर्ण/५	—	—
१७.३×११ ८	१२	९	२०	पूर्ण/ ६७	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९०५	४३२९/२०२०	विष्णुमठाईसनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०६	८४०/८५७/७४६	विष्णुमठाईसनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०७	४१५/३७५	विष्णुदिव्यसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०८	६३९८/३४९७	विष्णुदिव्यसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०९	१०३.२/९५	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१०	४१६/३७५	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९११	४४१/४३२(१)/ ४०१	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१२	४४७/४३८(१) ४०६	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१३	९२५/९४२.२/७६८	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१४	२३८१/१४१७	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१५	२३९४/१४१९	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१६	३०७८/१५९३	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१७	३२९२/१६९०	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३ ४×७.८	३	६	१६	पूर्ण/९	—	—
११.५×१४	५	७	९	पूर्ण/२०	—	—
१४×८	५३	७	२०	पूर्ण/२३२	—	—
३२×११	३७	२८	५	पूर्ण/१६२	—	—
२१×११.५	३	९	३०	पूर्ण/२५	—	—
१४×८	९	७	२०	पूर्ण/२१	—	—
१६×९.५	८	८	२२	पूर्ण/४४	१८१३ वि०	—
१५.५×१२ ५	१४	८	१०	पूर्ण/३५	—	—
१५×११ ५	२०	५	१०	पूर्ण/३१	—	—
१३.५×६ ७	११	६	१६	पूर्ण/३३	—	—
२०×८	८	५	२८	पूर्ण/३५	१७६८ वि०	सुलिपि
१० २×६.६	१४	६	१६	पूर्ण/४२	—	—
१३×८	२०	६	१२	पूर्ण/४५	१९०५ वि० मार्गशीर्षवदि ९ रविवार)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९१८	३८४२.१०/ १९६०.१	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१९	३९०५.१/१९९३	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२०	४३३९/२०२२	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२१	४६५/४५६/४२४	विष्णुशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२२	३८४२.२/१९६०.१	विष्णुशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२३	२६२.१/२४८	विष्णुशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२४	३९५१.१/२०१७.१	विष्णुशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२५	१४९७/९३०	विष्णुसहस्रनामभाष्य	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९२६	३०१८/१५७४	विष्णुसहस्रनामभाष्य	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९२७	४३४४/२०२२	विष्णुसहस्रनामविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
१९२८	७३/६७	विष्णुसहस्रनाम	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
१९२९	१९२/१८४	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३०	२२४/२१३	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
६×११	११	१२	८	पूर्ण/३३	—	—
१६ २×८	८	६	२०	पूर्ण/३०	१८७५ वि० (ज्येष्ठकृष्ण १०)	खण्डित
१६×११	१०	८	१७	पूर्ण/४३	—	—
१८×९ ५	३	७	२४	पूर्ण/१६	—	—
१२×६	१०	५	१६	पूर्ण/२५	—	—
१२.५×८ ५	६	६	११	पूर्ण/१२	—	—
१३×१०	४	७	१०	पूर्ण/१०	—	—
३०×१३	१०८	११	४८	अपूर्ण/१७८२	—	शङ्कराचार्य भाष्य और उसकी टीकासहित
२८×१४	१३०	११	३२	पूर्ण/१४३०	१८९३ वि०	महाभारत प्रतिपादित विष्णुसहस्रनाम पर शङ्कराचार्य का महत्त्वपूर्ण भाष्य
१६.५×११ ५	२२	६	१४	पूर्ण/५८	—	—
२१×१२ ५	३०	१०	२२	पूर्ण/२०६	१९९२ वि०	—
१५×१०	८	७	१५	अपूर्ण/२६	—	—
१५×१३	१३	७	१६	अपूर्ण/४५.५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९३१	२५२/२३८	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३२	३३९/३११	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३३	४२९/३८९	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
१९३४	४३३/३९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३५	५११/५२०/४६९	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३६	५५८/५६८/५१४	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३७	१८६०/१२५४	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३८	२४६२/१४२६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९३९	२४३२/१४२८	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४०	२४६१/१४३६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४१	२५१९/१४४६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४२	२६१३/१४६६	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४३	२८३७.१/१५२२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२×२१	२४	१८	१३	पूर्ण/१७५	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्ल पक्षे तिथी ४ बुधवासरे)	—
१७×१०	२६	९	२४	पूर्ण/५८.५	—	—
१८×१०	८४	५	१६	पूर्ण/२१०	—	—
१५×१०.५	३२	७	१७	अपूर्ण/११९	—	—
१४.५×९.५	१२	८	१६	अपूर्ण/४८	१८६० वि०	—
१७×१०.५	४४	७	२०	पूर्ण/१९३	१८५८ वि०	—
१३×२२	१५४	२०	१२	अपूर्ण/११५५	—	सटीक
२३×१०	४४	६	३२	पूर्ण/२६४	—	—
१०.३×९.४	८६	७	१०	अपूर्ण/१७५	—	—
२४×११	१३	१०	३२	पूर्ण/१३०	—	—
२७.५×१३.५	२२	११	३८	पूर्ण/२८७	—	—
२१×११		५	१६	पूर्ण/२१२.५	१९२३ वि०	—
३०×१४	१	१४	४८	अपूर्ण/२१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९४४	१८३७.१/१५२२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४५	२८९१/१५३१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४६	२९०८/१५३७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४७	३०४६/१५८२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४८	३०६४.१/१५८९	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९४९	३०७८.३/१५९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५०	३०७८ ७/१५९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५१	३२१८/१६३०	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५२	३२२५/१६३१	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५३	३२२७/१६३१	विष्णुसहस्रनाम	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१९५४	३२४९/१६४२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५५	३२९५/१६९०	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५६	३३९५/१७८६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२९ × १३	५४	१६	४०	अपूर्ण/१०८०	१८४० वि०	सटीक
११ ५ × ८	८१	६	११	अपूर्ण/१६७	—	—
९.४ × ७.६	९१	७	१०	पूर्ण/१९९	—	—
११ ५ × ९.५	६३	७	१५	पूर्ण/२०७	—	—
११.८ × ७.५	६७	६	१५	पूर्ण/१८८.५	—	—
१० २ × ६ ६	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१० २ × ६.६	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१३ × ७	६२	६	१६	पूर्ण/१८६	—	—
३३ × २०	३०	१०	३२	पूर्ण/३००	—	—
३३ × २०	१४५	१०	१६	पूर्ण/७२५	—	शङ्कराचार्यकृत 'ब्रह्मज्ञानप्रदीपिका' नामक टीका सहित सम्पूर्ण ग्रन्थ
२० × ११	६८	५	१२	अपूर्ण/१२७	१९२४ वि० (चैत्रशुक्ल तृतीया रविवार)	—
१३ × ८	१००	६	१२	पूर्ण/२२५	—	—
१२ × ८ ५	९२	६	१२	पूर्ण/२०७	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९५७	३४३४.१/१८२५.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५८	३४८५/१८३०.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५९	३५४९/१८४६.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६०	३९६०/१९२४	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६१	३७६६.१/१९२४.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६२	३७७६.२/१९२८.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६३	३८५८ १/१९७१.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६४	४२४६.१/१९८५	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६५	४२४७.१/१९८६.१	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६६	४२४७.१/१९८६.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६७	४३२९/२०२०	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६८	४३३३/२०२१	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६९	४३४७ १/२०२३	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×१२	२२	११	२०	अपूर्ण/१५१	—	—
३१×२०.५	८९	१०	३७	अपूर्ण/१०२९	—	सटीक
१६×८.५	४२	९	१६	पूर्ण/१८१	१८२५ वि० (चैत्र ९)	—
२१×११	३८	९	२४	पूर्ण/२५६	१९६२ वि०	—
१३×७	१३६	५	२०	अपूर्ण/४२५	—	—
१५.३×१०.३	२२	९	१६	अपूर्ण/९९	—	—
२१×१० ५	३३	८	२९	पूर्ण/२३९	—	—
१८ ५×१३	७५	६	१५	पूर्ण/२११	—	—
१२×७	६१	६	१०	पूर्ण/११४	—	—
२० ५×१४	८	७	१०	अपूर्ण/१७	—	—
१७×२१	८०	२२	२०	अपूर्ण/११००	—	सटीक
१५.५×११.५	७५	७	१०	पूर्ण/१६४	—	—
१४.५×९.१	८	५	१४	अपूर्ण/१८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९७०	५८५०/३०१६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७१	७१८०/४०४४	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७२	७३४४/४१५७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७३	७५०२/४२४६	विष्णुसहस्रनाम	—	शङ्कराचार्य	देसी कागज	नागरी
१९७४	७५८९/४२५९	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७५	६८७४/३८९२	विष्णुसहस्रनामावलि	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७६	१२०/११३	विष्णुस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७७	३३९५/१७८१	विष्णुस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७८	३८९२ ३/१९४०.१	विष्णुस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९७९	२३/१९	विष्णुहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८०	२६५/२४८	विष्णुहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८१	३३९५/१७८१	विष्णुहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८२	३८९२.६/१९४० १	विष्णोरष्टाविंशतिनाम-स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
११.६×८	१८	५	१२	अपूर्ण/३३	—	—
१६ ६×१० ६	९१	५	१४	पूर्ण/१९९	१९१५ वि०	—
१२×१५ ७	७५	९	११	अपूर्ण/२३२	१८६८ वि०	—
३०×१४	३७	१२	३२	अपूर्ण/४४४	—	—
२०×१२ ८	४४	८	१८	अपूर्ण/१९८	—	—
१७×११	५६	९	१०	पूर्ण/१५७	—	—
१७×१० ५	३१	७	२१	पूर्ण/१४२	१८५८ वि० (श्रावण २ बुधवार)	—
१२×८.५	२	६	१२	अपूर्ण/५	—	—
१६ ८×२१	२	१२	१०	पूर्ण/७.५	—	—
१४×८.५	६	७	२४	अपूर्ण/३१	—	—
१२ ५×८.५	११	८	१६	पूर्ण/४४	—	—
१२×८.५	२	५	१६	अपूर्ण/५	—	—
१६.८×२१	४	१२	१२	पूर्ण/१८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९८३	१५१९ १/९३५	व्यकटेशपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८४	६३४१/३४४२	वीरस्तुति	जिनवल्लभसूरि	—	देसी कागज	नागरी
१९८५	१७८५ १/११८६	वीरेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८६	३३१८/१७१४	शकारादिशिवसहस्रनाम- स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८७	२६५८/१४८१	शतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८८	६७८९/३८२५	शत्रुविध्वंसस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९८९	५९५९/३११४	शनिग्रहस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९९०	४८/४३	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
१९९१	२४७/२३६	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
१९९२	२६९१/१४८९	शनिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९९३	२९७/२६८	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
१९९४	४१७/३७६	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
१९९५	३४१८.१/१८१८.१	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ ५ × १०.५	५	८	१६	अपूर्ण/२०	—	—
२५ × ११	६	१०	२०	पूर्ण/३७	—	सटीक
२५ × ३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	—	अभिलाषाष्टकस्तोत्र
१४ × ९	६४	७	१६	पूर्ण/२२४	१९२६ वि० (वैशाखकृष्ण द्वितीया)	—
१३.९ × ७.९	७	५	१६	पूर्ण/१८	—	—
१७ × १२	२	१०	१६	पूर्ण/१०	—	—
२४ ८ × १० ८	१	५	२४	पूर्ण/३	—	—
२१ ५ × १७	११	८	३०	पूर्ण/८७५	—	—
१९ × १० ५	१२	८	२७	पूर्ण/८१	१८४६ वि० (वैशाखशुक्ल- पक्ष त्रिथी दशमी)	—
१७ × ८	६	९	२४	पूर्ण/४०५	—	—
२२ × ११	७	९	३२	पूर्ण/६३	—	—
१४ × ८ ५	२१	६	१५	पूर्ण/५२	—	—
१६ × १०	१०	९	२०	अपूर्ण/५६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९९६	३५५०/१८४७	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
१९९७	३४७६/१८५८	शनिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९९८	३६७६/१८७३	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
१९९९	३८५३ १/१९६७.१	शनिस्तोत्र	दशरथ	—	देसी कागज	नागरी
२०००	७३४३/४१५६	शनिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२००१	४१/३६	शरभदारुणसप्तक	—	—	देसी कागज	नागरी
२००२	५५५/५४५/५०१	शरभदारुणसप्तक	—	—	देसी कागज	नागरी
२००३	८४७/८६४(१)	शरभसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२००४	८४७/८६४	शरभस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२००५	६५११/३५९५	शरभेश्वरपक्षिराजमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२००६	३२९६/१६९४	शरभेश्वरसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२००७	१३८७/८९९	शरभेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२००८	१४३९/९११	शरभेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×११.८	३१	८	१६	पूर्ण/१२४	१८०९ वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल ८)	—
१७×१०.५	१६	७	१५	पूर्ण/५२	—	—
२०×१५ ५	५	१६	२०	पूर्ण/५०	—	—
२३×१२	६	१०	२४	पूर्ण/४५	१८३२ वि०	—
१६×१३	१५	९	१४	पूर्ण/५९	—	—
१७×१२	८	९	१६	पूर्ण/३६	—	शत्रुविनाश के लिए पक्षिराज श्रीशर- भेश्वरदेव का स्तवन
२२×११	६	८	३२	पूर्ण/४८	—	यह 'आकाशभैरवकल्प' का २७वाँ अध्याय है। इसमें पक्षिराज शरभदेव की शत्रुविनाश के लिए स्तुति की गई है। श्लोक संख्या ७ है
२२.५×११ ५	२८	१०	३२	पूर्ण/२८०	—	पक्षिराज श्रीशरभदेव के सहस्रनामों का तान्त्रिक स्तवन
२२ ५×११ ५	५	१०	३२	पूर्ण/५०	—	पक्षिराज शरभेश्वर अथवा सालुवेश की तान्त्रिक स्तुति
२२×२० ५	१	२७	१५	पूर्ण/११	—	—
१७ ५×९	३०	७	२४	पूर्ण/७८	१९२५ वि० (माघकृष्ण १० गुरुवार)	—
२६×१०	६	५	३२	पूर्ण/३०	—	—
१८×९ २	९	५	१९	पूर्ण/२७	—	—

क्रमसं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२००९	७३११/४१३३	शान्तिस्तवन	मनिदेवसूरि	—	देसी कागज	नागरी
२०१०	७६४५/४२८९	शान्तिस्तवन	देवसूरि	—	देसी कागज	नागरी
२०११	३२८९/१६५७	शान्तिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१२	६२५६/३३६९	शान्तिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१३	५८६८/३०३४	शारदास्तवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१४	३३९३/१७८१	शालिग्रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१५	३४६१/१८४५	शालिग्रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१६	३९६० १/२०१७.१	शालिग्रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१७	३८१/३४८	शिवभारती	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१८	३७९२.१/१९३२.१	शिवभारती	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१९	१४३३/९१०	शिवकवचस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२०	६३४२/३४४३	शिवताण्डवस्तोत्र	रावण	—	देसी कागज	नागरी
२०२१	१५७९/९८३	शिवपञ्चरत्नस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ ५×१० ६	२	११	४०	पूर्ण/२७	—	—
१२ ५×१० ५	४	९	१०	पूर्ण/११	—	—
१६×९	४	७	१६	अपूर्ण/१४	—	—
१८×६	१	७	२०	पूर्ण/४	—	—
२५ ८×१०.४	१	१३	५६	पूर्ण/२२	—	—
१२×२.५	१७	६	१२	पूर्ण/३८	—	—
२८×१४	६	८	२५	पूर्ण/३७	—	—
१३×१०	४	७	१२	अपूर्ण/१०	—	—
१६ ५×१२	२	१०	२०	पूर्ण/१२.५	—	—
१७.६×१२	३	७	१६	अपूर्ण/१०.५	—	—
२३.५×९.५	२४	५	२६	पूर्ण/९८	—	—
१३ ५×९	१०	५	१०	पूर्ण/१५.५	—	—
२१×११	२	१४	२४	पूर्ण/२१	१९३१ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०२२	३३१९/१७१५	शिवपञ्चाक्षरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०२३	३८७६/१९८३	शिवपञ्चाक्षरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२४	३८७८.२/१९८३	शिवमानसस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२५	४०७९.५०/१९३६	शिवरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२६	२४०५/१४२१	शिववदना	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२७	९५/८७	शिववर्मकथनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२८	१५७८/९८३	शिवशक्याष्टकस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०२९	५४१/४८७	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३०	८०२/८१८/७२१	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३१	२७७२/१५०८	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३२	३२४०/१६३७	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२०३३	३२९४/१६९२	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३४	५८८९/३०५६	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७.२ × १०.४	२	७	२०	पूर्ण/८	—	—
१७ × ११	३	६	१६	पूर्ण/९	१९२६ वि०	—
१७ × ११	५	६	१६	पूर्ण/१५	१९२६ वि०	—
२५ × ३०	१	१६	४०	पूर्ण/२०	—	—
२१ × ८	२	५	२३	पूर्ण/७	—	—
१५ ३ × ७.७	१६	७	२७	पूर्ण/४३	—	—
१२ × १२	७	४	१३	पूर्ण/११	—	—
१८ × ९	२७	७	२२	अपूर्ण/१३०	—	—
२३ ५ × १०	८४	६	१४	पूर्ण/२२०	१७२६ वि०	—
२४ ५ × १२.२	१८	१३	२४	अपूर्ण/१७५	१८३१ वि०	—
३३ × २०	१४७	७	२५	पूर्ण/८०४	१९०८ वि०	—
१० × ८	४४	७	१०	अपूर्ण/ ९६	—	—
१६ × १०.३	२७	९	२४	अपूर्ण/१८२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०३५	४७९/४३७	शिवसहस्रनामावली	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३६	२७५७/१५०२	शिवस्तुति	वीरभद्र	—	देसी कागज	नागरी
२०३७	३१३० १/२००६	शिवस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३८	६४५२/३५४१	शिवस्तुति	हरिहर	—	देसी कागज	नागरी
२०३९	२२/१८	शिवस्तोत्र	वसिष्ठ ऋषि	—	देसी कागज	नागरी
२०४०	२८२/२६१	शिवस्तोत्र	उपमन्यु	—	देसी कागज	नागरी
२०४१	३११/२८२	शिवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०४२	१५८७/९९१	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०४३	१५९६/१००२	शिवस्तोत्र	पृथ्वीराज	—	देसी कागज	नागरी
२०४४	२७५७ २/१५०२	शिवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०४५	२९७८ १/१५६२	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०४६	३५९८/१८५६.१	शिवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०४७	३८८९/१९१८	शिवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५ × १२	२८	१३	१७	अपूर्ण/१९३	१९१२ वि० (आषाढशुक्ल- पक्ष १४)	—
१६ × १०	१	६	३२	पूर्ण/६	—	—
१५ × ७	२	३	१६	पूर्ण/३	—	—
४४ × १२ ५	१	३७	१०	पूर्ण/११	—	—
१२ ८ × ८ २	४	७	१६	पूर्ण/१४	—	—
१७ × ११	७	९	१२	पूर्ण/२४	—	—
१५ × १०	३	९	१६	पूर्ण/१३ ५	—	—
१३ ५ × ९ ५	७	६	१५	पूर्ण/१८	—	—
२१ २ × ११ १	३	७	५०	पूर्ण/३३	—	—
१६ × १०	२	१०	३२	पूर्ण/२०	—	—
१६ ५ × २० ३	२	१८	२०	पूर्ण/२२	—	—
२१ × १२	२	११	२०	पूर्ण/१४	—	—
१५ × १२	४०	९	१०	पूर्ण/१११	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०४८	६६५९/३७०५	शिवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०४९	६२८४/३३८६	शिवादिध्यान	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५०	३६३४ ३/१८६३.१	शिवावलि	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५१	३६६२/१८६९	शिवाष्टोत्तरशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५२	६६६४/३७१०	शीतलाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५३	१४०० ४/८९९	शीतलाष्टकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५४	२७२५ १/१४९४	शीतलास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५५	३९९/३६२	शीतलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५६	४००/३६३	शीतलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५७	२७८५/१५१३	शीतलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५८	५८२०/२९९६	शुक्रस्तवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५९	५९५७/३११३	शुक्तिमुक्तिजमालिका- स्तोत्र	पद्मसुन्दर	—	देसी कागज	नागरी
२०६०	८०४/८२०/७२१	शुद्धशक्तिमाला	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५×१२	४	१३	३२	अपूर्ण/५२	—	—
२१×९ ५	८	७	३०	पूर्ण/५२	—	—
१२×२१	३	१६	१६	पूर्ण/२४	—	—
१६×१०	८	७	१६	पूर्ण/२८	—	—
१६×४५	१	३८	१६	पूर्ण/१९	—	—
२५×९	३	६	३२	पूर्ण/१८	१९५२ वि०	—
२४.२×१० २	१	९	३६	अपूर्ण/१०	—	—
१६.५×१०.५	११	५	१०	पूर्ण/१५	—	मुलिपि
१९×१२	४	८	१८	पूर्ण/१८	—	—
२१.५×११.५	३	८	२२	पूर्ण/१६	—	—
२३.६×११.३	४	८	२०	पूर्ण/२०	—	—
२२ ३×१० ८	४	१०	२४	पूर्ण/३०	१९०१ वि० (चैत्र ६)	—
२२.५×६ ५	६९	८	३२	अपूर्ण/५५२	—	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०६१	४३१/३९१	श्यामारहस्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६२	३८८२.३/१९८५	श्यामासहस्रनामस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६३	५१०/५०१/४५९	श्यामास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६४	२८२.१/२६१	श्रीकृष्णस्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६५	३२९३/१६९०	श्रीकृष्णस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६६	३४५९/१८४३	श्रीगुरुदत्तात्रेयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६७	३९५४.१/२०१७.१	श्रीरामअनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६८	६५४७/३६१४.७	श्रीरामसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०६९	२८८९/१५३०	श्रीहरिअष्टाविंशनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२०७०	३४५१/१८३६	षट्पदी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०७१	६९३३/३९१२	षट्पदी	—	—	देसी कागज	नागरी
२०७२	१७८५.२/११८६	पण्ठस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०७३	१०१०/७९१	षोडशमूलविद्या	—	—	देसी कागज	नागरी

આકાર (સે. મી.)	પૃ.સં.	પક્તિ પ્ર.પૃ.	અક્ષર પ્ર.પં.	દશા/પરિમાણ અનુ. છન્દ મે)	લિપિકાલ	વિશેષ વિવરણ
૮(ક)	૮(ખ)	૮(ગ)	૮(ઘ)	૯	૧૦	૧૧
૨૩×૧૬	૪૪	૧૨	૩૨	અપૂર્ણ/૫૨૮	—	—
૧૭×૧૩	૩૨	૧૦	૨૦	પૂર્ણ/૨૦૦	૧૯૦૬ વિ.	—
૧૭×૧૦	૧૮	૬	૧૬	અપૂર્ણ/૫૪	—	—
૧૭×૧૧	૨	૯	૧૬	પૂર્ણ/૯	૧૯૨૬ વિ. (જ્યેષ્ઠશુક્લ ૧)	—
૧૩×૮	૮	૬	૧૨	પૂર્ણ/૧૮	—	—
૧૮×૧૨	૬	૭	૧૨	પૂર્ણ/૧૬	—	—
૧૩×૧૦	૫	૭	૧૦	પૂર્ણ/૧૧	—	—
૨૪×૧૧	૧૬	૯	૨૦	અપૂર્ણ/૯૦	—	—
૧૮ ૫×૧૪	૩	૧૦	૧૬	પૂર્ણ/૧૫	—	—
૧૪×૯	૪	૬	૧૬	પૂર્ણ/૧૨	૧૮૪૮ ત્રિ.	—
૨૧×૬.૫	૧	૧૧	૩૦	પૂર્ણ/૧૦	—	—
૨૫×૩૦	૧	૨૪	૪૦	પૂર્ણ/૩૦	—	—
૨૪ ૫×૧૫ ૫	૩૪	૧૨	૨૬	અપૂર્ણ/૩૩૧.૫	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०७४	३८४४.१/१९६०.१	संकटनाशकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०७५	२७५६/१५०२	सकटास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०७६	६३८५/३४८४	सत्याकासप्रभावस्तोत्र	घनसार पाठक	—	देसी कागज	नागरी
२०७७	५९७०/३११७	सत्याकास्तुति	देवगुप्त	—	देसी कागज	नागरी
२०७८	५९७१/३११७	सत्याकास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
२०७९	६४५७/३५४३	सत्याकास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८०	६८६४/३८८६	सत्याकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८१	२३८१/३	सप्तशक्तिकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८२	३४१२.१/१७९८	सप्तशतीकीलकस्तोत्र एव पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८३	३९१७.१/१९९८	सप्तशतीस्तोत्रप्रयोगविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८४	३०८०.२३/१५९४	सप्तश्लोकी	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
२०८५	३०८०.३६/१५९४	सप्तश्लोकी	विट्ठलदीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२०८६	३/३	सरस्वतीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२ × ६	३	६	१२	पूर्ण/९	—	—
१९ × २५	४	६	१६	पूर्ण/१२	१९२५ वि०	—
१५ ५ × ९ ५	४	९	१०	पूर्ण/११	—	—
२५.८ × ११.४	१	१४	४२	पूर्ण/१८	—	—
२५.८ × ११.४	२	१४	४२	पूर्ण/३६	—	—
११ × ९	१३	६	१०	पूर्ण/२४	—	—
१० × ९	१६	५	१०	अपूर्ण/२५	—	—
१३ ५ × ८	६	६	१६	अपूर्ण/१८	—	—
१४.५ × १२.५	२४	७	१६	पूर्ण/८४	—	—
१६ × १२	९	८	१६	अपूर्ण/३६	—	—
१६ × १०	५	६	१५	पूर्ण/१४	१८४९ वि०	—
१६ × १०	५	६	१७	पूर्ण/१६	—	—
१४.५ × ९	२	८	१९	पूर्ण/९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०८७	३१२/२८३	सरस्वतीस्तोत्र	बृहस्पति	—	देसी कागज	नागरी
२०८८	३४८/३१९	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८९	३९२/३५६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९०	५१७/५२७/४७३	सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्र	रुद्र	—	देसी कागज	नागरी
२०९१	८४०/८५७/७४६	सरस्वतीद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९२	१०७३ ३/८०६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९३	२६५१ १/१४७७	सरस्वतीस्तोत्र	बृहस्पति	—	देसी कागज	नागरी
२०९४	३१७१/१६२१	सरस्वतीद्वादशनाम	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०९५	३४५८/१८४३	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९६	३५९८ १/१८५६ १	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९७	३५९८.२/१८५६.१	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९८	३८१४/१९०६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९९	३८८८.१/१९८९	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ग)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५ × ११	३	८	१६	पूर्ण/१२	१९४९ वि०	—
१७ × ११	९	७	१६	पूर्ण/३१.५	—	—
११ × ७	१०	७	१२	पूर्ण/२६	—	—
१४ × ९	१९	१३	२२	पूर्ण/२०२	—	—
११.५ × १४	४	७	९	पूर्ण/६	—	—
१० × १३	६	१०	८	पूर्ण/१५	१९५३ वि०	—
१९ ८ × ११	१	१०	२४	पूर्ण/७	—	—
११ × ८	४	५	१६	पूर्ण/१०	—	—
१८ × १२	२	८	१५	पूर्ण/७.५	—	—
२१ / १२	२	११	२०	पूर्ण/१४	—	—
२१ × १२	७	११	२०	पूर्ण/४८	—	—
१७.५ × १२.५	११	९	१८	पूर्ण/५६	१९५० वि०	—
१२ × २०	४	१७	१२	पूर्ण/२५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१००	६६७९/३७२४	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१०१	६६८०/३७२४	सरस्वतीस्तोत्र	बृहस्पति	—	देसी कागज	नागरी
२१०२	६८१६/३८४६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१०३	८५२/८६९/७५५	मर्वदेवप्रातःस्मरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२१०४	९०/८२	सर्वमन्त्रोत्कीलकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१०५	२४६०/१४३३	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	—	देसी कागज	नागरी
२१०६	२५४७.४/१४५३	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	—	देसी कागज	नागरी
२१०७	२९१३ ६/१५३९	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	—	देसी कागज	नागरी
२१०८	३०८० २१/१५९४	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	—	देसी कागज	नागरी
२१०९	३१३९/१६१३	सर्वोत्तमस्तोत्र	आनन्दकुमार	—	देसी कागज	नागरी
२११०	३५८०.७/१८५३.१	सर्वोत्तमस्तोत्र	जमदग्निकुमार	—	देसी कागज	नागरी
२१११	२६७६.१४/१४८५	सहस्रनामस्तोत्र	वैश्व	—	देसी कागज	नागरी
२११२	३१७९/१६२१	साम्प्रपचशक्तिका	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२×८	४	६	१६	पूर्ण/१२	—	—
१२×८	९	६	१६	पूर्ण/२७	—	—
११×७	१८	७	१६	पूर्ण/४९	—	—
१५ ५×११	६	५	१८	पूर्ण/१७	—	—
१५ ५×९	११	७	३२	पूर्ण/७७	—	—
१७×२९	३	२४	१८	पूर्ण/४०	—	—
१५.७×१० ५	११	८	१६	पूर्ण/४४	—	—
१६ ५×२१	७	१५	१६	पूर्ण/५२.५	—	—
१६×१०	१३	६	१५	पूर्ण/३७	१८४९ वि०	—
२१×१७	९	९	१२	पूर्ण/३०	—	—
१६×११	१५	७	१०	पूर्ण/३३	—	—
२७×१६	३४०	९	३२	पूर्ण/३०६०	—	—
१५×९	५६	६	१६	पूर्ण/ १६८	१८४६ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२११३	६६१५/३६६१	सारस्वतस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२११४	५२३.७/४६९	सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२११५	२६२२/१४६७	सिद्धातरहस्यस्तोत्र	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२११६	६६२८/३६७४	सिद्धिलक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१७	३९४९.३/२०१७.१	सीताएकविंशतिनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२११८	३९४९.१/२०१७.१	सीतासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२११९	३९४९.२/२०१७.१	सीतास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२०	१४२/१३५	सुदर्शनात्मकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२१	५९२४/३०८४	सूक्तविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२२	६६८८/३७३२	सूर्यअथर्वशीर्षमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२३	४२४६.५/१९८५	सूर्यगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२४	३०७८.८/१५९३	सूर्यद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२५	३७३८.१/१९०४.१	सूर्यद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५×१३	३	१२	३२	पूर्ण/३६	—	—
१७×९	१३	५	१८	पूर्ण/३७	—	—
२७×१६	१	१२	२४	अपूर्ण/९	—	—
२५×११	२	१०	३२	पूर्ण/२०	—	—
१३×१०	२	७	१०	पूर्ण/४	—	—
१३×१०	५९	७	१०	पूर्ण/१२९	—	—
१३×१०	२	७	१०	पूर्ण/४	—	—
१३×१०	७	७	१३	पूर्ण/२०	—	—
१४ ७×१० ४	११	९	१६	पूर्ण/४९	—	—
१५×११	७	८	१६	पूर्ण/२८	—	—
१५.८×१३	२	६	१५	पूर्ण/६	—	—
१० २×६ ६	३	६	१६	पूर्ण/९	—	—
२१×१७	२	९	१६	पूर्ण/९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१२६	३८९६.२/१९९०	सूर्यद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२७	१५७६/९८१	सूर्यशतकस्तोत्र	मयूर	—	देसी कागज	नागरी
२१२८	४२/३७	सूर्यसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२९	३६०४/१८५७.१	सूर्यसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३०	७१०७/४००५	सूर्यसहस्रनामस्तोत्रटीका	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३१	५३/४८	सूर्यस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१३२	३९०/३५५	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३३	१३९०/८९९	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३४	१७२७ १/११२८	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३५	१६७१/१०७५	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३६	३७९६ २/१९३२.१	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३७	६८३३/३८६३	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१३८	७०४०/३९६८	सूर्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	त्रितय विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२×२०.५	२	१६	१२	पूर्ण/१२	—	—
२३.३×१०.३	२६	१०	३२	पूर्ण/२६०	१८४३ वि० (फाल्गुन)	प्रायः सी प्रीठ सगवरा छन्दों मे सूर्य सम्बन्धी स्तुति
१६×१० ५	३५	१०	२०	पूर्ण/२१८	—	सूर्य महसनाम, 'देवीरहस्यतन्त्र' का एक अंश
२५×१०	२४	८	२०	पूर्ण/१२०	१७६२ वि० (ज्येष्ठकृष्ण- द्वादशी भीमवार)	—
२१×१०	३०७	१०	२०	पूर्ण/१९१९	—	—
१२.५×७	५	५	२०	पूर्ण/१६	—	—
१३×८	४	७	१६	पूर्ण/१४	—	—
२५×९	३	७	३२	पूर्ण/२१	—	—
१९ ३×११	७	७	१७	अपूर्ण/२६	—	—
१७×१२	६	८	१२	अपूर्ण/१८	—	—
१७ ७×१२ २	३	७	१६	पूर्ण/१० ५	—	—
१६×११	३	११	३२	अपूर्ण/३३	—	—
११×८	३	९	१०	पूर्ण/८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१३९	४/३	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४०	१२८/१२९	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४१	३४४/३१६	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४२	१०२८/८५६	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	डिडिम रामकवि	देसी कागज	नागरी
२१४३	१७९७/११९८	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४४	२४२१/१४२७	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४५	२५४४/१४५२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४६	२५४५/१४५२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४७	३१८१/१६२१	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४८	४२५९/१९९९	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	रामभद्र मिश्र	देसी कागज	नागरी
०१४९	५९४१/३०९९	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
०१५०	६४७५/३५५८	सौन्दर्यलहरी	जगन्नाथ	—	देसी कागज	नागरी
२१५१	६७२९/३७७२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१०×८	८	५	१२	अपूर्ण/१५	—	—
२२×१०	५०	६	२४	पूर्ण/२२५	१८४६ वि०	१०२ श्लोको की शिखरिणी छन्द मे शक्ति की स्तुति ।
२०×९.५	३८	७	२४	पूर्ण/१५०	१८४७ वि०	—
१०×१५	२५५	११	३२	पूर्ण/२८०५	१८९५ वि०	गङ्गाराचार्य की सौन्दर्यलहरी डिडिम-रामकविकृत टीका सहित
१३×९	६९	७	१५	पूर्ण/२२६	—	—
३०×११.५	६८	१२	४८	अपूर्ण/१२२४	—	सटीक
२२×१०	३०	८	२८	अपूर्ण/२१०	—	—
२४×११	३६	७	२४	पूर्ण/१८९	—	—
१५×९	८६	५	१६	अपूर्ण/२१५	—	—
२९×११.५	१०२	१०	३०	पूर्ण/९५६	१९४४ वि०	सम्पूर्ण ग्रन्थ पर रामभद्रमिश्रकृत टीका भी समुपलब्ध है
१७ ३×११	४३	८	२०	पूर्ण/२१५	१८९० वि०	—
९×१३	२४	९	१०	अपूर्ण/६७	—	—
२५×९	२०	६	३२	पूर्ण/१२०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१५२	७५८३/४२५६	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१५३	३६९/३३८	सौन्दर्यलहरी	—	—	देसी कागज	नागरी
२१५४	७८२/७९८/७१३	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१५५	११७०/८३५	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	कविराज शर्मा	देसी कागज	नागरी
२१५६	२६७६/१५०	स्तवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२१५७	३०४६.५/१५८२	स्तुतिग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
२१५८	६२३४/३३४९	स्तोत्रग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
२१५९	७७०/७८४/७०८	स्तोत्रसंग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२१६०	७४७०/४२३७	स्तोत्रसंग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२१६१	९१८/९३५/७६८	स्वच्छन्द	परिव्राजकाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१६२	२६१७ २/१४६७	स्वरूपवर्णन	विठ्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
२१६३	९६/८८	स्वर्णकर्पण भैरवस्तोत्र	श्रीकुँवर	—	देसी कागज	नागरी
२१६४	११९९/८४४	स्वस्तिवाचनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ ३×१० ४	९६	५	१६	पूर्ण/२४०	१८६७ वि०	—
२०.५×१४	७	७	२५	अपूर्ण/३८	—	टीका
२८×११.५	१४६	१२	४०	पूर्ण/७३०	—	प्रसिद्ध देवीस्तोत्र 'सौन्दर्यलहरी' की केवल टीका है
२०.८×१४	३४१	७	२४	पूर्ण/१७९०	—	शङ्कराचार्यकृत 'सौन्दर्यलहरी' की कविराजमर्शाकृत टीका
२७×१६	२	९	३२	पूर्ण/१८	—	—
११ ५×९.५	८	७	१५	अपूर्ण/२६	—	—
२६ ५×११.५	१६	७	३०	अपूर्ण/१०५	—	—
१५×२१ ५	२३	८	१०	पूर्ण/५७	—	—
५×३	६	५	१६	पूर्ण/१५	१७५८ वि०	—
१७ ५×१२	५२	७	१६	अपूर्ण/१८२	१८९८ वि० (वैशाखकृष्ण) ११ शनिवार)	—
२७×१६	५	१२	३२	पूर्ण/६०	—	—
१४ ५×१३	६	११	१५	पूर्ण/३१	—	—
२२×१५	११	११	२२	पूर्ण/८३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१६५	२६१७.१/१४६७	स्वामिनीस्तोत्र	विठ्ठलनाथ दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२१६६	५८१६/२९९२	हनुमत्सहस्रनामस्तोत्र	राम	—	देसी कागज	नागरी
२१६७	५९१८/३०७९	हनुमत्सहस्राक्षरीमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
२१६८	४०६/३६७	हनुमत्स्तोत्र	वीरेश्वरज्ञानी	—	देसी कागज	नागरी
२१६९	१४६१/९१९	हनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७०	३३१७/१७१३	हनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७१	३३४६/१७४१	हनुमत्स्तोत्र	विभीषण	—	देसी कागज	नागरी
२१७२	६६६३/३७०९	हनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७३	६७२१/३७६४	हनुमत्स्तोत्रादिसहस्रनाम	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
२१७४	४२५/३८५	हनुमद्दुर्ग	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७५	२८८३/१५३०	हनुमद्दुर्ग	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७६	५९१९/३०७९	हनुमद्दुर्ग	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७७	४८१/४९०/४४४	हनुमान्कवचस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७×१६	४	१२	३२	अपूर्ण/४८	—	—
१० ३×७ ९	२७	५	१६	अपूर्ण/६७	१८९३ वि० (माघ ३०)	—
१३.३×१०.५	६	९	२८	पूर्ण/४०	—	—
१४५×९	६	६	१८	पूर्ण/ २०	—	—
२४ ७> १०	९	५	२४	पूर्ण/३४	—	—
२३ २×११.६	९	७	२८	पूर्ण/५५	१९३८ वि० (श्रावण शुक्ल ५)	—
१८ २×९.७	४	९	२४	पूर्ण/२७	—	सटीक
१३×९	६	७	१६	अपूर्ण/११	—	—
१६×१०	२६	१३	३२	अपूर्ण/३३८	१९०९ वि०	—
१७×११	१३	७	२४	पूर्ण/६८	—	अथर्ववेद
१७×१३	१५	८	१४	पूर्ण/५२	—	—
१३.३×१०.५	९	९	२०	पूर्ण/५०	—	—
१३×८	३	६	१६	अपूर्ण/९	—	—

क्रम सं०	ग्रंथ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१७८	२४७६.१/१४३३	हयग्रीवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७९	१०७/९९	हरिनाममालास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१८०	१२५४/८६५	हरिभक्तिदीपिका	गणेश मिश्र (सकलनकर्ता)	—	देसी कागज	नागरी
२१८१	३३९०/१८०५	हरिनाममालास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१८२	३८४४ १/१९६०.१	हरिनाममालास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८३	३४५२/१८३७	हैरम्बगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६.७ × १३	४	१२	२२	पूर्ण/३३	—	—
२२.५ × १०.५	३	९	२४	पूर्ण/१९	—	—
३० × १३	५४	१३	३७	अपूर्ण/८१२	—	—
१२ × ८ ५	१०	६	१२	पूर्ण/२३	—	—
१२ × ६	११	५	१२	पूर्ण/२०	—	—
१३ ५ × ८.७	४	५	१०	पूर्ण/ ६	—	—

सप्तशती

क्रमसं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१८४	३६१/३३१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८५	५७९/५८९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८६	८२४/८४०/७३४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८७	८२७/८४३/७३७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८८	९७५/९९२/७७८	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८९	८१८.२/८३४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९०	१४१२/९१६	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९१	१५४७/९५७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९२	१७८७/११८८	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९३	१८०१/१२०२	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९४	२३३५/१४०६	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९५	२३८३/१४१७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९६	२६४५/२४७६	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८ ५×१०.५	४७	७	२४	अपूर्ण/२४६	—	—
१९×१० ५	१३१	७	२०	पूर्ण/५७५	—	—
१७×१०	१४१	८	१८	पूर्ण/७३४	—	इसमे सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती समुपलब्ध है
१८ ५×१० ५	१८२	७	२०	अपूर्ण/३४६	—	—
२२.५×११ ५	९१	८	३०	पूर्ण/६८३	—	इसमे के प्रथम से त्रयोदश अध्याय तक मार्कण्डेयपुराणोक्त दुर्गासप्तशती निबद्ध है । इसमे कवच-कीलादि कुछ नहीं है
१७ ५×१२ ५	२४७	७	१६	अपूर्ण/८९६	१९०३ वि०	—
१८×९	२०४	५	२०	पूर्ण/६३७.५	१९३८ वि०	—
३०×१२	१३३	१२	४८	पूर्ण/२३९४	—	रामाश्रमकृत सस्कृतटीकासहित सप्तशती
१६ ५×९	२००	६	२०	पूर्ण/७५०	—	—
२१×११.५	११४	७	२०	अपूर्ण/४९९	—	अति जीर्ण
२३×१०	१३०	७	२२	पूर्ण/६२५	१९१२ वि० (श्रावणकृष्ण पंचमी गुरुवार)	—
१३ ३×७ ७	२३८	६	१६	अपूर्ण/७१४	—	—
२४.५×११	५८	९	३६	अपूर्ण/५८७	१८६७ वि० (चैत्रवदी ११ गुरुवार).	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१९७	२६९२/१४८९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९८	३१८६.१/१६२३	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९९	३२१५/१६२९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२००	३४०१.१/१८०१.१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०१	३४०३.१/१८०३.१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०२	३४२६/१८१२	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०३	३४१२.१/१८१२.१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०४	३७०७.१/१८८२.१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०५	३९५७/१९२४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०६	३८१३.१/१९४०.१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०७	४३५९/२०२८	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०८	६१७३/३२९३	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०९	६३९०/३४८९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×११	१४४	८	२८	पूर्ण/७९८	१८२८ वि०	—
२५×१३	५४	७	२०	अपूर्ण/२३६	—	—
१९×१२	६	८	१६	पूर्ण/२४	—	—
१६×११	१३०	७	२०	अपूर्ण/५६९	—	—
१६×८	३०	६	२०	अपूर्ण/११२.५	—	—
१६ ८×८	४	७	२४	पूर्ण/२१	—	—
२४×१३	२२	७	१६	पूर्ण/७७	—	—
२२×९.५	२६	७	३२	अपूर्ण/१८२	—	—
२४×११	१०८	७	३२	पूर्ण/७५६	—	—
२२×१३	५८	७	१६	अपूर्ण/२०३	—	जीर्ण
२५.५×११.५	४८	१०	३५	अपूर्ण/५२५	१८३१ वि०	—
२१.८×१०.५	९३	८	२५	अपूर्ण/४८८	—	—
२२×१५.५	२०	११	१०	अपूर्ण/६९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२१०	६४०८/३५०७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२११	६५०८/३५९२	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१२	६६०५/३६५२	दुर्गासप्तशती	—	चतुर्भुज मिश्र	देसी कागज	नागरी
२२१३	६९७२/३९२४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१४	७१०६/४००४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१५	७२१२/४०७३	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१६	७२६७/४११९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१७	७५९०/४२६०	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पवित्र प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८ × १२	५३	११	२०	अपूर्ण/३६४	—	—
१६ ५ × १०	३१	९	१०	अपूर्ण/८७	—	—
७ × ५	६४	१६	३२	पूर्ण/१०२४	१८०० वि०	‘तात्पर्य’ टीका सहित सम्पूर्ण
१६ × ९	१४४	६	१५	अपूर्ण/४०५	—	—
२१ × ११	३६२	९	१०	अपूर्ण/१०१८	—	टीका
१८ ३ × ९.३	१८	५	१८	अपूर्ण/५०	१९२० वि० (कार्तिक ५ बुध)	—
२०.८ × १४	४६६	५	१६	पूर्ण/११६५	१७७० वि० (चैत्रकृष्ण ५)	—
१९ × ९ ५	१३८	६	२७	पूर्ण/६९९	—	—

कर्मकाण्ड

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२१८	१५४/१४७	अंगन्यास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१९	३२६२/१६४८	अग्न्यासविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२०	६४३१/३५२७	अक्षयनवमीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२१	१२३३/८५८	अक्षयनवमीव्रतकथाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२२	७९३/८०९/७१५	अगस्त्यजन्मार्धविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२३	१०७७/८०६	अगस्त्यर्घदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२४	२९८/२६९	अग्निहोत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२५	४०८/३६९	अग्न्युत्तार	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२६	८२/७५	अजयागायत्रीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२७	७४१६/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२८	७४६०/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२९	६६७७/३७२२	अधिकमास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३०	६०३४/३१६८	अनन्तपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाङ्क	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१२	१४	९	१८	अपूर्ण/६६	—	—
१५×१० ५	२२	७	१८	अपूर्ण/८७	—	—
२१.५×११ ५	६	११	२०	अपूर्ण/४१	—	—
२५×१५	९	१२	२५	पूर्ण/८४	—	—
२४×१३	११	१०	२८	पूर्ण/९७	१८७७ वि०	—
२२×१४	१४	१०	२४	पूर्ण/१०५	१९१९ वि०	—
१४×९	८	९	१६	अपूर्ण/३६	—	—
२५×१४	१	११	३२	अपूर्ण/११	—	—
१६×११	३८	८	२०	पूर्ण/१९०	—	—
१३×२३	६	२०	१६	पूर्ण/६०	१८२६ वि०	—
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	—	—
१६×११	६	८	१२	पूर्ण/१८	—	—
२३ ५×११ ६	१००	७	३३	पूर्ण/७२२	१९१९ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२१८	१५४/१४७	अगन्यास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१९	३२६२/१६४८	अगन्यासविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२०	६४३१/३५२७	अक्षयनवमीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२१	१२३३/८५८	अक्षयनवमीव्रतकथाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२२	७९३/८०९/७१५	अगस्त्यजन्मार्धविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२३	१०७७/८०६	अगस्त्यर्धदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२४	२९८/२६९	अग्निहोत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२५	४०८/३६९	अग्न्युत्तार	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२६	८२/७५	अजयागायत्रीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२७	७४१६/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२८	७४६०/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२९	६६७७/३७२२	अधिकमास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३०	६०३४/३१६८	अनन्तपूजा	—	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१२	१४	९	१८	अपूर्ण/६६	—	—
१५×१० ५	२२	७	१८	अपूर्ण/८७	—	—
२१.५×११ ५	६	११	२०	अपूर्ण/४१	—	—
२५×१५	९	१२	२५	पूर्ण/८४	—	—
२४×१३	११	१०	२८	पूर्ण/९७	१८७७ वि०	—
२२×१४	१४	१०	२४	पूर्ण/१०५	१९१९ वि०	—
१४×९	८	९	१६	अपूर्ण/३६	—	—
२५×१४	१	११	३२	अपूर्ण/११	—	—
१६×११	३८	८	२०	पूर्ण/१९०	—	—
१३×२३	६	२०	१६	पूर्ण/६०	१८२६ वि०	—
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	—	—
१६×११	६	८	१२	पूर्ण/१८	—	—
२३ ५×११ ६	१००	७	३३	पूर्ण/७२२	१९१९ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२३१	७०५६/३९७९	अनन्तव्रतकथा तथा पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३२	३१४१/१६१४	अनन्तव्रतपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३३	७६००/४२६६	अनशनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३४	५८१५/२९९१	अन्त्येष्टिनिर्णय	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३५	८१४/८३०/७२७	अन्त्येष्टिपद्धति	नारायणभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२२३६	६९१९/३९०८	अन्त्येष्टिपद्धति	केशवभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२२३७	१३२३/८८२	अन्त्येष्टिविधि	नारायणभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२२३८	७२२७/४०८६	अन्नपूर्णेश्वरीपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३९	१३३२/८८२	अन्वष्टकाश्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४०	३४५९.२/१८२७.१	अपरात्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४१	९९९/७८८	अभिषेकानुक्रमणिका	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४२	५७३/५८३	अर्चनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४३	७६३७/४२८६	अर्चनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	वियोग विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७ ५ × १३.५	१२	११	३०	पूर्ण/१२४	१८४७ वि० (भाद्रपद शुक्ल एकादशी रविवार)	—
२२ × १० ४	४१	६	२४	पूर्ण/९२	—	—
२४ × ११	२	१२	४८	पूर्ण/३६	—	—
२४ ४ × ११ २	१००	९	३२	पूर्ण/१०८०	—	—
२० ५ × १० ५	१२४	८	२४	पूर्ण/७४४	—	अन्त्येष्टिसंस्कार का सविस्तर निरूपण
२५ ५ × १४	५	१०	२०	पूर्ण/३१	—	—
३३ ५ × १३	६१	११	४८	अपूर्ण/१००६.५	—	मरणकालिक पितृश्राद्धादिविधि
१४ ४ × ८.८	६६	६	१६	पूर्ण/१३२	—	—
२९ × १२	३८	६	२८	पूर्ण/१९९.५	१९५५ वि० (आषाढशुक्ल ४ गुरुवासर)	विशिष्ट पितृश्राद्ध विवेचन
२२.४ × १४.५	२	११	२८	अपूर्ण/१९	—	—
२३ × १३	१५	८	२१	पूर्ण/७९	—	—
१६ ५ × ८.५	१४८	६	२५	पूर्ण/६१३	—	—
८ × ६	११४	१०	३०	अपूर्ण/१०६९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२४४	७६६०/४२९०	अर्जुनजयकारीमन्त्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४५	७३९४/४१८३	अशौचसंप्रवृत्ति	श्रीभट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२२४६	२८८४/१५३०	अष्टश्राद्ध	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४७	७४५७/४२३३	अष्टस्नान	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४८	७५१८/४२५२	अष्टाध्यायीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४९	५९९९/३१३५	अष्टाभिधानपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५०	३६३४ ८/१८६३.१	आगमोक्ततर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५१	७०७१/३९८०	आगमोक्ततर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५२	६३०४/३४०६	आग्रयणप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५३	६३२८/३४३०	आग्रयणप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५४	८८९/७६१	आचारविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५५	७४६७/४२३६	आचारशिरोभूषण	मध्वाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२२५६	८११/८२७.१	आत्मपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
११ ५×९ ५	५	१३	२०	पूर्ण/४१	—	—
१७.६×१०	६९	९	२९	अपूर्ण/५६३	—	—
२२.५×१०	४	७	३०	पूर्ण/२६	—	—
१३×२३	२	१६	१६	पूर्ण/१६	—	—
१८×१३	८	९	१६	अपूर्ण/३६	—	—
११×२७ ४	२	२६	१२	पूर्ण/१९	१९०२ वि०	—
१३×२१	४	२४	१६	अपूर्ण/४८	—	—
५७×२१	२	४२	२०	अपूर्ण/५२	—	—
२०.५×१०	४०	८	२०	पूर्ण/२००	१७१५ वि० (वैशाख शुक्ल प्रतिपक्ष मदवार)	—
२१ ५×१० ५	२३	९	२०	पूर्ण/१२९	१९१० वि०	—
१७.५×१३	६७	९	१६	अपूर्ण/३०२	—	—
२०×१०	१०८	१०	३२	अपूर्ण/१०८०	—	—
२०×१०	४	१६	३२	पूर्ण/६४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२५७	६६२६/३६७२	आदित्यवारव्रत उद्यापनविधि	विश्वभूषण भट्टारक	—	देसी कागज	नागरी
२२५८	६०३६/३१७०	आम्नायपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२२५९	६१४२/३२६३	आश्लेषाशांति	—	—	देसी कागज	नागरी
२२६०	३३८८/१७७९	आश्वलायनगृह्यकर्म	आश्वलायन	—	देसी कागज	नागरी
२२६१	७०८३/३९८३	आश्वलायनगृह्यसारप्रयोग	आश्वलायन	—	देसी कागज	नागरी
२२६२	५९०१/३०६७	आश्वलायनगृह्यसूत्र	आश्वलायन	—	देसी कागज	नागरी
२२६३	६६१२/३६५८	आश्वलायनगृह्यसूत्र	आश्वलायन	—	देसी कागज	नागरी
२२६४	६११४/३२३६	आश्वलायनश्रौतसूत्र	आश्वलायन	—	देसी कागज	नागरी
२२६५	७४३६/४२१९	आश्वलायनश्रौतसूत्र	आश्वलायन	—	देसी कागज	नागरी
२२६६	६३४७/३४४७	आह्निक	रघुनाथभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२२६७	७१०८/४००६	आह्निकचन्द्रिका	दिवाकर	—	देसी कागज	नागरी
२२६८	२४३९/१४२०	आह्निकलोथ	कमलाकरभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२२६९	३९४२.१/२०१४.१	उच्छिष्टगणपतियत्रपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७ × १२	११	१६	४०	पूर्ण/२२०	१७०४ वि०	—
२१.८ × १०.८	४४	८	१९	पूर्ण/२०६	—	—
२१ × ९	३	११	२४	पूर्ण/२५	—	—
२९ × १५	५८	१२	२०	अपूर्ण/४३५	—	—
२४.५ × १५	४०	११	२०	पूर्ण/२७५	शक १७६४ (वैशाख सुदि द्वितीय)	—
२२.५ × ८.३	५७	७	४०	अपूर्ण/४९८	—	—
२२ × १०	६४	९	२४	पूर्ण/१०८	—	चार अध्यायो मे विभक्त संस्कारादि विषयक ग्रन्थ
२२.३ × ८.८	२५४	८	३९	पूर्ण/२४७७	१७९८ वि०	—
२०.२ × ८.२	२०८	७	३३	पूर्ण/१५०२	—	—
२३.५ × १०.५	५९	९	२०	पूर्ण/३३२	—	—
१७ × ११	१६३	११	१५	अपूर्ण/८४	—	—
२४ × ११.३	८२	७	२४	पूर्ण/४३०	—	इसमे आह्निक नित्य एव विशेष कर्मों के लिए प्रायश्चित्त वर्णित है
१६.५ × १०.५	११	९	१५	पूर्ण/४६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२७०	१६९१.१२/ १०९४.३	उच्छिष्टगणेशपूजनपद्धति	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७१	१६९१.६/१०९४.१	उच्छिष्टगणेशमंत्र	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७२	१६९१.१३/ १०९४.१	उच्छिष्टगणेशमंत्र	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७३	१६९१.१२/ १०९४.१	उच्छिष्टचाण्डालीमन्त्र	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७४	५८८५/३०५१	उच्छिष्टचाण्डालीविधान	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७५	३९०३.१/१९९२	उत्तरज्ञानार्णव	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७६	१७१९/११२०	उत्सर्गपद्धति	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७७	६२५१/३३६६	उत्सर्जनउपाकर्मविधि	-	-	देसी कागज	नागरी
२१७८	२९७९/१५६२	उत्सर्जनोपाकर्मप्रयोग	-	-	देसी कागज	नागरी
२२७९	६०४९/३१८३	उत्सर्जनोपाकरणकर्म	-	-	देसी कागज	नागरी
२२८०	२६२९/१४७१	उत्सवनिर्णय	एकतान पुरुषोत्तम	-	देसी कागज	नागरी
२२८१	५९८२/३१२५	उदकशांति	-	-	देसी कागज	नागरी
२२८२	६५२४/३६०८	उदकशांति	-	-	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६.८×२०.८	६	११	१३	पूर्ण/२७	—	—
१३ २२	८	१२	१३	पूर्ण/३९	१९५४ वि०	—
१३×१२	६	१२	१२	पूर्ण/२७	१९५४ वि०	—
१३×२२	७	१२	१६	पूर्ण/४२	१९५४ वि०	—
४७×१४	१	२१	२०	अपूर्ण/१३	—	—
१४३×९.४	८	९	२०	अपूर्ण/४५	—	—
२७.५×१२	७१	८	२४	पूर्ण/४२६	१९११ वि० (ज्येष्ठकृष्ण ९ शनिवार)	—
२१५×११५	१९	११	२०	पूर्ण/१३	१९५२ वि० (श्रावणशुक्ल ६ शनिवार)	—
२९६×१५	२१	१०	३६	पूर्ण/२३३	१८४१ वि० (श्रावण १३ गुरी)	—
१२×६.५	४५	७	१५	अपूर्ण/१४८	—	—
२१×१३	१२२	१०	२४	पूर्ण/९१५	—	बारहो महीनो के उत्सवो का वर्णन
२३१×११४	५१	१०	३२	पूर्ण/५१०	—	—
२१५×११	२७	१०	२०	अपूर्ण/१६९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२८३	६४१०/३५०९	उपनयनप्रकरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८४	६१९५/३३१०	उपनयनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८५	६२३६/३३५१	उपनयनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८६	७५१०/३६८०	उपश्रुतिलक्षण	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८७	७४५८/४२३३	उपागललितापूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८८	९७३/९९०/७७८	उपागललिताव्रतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८९	२५६१/१४५६	उपाकर्मप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९०	१४२९.२/९०८	उपाकर्मविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९१	५९०४/३०७०	उपाकर्मविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९२	६२३८/३३५३	उपाकर्मशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९३	४०७९.१६/१९३६	ऋतुकालविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९४	५३९/४८५	ऋषिछन्द देवतान्यास	नवग्रहव्यास	—	देसी कागज	नागरी
२२९५	६५३८/३६१४.१	ऋषिपञ्चमीव्रतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×९	२६	९	२०	पूर्ण/१४६	—	—
१५ ८×८ ४	६	९	२६	अपूर्ण/४१	—	—
१५.७×८.५	१०	१०	२२	अपूर्ण/६९	—	—
१३×२३	१	२०	१६	पूर्ण/ १०	—	—
१२×२३	४	२०	१६	पूर्ण/४०	—	—
२१×१०.५	६३	८	३५	पूर्ण/५५१	—	—
२६ ३×११.८	७२	७	३१	अपूर्ण/४८८	—	—
२४×१० ८	१६७	५	२३	पूर्ण/६००	१८५५ वि०	इसमे वैदिक उपाकर्मविधि का सागोपाग प्रतिपादन किया गया है
२१.२×१०	३७	१०	२४	पूर्ण/२७७	—	—
२१×१०	५४	८	२६	अपूर्ण/३५१	—	—
२५×३०	१	३२	४०	अपूर्ण/४०	—	—
१४.५×८	३४	५	१४	अपूर्ण/७४	१८११ वि० (कृष्ण १२ चन्द्रवार)	—
४०×१३.५	१	४१	१५	पूर्ण/१९	१९५२ वि० (कार्तिकशुक्ल ७ गुरुवार)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२९६	३४७७.१/१९५७.१	एकदडीसन्यासविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९७	१३३/१२६	एकवस्त्रस्नानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९८	३६३२.३/१८६३ ?	एकादशपात्रवन्दन	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९९	२९१०/१५३८	एकादशी व्रतोद्यापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३००	३२५१/१६४२	एकादशी व्रतोद्यापनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०१	१३२७/८८२	एकोद्दिष्टश्राद्धप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०२	१०५७/८०१	कणमान्तर	वशिष्ठ	—	देसी कागज	नागरी
२३०३	३३४४/१७३९	करन्यासादिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०४	१६९१.८/१०९४२	(कर्मकाण्डग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०५	२६६७ १/१४८३	(कर्मकाण्डग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०६	५९३७/३०९५	(कर्मकाण्डग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०७	४९८/४५२	कर्मपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०८	१२२९/८५७	कर्मविपाक	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ ३×९ ३	५	१४	३५	अपूर्ण/७७	—	—
२४×१३ ५	८	११	३२	पूर्ण/८८	—	सन्तानवृद्धि के लिए एकवस्त्र धारण विधि विवेचन
१३×२१	३	१६	१६	पूर्ण/२४	—	—
१३×९	५५	६	६	पूर्ण/६२	१८८२ वि० (श्रावणवदि ७ शनिवार)	—
१८.५×१३	८	१५	२०	पूर्ण/७५०	१८३० वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल १५ चन्द्रवार)	—
३३×१२	२४	८	३८	अपूर्ण/२८८	१९३७ वि० (माघशुक्ल ११)	—
१९ ५×१५	२४	११	२१	पूर्ण/१७३	—	—
१४.३×१० २	६	८	१५	अपूर्ण/२३	—	—
२७ ५×११ ८	८	१३	५४	पूर्ण/१७६	—	—
२६×११ ३	७०	७	३१	अपूर्ण/४७५	—	—
१७ ३×११	८४	९	२०	अपूर्ण/४७२	—	—
१७×१२	६५	८	१७	अपूर्ण/२७६	—	—
३४×१६	३५	१५	४८	अपूर्ण/७८७	—	एकादश अध्याय तक पूर्ण, बाद मे यत्र- तत्र खण्डित। दु.यहेतु पूर्व जन्म मे कर्मों के प्रायश्चित्तों का विधान

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३०९	६०६६/३२००	कर्मविपाक	देवेन्द्रसूरि	—	देसी कागज	नागरी
२३१०	७२५३/४१०८	कर्मविपाक	—	—	देसी कागज	नागरी
२३११	१३३४/८८२	कलशनवग्रहपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३१२	६९०८/३८९९	कलशपाटी	—	—	देसी कागज	नागरी
२३१३	२४/२०	कलशस्थापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३१४	४७६/४८५/४४२	कलशस्थापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३१५	३७८६/१९००	कलिकुण्डपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२३१६	१३८०/८९८	कात्यायनगृह्यपरिशिष्ट	कात्यायन	कामदेव दीक्षित	देसी कागज	नागरी
२३१७	२५४२/१४५२	कारिका	(द्विवेदी)	—	देसी कागज	नागरी
२३१८	१३८/१३१	कार्तवीर्यार्जुनपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३१९	३७८३.१/१९३०.१	कालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३२०	३७७०.१/१९२७.१	कालिकापूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३२१	१७२२/११२३	कालीपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५ ७ × १० ८	६१	१६	६०	पूर्ण/१८३०	—	सटीक
२५ ५ × ११.५	८३	१६	३८	अपूर्ण/१५७७	—	—
२७ × ११	६	८	३४	अपूर्ण/५१	—	—
१४ × ११	३	११	१०	पूर्ण/१०	—	—
१४.५ × १३	१३	११	१६	पूर्ण/७१	१९२३ वि० (आश्विनकृष्ण १४ रवी)	—
१७ ५ × १२ ५	३७	६	१०	पूर्ण/६९	—	—
१४ × १५ ५	१२	१०	१०	पूर्ण/३७	—	—
२८ ३ × १२	२३	८	४५	पूर्ण/८५९	—	इसमे वापी, कूप, तडाग, आराम तथा देवतायन-प्रतिष्ठा के सम्बन्ध मे तिथि, वार, नक्षत्रादि का विवेचन किया गया है। ग्रन्थ का विषय गृह्यसूत्र है। इस पर कामदेव दीक्षित का भाष्य भी उपलब्ध है
२५ × ११	३१०	८	२४	पूर्ण/१८६०	१८१४ वि०	नित्यकर्म विषयक उपयोगी ग्रन्थ
१७ × १०	५२	७	२४	अपूर्ण/२७३	—	—
१७ × १०	२२	९	१२	अपूर्ण/७४	—	—
२१ × ११	८	९	२०	अपूर्ण/४५	—	—
१७ × १०	२४१	७	२०	पूर्ण/१०५४	—	काली की दैनिक तान्त्रिक पूजनविधि

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३२२	३४११/१७९७	कालीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३२३	१६६९/१०७३	काशीदर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२३२४	७०७५/३९८०	कुकुमादिन्यास	—	—	देसी कागज	नागरी
२३२५	१७२०/११२१	कुण्डमण्डपसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२३२६	६२४५/३३६०	कुण्डमण्डपसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	(स्वोपज्ञ टीका)	देसी कागज	नागरी
२३२७	६६७२/३७१७	कुण्डशिरोमणि	विश्राम	—	देसी कागज	नागरी
२३२८	६३१८/३४२०	कुण्डसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२३२९	९६२/७७४	कुण्डाकृति	रामनौभिष	—	देसी कागज	नागरी
२३३०	१७४/१६६	कुमारीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३१	२३८३.२/१४१७	कुमारीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३२	६२९५/३३९७	कुवेरमंत्रप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३३	६५७३/३६२४	कूष्माण्डहोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३४	५९३१/३०८९	कूष्माण्डहोमप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२ ५ × ९ २	१	७	२६	पूर्ण/५	—	—
२७ × १२	१६	८	३२	अपूर्ण/१२८	—	—
४८ × १४	२	३७	१५	पूर्ण/३५	—	—
२७ ७ × ११ ८	१२	७	४२	पूर्ण/११०	(१५४१ शाके)	कर्मकाण्डविषयक कुण्ड और मण्डप की मिट्टि का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सव्याख्या
२० ७ × ९.४	८७	९	३०	पूर्ण/७३४	—	
२६ × १२	१४	१०	२२	पूर्ण/१४०	१६५६ वि० (१५२१ श०)	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२१ × ९.५	२०	६	१५	पूर्ण/५६	—	—
२५ × १२ ५	४१	१०	३२	पूर्ण/४१०	१८२१ वि० (मिति कार्तिक वदि १४ बुधवार)	—
१९ × १०	५	६	२०	पूर्ण/१९	—	—
१३ ५ × ८	१४	६	१६	पूर्ण/४२	—	—
१९ × १३ ५	४	८	१०	पूर्ण/१०	१९५० वि० (कार्तिक- शुक्ल ९)	—
२३.५ × १०	२२	७	३०	पूर्ण/१४४	—	—
२४.५ × ११.३	१९	८	३२	पूर्ण/ १५२	१८९८ वि० (श्रावणकृष्ण १०)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३३५	१३७८/८९८	कृत्यप्रदीप	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३६	५९०३/३०६९	कोकिलान्नतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३७	६२८२/३३८५	कोकिलान्नतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३८	२२३/२१२	गगोत्सवविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३३९	६७०२/३७४६	गणपतिपार्थिवपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४०	७५०६/४२१७	गणपतिपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४१	६५४६/३६१४.६	गणपतिपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४२	६७९४/३८२८	गन्धर्वराजप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४३	२३२/२२१	गणेशचतुर्थीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४४	३८३५.१/१९५५ १	गणेशपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४५	६१५९/३२७९	गणेशपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४६	५५२/५४२/४९८	गणेशपूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४७	१४६/१३९	गणेशमानसीपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२८.२ x १२	८१	८	४४	पूर्ण/८९१	—	इसमे गर्भाधानादि सस्कारो तथा तत्सम्बन्धी अन्य विषयो का भी वर्णन किया गया है। विवाहपद्धति का अधिक विस्तार से वर्णन हुआ है। ग्रन्थ का प्रारम्भिक अंश खण्डित है
२० x १० २	६	११	२८	पूर्ण/५७	—	—
१०.५ x ८.५	१२	७	१०	अपूर्ण/२६	—	—
१७ x १०.५	१५	८	२४	पूर्ण/९०	१९३५ वि०	—
१६ x ११	६	८	१६	पूर्ण/२४	—	—
१३ x २३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	—	—
१५ ५ x १८	१७		१०	पूर्ण/३७	१८११ वि० (वैसाखसुदी ३)	—
१३ x ११	३	१०	१६	पूर्ण/१५	१९५३ वि०	—
२२ x १०	१३	७	२७	पूर्ण/७७	—	—
१६ x २२	९	८	२०	अपूर्ण/४५	—	—
१० ५ x १७.४	१४	१०	१६	अपूर्ण/७०	—	—
१६ ९ x ११ ६	४	८	२१	अपूर्ण/२१	—	—
१५.५ x १०	१७	९	२०	पूर्ण/९६	१८६६ वि० माघकृष्णपक्ष भीमवासर)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३४८	२५/२१	गायत्रीअर्चनविधि	शुकदेव	—	देसी कागज	नागरी
२३४९	३०५/२७६	गायत्रीतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५०	३६३६/१८६४.१	गायत्रीपचागपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५१	३४००/१७८६	गायत्रीपुरश्चरणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५२	८३८/८५५/७५४	गायत्रीपूजनपद्धति	रत्ननाथ	—	देसी कागज	नागरी
२३५३	१७१० १/१४९२	गायत्रीभाष्य	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३५४	२७१०/१४९२	गायत्रीभाष्यवार्तिक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३५५	२२०/२०९	गायत्रीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५६	३३४७/१७४२	गायत्रीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५७	६५९०/३६४१	गायत्रीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५८	६६७३/३७१८	गायत्रीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३५९	३४६६/१८४९	गायत्रीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६०	३२५५/१६८४	गायत्रीव्याख्या	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्दमे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×१२	११	८	१६	अपूर्ण/४४	—	—
१५×११.५	५	७	१६	पूर्ण/१७५	—	—
१५ ३×८ ६	६०	१४	१८	पूर्ण/४७३	—	—
२४×११	६	९	२०	पूर्ण/३४	—	—
२३ ५×१०	६९	९	३२	अपूर्ण/६२१	—	—
२१×१३.५	१०	५	१०	पूर्ण/१५	—	—
२१×१३ ५	६	५	१०	पूर्ण/९	—	—
२४ ५×१३	३	११	३२	पूर्ण/३३	—	—
१७ ७×८.७	१	६	१४	पूर्ण/२.५	—	—
२७×१०	४	१२	२४	पूर्ण/३६	—	—
१९×११	२	१०	३२	पूर्ण/२०	—	—
१७×११	७	८	१५	पूर्ण/२६	—	—
२१×१३.५	११८	५	१२	पूर्ण/२२१	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३६१	१४७७.२/९१४	गायत्र्यष्टसहस्रिका	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६२	९२४/९४१/७६८	गुरुत्रयीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६३	७०७०/३९८०	गुरुपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६४	५५१/५६१/५०७	गृह्यसूत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६५	३१०२/१६००	गृह्यसूत्रभाष्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६६	३९६३.१/१९२४	गोकुलाष्टमी	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६७	९१४.१/९२१/७६७	गोत्रिरात्रव्रतोद्यापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६८	२७४१ २/१४९८	गोत्रिरात्र व्रतोद्यापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३६९	६५३७/३६१४.१	गोदानप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७०	१४४८/९१४	गोदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७१	३३३०/१७२६	गोदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७२	४२९६/२०१४	गोदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७३	२७३/३४२	गोपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७.९×११.३	९	६	२८	अपूर्ण/४७	—	—
१७.५×११.५	८	१५	२४	पूर्ण/९०	—	—
५३×१९.५	२	२२	२०	पूर्ण/२७	—	—
१८×१२	२२	१५	२२	अपूर्ण/१४४	—	—
३२.३×१६.२	२५७	१०	३२	अपूर्ण/२५७०	—	सम्राट् वामकपुत्र श्रीगदाधरदीक्षितकृत प्रथम ११ काण्डो तक भाष्य। शेष अश खण्डित
१८×११	५	११	३२	पूर्ण/५५	—	—
२५.५×१४ ५	९	१०	३५	पूर्ण/९८	१७५५ वि०	—
२६ ७×१२ ६	४	१२	४३	पूर्ण/३५	—	—
४१×१५	१	५३	२०	पूर्ण/३३	—	—
१८.३×११	१५	१०	२५	पूर्ण/११७	—	—
२७×११.५	६	१०	३०	पूर्ण/५६	१९०९ वि०	—
२३×१० ५	२२	५	१५	अपूर्ण/५१	—	—
२५ ५×१३	४	९	३२	पूर्ण/ ३६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३७४	३८२४.१/१९४८.१	गोपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७५	१७६३/११६४	गोपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७६	५१७/५०८/४६६	गोवर्द्धनपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७७	७५५८/४२५०	ग्रहगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७८	२८३०/१५२०	ग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७९	३६१८/१८६०.१	ग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८०	६८९३/३०९५	ग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८१	७९४/८१०/७१६	ग्रहशान्तिपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८२	३५७६/१८५१.१	ग्रहशान्तिपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८३	७५४९/४२५०	ग्रहस्नानौषध	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८४	२०१/१९३	घृतदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८५	६९००/३८९६	चण्डीकार्चनदीपिका	काशीनाथ	—	देसी कागज	नागरी
२३८६	३८७९.२/१९८३	चण्डीपाठक्रम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पू० स०	पक्ति प्र० पू०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×५२	२	२८	१६	पूर्ण/२८	१८६५ वि०	—
३२×११.५	६३	९	४६	अपूर्ण/७५२	—	—
२४×१३	६	१२	३६	पूर्ण/८१	—	—
२४×११	१	८	३२	पूर्ण/ ८	—	—
२१×११.७	२४	९	२२	पूर्ण/४९	—	—
२१×९.६	१९	६	२३	अपूर्ण/८२	—	—
२६ ५ < १३	२०	११	२०	पूर्ण/१३७	१८७० वि० (भाद्रपदकृष्ण ६ भौमवार)	—
२३.५ १४	३२	११	२६	पूर्ण/ २८६	१८२३ वि० (ज्येष्ठ मास शुक्लपक्ष)	—
३३×११.५	२३	९	४०	अपूर्ण/२५९	—	—
२४×११	२	१६	३२	पूर्ण/३२	—	—
१६.२×१०.५	५	७	१३	अपूर्ण/१५	—	—
१९×१३	१३४	१०	२०	पूर्ण/८३७	—	—
२४×१२	८	८	३०	पूर्ण/६०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३८७	३६६२.१/१८६९	चण्डीपाठफल	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८८	६६९७/३७४१	चतुर्मास	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८९	६७८८/३८२४	चतुर्विंशतिगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९०	६७४०/३७८३	चातुर्मास्यप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९१	७१४१/४०१८	चातुर्मास्यप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९२	७२४६/४१०१	चातुर्मास्यहोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९३	७५५७/४२५०	चिन्तामणिमंत्रसाधन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९४	१४/१०	चौबीसगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९५	४०७९.२५/१९३६	जन्मदिवसकृत्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९६	६८४३/३८७२	जन्माष्टमीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९७	३०८० ३०/१५९४	जपप्रकार	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९८	६२३२/३३४७	जपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३९९	१०५५/८०१	जलाशयारामादि प्रतिष्ठापद्धति	गणपति शर्मा	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ × १०	१६	१०	७	पूर्ण/५६	१९२३ वि०	—
२५ × ११	६६	१०	३२	पूर्ण/६६०	१८३८ वि०	—
१७ × १२	५	१०	१६	पूर्ण/२५	—	—
२४ × ११	६६	११	४८	पूर्ण/१०८९	—	—
२५ × ११	१४९	७	२०	पूर्ण/६५२	१८९६ वि० (माघकृष्ण ६ रविवार)	—
२४.५ × ११.५	३४	९	३२	पूर्ण/३०६	—	—
२४ × ११	८	१६	३२	पूर्ण/१२८	१८८३ वि०	—
१४ ८ × ११	३२	१०	१६	पूर्ण/१६०	—	इसमे ब्रह्मा, राम, विष्णु, रुद्र आदि २४ देवताओं के लिए गायत्री मन्त्र का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार २४ प्रकार के गायत्रीमन्त्रों का यहाँ निरूपण किया गया है
११ × ७.२	१	१२	१६	पूर्ण/८	—	—
१४ × १२	४	१०	२४	अपूर्ण/३०	—	—
१६ × १०	१३	६	१६	अपूर्ण/३९	—	—
२२.५ × १३	८	१०	२४	अपूर्ण/६०	—	—
२५ × १३.५	१०२	९	१९	अपूर्ण/५४५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४००	३८४२.४/१९६०.१	जापविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०१	१२९३/८७७	जीवन्यितृकर्त्तव्यसचय	कृष्णभट्ट सूरि	—	देसी कागज	नागरी
२४०२	७६५७/४२९०	जैत्रपताकायत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०३	१३५/१२७	ज्येष्ठाशान्तिविधि	दिनकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२४०४	५५०/५४०/४९६	ज्येष्ठाशान्तिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०५	६७९५/३८२९	ज्वरगायत्रीतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०६	२३४/२२३	ज्वरगायत्रीमंत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०७	१०४२ १/७९८	तर्पणपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०८	१९८(क)/१९०	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०९	३७५/३४३	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१०	१३७६/८९७	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४११	२६१०/१४६६	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१२	२६११/१४६६	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१२×६	२	७	१६	पूर्ण/७	—	—
२९.५×११.५	४९	८	३८	पूर्ण/४६५.५	१९०० वि०	पितृश्राद्धादि विवेचन
११.५×९.५	२८	१३	२०	पूर्ण/२२७	१९०५ वि० (पौषशुक्ल ६ रविवार)	—
२४×१२	४	१४	३२	पूर्ण/५६	—	—
१७.५×१२	५	९	२४	अपूर्ण/३३	—	—
१३×१०	४	१०	१६	पूर्ण/२०	१९५३ वि०	—
२५×११	३	९	२५	अपूर्ण/४	—	अश्वारूढा देवी की तान्त्रिक स्तुति
२०×१४.५	१९	९	२४	पूर्ण/१२८	११४४	—
३१×१४	४	२९	१८	अपूर्ण/६५	—	—
१८×१२	८	९	२०	पूर्ण/४५	१९४६ वि० (फाल्गुनकृष्ण १३ चन्द्रवार)	—
२७×११	११	८	३२	पूर्ण/८८	—	—
१५×९	१६	९	१६	अपूर्ण/७२	—	—
१४×९	१२	९	१६	पूर्ण/५४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४१३	३१३९/१६१४	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१४	४२४६.६/१९८५	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१५	६५४१/३६१४	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१६	६५३४/३६१४.१	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१७	७०७२/३९८०	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१८	७५८०/४२५५	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१९	३२/२७	तान्त्रिकसन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४२०	३७९८.१/१९३४.१	तीर्थशोधनविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२४२१	३५४/३२४	तीर्थश्राद्धप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२४२२	३१६४.७/१६१९	तुलसीमालाधारणनिर्णय	पुरुषोत्तम गोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
२४२३	४०९७/१९४५	त्रिशत्कर्मटीका	—	—	देसी कागज	नागरी
२४२४	६३१६/३४१८	त्रिशल्लोकी	—	—	देसी कागज	नागरी
२४२५	१३७७/८९८	त्रिकाण्डमण्डन	भास्कर मिश्र	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ ५ × १३ ५	१२	९	२४	पूर्ण/८१	—	—
१८ ५ × १३	९	६	१५	पूर्ण/ २५	—	—
२०.५ × ११	१०	९	२०	पूर्ण/५६	१८६३ वि० (आश्विनकृष्ण प्रतिपदा रविवार)	—
१० ८ × १९ ५	१	८७	२०	पूर्ण/५४	—	—
५३ × १९	४	३२	१५	अपूर्ण/६०	—	—
१३.४ × ९.९	८	७	१६	पूर्ण/२८	—	—
१४ × ९.५	६	८	१६	पूर्ण/२४	—	वैदिक सन्ध्याविधि से पृथक् कालिक प्रीत्यर्थ अनुष्ठेय विधि
१८.५ × ११	१६	८	१२	पूर्ण/५१	—	—
२० × १०	४	१०	२०	पूर्ण/२५	—	—
३५ × १६.७	४	१२	३४	पूर्ण/५१	१९१० वि० (वैशाखकृष्ण २ सोमवार)	—
३१.७ × १४ ८	१४	१३	४९	अपूर्ण/२७९	—	—
१७ ५ × १०	१२	९	१०	पूर्ण/३४	—	—
२७ ५ × ११ ४	४६	८	३३	पूर्ण/३८०	—	तीन काण्डों के इस ग्रन्थ में सोमयाग- विधि का प्रतिपादन किया गया है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४२६	५७/५२	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४२७	२६८/२४९	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४२८	३१४/२८५	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४२९	२४५७/१४३३	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३०	२८८०/१५३०	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३१	२५४८/१६५३	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३२	६८३८/३८६७	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३३	७०६४/३९८०	त्रिकालसध्या	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३४	११५/१०७	त्रिकालसध्याप्रयोग	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३५	६४६८/३५५३	त्रिकालसध्याविधान	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३६	२९०६/१५३६	त्रिकालसध्याविधि	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३७	३८९४.१/१९९०	त्रिकालसध्याविधि	-	-	देसी कागज	नागरी
२४३८	१३०७.१२/८७८	त्रिपादक्षशान्ति	-	-	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६.५ × १२	४९	५	१२	पूर्ण/८२	१८९२ वि०	—
१६ × १०	३७	७	१७	पूर्ण/१४१	१९०१ (श्रावणकृष्ण दि० तिथी १ भीमवासरे)	—
२२ × ११	१८	८	३२	अपूर्ण/१४४	१८७७ वि० (शाके १७४२)	—
१५ × ११ ५	२४	७	१४	पूर्ण/७३.५	—	—
१८ ५ × १४	२६	१२	१२	पूर्ण/११७	१८८७ वि० (आषाढकृष्ण प्रतिपदा)	—
२४ × १०.४	६०	७	२४	अपूर्ण/३१५	—	—
१५ × ११	१४	८	२०	अपूर्ण/७०	—	—
५३ × १९	२	३७	१५	पूर्ण/३५	—	—
१६.५ × १२	३३	८	१६	पूर्ण/१३२	—	—
२६ ५ × १२	३	१७	४०	पूर्ण/६४	—	—
१९ ८ × ११.८	५७	८	२४	पूर्ण/३४२	१९३४ वि० (ज्येष्ठकृष्ण १२ भृगुवार)	—
१२ × २०.६	११	१८	१२	पूर्ण/७४	—	—
२० × ११	५	८	३२	पूर्ण/४०	१८९५ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४३९	३७८६.१/१९३०.१	त्रिपुरसुदरीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४०	३८२३.१/१९४६.१	त्रिपुरसुदरीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४१	६९०१/३८९७	त्रिपुरसुदरीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४२	३६०९/१८५८.१	त्रिपुरसुदरीयजनपद्धति	श्रीनिवासाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४४३	३५३७/१८४२.१	त्रिपुरापूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४४	६४०१/३५००	त्रिपुरार्चनपद्धति	रघुनाथतीर्थ	—	देसी कागज	नागरी
२४४५	८३९/८५६/७४५	त्रिपुरार्चनमञ्जरी	गदाधर भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४४६	९२१/९३८/७६८	त्रिपुरार्चनमञ्जरी	गदाधर भट्टाचार्य गौड़	—	देसी कागज	नागरी
२४४७	७५२४/४२५४	त्रिवर्णाचारसंस्कृत	सोमसेन	—	देसी कागज	नागरी
२४४८	१५४.१/१४७	दक्षिणाकालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४९	३८३६.१/१९५६.१	दक्षिणाकालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५०	७०६५/३९८०	दक्षिणाकालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
४५१	२६०९/१४६५	दक्षिणाकालीवर्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु०छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×११	७	१०	२०	पूर्ण/४५	—	—
१७×८ ५	११६	७	१२	अपूर्ण/३०४	—	—
१६×११	५४	११	१५	अपूर्ण/२७८	—	—
२४ ६×११ २	९०	९	३५	पूर्ण/८१०	—	—
२३×१०	९६	१०	१५	पूर्ण/४४०	१७८८ वि० (श्रावणकृष्ण रविवार)	—
१४×८	१६३	४	१०	पूर्ण/२०४	—	—
१७×१२ ५	३२२	८	२४	पूर्ण/१९३२	—	२२ कुसुमो (अध्यायो) मे भगवती त्रिपुरसुन्दरी की तान्त्रिक स्तुति एव जयविधानादि का निरूपण
१७ ५×१२ ५	१३३	९	२०	पूर्ण/२६०	१९१० वि० (चैत्रकृष्ण)	इसके २२ कुसुमो मे त्रिपुरसुन्दरी देवी की तान्त्रिक अर्चनाविधि प्रतिपादित है
३०×१७	२२४	१२	३२	पूर्ण/२६८८	१९६४ वि०	—
१६×१२	४	९	१८	अपूर्ण/१९	—	—
२०×१४	२०	९	२४	पूर्ण/१३५	१८९७ वि०	—
१९×११	२	१५	१५	पूर्ण/१४	—	—
२४.५×११	२७	९	३१	अपूर्ण/२३५	१८७६ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४५२	२०/१६	दक्षिणाकालीमन्त्रजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५३	१८४/१७६	दण्डक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५४	१८०५/१२०६	दण्डक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५५	१८११/१२१२	दण्डक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५६	२६३१/१४७१	दण्डक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५७	२६६२/१४८१	दण्डक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५८	३६९०.१/१८७६	दण्डक	—	—	देसी कागज	नागरी
२४५९	७३३६/४१४९	दर्शपूर्णमासप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६०	७३३७/४१५०	दर्शपूर्णमासपंचप्रयोग	बौधायन	—	देसी कागज	नागरी
२४६१	१२११/८५०	दर्शपूर्णमासेष्टिपद्धति	भास्कर दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२४६२	६५८०/३६३१	दर्शश्राद्धप्रयोग	रघुनाथभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२४६३	१४५/१३८	दशकर्मपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६४	३०२३/१५७६	दशकर्मपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४×९.५	५	८	१३	पूर्ण/१६	—	—
२०.५×१४	४७	९	१७	अपूर्ण/२१०	—	अध्यायो मे विभक्त किन्तु १४वें अध्याय के बाद खण्डित कलशस्थापनादि विषयक कर्मकाण्ड ग्रन्थ समुपलब्ध है ग्रहस्थापन, आहुति, स्तुत्यादि कर्मकाण्ड
२४×१० ५	१०२	५	२०	पूर्ण/६१९	—	—
२८×११	६६	६	२४	पूर्ण/२९७	१९०८ वि०	—
२०×१०	५६	१०	२४	पूर्ण/४२०	१९२३ वि० (शाके १७८८)	—
२१ ५×१२	३०	९	२५	पूर्ण/२११	—	नवग्रह कण्डिका
२२×१४	४५	११	२४	पूर्ण/३७१	१८७७ वि० (आषाढकृष्ण ४)	—
३३.३×११	१४९	७	२४	पूर्ण/७८२	१७७६ वि०	—
२० ८×१० ४	१५८	८	३०	पूर्ण/११८५	—	—
२६×१०	९२	५	२४	अपूर्ण/३४५	१७२८ वि०	—
२२ ५×११.५	५२	७	२०	पूर्ण/२२७	१९९० वि० (चैत्रद्वादशी भृगुवार)	—
२२×१०	५१	७	२५	अपूर्ण/२७९	—	विवाह सम्बन्धी कर्मकाण्ड
२५.७×१३ ५	७	७	२८	अपूर्ण/४२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४६५	३५६४/१८४९.१	दशगात्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६६	१०२१/७९४	दशमहादानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६७	१०६.१/८०१	दानउदधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६८	१२५२/८६४	दानखण्ड	—	—	देसी कागज	नागरी
२४६९	३४३६.१/१८२५.१	दानखण्ड	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७०	७१८३/४०४६	दानखण्ड	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७१	४०७९.४६/१९३६	दानचन्द्रिका	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७२	१०६१/८०१	दानमनोहर	सदाशिव त्रिपाठी	—	देसी कागज	नागरी
२४७३	४०७९.३२/१९३६	दानवाक्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७४	३०१/२७२	दीपदानप्रयोगपद्धति	रामचन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
२४७५	४८६/४७७/४४३	दीपदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७६	३७६७.१/१९२५ १	दीपदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७७	३८५९ १/१९७२ १	दीपदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×११ ५	१८	९	३०	पूर्ण/१५२	१९६५ वि० (ज्येष्ठ सुदी ५ मंगलवार)	—
२५ ५×११ ५	७५	१०	४०	अपूर्ण/९३७.५	—	—
२९×१६	१९	१३	४७	अपूर्ण/३६३	—	—
३५×१३	५४४	१०	४०	पूर्ण/६८००	१७५० वि०	—
२ ५×१२	७८	११	२०	अपूर्ण/५३६	—	—
१५.८×११.५	२४	८	२०	अपूर्ण/१२०	—	—
२५×३०	२	३२	४०	पूर्ण/८०	—	—
२९×१६	१२७	१३	४२	पूर्ण/२१६७	१८१७ वि०	इसमे सोलह प्रकार के दानो का विस्तृत विवेचन किया गया है
२५×३०	३	३२	४०	अपूर्ण/१२०	—	—
२३×१२	१५	९	३२	पूर्ण/१३५	१८९३ वि० (शाके १७५८)	—
१८ ५×१०.५	५	८	१७	पूर्ण/२१	—	—
२६ ५×११.५	९३	७	१५	अपूर्ण/३०५	—	—
२४ ५×१२	२१	६	१५	अपूर्ण/५९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४७८	४२९६.१/२०१४	दीपदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४७९	७०७६/३९८०	दीपदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८०	७५८५/४२५७	दीपदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८१	६७०६/३७५०	दुर्गाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८२	७२६२/४११५	दुर्गासप्तशतीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८३	३५९/३२९	दुर्गासप्तशतीविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८४	११७४/८३७	दुर्गास्त्रपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८५	७५०९/४२४७	दुष्टप्रसवजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८६	३८१९.१/१९४३.१	द्वितीयागविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८७	३७७३.१/१९२०.१	देवार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८८	३६३३.१/१८६३	देवीजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४८९	५०३/४९४/४५६	देवीदीपदानप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९०	२८९२/१५३१	देवीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मं मी०)	पृ० मं०	पङ्क्ति प्र० पृ०	पङ्क्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	त्रिपिकाद	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३२×१३	४	४०	१५	अपूर्ण/७५	—	—
३२×१५	१	२६	१५	पूर्ण/१२	—	—
१५ ८×१०.३	३	८	१६	पूर्ण/१२	—	—
१४×१४	३४	९	१६	पूर्ण/१३३	—	—
२०.८×१२.५	७	५	२०	पूर्ण/२१	११३८ त्रि० (भाद्रकृष्ण १०)	—
१६×१२	३४	९	१६	पूर्ण/१५३	—	—
२७×११.७	११६	१२	३८	पूर्ण/१६५३	१७४० त्रि० (मागंशीर्ष)	—
१३×२३	३	२०	१६	पूर्ण/३०	—	—
२१×१०	४	८	२०	पूर्ण/२०	—	—
१९×१२	९	९	१५	अपूर्ण/४०	—	—
१३×२१	९	१६	१६	पूर्ण/७२	—	—
१६×१२	७	८	१६	पूर्ण/२८	—	—
१२×७	२५	५	११	पूर्ण/४३	—	सुरक्षित

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४९१	३९४५.१/२०१४.१	देवीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९२	६६७१/३७१६	देवीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९३	२९९१/१५६५	देवीपूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९४	३७९४.१/१९३२.१	देवीपूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९५	३६७/३३७	देवीपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९६	२०४/१९५	द्रव्यशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९७	३६३४/१८६३.१	द्रव्यशोधन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९८	३१६६.७/१६१९	द्वात्रिंशदपराधलक्षणनिवृत्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९९	४३०९.२/२०१६	घनदाकवचपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५००	२३१/२२०	घनदापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०१	४३१०/२०२६	घनदापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०२	६५३६/३६१४.१	घातृपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०३	४०७९.४/१९३६	नक्षत्रव्यापनपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९ × १२ ५	३	८	१५	अपूर्ण/११	—	सटीक
१५ × ८	७	६	१६	अपूर्ण/२१	—	—
२१ ५ × १० ५	३११	९	२४	अपूर्ण/२०९९	—	—
१६ ३ × ११.७	१०	९	१६	अपूर्ण/४५	—	—
१७ × १२	४६	१०	२३	पूर्ण/२३१	—	—
१५ ४ × १०	२०	७	१६	अपूर्ण/७०	—	—
१३ × २१	२	१६	१६	अपूर्ण/१६	—	—
३५ ५ × १६ ७	२	१२	३६	पूर्ण/२७	—	—
१७ × ११ ५	१२	९	१८	पूर्ण/६१	१९१३ वि०	—
१६ × ७	३७	७	१७	पूर्ण/१३७	१७८६ वि० (वैशाखसुदी १, शुक्रवासर)	धनदादेवी लक्ष्मी की सविधि आराधना
१७ × ११.५	१४	९	१६	पूर्ण/६३	—	—
४० × १३	२	२५	१५	पूर्ण/२३	—	—
२५ × ३०	१	३२	४०	पूर्ण/४०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५०४	१३८२/८९८	नवकण्डिकसूत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०५	६६५०/३६९६	नवकरवालीविचारफल	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०६	३७४/३४२	नवग्रहआहुति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०७	५१३/५२२	नवग्रहकण्डिका	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०८	५८४/५९४/५३०	नवग्रहजप	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०९	१०९/१०१	नवग्रहजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१०	३६१६/१८६०.१	नवग्रहपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५११	८६२.३/१२४९.१२	नवग्रहपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१२	६६५६/३७०२	नवग्रहमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१३	२४६५/१४३७	नवग्रहविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१४	६९६०/३९१२	नवग्रहशान्तिमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१५	७५६३/४२५०	नवग्रहशान्तिमंत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१६	१९८(ख)/१९०	नवरात्रपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७.५ × ११ ७	१०	६	२९	पूर्ण/५४	—	—
२५ × ११	१	९	३२	पूर्ण/९	—	—
२१ × १२.५	४	७	१६	पूर्ण/१४	—	—
१७ × ९	५	१८	१०	पूर्ण/१७	—	—
१५.५ × ८.५	२४	६	२४	अपूर्ण/१०८	१८४७ वि० (श्रावणकृष्ण पक्ष)	—
१७ × १०	३	७	१६	पूर्ण/१०५	१९४३ वि० (कार्तिक वदी २ भृगुवासरे)	—
२१.६ × ११.५	२०	८	८	अपूर्ण/११५	—	—
२४ × १४ ५	१४	१०	२५	पूर्ण/१०९	—	—
१४ × ८	२	७	१६	पूर्ण/७	—	—
२४ × १४	४८	११	३२	पूर्ण/५२८	—	—
२१ × ६ ५	१	११	३०	पूर्ण/१०	—	—
२४ × ११	१	१६	३२	पूर्ण/१६	—	—
१४ × १०	३	११	१८	अपूर्ण/१८.५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५१७	५८८४/३०५०	नवरात्रिपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१८	६३०७/३४०९	नवरात्रिस्थापनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१९	७५०८/४२४७	नष्टदोरकप्रायश्चित्त	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२०	६२९३/३३९५	नागबलिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२१	१७४६.१/११४८	नारायणबलि	दाल्भ्य	—	देसी कागज	नागरी
२५२२	१२७३/८६९	नारायणबलिप्रयोग	दयाशंकर	—	देसी कागज	नागरी
२५२३	५४/४९	नित्यकर्मविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२४	१७०/१६३	नैमित्तिकक्रम	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२५	२८५/२६२	पक्षप्रदोषपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२६	२३७५/१४१६	पञ्चकोशीयात्रा	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२७	७६५५/४२९०	पञ्चदशाक्षयंत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२८	३३२५/१७२१	पञ्चदशीविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२९	९२८/९४५/७६८	पञ्चपञ्चिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ २×११ ४	६	१४	३२	पूर्ण/८४	१८७० वि०	
१७ ५×१०.५	१४	१६	३०	पूर्ण/२१०	१९४८ वि० (फाल्गुन २ चन्द्रवार)	
१३×२३	१	२०	१६	पूर्ण/१०	—	
२१×१०	१७	१०	२०	पूर्ण/१०६	१९७१ वि० (ज्येष्ठवदि नवमी)	
१७×१३	८८	८	२०	पूर्ण/४४०	—	
२४.५×११	११	९	३८	पूर्ण/११८	१८३९ वि०	
१६.५×१२.५	७	१२	२४	अपूर्ण/६३	—	
१२×९ ५	११	१९	१६	अपूर्ण/६६	१९९३ वि० (शाके १८५८)	
१९×१२	१९	१०	१६	अपूर्ण/९५	१८५५ वि०	
२१.८×९	९	७	३०	अपूर्ण/५९	—	
११ ५×९.५	५	१३	२०	पूर्ण/४१	—	
१९×११	९	९	१५	अपूर्ण/३८	—	
१७×१२.५	१६	१०	१८	पूर्ण/९०	—	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५३०	३००७.१/१९३७.१	पञ्चपर्वमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३१	७६५४/४२९०	पञ्चागुलिमन्त्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३२	७५०४/४२४७	पञ्चामृतमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३३	६९४८/३९१२	पल्लीसरटयोःशान्ति	शौनकमहर्षि	—	देसी कागज	नागरी
२५३४	६७३६/३७७९	पवनपावन तथा भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३५	६२६०/३३६९	पवमान	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३६	६३३३/३४३५	पवमान	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३७	३९६३ १/१९२४	पवित्रारोपण	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३८	३८६३.१/१९७४.१	पात्रपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५३९	३८७९.१/१९८३	पात्रवन्दनप्रशसा	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४०	१०६०/८०१	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	—	देसी कागज	नागरी
२५४१	१३८३/८९८	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	—	देसी कागज	नागरी
२५४२	९४९/९६६	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५×१३	१३	१२	३०	पूर्ण/१४६	१८२० वि० (शाके १६८५)	खण्डित
११.५×९.५	१२	१३	२०	पूर्ण/९७	—	—
१३×२३	२	२०	१६	अपूर्ण/२०	—	—
२१×६ ५	१	११	३०	पूर्ण/१०	—	—
२३×१०	१९	८	२८	पूर्ण/१३३	१८७८ वि०	—
१८×६	१८	७	२०	अपूर्ण/७९	—	—
१९×११	७६	९	२०	पूर्ण/४२७	१९५४ वि० (चैत्रशुक्ल अष्टमी मदवार)	चार अध्यायो में पूर्ण पित्तरो एव ऋषियों के प्रसादनार्थ पवमान विधि का उल्लेख
१८×११	१	१२	३२	पूर्ण/१२	—	—
१४×१०	२८	८	१६	पूर्ण/११२	१९३० वि०	—
२३×१२	४	८	३०	पूर्ण/३०	—	—
२४ ५×१४.५	६९	७	२७	अपूर्ण/४०८	—	इसमे दो काण्ड पूर्ण तथा तीसरे का केवल प्रारम्भ का अंश समुपलब्ध है । इसमे सस्कारो, पञ्चमहायज्ञो तथा पाकयज्ञो आदि का विवेचन किया गया है यह तीन काण्डो मे पूर्ण सस्कारादि विषयक पारस्कर-गृह्यसूत्र है
२६.८×११ ६	८२	८	२९	पूर्ण/५९५	—	—
२४.५×१०.५	११०	७	३०	पूर्ण/७२१	—	तीन काण्डो मे प्रतिपादित इस ग्रन्थ मे सस्कारादि गृहस्थजीवन से सम्बद्ध विविध कर्मकाण्डो का वर्णन किया गया है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५४३	२७८२/१५११	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	—	देसी कागज	नागरी
२५४४	१८७१/१२१८	पारस्करग्रहसूत्रभाष्य	—	हरिहर	देसी कागज	नागरी
२५४५	३३२/३०४	पार्थिवपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४६	२८०/२५९	पार्थिवपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४७	१७५१/११५२	पार्वणश्राद्ध	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४८	१२६७/८६९	पार्वणश्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४९	४०८/३६९	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५०	१३२८/८८२	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५१	१४३६/९१०	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५२	१५८७/९८६	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५३	१७४९/११५१	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५४	१५५२/९६२	पार्वणश्राद्धव्याख्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५५	६४६३/३५४९	पिण्डपितृयज्ञकारिका	—	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५ × १३	११८	८	२०	अपूर्ण/५९०	१८०६ वि० (मार्गशीर्ष कृष्ण १ भौमवार)	—
२७ ३ × ११ ५	३१५	१०	३२	पूर्ण/३१५०	—	यह पारस्करगृह्यसूत्र पर हरिहरकृत भाष्य है—इसमे सस्कारो तथा अन्य कर्मकाण्ड विषयो का प्रतिपादन हुआ है
२२ × १२.५	५	८	२४	पूर्ण/३०	१७९८ वि०	—
१६ × ८.४	२७	५	१८	पूर्ण/७५	—	—
२४ × ११	१२	८	२८	अपूर्ण/८४	—	—
२४.५ × ११	३४	८	२२	पूर्ण/१८७	१८७१ वि०	—
२५ × १४	६	११	३२	पूर्ण/६६	—	—
३१ × १३	२०	७	४१	पूर्ण/१७९	१९३७ वि० (माघकृष्ण)	—
१७.३ × १०	२४	७	१५	पूर्ण/७९	—	७वाँ, १४वाँ पत्र खण्डित
१८ × ११.३	१९	१०	२३	पूर्ण/१३७	—	—
२७ × ११	७	८	३६	अपूर्ण/६३	—	—
२३ × ११	१९	१०	३२	पूर्ण/१९०	—	—
२०.५ × ११.५	७	१०	२०	अपूर्ण/४४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५५६	१८५१/१२४६	पितृतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५७	६०७९/३२१३	पितृतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५८	६५३५/३६१४	पितृतर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५९	६२/५६	पितृषोडशी	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६०	६२६२/३३७०	पीठपूरकव्रतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६१	८१६/८३२/७२८	पीताम्बरसारिणी	बुद्धिराज दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२५६२	१६९६/१०९९	पुण्याहवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६३	६६४९/३६९५	पुण्याहवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६४	७३१२/४१३३	पुण्याहवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६५	१७८५.३/११८६	पुत्रजन्मयन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६६	२६/२२	पुरश्चरणविधि	गोपीनाथ पाठक शैव	—	देसी कागज	नागरी
२५६७	२५१६/१४४६	पुरश्चरणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६८	१२४/११०	पूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२८×१२	७	६	३२	अपूर्ण/४२	—	—
१६.१×९ ९	३२	८	२०	अपूर्ण/१६०	—	—
१३.५×१३	१	१२१	१५	पूर्ण/५७	—	—
२३×११	३	९	२९	पूर्ण/२४	—	—
१६×११	१४	११	१५	पूर्ण/७२	—	—
१७.५×१२	१८१	६	१६	अपूर्ण/५४३	—	—
१६×१०	२०	८	१६	पूर्ण/८०	—	—
१६×११	३६	९	१६	पूर्ण/१६२	—	—
१६.६×१२.४	१०	११	१६	पूर्ण/५५	—	—
२५×३०	२	२४	४०	पूर्ण/६०	—	—
२५×१७	३८	११	३२	पूर्ण/४१८	—	—
३०×१३	६	८	३३	अपूर्ण/५०	—	इसमे शक्तितन्त्र से सम्बद्ध मन्त्रों के पुरश्चरण अनुष्ठान की विधि विस्तार से बताई गई है। ग्रन्थान्त मे स्तम्भन, मारण, मोहन, उच्चाटनादि का भी वर्णन किया गया है
१७.५×१२	१५	१०	२४	अपूर्ण/१०५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५६९	३६६३/१८६९	पूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७०	६७७९/३०२०	पूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७१	१८८/१८०	पूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७२	११६७/८३५	पूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७३	१८७६/१२६७	पूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७४	२३९५/१४१९	पूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७५	३८८१.१/१९८४	पूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७६	६५८१/३६३२	पूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७७	८२४/७२४	पूजारत्न	बुद्धिराज	—	देसी कागज	नागरी
२५७८	५२३.१/४६९	पूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५७९	३९२८.१/२००४	पूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५८०	७१८४/४०४७	पूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५८१	१०००/७८८	पूर्णाभिषेकविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०×११	२३	८	१६	अपूर्ण/९२	—	—
१४×९ ५	१४	८	१४	पूर्ण/४९	—	—
२०.५×११	१३	१६	३२	अपूर्ण/२०८	—	—
१६ ५×१०.५	६९	७	२२	अपूर्ण/४८३	—	—
१७ ५×१२	१४	९	२२	पूर्ण/७७	—	—
२०×९	३	८	३२	पूर्ण/२४	१८५१ वि०	—
१८×१३	८	८	१९	अपूर्ण/३८	—	—
१५ ५×११	९	९	१०	अपूर्ण/२५	—	—
१८×९.५	१२५	६	२१	पूर्ण/४९२	१८४३ वि० (सितपक्षेका- दशी चन्द्र- सुवासरे) १८९० वि०	त्रिपुरसुन्दरी की तान्त्रिक पूजा विधि
१७×९	३२	५	२०	पूर्ण/१००	—	—
१७.७×१०.२	८२	५	२२	पूर्ण/२८२	—	—
१८.२×१०.८	१२	६	२०	अपूर्ण/४५	—	—
२३×१३	७२	८	२१	पूर्ण/३७८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५८२	६२४२/३३५७	प्रतिमाकरणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५८३	६७०८/३७५२	प्रतिमाविचार	—	—	देसी कागज	नागरी
२५८४	४१९/३७८	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२५८५	१३२६/८८२	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२५८६	१८०४/१२०५	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२५८७	१४५९/९१८	प्रवरनिर्णयरत्न	लक्ष्मण भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२५८८	३१०६/१६०१	प्रत्यगिराप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२५८९	७३६७/४१७५	प्रत्यगिराशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९०	४३२/३९२	प्रदोषउद्यापननिर्णयव्रत- विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
५९१	१०११/७९१	प्रदोषपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९२	२७९/२५८	प्रदोषपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९३	५१५/५०६/४६४	प्रदोषपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९४	७१७६/४०४३	प्रयोगरत्न	नारायण भट्ट	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ २×१० ३	६	८	१९	अपूर्ण/२९	—	—
२४×११	२	८	३६	पूर्ण/१८	—	—
२५×१४	६७	१३	३६	अपूर्ण/९८०	१७९२ वि० (श्रावणशुक्ल ६ चन्द्रवार)	—
२९×१२	१२६	७	३२	पूर्ण/८८२	१९०९ वि० (भाद्रशुक्ल सप्तमी)	मन्दिर मे देवमूर्तिस्थापना विधि
२६.५×११.५	१४१	७	२८	पूर्ण/८६३	१८९५ वि० (वैशाखकृष्ण द्वितीया गुरुवार)	मन्दिर मे देवमूर्तिस्थापना विधि
२१.४×१०.२	९९	१८	३२	पूर्ण/७८२	१९६१ वि०	इसमे विवाह, यज्ञ तथा श्रद्धादि मे उपयोगी गोत्रो एव प्रवरो का परिगणन किया गया है
२२.५×११.५	६	१०	२५	पूर्ण/४७	—	—
२७×१३.८	४०	१२	३९	पूर्ण/५८५	—	—
२४×१६	३४	११	२४	पूर्ण/२८०.५	१९०८ वि०	—
२५×१६.५	३०	१०	२८	पूर्ण/२६२.५	—	—
१७×११ ५	१६	६	१८	पूर्ण/५४	—	—
१५×१०.५	३३	९	१६	पूर्ण/१४८.५	१८९९ वि०	—
१७ ४×१२	४२४	११	२०	पूर्ण/२९१५	१८५१ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५९५	११६८/८३५	प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९६	१८७७/१२६८	प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९७	६०१५/३१५१	प्रातःसन्ध्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९८	३६६/३३६	प्रातःसन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५९९	४४९/४४०/४०८	प्रातःसन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६००	५१६/४६५	प्रातःसन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०१	३९४१.१/२०१४.१	प्रातःसन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०२	६७९७/३८३१	प्रातःस्नानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०३	१३१/१२४	प्रातःस्मरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०४	३४७५.१/१८२९.१	प्रातःस्मरणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०५	२७७/२५६	प्रायश्चित्त	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०६	५९३३/३०९१	प्रायश्चित्तप्रदीप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६०७	७४४६/४२२८	प्रायश्चित्तप्रयोग	अनन्त दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी

आकार (ने० मी०)	पृ० ग०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिगत	विशेष विवरण
८ (क)	८(ग)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९.३×१३.७	६	९	१६	पूर्ण/२७	—	—
१६.५×११	८	७	१५	पूर्ण/२६	—	—
१६.७×११ ८	२०	७	१६	पूर्ण/७०	—	—
१७.५×११.५	१०	९	२०	पूर्ण/५६	—	—
१६ ५×११ ५	८	१०	२४	पूर्ण/६०	१८९८ वि०	—
१४ ५×१०	१९	६	१४	पूर्ण/५०	—	—
१६.५×१०.५	२१	९	२०	पूर्ण/११८	१९२९ वि० (वैशाख बुद्ध ६)	—
२९×१४	२	८	२०	पूर्ण/१०	—	—
२२×११	७	९	३२	अपूर्ण/६३	—	—
२६ ६×२६.२	८	१२	३२	पूर्ण/९६	१९२० वि० (भाद्रपदकृष्ण १४)	—
१५×१०	१५	७	१४	अपूर्ण/४६	—	—
२१.२×१० ३	१०	१०	२४	अपूर्ण/७५	—	—
२४×१३	२४४	१२	३२	पूर्ण/२९२८	१८१८ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६०८	६२९७/३३९९	प्रायश्चित्तमाला	नारायण	—	देसी कागज	नागरी
२६०९	९७/८९	बटुकपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१०	६४६०/३५४६	बटुकपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६११	३९०६.१/१९९३	बटुकभैरवदीपदानविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१२	३२९९/१६९७	बटुकभैरववन्दन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१३	१०४८/११५०	बलिदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१४	१७८५.४/११८६	बलिदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१५	१४७/१३९	बालाजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१६	३४६७/१८४९	बालापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१७	३६२४/१८६१.१	बालापूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१८	१५५/१४८	बालार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१९	७८१/७९७	बालार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२०	११८५/८००	बालार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१.५ × ११	१६१	९	२०	पूर्ण/९०५	—	—
१८.२ × ११.५	३२	७	२०	पूर्ण/१४०	१९१६ वि० (शाके १७८१ माघकृष्ण ३० रविवार)	—
२५ × ११	१२	१२	२०	पूर्ण/९०	—	—
१४.३ × १० ७	२२	७	१४	पूर्ण/६७	—	—
१७ × ११	१४	७	१२	अपूर्ण/३४	—	—
२६ × १२	१४	१६	४०	पूर्ण/२८०	—	—
२५ × ३०	३	२४	४०	पूर्ण/९०	—	—
१४ × १०	१५	८	१६	पूर्ण/६०	—	—
१९ × ११	५८	७	१५	अपूर्ण/१९०	—	—
१८ × १० ५	७९	९	१०	अपूर्ण/२२२	—	—
१७ × १२ ५	५८	९	२१	अपूर्ण/३४३	—	—
१८ × ११.५	१०७	७	१९	पूर्ण/४४५	—	तान्त्रिक पद्धति से त्रिपुरसुन्दरी की अर्चनापद्धति प्रतिपादित है
१८.५ × १९.५	२००	५	११	पूर्ण/ ३४४	१९४२ वि० (माघमासे तिथी १ शुक्ल गुरुवासरे)	त्रिपुरादेवी की तान्त्रिक अर्चना

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६२२	७५१२/४२४७	बुधाष्टमी व्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२३	७५१६/४२५०	बृहत् शान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२४	७०६३/३९८०	बृहस्पतिमन्त्रअष्टोत्तर- सहस्र जप विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२५	३९२२/१/२०००	बृहस्पति-सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२६	७१७४/४०४१	बौधायन श्रौतसूत्र	बौधायनाचार्य	सायणाचार्य	देसी कागज	नागरी
२६२७	६८७३/३८९१	ब्रह्मयज्ञ	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२८	६३१९/३४२१	ब्रह्मयज्ञविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२९	३१६४.५/१६१९	भागवत पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३०	३०७/२७८	भुवनेश्वरी पूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३१	१०७२/८०६	भुवनेश्वरी पूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३२	११७/११०	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३३	३४१२/१७९८	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३४	३४७२/१८५४	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३×२३	४	२०	१६	पूर्ण/४०	—	—
१३×२०	१२	१२	१६	पूर्ण/७२	१९४२ वि०	—
२३×१४	३	९	२०	पूर्ण/१७	—	—
२३×१२.५	१२०	१४	२०	अपूर्ण/१०५०	—	—
२५×१०.६	२६६	१०	४२	पूर्ण/४९८	१८३८ वि०	—
१६×१०	२०	७	१०	पूर्ण/४४	१९६३ वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल १४ गुरौ)	—
१९×१३	१०	८	१०	पूर्ण/२५	—	—
३३.७×१६ ५	५	११	२८	पूर्ण/४७	१९१२ वि० (पौष कृष्ण ३)	—
१६ ५×१२	६७	९	२४	अपूर्ण/४५२	—	भुवनेश्वरी देवी की तान्त्रिक पूजाविधि
२२ ३×११	९५	१२	३२	पूर्ण/११४०	—	चतुर्वर्गफलप्राप्त्यर्थं भुवनेश्वरी की स्तुति एव तान्त्रिकपूजापद्धति-निरूपण
१७×११ ५	१५	९	१९	अपूर्ण/८०	—	—
३९.५×१० ७	२	८२	१६	पूर्ण/८२	—	—
१५×१०	१४	७	१५	पूर्ण/४६	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६३५	३७८२ १/१९३०.१	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३६	५८२२/२९९८	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३७	६०१०/३१४६	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३८	१९/१९	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३९	४३/३८	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४०	३९१०'१/१९९५	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४१	८१०/८२६/७२५	भैरवपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४२	५८७/५९८/५४१	भैरव हवनपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४३	३७/३२	भोजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४४	१८७/१७९	भोजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४५	३८९७.१/१९९०	भोजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४६	५८२१/२९९७	भौमपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४७	७५११/४२४७	भौमव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×११.५	९	७	१०	अपूर्ण/२०	—	—
२१×८ ५	१३	८	३२	पूर्ण/१०४	१९३३ वि०	—
२०.९×१० २	१६	१०	२८	पूर्ण/१४०	१९७३ वि० (आषाढ ९)	—
१३×१०	७	१०	२०	पूर्ण/४४	१९५३ वि० (प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण १०)	—
१६×११	१६	७	१४	पूर्ण/४९	१९२८ वि० (वैशाख)	प्रेतवाचा निवारणार्थं भूतशुद्धि एव प्राण प्रतिष्ठा वर्णन
१४ २×८ ५	२९	५	१६	अपूर्ण/७२	१९११ वि० (भाद्रकृष्ण १०)	—
२०.५×१०.५	२८	११	२६	अपूर्ण/२५०	—	भोजनक्रिया से सम्बन्धित घर्मशास्त्रीय विधिविवेचन
२०.५×१० ५	१९	७	२०	पूर्ण/१३३	१९१७ वि० (भौमवार)	—
१५ ५×११ ६	६	९	१६	पूर्ण/२७	१८४७ वि० (माघकृष्ण ८ गुरु)	—
१७×७	५	८	१६	अपूर्ण/२०	—	—
१२×२० ५	२	१७	१०	पूर्ण/१०	—	—
१७×४४ २	२	४०	२४	अपूर्ण/६०	—	—
१३×२३	८	२०	१६	पूर्ण/८०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टनसं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६४८	८३७/८५६/७४४	मन्त्रपारायण	बुद्धिराज दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२६४९	२६४९/१४७७	मन्त्रशाकल्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५०	९१/८३	मन्त्रस्नान	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५१	७१०५/४००३	मन्थान भैरवागम	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५२	६७८२/३८१८	मधुपर्क	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५३	६६६७/३७१२	मध्याह्न सन्ध्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५४	५३६/४८२	मध्याह्न स्नानविधि	भैरव	—	देसी कागज	नागरी
२६५५	२११/२०२	मयूखपद्धति	रामचन्द्र	—	देसी कागज	नागरी
२६५६	६३२२/३४२४	महागणपतिचतुःशत- चतुरावृत्ति तर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५७	८५६/८७३/७५५	महागणपतिपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५८	३६९९/१८७७	महादानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६५९	३४६०/१८४४	महामन्त्र मृत्युञ्जयविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६०	७०३७/३९६८	महामायामन्त्र विधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२ ५×१० ५	९	८	२८	पूर्ण/६६४	१८८३ वि० (कार्तिक मासे कृष्णपक्षे ५श०)	—
२७×१२.४	१९	१०		अपूर्ण/१९०	—	—
१२ ५×९ ५	६	१३	१७	पूर्ण/४१	—	—
२२×१२	३१३	९	१५	अपूर्ण/१३२	—	—
१६×८ ५	३५	८	२४	पूर्ण/२१०	१९२० वि०	—
११×२२	१	२०	१६	पूर्ण/१०	—	—
२९×१५	३०	९	२८	पूर्ण/२३६	—	—
२२ ५×११	४२	१६	४०	पूर्ण/८४०	१८४६ वि०	नौ मयूखो (अध्यायो) के शक्तितन्त्र से सम्बन्धित ग्रन्थ
१९×१२ ५	७	९	१५	पूर्ण/२९	—	—
१५.५×११	५०	५	१८	पूर्ण/१४०	—	—
२९×१२ ५	५५	११	२०	अपूर्ण/३७८	—	—
१४ ५×११	९	८	१५	अपूर्ण/३६	—	—
११×७	३	९	१०	पूर्ण/८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६६१	१४९/१४१	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६२	१६०/१५३	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६३	५४८/५५८/५०४	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६४	६६५७/३७०३	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६५	३२१६/१६२९	महामृत्युञ्जय जपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६६	६५८२/३६३३	महामृत्युञ्जय मन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६७	६८७१/३८८९	महारुद्रहवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६८	६७२३/३७६६	महार्त्तिगार्चन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६९	८०/७४	मातृकान्यास मन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७०	३७१८.१/१८९०.१	मातृकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७१	३७१/३४०	मातृकारक्षायण	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७२	३५८६/१८५५.१	मातृकास्थापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७३	१४४६/९१४	मातृपूजाविधि	नन्दलाल	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८×१०	१८	७	१८	पूर्ण/७१	१७४० वि०	—
१६×११	१४	७	२४	पूर्ण/७३ ५	—	—
१३×९	६	६	१५	अपूर्ण/१०	—	—
१२×१९	१	१६	१६	अपूर्ण/८	—	—
१९×११	१२	६	२०	पूर्ण/४५	—	—
२१×१२	३	८	२४	पूर्ण/१८	१९२१ वि०	—
२१ ५×९ ५	१५	९	२०	पूर्ण/८१	१८०५ वि० (श्रावणशुक्ल गुरुवार)	—
१६×१०	१६	१२	२०	अपूर्ण/१२०	—	—
२०×१० ५	१५	९	३२	पूर्ण/१२५	—	—
१४×८.५	८	१०	२०	अपूर्ण/५०	—	—
२३×१३	४	१२	२६	पूर्ण/३९	—	जीर्ण
१९×११ ५	८	९	१९	पूर्ण/४३	—	—
२७×१०	३२	६	३५	पूर्ण/२१०	१९३६ वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६७४	६१/५६	मातृषोडशी	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७५	३२५२/१६४२	माध्यदिनीय स्नानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७६	३८९१.१/१९९०	मानसिकपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७७	९४५/९६२/७७१	मानसिकस्नान	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७८	३४४८/१८३३	मानसोपचारपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७९	१०१/९३	मालिनीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८०	३६६०/१८६८	मुकुन्दपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८१	३९६१/१९२४	मुक्ताभरणपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८२	६९४९/३९१२	मूलविचारशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८३	३८२४.१/१९४७.१	मूलविद्याजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८४	१८७९/१२७०	मूलशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८५	१६९/१६२	मूलशान्तिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८६	१७३२/११३३	मूलशान्तिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१×१० २	३	९	३०	पूर्ण/२५	—	—
२०×१२	४५	८	२०	पूर्ण/२२५	—	—
१२×२० ६	३	१३	१०	पूर्ण/१२	—	—
२२ ५×१०.५	३	७	२०	अपूर्ण/१३	—	—
१४.२×९.६	३	६	१४	पूर्ण/७	—	—
२२ २×११ ४	६	१०	३५	अपूर्ण/६६	—	अंगन्यासविधि
१९×११	४५	९	१०	अपूर्ण/१२६	—	—
१९×९	१२	८	३२	पूर्ण/९६	१९१५ वि०	—
२१×६.५	५	११	३०	पूर्ण/५१	—	—
१४ ५×१० ५	१६	९	२०	अपूर्ण/९०	—	—
२४×१३	२७	१२	२२	पूर्ण/२२३	१८८४वि० (मार्गशीर्ष) कृष्णपक्ष १३	—
१७ ५×१२	१२	१०	२४	अपूर्ण/९०	—	—
२७.८×१२ ८	११	९	२७	अपूर्ण/८४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६८७	६६९५/३७३९	मृत्युञ्जयमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८८	७६५९/४२९०	यन्त्रराजपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८९	१४३६/९०८	यज्ञसिद्धान्तसंग्रह	रामप्रसाद	—	देसी कागज	नागरी
२६९०	६५१०/३५९४	यज्ञोपवीत धारणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९१	१८५८/१२५२	यज्ञोपवीतपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९२	३२८७/१६५५	यज्ञोपवीतपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९३	१०५८/८०१	यज्ञोपवीतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९४	१३९८/८९९	यज्ञोपवीतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९५	२७९१.१/१९३२.१	यज्ञोपवीतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९६	१०५९/८०१	यज्ञोपवीतव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९७	१७६८/३९८०	यमराजपूज्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९८	२४०४/१४२१	यात्राप्रकरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९९	६२५३/३३६८	रजोदर्शनशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१०×३०	१	२४	१६	पूर्ण/१२	—	—
११.५×९ ५	५	१३	२०	पूर्ण/४१	—	—
२५ ४×११ ५	४८	११	३३	पूर्ण/५४५	१८६९वि०	यज्ञसिद्धान्तो का विस्तार के साथ विवेचन हुआ है, जिनमे द्विजाह्वान, कलशस्थापन, दिक्पालवलि आदि सभी विषय वर्णित है
४८×११	२	४०	१०	पूर्ण/२५	—	—
१५ ५×१०	३७	८	३६	पूर्ण/३०३	—	—
२३ ५×१३	१६	१५	३०	पूर्ण/२२५	१८६८ वि० (वैशाखसुदी १० गुरुवार)	—
२२×१५	१३	१५	३५	पूर्ण/२१२	—	उपनयनसंस्कार की विधि का विवेचन किया गया है
२५×१२	३५	८	३२	पूर्ण/२८०	१९०८ वि०	—
१५ ६×१० ७	२४	८	१८	पूर्ण/१०८	—	—
२५ ५×१४ ५	२०	१२	२९	पूर्ण/२१७	१८७४ वि० (१७३९शक)	उपनयनसंस्कार का विवेचन किया गया है
५५×२०	१	३६	२०	अपूर्ण/२२	—	—
१८×८ ५	७	७	२०	अपूर्ण/३०	—	—
३०×१०	५६	८	२०	पूर्ण/२८०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७००	६८३२/३८६२	रजोदर्शनशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०१	७५०७/६४१५	रथसप्तमीपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०२	३५७३/१८५१	रामायणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०३	२४७९/१४३९	रामार्चनचन्द्रिका	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०४	६८०/७९६/७११	रुद्रजाप	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०५	६३९४/३४९३	रुद्रपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०६	३०७७/१५९२	रुद्रपूजनमञ्जरी	मालजी वेदागाराय	—	देसी कागज	नागरी
२७०७	३१४६/१६१४	रुद्रविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०८	६३२४/३४२६	रुद्रस्तानार्चनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७०९	६६५४/३७००	रुद्रस्वाहाकार	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१०	३५६९/१८५०	रुद्राकाण्डी	—	—	देसी कागज	नागरी
२७११	३८३३.१/१९५४.१	रुद्राक्षधारणप्रकार	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१२	७७४/७०७	लक्ष्मीभाराधनाकल्प	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१×९ ५	६५	७	३२	पूर्ण/४५५	—	—
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	१८२८ वि० (शाके १६९३)	—
३०×१२	४	११	४०	पूर्ण/५५	—	—
२४×११.५	२४६	९	२५	पूर्ण/१७३०	१८७४ वि० (शाके १७३९)	पाँच पटलो मे पूर्ण रामार्चन का प्रयोग कर्मकाण्ड के रूप मे हुआ है
१९×११ ५	५४	८	२२	पूर्ण/२९७		प्रसिद्ध रुद्राष्टाध्यायी संग्रहीत है
२२×१२	१३	५	१५	अपूर्ण/६	—	—
२७×१२	१७७	८	३६	पूर्ण/१५९३	१९२३ वि० (फात्गुनमुदि १२२विवार)	रुद्रपूजन, जप, आहुति आदि का विचार; सुचारु रूप
२४×११ ५	६३	७	२४	पूर्ण/३३०	१८९१ वि० (श्रावणशुक्ल १४ चन्द्रवार)	—
६०×१३.५	१	६२	३२	पूर्ण/२९	—	—
२५×११	९	१२	३२	पूर्ण/१०८	—	—
२० ५×११	१७	९	३५	अपूर्ण/१६७	१८८७ वि०	—
१८×२९	२	१८	२०	पूर्ण/२०	१९१४ वि०	—
१७×१२	८	१३	२०	अपूर्ण/१२	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७१३	३४०३/१७८९	लक्ष्मीसूक्तविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१४	५८७८/३०४४	लघुशान्ति (सटीक)	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१५	३८७२.१/१९७९	लघुव्यामलापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१६	६०१२/१०६७	ललितादेवीपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१७	७२१६/४०७७	ललितापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१८	६७४५/३७८८	ललितापूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२७१९	११८६/८४१	ललितार्चनदीपिका	—	—	देसी कागज	नागरी
२७२०	३३/२८	ललितार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७२१	१०४/९६	ललितार्चनविधि	भास्करराय	—	देसी कागज	नागरी
२७२२	३७९७.१/१९३३/१	ललितासपर्यापद्धति	भास्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७२३	८२५/८४१/७३५	ललितासपर्याविधि	भास्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७२४	६५४३/३६१४ ५	ललितासपर्याविधि	देव कमलाकर	—	देसी कागज	नागरी
२७२५	६०२२/३१५७	लिंगपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द से)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२.५ × ९	१७	६	१५	अपूर्ण/४८	—	—
२५.५ × ११ ८	१०	१२	४२	पूर्ण/१५७	१८१८ वि०	सटीक
१३ × ११	६	८	१२	पूर्ण/१८	—	—
१५.३ × १२.५	२६	११	१६	पूर्ण/१४३	१८८३ वि० (भाद्रकृष्ण ११)	—
२३ × १५.५	६२	११	१६	पूर्ण/३४१	१८८७ वि०	—
२३ × ११	१७	९	३२	पूर्ण/१५३	—	—
२६ ५ × १२	३९	१३	३७	पूर्ण/५८६	—	—
२५ ५ × ११	७९	९	३४	पूर्ण/७६०	—	ललितादेवी की तान्त्रिक उपासना का प्रतिपादन किया गया है—आरम्भ का पृष्ठ स्रण्डित है
२२ ८ × १० ४	४८	१४	४०	पूर्ण/८४०	—	ललितादेवी की तान्त्रिक विधि से अर्चना समुपनिबद्ध है
१७ × ९	१६५	७	१०	पूर्ण/३६१	१८४७ वि० (फाल्गुन— कृष्ण २२ वि)	—
२४ ५ × १० ५	९६	१०	३८	पूर्ण/११४	१८७२ सवत् (चैत्र शुक्ल)	—
१९ × १०.५	९५	५	१५	पूर्ण/२२३	—	—
१६ ७ × ८	४	६	२०	अपूर्ण/१५	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	वि
१	२	३	४	५	६	
२७२६	७५०५/४२४७	वटसावित्रीव्रत	—	—	देसी कागज	न
२७२७	३७७२/१/१९२७/१	बटुक भैरवआमरणपूजन विधि	—	—	देसी कागज	न
२७२८	१३९९/८९९	वन-प्रतिष्ठा विधि	—	—	देसी कागज	न
२७२९	३१७/२८८	वर्षापिनकर्म	—	—	देसी कागज	ना
२७३०	४०७९/१९३६	वर्षारिष्टशान्ति	—	—	देसी कागज	ना
२७३१	५०८/४९९	वह्निमृतिकान्यास	—	—	देसी कागज	ना
२७३२	७५४४/४२५९	वाक्पूजन	—	—	देसी कागज	ना
२७३३	१३३४/८८२	वार्षिक श्राद्धप्रयोग	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	ना
२७३४	१७५९/११६०	वासिष्ठी	उर्वीधर	—	देसी कागज	ना
२७३५	१०५६/८०१	वासिष्ठी ग्रहशान्तिविधि	वसिष्ठ	—	देसी कागज	न
२७३६	६६९०/३७३४	वासुदेव भट्टी (य)	—	—	देसी कागज	न
२७३७	५५१/५४१/४९७	वासुपद्धति	इन्द्रजित शर्मा	—	देसी कागज	न
२७३८	१७०३/११०६	वास्तुशान्ति	—	—	देशी कागज	न

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	—	—
१२×१०	२०	७	१२	पूर्ण/५२	—	—
२३×१२	२०	१०	३२	पूर्ण/२००	१९०९ वि० (शाके १७७४)	वृक्षारोपणादि विधि का वर्णन
१६×११.५	१४	९	२४	अपूर्ण/८४ ५	—	आदित्यपुराणोक्त जन्मदिवस मनाने की विधि
२५×३०	२	३२	४०	पूर्ण/८०	—	—
१८×१३	२६	१०	२०	पूर्ण/१६२.५	—	—
१५×२०	१	१८	१६	पूर्ण/९	१७८५ श०	—
३१×१२	८	८	३६	पूर्ण/७२	१९३० वि० (फाल्गुनकृ० १)	—
३०×१२	४०	१२	५६	अपूर्ण/८४०	—	—
२५×१४ ५	२४	१२	२७	पूर्ण/२४३	१९०४ वि० (शाके १७६९)	—
२१×१२	७४	९	२४	अपूर्ण/३०४	१६६५ श०	—
१९×१४	१९	१०	२५	पूर्ण/१३९	—	—
३०×१३	२६	११	४८	पूर्ण/४२९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७३९	३७९९/१९०३	विंशच्चतुर्विंशतिकापूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४०	३५७०/१८५०.१	विग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४१	५७८/५८८/५३२	विजयादशमी शरूपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४२	७३५८/४१६६	विजयादशम्यादि पूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४३	७२३३/४०९०	विद्यामानसपूजा	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७४४	६७/६१	विद्यार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४५	७२८६/४१२९	विद्योपास्ति महानिधि	शिवरामप्रकाश	—	देसी कागज	नागरी
२७४६	६४०९/३५०८	विन्ध्यापराधप्रायश्चित्त	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४७	३९५/३५८	विवाहकर्म	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४८	४२०/३७९	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७४९	११९६/८४४	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५०	१४३२/९०९	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५१	१८२३/१२२३	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० म०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२३ ५ × १५	२४८	११	२८	पूर्ण/२३८७	१७७९ वि०	—
२७ × १०	३१	१०	३५	पूर्ण/३३९	—	जीर्ण
२१.५/२ × ९.५	१४	९	२६	अपूर्ण/१०३	—	—
१९ × ११	६	१०	२५	पूर्ण/४७	—	—
१७.४ × १२.४	९	९	१६	पूर्ण/४०	—	—
१७ × ९.५	९२	७	२४	पूर्ण/४३०	१८६१ वि० (चैत्र शुक्ल ३ गुरी)	'कुलार्णवतन्त्र' का एक अंश जिसमें देवी की तान्त्रिक आराधना विधि निरूपित है
३३ ५ × २० ७	४७३	१३	४०	पूर्ण/७६८६	१९६१ वि० (जेष्ठकृष्ण १२)	
२४.५ × ११	३६	९	२०	पूर्ण/२०२	—	—
१७ × १३	३९	११	१८	पूर्ण/२४१	१८६० वि० (श्रावण कृष्ण- पक्ष ३ भृगु०)	—
२० × १२	३९	८	२९	अपूर्ण २८३		विवाह-संस्कार का विस्तृत उल्लेख
२१ × १३.५	६८	९	२८	अपूर्ण/५३५	—	—
२१.५ × ९	५८	७	२२	पूर्ण/२७९	—	आद्यन्त विवाहपद्धति का प्रति-पादन किया गया है—न कहीं ग्रन्थ का श्रीर न ग्रन्थकार का ही नामोल्लेख हुआ है
२३ × १२	९२	८	२६	अपूर्ण/६२३	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७५२	१८०७/१५१५	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५३	२८६७/१५२९	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५४	२८७०/१५२९	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५५	१३८४/८९८	विवाहप्रकरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५६	५३५/४८१	विवाहविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५७	३५८८/१८५५/१	विष्णुपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५८	३१४१/१६१३	विष्णुपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५९	४५७/४४८/४१६	विष्णुशिव-पूजन-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६०	३६३४ ६/१८६३	वीरपूजन-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६१	१३१७/८८२	वेदोक्त शिवार्चन पद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६२	३८०२/१/१९३५/१	वैश्वदेवकर्म	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६३	१३००/८७७	वैश्वदेव-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६४	६४५५/१८४०	वैश्वदेव-होम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२३×१२	९२	८	२६	अपूर्ण/६२३	—	—
१५.५×११	२०६	१२	२९	अपूर्ण/२२४०	—	—
११×१२ ८	४३	९	१३	पूर्ण/१८८	—	—
२१×११	४	६	२४	अपूर्ण/१८	—	—
२८ ९×१२	४६	८	३७	पूर्ण/४३५	१८९८ वि०	—
३६×१४	८	८	२६	अपूर्ण/५२	१८५३ वि० (कार्तिक शु० प० ४ चन्द्रवार)	—
१६ ५×१२ ८	१२	१०	१७	अपूर्ण/६४	—	—
२१ ५×१५	१२	९	१६	अपूर्ण/५४	—	—
१८×१३ १/२	९	९	१६	अपूर्ण/४०५	—	—
१३×२१	१	२४	१६	पूर्ण/१२	—	—
२७×१३	१८	११	३३	पूर्ण/२०४	—	वैदिक मन्त्रों सहित शिवार्चन विधि
२१×१२	८	८	१५	पूर्ण/३०	—	—
२४×१०.५	२	११	४४	पूर्ण/३०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७६५	६९१०/३८९९	वैष्णोदेवी-पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६६	१४१८/९०४	व्रतार्क	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६७	७५००/३५८५	व्रतार्क	शंकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२७६८	३८३९ १/१९५९.१	शक्तिकुमारी पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६९	१४८/१४०	शक्तिपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७०	५०२/४९३/४५६	शक्तिशोधन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७१	५९४/६०५/५४७	शतचण्डी सहस्रचण्डी विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७२	६७६५/३८०२	शनिजाप	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७३	६७१०/३७५४	शनिनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७४	५८९२/३०५९	शमीपूजन-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७५	१०७८/८०६	शान्तिपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७६	१३३१/८८२	शान्तिपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७७	२४४२/१/१४३१	शान्तिप्रदोष व्रतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ × ११	७	११	१०	पूर्ण/२४	—	—
९७ ५ × १२	६३८	१०	३४	पूर्ण/६७७९	—	विभिन्न महीनो की विभिन्न तिथियो पर पडने वाले व्रतो का विस्तृत विवेचन किया गया है
३० × १८	४४	८	३२	अपूर्ण/३५२	—	—
२२ × ९/५	१२	८	२८	अपूर्ण/८४	—	—
२१ × ११	४	६	१२	पूर्ण/९	—	शत्रु-विनाश के लिए प्रस्थानोद्यत वीर की पूजाविधि का विवेचन
२३ × १२	५	९	३२	पूर्ण/४५	—	शक्ति की पञ्चमकारी साधना मे मैथुनी साधनाविधि
२२ ५ × ११ ५	४९	८	३२	अपूर्ण/२६४	१८९४ वि० (१७५९शाके, आषाढशु०४)	—
१४ × १०	८	७	१२	पूर्ण/२१	—	—
२३ × ११	४	८	२०	अपूर्ण/२०	—	—
५ ५१०.८	३	१०	३२	पूर्ण/३०	—	—
२२ ५ × १४ ५	२३	१३	२२	पूर्ण/२०५	१८८३ वि० (आ० शु०)	—
२६ × ११ ५	२	११	३२	पूर्ण/२२	१८८१ वि० (शनिवार आद्यपक्ष)	—
२२.६ × १० ८	३	१०	३२	पूर्ण/३०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७७८	४२९१ १/२०१३	शान्तिप्रारम्भ	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७९	१५०९/९३२	शान्तिमयूख	नीलकण्ठ	—	देसी कागज	नागरी
२७८०	१४२३/९०६	शान्तिरत्न	कमलाकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२७८१	११९५/८४४	शान्तिसार	दिनकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२७८२	३९६३/१९२४	शारदी नवरात्रिपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२७८३	६४८०/३५६३	शिवपञ्चाक्षरमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२७८४	५४८/५३८/४९४	शिवपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७८५	३८८४.१/१९८५	शिवपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७८६	६२२१/३३३६	शिवपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७८७	२८१८/१५१७	शिवपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७८८	१६९९/११०२	शिवप्रतिष्ठाविधि	भूलनारायण	—	देसी कागज	नागरी
२७८९	५४०/४८६	शिवमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७९०	३४४५/१८३०	शिवमानसीपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२९×१७	२	२१	२४	अपूर्ण/३२	१९२७ वि०	—
३६×१०	१०७	७	६४	अपूर्ण/१४९८	—	अनिष्टनिवारण तथा पापशान्ति विषयक पौराणिक विधियो का संग्रह
२५×११ १	२८६	१०	४४	अपूर्ण/३८३३	१८२५ वि०	भूकम्पादि दैवी आपदाओ की शान्ति का उपाय प्रतिपादित है। प्रारम्भ के ११८ पत्र अनुपलब्ध हैं
२४ ३×१७	३४२	१३	२६	पूर्ण/३६१२	—	ग्रह-वास्तु-दर्श-पल्ली-कपोतादिशान्तियो का सविधि निरूपण
१८×११	१४	१०	३२	अपूर्ण/१४०	—	—
१९×१३	२	८	१२	पूर्ण/६	—	—
१८.५×१० ३	२९	९	२१	पूर्ण/१७१	—	—
२४×११	२६	७	३२	पूर्ण/१८२	—	—
२३ २×११ ६	२	८	२७	अपूर्ण/१४	—	—
२७×१२.५	१२	९	२८	पूर्ण/९४	—	—
२६×११	३८	९	३२	अपूर्ण/३४२	१९१६ वि०	—
१५×९	७	४	१२	पूर्ण/१०	१८२५ वि० (श्रावणसुदि३)	—
१६ ८×१० ५	२	७	२०	पूर्ण/८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७९१	६४२८/३५२५	शिवरात्रिव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२७९२	१५९३/९९९	शिवार्चनचन्द्रिका	श्रीनिवास भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२७९३	२५०२/१४४४	शिवार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७९४	१८७८/१२६९	शिवार्चनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७९५	१३८५/८९८	शुद्धिविवेक	रुद्रधर	—	देसी कागज	नागरी
२७९६	४२४/३८४	श्यामापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७९७	१३७७ २/८९८	श्राद्धकर्म	—	—	देसी कागज	नागरी
२७९८	७१०३/४००१	श्राद्धचन्द्रिका	दिवाकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२७९९	१३९५/८९९	श्राद्धनिर्णय	—	—	देसी कागज	नागरी
२८००	१४००/८९९	श्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०१	२८२६/१५२०	श्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०२	२९२४/१५४३	श्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०३	२९५२/१५५३	श्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३२ × १२.५	४	८	३०	पूर्ण/३०	—	—
२२ × ९	१६३	५	२४	अपूर्ण/६११	—	—
२५ × १४	१४	१३	३२	पूर्ण/१८२	—	—
१५ × १०	१२	७	१४	पूर्ण/३७	—	—
२८ × १२	१८६	८	३९	पूर्ण/१८१४	—	तीन परिच्छेदों के इस ग्रन्थ में जन्म, मरण, वर्णादिगत अशुद्धियों (अशौचों से शुद्धि पाने के उपायों) तथा अधिकारियों आदि का वर्णन किया गया है। प्रमाणरूप में प्राचीन धर्मशास्त्रग्रन्थों के उद्धरण दिए गए हैं।
२६ × १२	८९	९	३७	अपूर्ण/९२६	अति प्राचीन	देवी की तान्त्रिक अर्चनाविधि तथा कालीसहस्रनाम
२७ २ × ११	७	७	३६	अपूर्ण/५५	—	—
२५ × १३ ५	२४२	१०	२०	पूर्ण/१५१२	१८५० वि० (श्रावणकृष्ण २ गुरुवार)	पितृ-श्राद्धविषयक श्रेष्ठ ग्रन्थ
२७ × १२	३	१०	४०	पूर्ण/३७५	—	—
२६ × १२	६२	९	३२	पूर्ण/५५८	१९१० वि०	दाहसंस्कार से लेकर द्वादशाह की सपिण्डीकरण तक की श्राद्ध-प्रक्रिया
२१.२ × १२	२५	९	२४	पूर्ण/१६८	१८४६ वि० (वैशाख २)	—
२६ ५ × १७.३	४५	१३	११	अपूर्ण/२०१	—	—
२८.३ × १४ ३	२४	१२	३२	अपूर्ण/२८८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८०४	७१६९/४०३६	श्राद्धप्रतिक्रमण सूत्रवृत्ति	गणधर	—	देसी कागज	नागरी
२८०५	१२९९/८७७	श्राद्धमयूख	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०६	३७०/३३९	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०७	५५२/५६२/५०८	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०८	१४०१/८९९	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८०९	२८७२/१५०९	श्राद्धविधि	रामकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
२८१०	३३०८ १/१७०६ १	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८११	३४२३ २/१८२३ १	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८१२	३७८८ १/१९३० १	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८१३	२५९०/२४०१	श्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८१४	१३१२/८८१	श्राद्धविवेक	रुद्रधर	—	देसी कागज	नागरी
२८१५	१३७९/८९८	श्राद्धविवेक	रुद्रधर	—	देसी कागज	नागरी
२८१६	१४६४/९१९	श्राद्धविवेक	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५.६ × १०.६	६५	१५	६०	अपूर्ण/१७०३	—	—
२८ × १२	७	११	४०	अपूर्ण/९६	—	—
२५ × १३	३२	७	२०	अपूर्ण/१४०	१७७५ वि०	—
१९.५ × ९	११	९	३२	अपूर्ण/९९	—	—
२५ × ११	३४	९	४८	अपूर्ण/४५६	१६३५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण
२२ × १३	२८	९	२५	पूर्ण/१६७	—	—
२४.५ × ११.७	१७	६	२०	अपूर्ण/६३	—	—
२२ × १३	२१	९	१६	पूर्ण/९४,५	—	—
१७ × १०	८	१४	३०	पूर्ण/१०५	—	—
२१ × १३	३२	१५	२३	अपूर्ण/३४५	—	—
३४ × ९	९८	७	४८	पूर्ण/१०२९	१८०१ वि०	सर्वविधि श्राद्धसामग्री तथा काल आदि का निरूपण
२७.६ × १२	३१४	८	३९	पूर्ण/३०६२	—	श्राद्धकर्म का विशद विवेचन प्रस्तुत किया गया है। ग्रन्थ जीर्ण है तथा कुछ पत्र खण्डित है
२४.५ × ९.८	९७	८	३५	अपूर्ण/८४८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८१७	६२७६/३३७९	श्राद्धसंकल्प	—	—	देसी कागज	नागरी
२८१८	६३९६/३४९५	श्राद्धसंकल्प	—	—	देसी कागज	नागरी
२८१९	१३०२/८७८	श्राद्धसूत्र	कात्यायन	—	देसी कागज	नागरी
२८२०	७४५९/४२३३	श्रावणद्वादशीपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२१	८२०/८३६	श्रावणीप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२२	२६०२/१४६५	श्रीकृष्णद्वादशाक्षर मन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२३	३८५/३५१	श्रीचक्रपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२४	१०५/९७	श्रुतिपात्रवन्दन	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२५	२५२८/१४४९	षडगपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२६	३४१७ १/१८१७ १	षडगरुद्रजाप्य	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२७	७२२०/४०८१	षोडशोपचारपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२८	३३९२/१७८१	षोडशोपचारपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८२९	७३७१/४१७८	सकल्पविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१.५ × १०.५	४४	८	१५	पूर्ण/१३४	—	—
२६ × ११	४३	७	२०	पूर्ण/१८८	—	—
२६ × ११	१२	६	३२	पूर्ण/७२	१७६६ शक	—
१३ × २३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	—	—
२२.५ × ११	४२	९	२५	पूर्ण/२९५	—	—
१३ × २०.५	२१	१७	१७	पूर्ण/२०.५	—	—
२२ × ११	१७	९	३२	अपूर्ण/१५३	—	शैवसम्प्रदाय
१४.५ × ११.२	८	९	१५	पूर्ण/३४	—	—
२१ × १३	१६	९	२५	पूर्ण/११२.५	—	—
२२ × १०	१४	१०	२४	अपूर्ण/१०५	—	—
१६ ३ × १६	९	९	१२	अपूर्ण/३०	—	—
१२ × ८.५	४	३	११	अपूर्ण/४	—	—
२२.५ × १२.२	१६	१३	३४	अपूर्ण/२२१	१६४८ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८३०	२५७८/१४६०	संकष्टव्रतकथापूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३१	१०४२/७९८	संक्षेपदर्पण-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३२	५९५०/३१०८	संक्षेपस्थालीपाक	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३३	३१५२/१२१५	सन्यासपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३४	१२०१/८४४	संस्कारपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३५	२८६८/१५२९	संस्कारविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३६	३४३३/१८१८	संस्कारविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३७	३८८५ १/१९८६	संस्कारविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३८	६०७८/३२१२	संस्कारविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८३९	६४८९/३५७३	संस्कारविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४०	१७०९/१११०	संस्कार वैश्वदेवनामानि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४१	७२७७/४१२६	सत्यनारायणपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४२	१८०२/१२०३	सत्यनारायणपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×९	५३	७	१६	पूर्ण/१८५	—	—
२०×१४ ५	१	१०	२०	पूर्ण/६	१९४४ (भाद्रपद)	—
२३.४×११.५	१०	१३	३२	पूर्ण/१३०	—	—
२७×११ ५	४९	७	३०	पूर्ण/३२१	१७७३वि० (कार्तिकशुक्ल अष्टमीभृगु०)	—
२७ ५×१८ ५	१०१	१३	३२	अपूर्ण/१३१३	—	—
२०×१४	६०	८	१७	पूर्ण/२५५	—	—
२४×९	१४	८	२४	अपूर्ण/८४	—	—
२२×१४	१०	८	२४	अपूर्ण/६०	—	—
११×१३ ७	५४	९	१२	अपूर्ण/१८२	—	—
२०.५×१०.५	३७	९	१०	अपूर्ण/१३५	—	—
२९×११	७८	९	३२	पूर्ण/७०२	—	—
३५×१३.५	८	६	३६	अपूर्ण/५४	—	—
१८×१३.५	२४	१२	१८	पूर्ण/१६२	१९६६ वि० (भृगुवार)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८४३	३१२३/१६१०	सत्यनारायणपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४४	२५४८ १/१४५३	सन्ध्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४५	७५८४/४२५७	सन्ध्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४६	४३८/३९८	सन्ध्यात्रयपद्धति	बुद्धिराज	—	देसी कागज	नागरी
२८४७	१४२७/३०८	सन्ध्यापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४८	६९७१/३९२३	सन्ध्यापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४९	३८२/३४८	सन्ध्याप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५०	१५७३/९७९	सन्ध्याप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५१	३३२१/१७१७	सन्ध्याप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५२	७/५	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५३	११३/१०५	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५४	२१९/२०८	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५५	२३५/२२४	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द से)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३२×१२	३९	७	३०	पूर्ण/२५६	—	सुलिपि
१८×९ २	७	७	१६	अपूर्ण/२४	—	—
१६×१०	१७	६	१५	पूर्ण/४८	—	—
१८×१३	७६	१०	२४	पूर्ण/५७०	१९२३ वि० (आश्विन शुक्ल ५ शनि)	—
२३×१० ५	२३	८	२७	पूर्ण/१५५	१८९६ वि०	सुलिपि
८.५×११.५	१९	५	१५	अपूर्ण/४४	—	—
१६ ५×१२	१२	१०	२०	पूर्ण/७५	—	—
१३ ५×११ ५	१६	८	१४	पूर्ण/५६	—	—
२९×१२	६	९	३०	पूर्ण/५०	—	—
१६×११	२१	५	१४	पूर्ण/४६	—	—
१५×१०	१४	७	१६	पूर्ण/४९	—	तान्त्रिक ढंग से विवेचन
१४.५×१०	२६	८	१६	पूर्ण/१०४	—	—
२२×१२	१७	११	२५	पूर्ण/१२३	१८५२ वि० (कार्तिककृ० १४ भीम- वासरे)	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८५६	३५८/३२८	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५७	४०२/३६३	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५८	४६४/४५५/४२३	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५९	४९२/४८३/४४६	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६०	५३७/५४७/४९३	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६१	२४१५/१४२४	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६२	२४९९/१४४३	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६३	३१७७/१६२१	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६४	३५४७/१८४६ १	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६५	३६२०/१८६० १	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६६	३६२०.१/१८६० १	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६७	३८२६.१/१९४८ १	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८६८	६८१२/३८४२	सन्ध्याविधि	—	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×१२	१६	१०	१६	अपूर्ण/८०	—	—
१५×१०	८	७	१७	अपूर्ण/३०	—	—
१३×९	५८	५	१६	अपूर्ण/१२०	—	—
१५×१०	१५	८	२४	पूर्ण/९०	१९४२ वि०	—
२२×१०.४	११	८	२८	पूर्ण/७७	—	—
२०×१४	१८	१४	१८	पूर्ण/१४२	१९९३ वि० (ज्येष्ठसुदि ३ बुधवार)	—
१८ ५×१०	५८	९	२४	अपूर्ण/३९१ ५	१९१४ वि० (शाके १७८० आषाढशुक्ल ११ बुधवार)	—
१४×११	२६	८	१२	पूर्ण/७८	—	—
१६×७.९	३९	६	१६	पूर्ण/११७	—	—
२१×१० ५	१०	८	२३	पूर्ण/२८	—	—
२३×११ ३	८	९	२८	पूर्ण/६३	—	—
१३×९	१६	६	१६	अपूर्ण/४८	—	—
१५×९	२८	५	१६	पूर्ण/७०	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८६९	६९०६/३८९९	सप्तपदी	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७०	६१४३/२६४	सप्तशक्तिकापुस्तकपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७१	२८९/२६३	सप्तशतीपाठविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७२	६२१३/३३२८	सप्तशतीपाठविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७३	२६९३/१४८९	सप्तशतीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७४	३९१७ ३/१९९८	सप्तशतीविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७५	५९२६/३०८६	सप्तशतीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७६	१५९८/१८५६.१	सप्तशालिहोमविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७७	६७४३/३७८६	समावर्तनप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७८	६९०७/३८९९	समुद्धर्तपाटी	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७९	३१६५/१६१९	सम्प्रदायप्रदीप	विष्णुस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
२८८०	१७००/११०३	सर्वतोभद्रनामानि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८१	१२०० १/८४४	सर्वतोभद्रमण्डलपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४×११	३	११	१०	पूर्ण/१०	—	—
१४.५×९.८	३	५	१२	अपूर्ण/६	—	—
१६×११.५	१७	९	१६	पूर्ण/७६	१९३० वि० (पौष ६ गुरुवार)	—
१८.५×८ ५	२	६	२०	अपूर्ण/८	—	—
१७×१२	३६	१०	२०	अपूर्ण/२२५	—	—
१६×१२	४	९	१६	अपूर्ण/१८	—	—
२१ ३×९.८	१९	११	४०	पूर्ण/२६१	१९१८ वि० (श्रावण १३)	—
२१.५×१३	१५	९	१५	पूर्ण/६३	१९१६ वि० (श्रावणकृष्ण- ३ रविवार)	—
१६×११	१९	९	३२	पूर्ण/१७१	—	—
१४×११	३	११	१०	पूर्ण/१०	—	—
३०×१७.६	३९	१८	३६	अपूर्ण/७८९	—	पुष्टिमार्गीय
४३×१७	२	३७	१६	पूर्ण/३७	—	—
२५ ५×१२.५	९	८	२४	अपूर्ण/५४	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८८२	३८५७ १/१९७०.१	सर्वदेवपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८३	९०८/९२५/७६६	सर्वमंगलापारायण	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८४	२७४१/१४९८	सवत्सापूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८५	१८३/१७५	साधारणप्रायश्चित्तप्रयोग	नीलकण्ठ भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२८८६	३७२/३४१	सामवेदोक्ततर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८७	६६६६/३७१२	सायंसन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८८	६४२२/३५२१	सिद्धचक्रपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८९	६४२३/३५२१	सिद्धचक्राष्टप्रकारी पूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९०	६५९९/३४४६	सिद्धसिद्धान्तपद्धति	नित्यनाथ सिद्ध	—	देसी कागज	नागरी
२८९१	३९६३/१९२४	सिद्धिविनायकपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९२	४२६७/२००७	सिद्धिव्याख्या	विठ्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२८९३	२३१८/१४०५	सुमुखीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९४	६६६५/३७११	सूक्तविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२३.५ × ११	१०१	१०	३१	पूर्ण/९७८	—	—
१७.५ × १२.५	११५	९	१६	अपूर्ण/५१८	—	—
२७ × १३.३	८	१२	४३	पूर्ण/१२९	—	—
२४ ५ × ११.५	८	९	३२	पूर्ण/७२	—	—
२४ × १३	९	१०	३१	अपूर्ण/२७	—	—
११ × २२	१	२०	१६	पूर्ण/१०	—	—
२५ × ११	७०	९	२०	अपूर्ण/३९४	—	—
२५ × ११	२	९	२०	पूर्ण/११	—	—
२९ × ११	३८	१०	१६	पूर्ण/१९०	—	सिद्धसम्प्रदायसम्बन्धित तान्त्रिकग्रथ
१५ × ११	२४	८	१८	पूर्ण/१०८	१८७३वि०	—
२७.१ × १२ २	६७	९	४५	पूर्ण/८४८	—	—
१३ × १६	१०	१२	१६	अपूर्ण/६०	—	तान्त्रिक शक्तिउपासनानिरूपण
१८ × १२	९	८	१६	पूर्ण/३६	१९४१वि०	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८९५	६७६९/३८०५	सूर्यपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९६	१६१/१५४	सूर्यादिनवग्रहत्यासध्यान	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९७	७५०३/४२४७	सोमवतीपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९८	३४२/३१४	सोमवतीव्रतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२८९९	६०४२/३१७६	सोमवत्यमावस्यापूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२९००	९२५/९४२/७६८	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानन्दनाथ	—	देसी कागज	नागरी
२९०१	५९३२/३०९०	स्थालीपाक	—	—	देसी कागज	नागरी
२९०२	६०४४/३१७८	स्थालीपाक	—	—	देसी कागज	नागरी
२९०३	१३७७ ८७८	स्नानविधि	हरिहर	—	देसी कागज	नागरी
२९०४	१३९६/८९९	स्नानविधि	कात्यायन	—	देसी कागज	नागरी
२९०५	१६९१ १४१०९४.५	स्नानविधि	कात्यायन	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२९०६	३४६२/१८४६	स्नानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२९०७	३८२७.१/१९४९.१	स्नानविधि सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×१०	२७	८	२०	पूर्ण/१३५	—	—
१३×१०	१९	८	१५	पूर्ण/७१	१८५० वि० (श्रावण शु० प०)	—
१३×२३	४	२०	१६	पूर्ण/४०	—	—
१४ ५ १०	५	१६	२४	पूर्ण/६०	—	—
१६ ३×१० ६	१२	७	१९	पूर्ण/५०	—	—
१७×१२ ५	२०	१६	२८	अपूर्ण/२८०	—	—
१८ ५×११ ६	९	१२	३२	अपूर्ण/१०८	—	—
१९ ७×१०	९	८	२६	अपूर्ण/५९	—	—
२७ ६×११ ८	२८	९	३८	पूर्ण/२९९	—	—
२७×११	५	६	३२	पूर्ण/३०	—	—
२७ ७×११ ५	७	८	३५	अपूर्ण/६१	—	सटीक
१३×१०.५	१७	७	१०	पूर्ण/३७	—	—
१५×९ ५	८	७	१६	पूर्ण/२८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थसं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९०८	३८३८ १/१९५८.१	स्वच्छन्दपद्धति	चिदानन्दनाथ	—	देसी कागज	नागरी
२९०९	६५७९/३६३०	स्वप्नवाराही	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१०	५५५/५६५/५११	स्वस्तिवाचक (न)	—	—	देसी कागज	नागरी
२९११	५०५/४९६/४५७	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१२	५८५/५९६/५३९	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१३	८१५/८३१	स्वस्तिवाचन	रामनारायण	—	देसी कागज	नागरी
२९१४	१२४९/८६२	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१५	३२८२/१६५५	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१६	३६१९/१८६० १	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१७	३६३५/१८६४ १	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१८	३८१०.१/१९३९ १	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१९	६९०५/३८९९	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२०	२४७६/१४३९	हनुमत्द्वादशाक्षरमन्त्र जपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पू०स०	पक्ति प्र०पू०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०.३×९ ३	३९	७	२९	अपूर्ण/२४७	—	खण्डित
१५×१०.५	५	११	१०	पूर्ण/१४	—	—
२७×१२	१२	१०	२६	पूर्ण/६०	१८३५ वि०	—
२६×१३	८	११	३२	पूर्ण/८८	—	—
१५ ५×११ ५	१७	९	१६	पूर्ण/७७	—	—
१७.५×११ ५	३९	५	१२	पूर्ण/७३	—	—
२७×१५	१०	१०	२८	पूर्ण/८७५	—	—
१२×१४	१८	१३	१२	अपूर्ण/८८	—	—
२२×१० ५	७	८	४०	अपूर्ण/७०	—	—
१७ ५×१२ ५	२१	९	१७	पूर्ण/१००.५	१८७६ वि०	—
२२ ३×१४ २	१७	८	१४	अपूर्ण/५९	—	—
१४×११	८	११	१०	पूर्ण/२७	—	—
१७.२×१३ ४	५	९	२०	पूर्ण/२८	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९२१	३९७२/१९२८	हनुमत्पूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२२	७३४९/४१६१	हनुमद्दीपदान	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२३	१०७१ १/८०५	हेमाद्रिप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२४	२४४९/१४३३	हेमाद्रिप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२५	२५५९/१४५६	हेमाद्रिप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२६	२४५/२३४	होमपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२७	२५९/२४५	होमविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२८	४४४/४३५(१)४०३	होमविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१३	८	९	१८	पूर्ण/३६	१८८७ वि०	—
१६.४×१०	१२	८	२०	अपूर्ण/६०	—	—
२५×१४	६	११	२८	पूर्ण/५८	—	—
२९×१४	६	१२	४४	पूर्ण/	—	—
२६.५×११.५	९	७	२९	अपूर्ण/५७	—	—
२५×१०.५	२९	१०	३४	अपूर्ण/३३९	१८७५ वि० (१७३० शक)	—
१२×९	३	६	१२	अपूर्ण/७	—	—
१५ १/२×१० १/२	५२	७	१६	पूर्ण/१८२	—	—

ग्रन्थनामानुक्रमणिका

अक्षय नवमी माहात्म्य—१५८	अनन्त व्रत कथा तथा पूजन—३७४
अक्षय नवमी विधि—३७२	अनन्त व्रत पूजा विधि—३७४
अक्षय नवमी व्रत कथा—१८६	अनशन विधि—३७४
अक्षय नवमी व्रत कथा विधि—३७२	अनुक्रमणिका—२
अगस्त्य कथा—१८६	अनुस्मृति—२१२, २१४
अगस्त्य ऋषि कथा—१८६	अनुस्मृति स्तोत्र—२१२
अगस्त्य जन्मार्थ विधान—३७२	अन्तःकरण प्रबोध—१६
अगस्त्यर्घदान विधि—३७२	अन्त्येष्टि निर्णय—३७४
अगस्त्यर्घ व्रत कथा—१८६	अन्त्येष्टि पद्धति—३७४
अगस्त्य व्रत कथा—१८६	अन्त्येष्टि विधि—३७४
अग्नि पुराण—७४	अन्नकूट माहात्म्य—१५८
अग्नि पुराण सूची—७४	अन्नपूर्णा कथा—१८८
अग्निहोत्र विधि—३७२	अन्नपूर्णा कवच—११८
अग्न्युत्तार—२१२, ३७२	अन्नपूर्णा पटल—१५०
अङ्गन्यास—३७२	अन्नपूर्णा मन्त्र नाम सहस्र स्तोत्र—२१४
अङ्गन्यास विधि—३७२	अन्नपूर्णा स्तोत्र—२१४
अचला सप्तमी व्रत कथा—१८६	अन्नपूर्णेश्वरी पूजा पद्धति—३७४
अचिन्त्य कौमुदी—१४	अन्नपूर्णेश्वरी स्तवराज स्तोत्र—२१४
अच्युताष्टक—९८	अन्वष्टका श्राद्ध पद्धति—३७४
अजपा गायत्री विधि—३७२	अपराजिता स्तोत्र—२१४
अज्ञान ध्वान्त दीपिका (प्रथम तथा सप्तम प्रकाश)—१४	अपराध क्षमापन स्तोत्र—२१६
अज्ञान बोधनी—१४	अपराध क्षमा स्तोत्र—२१४
अज्ञान विमोचन स्तोत्र—२१२	अपराध निरसन स्तोत्र—२१४
अथर्वण माहात्म्य—१५८	अपराध भञ्जन स्तोत्र—२१६
अथर्वण रहस्य स्तोत्र—२१२	अपराध समापन स्तोत्र—२१६
अदुःख नवमी व्रत—३७२	अपराध सुन्दर स्तोत्र—२१६
अद्वैत चिन्ता कौस्तुभ (टीका)—१४, १६	अपराध स्तोत्र—२१६
अद्वैत दीपिका—१६	अपरान्नत—३७४
अद्वैत विवेक (द्वैत पद योजना-सटीक)—१६	अपरोक्षानुभव (सटीक)—१६
अधिक मास—३७२	अपरोक्षानुभूति—१६
अधिक मास माहात्म्य—१५८	अपरोक्षानुभूति (सटीक)—१६
अध्यात्म दीपिका—१६	अपामार्जन स्तोत्र—२१६, २१८
अध्यात्म स्तोत्र—२१२	अभिलाषाष्टक स्तोत्र—२१८
अनन्त चतुर्दशी व्रत कथा, पाली तथा कदली व्रत—१८६	अभिषेकानुक्रमणिका—३७४
अनन्त देव कथा—१८६	अम्बिका पञ्चरत्न—२१२
अनन्त पूजन एव व्रत कथा—१८८	अयोध्या माहात्म्य—१५८
अनन्त पूजा—३७२	अर्गला स्तुति—२१८
अनन्त व्रत कथा—१८८	अर्गला स्तोत्र—२१८
	अर्चन विधि—३७४

अर्जुन कवच—११८
 अर्जुन गीता—४८
 अर्जुन जयकारी मन्त्र विधि—३७६
 अर्थ सग्रह—१६
 अल्लोपनिषद्—४८
 अवधूत गीता—४८
 अशौच सम्प्रवृत्ति—३७६
 अष्टपदी—२१८
 अष्टश्राद्ध—३७६
 अष्ट सौभाग्य व्रत कथा—१८८
 अष्ट स्नान—३७६
 अष्टाध्यायी मन्त्र—३७६
 अष्टाभिधान पूजा—३७६
 अष्टावक्र ग्रन्थावली—१६
 अष्टावक्र दीपिका टीका—१६
 आगमोक्त तर्पण—३७६
 आगमोक्त तर्पण विधि—३७६
 आग्रयण प्रयोग—३७६
 आचार विधि—३७६
 आचार शिरोभूषण—३७६
 आचार्य नामावली—२१८
 आत्मपूजा—१८, ३७६
 आत्मबोध—१८
 आत्मबोध (सटीक)—१८
 आत्मबोधोपनिषद्—४८
 आदित्य माहात्म्य—१५८
 आदित्यवार व्रत उद्यापन विधि—३७८
 आदित्य हृदय स्तोत्र—२१८, २२०, २२२
 आनन्द लहरी—२२२
 आनन्दार्णव माहात्म्य—१५८
 आपदुद्धार कवच—११८
 आपदुद्धार वटुक भैरव स्तोत्र—२२२
 आपदुद्धार स्तोत्र—२२२
 आम्नाय पद्धति—३७८
 आम्नाय स्तोत्र—२२२, २२४
 (आरण्यक ग्रन्थ)—२
 आर्या—२२४
 आर्या द्वादश—२२४
 आर्या द्वादशक—२२४
 आर्या द्वितीया—२२४
 आर्या सप्तक—२२४
 आर्या स्तोत्र—२२४
 आश्लेषा शान्ति—३७८
 आश्वलायन गृह्य कर्म—३७८
 आश्वलायन गृह्यसार प्रयोग—३७८
 आश्वलायन गृह्य सूत्र—३७८

आश्वलायन श्रौत सूत्र—३७८
 आपाढ कृष्ण योगिनी व्रत—१९०
 आपाढ शुक्ल एकादशी व्रत—१९०
 आह्निक—३७८
 आह्निक चन्द्रिका—३७८
 आह्निक लोथ—३७८
 इतिहास समुच्चय—७४
 इन्दिरा व्रत माहात्म्य—१५८
 इन्द्राक्षी स्तुति—२२४
 इन्द्राक्षी स्तोत्र—२२४
 ईशावास्योपनिषद्—४८
 ईशोपनिषद्—४८
 उग्रतारा स्तोत्र—२२६
 उच्चोष्ट माहात्म्य—१५८
 उच्छिष्ट गणपति यन्त्र पूजन—३७८
 उच्छिष्ट गणेश कवच—११८
 उच्छिष्ट गणेश पटल—१५०
 उच्छिष्ट गणेश पूजन पद्धति—३८०
 उच्छिष्ट गणेश मन्त्र—३८०
 उच्छिष्ट गणेश सहस्रनाम—२२६
 उच्छिष्ट चाण्डाली मन्त्र—३८०
 उच्छिष्ट चाण्डाली विधान—३८०
 उत्तर ज्ञानार्णव—३८०
 उत्सर्ग पद्धति—३८०
 उत्सर्जन उपाकर्म विधि—३८०
 उत्सर्जनोपाकरण कर्म—३८०
 उत्सर्जनोपाकर्म प्रयोग—३८०
 उत्सव निर्णय—३८०
 उदक शान्ति—३८०
 उपदेशसाहस्री (सटीक)—१८
 उपनयन प्रकरण—३८२
 उपनयन विधि—३८२
 उपनिषत्सग्रह—५०
 उपश्रुति लक्षण—३८२
 उपस्थापन सहस्राक्षरी—२२६
 उपाकर्म प्रयोग—३८२
 उपाकर्म विधि—३८२
 उपाकर्म शान्ति—३८२
 उपाङ्गललिता पूजा—३८२
 उपाङ्गललिता व्रत विधि—३८२
 ऊर्ध्वपुण्ड्र स्तोत्र—२२६
 ऋग्वेद संहिता—२
 ऋणमोचन गणपति स्तोत्र—२२६
 ऋणहर गणपति स्तोत्र—२२६
 ऋणहर स्तोत्र—२२६
 ऋतु काल विधान—३८२

ऋषिछन्द देवता न्यास-३८२
 ऋषिपञ्चमी व्रत कथा-१९०
 ऋषि पञ्चमी व्रत पूजन-३८२
 एकदण्डी सन्यासविधि-३८४
 एकमुखी हनुमत्कवच-११८
 एकवस्त्र स्नान विधि-३८४
 एकश्लोकी भागवत-७४
 एकश्लोकी विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र-२२६
 एकादश पात्र वन्दन-३८४
 एकादश भक्तिवर्द्धिनी-२२६
 एकादशी माहात्म्य-१५८, १६०, १६२
 एकादशी व्रत कथा-१९०, १९२
 एकादशी व्रत माहात्म्य-१६२
 एकादशी व्रतोद्यापन-३८४
 एकादशी व्रतोद्यापन पद्धति-३८४
 एकीभाव स्तोत्र-२२६
 एकोद्दिष्ट श्राद्ध प्रयोग-३८४
 एवकारवाद-१८
 ऐतरेय ब्राह्मण-२
 ऐतरेय ब्राह्मण संहिता-२
 ऐतरेयोपनिषद्-५०
 ऐन्द्राक्षी स्तोत्र-२२६
 ककारात्मक सहस्रनाम स्तोत्र-२२८
 कठोपनिषद्-५०
 कणमान्तर-३८४
 कनकधारा लक्ष्मी स्तोत्र-२२८
 कनकधारा स्तोत्र-२२८
 कपिल गीत-२२८
 कपूर स्तवराज-२२८
 करन्यासादि विधि-३८४
 करुणामृत-२२८
 करुणाष्टक-९८
 कर्पूर स्तोत्र-२२८
 (कर्मकाण्ड ग्रन्थ)-३८४
 कर्म पद्धति-३८४
 कर्मप्रकृति विवरण-१८
 कर्म विपाक-३८४, ३८६
 कलङ्काष्टक-९८
 कलश नवग्रह पूजन-३८६
 कलशपाटी-३८६
 कलशस्थापन-३८६
 कलिकुण्ड पूजा-३८६
 कल्कि पुराण-७४
 कल्याण स्तव-२२८
 कल्याणी स्तोत्र-२२८
 कात्यायन गृह्य परिशिष्ट-३८६

कार्तवीर्य कथा-१९२
 कार्तवीर्य कल्प-२३०
 कार्तवीर्य पञ्जर-२३०
 कार्तवीर्य माहात्म्य-१६२
 कार्तवीर्यार्जुन कवच-११८
 कार्तवीर्यार्जुन पटल-१५०
 कार्तवीर्यार्जुन पूजा पद्धति-३८६
 कार्तवीर्यार्जुन सहस्रनाम-२३०
 कार्तवीर्यार्जुन स्तोत्र-२३०
 कार्तिक एकादशी माहात्म्य-१६२
 कार्तिक एकादशी व्रतकथा-१९२
 कार्तिक माहात्म्य-१६२, १६४, १६६
 कार्तिक व्रत माहात्म्य-१६६
 कार्तिक शुक्ल नवमी कथा-१९२
 कार्तिक शुक्ल पञ्चमी व्रत कथा-१९२
 कार्तिक शुक्ला प्रवोचनी व्रत कथा-१९४
 कामरूप स्तोत्र-२२८
 कामाक्षी स्तुति शतक-२३०
 कामेश्वर स्तोत्र-२३०
 कारिका-३८६
 कारिकावली-१८
 कालभैरवाष्टक-९८
 कालाग्नि रुद्रोपनिषद्-५०
 कालिका कवच-११८, १२०
 कालिका चतु श्लोकी-२३०
 कालिका पटल-१५०
 कालिका पद्धति-२३०
 कालिका पुराण-७४
 कालिका पूजन-३८६
 कालिका पूजन विधि-३८६
 कालिकाष्टक-९८
 कालिका सहस्रनाम-२३०
 कालिका स्तोत्र-२३०, २३२
 कालिकोपनिषद्-५०
 कालिञ्जर माहात्म्य-१६६
 काली कवच-१२०
 काली त्रैलोक्य मोहन मन्त्र-२३२
 काली पटल-१५०
 काली पूजा पद्धति-३८६
 काली भुजङ्गप्रयात स्तोत्र-२३२
 काली मन्त्र-३८८
 काली सहस्राक्षरी-२३२
 काली स्तोत्र-२३२
 काल्यष्टोत्तर शतनाम स्तुति-२३२
 काशी दर्पण-३८८

काशी माहात्म्य-१६६
 काशी विश्वनाथ स्तोत्र-२३२
 कीलक स्तोत्र-२३२
 कुङ्कुमादिन्यास-३८८
 कुण्डमण्डप सिद्धि-३८८
 कुण्ड शिरोमणि-३८८
 कुण्ड सिद्धि-३८८
 कुण्डाकृति-३८८
 कुवेर मन्त्र प्रयोग-३८८
 कुमारी पूजन-३८८
 कुश माहात्म्य-१६६
 कूष्माण्ड होत्र-३८८
 कूष्माण्ड होम प्रयोग-३८८
 कृत्य प्रदीप-३९०
 कृष्ण आरती-२३४
 कृष्ण चतुर्दशी सङ्कटहर व्रत कथा -१९४
 कृष्ण तापिनी-१८
 कृष्ण त्रिविध लीला-२३४
 कृष्ण नामावली-२३४
 कृष्ण प्रेमामृत-२३४
 कृष्ण रावाष्टक-९८
 कृष्ण शरणाष्टक-९८
 कृष्ण सहस्रनाम-२३४
 कृष्ण सेवा-२३४
 कृष्ण स्तुति-२३४
 कृष्ण स्तुति ग्रन्थ-२३४
 कृष्ण स्तोत्र-२३४
 कृष्णाश्रय स्तोत्र-२३४
 कृष्णाष्टोत्तर शतनाम स्तोत्र-२३४
 केदार सहस्रनाम स्तोत्र-२३६
 केनोपनिषद्-५०
 केशवाष्टक-९८
 कैवल्यकादशी व्रत कथा-१९४
 कोकिला माहात्म्य-१६६
 कोकिला व्रत कथा-१९४
 कोकिला व्रत पूजन-३९०
 कौलोपनिषद् भाष्य-५०
 क्षत्रिय गोत्र-७४
 क्षमापोडगी स्तोत्र-२३६
 क्षिप्र प्रसादन गणेश मन्त्र-२३६
 क्षेत्रपाल स्तुति-२३६
 क्षेत्रपाल स्तोत्र-२३६
 गङ्गा नामावली-२३६
 गङ्गा पुष्पाञ्जलि-२३६
 गङ्गा माहात्म्य-१६६
 गङ्गा लहरी-२३६, २३८

गङ्गाष्टक-९८, १००
 गङ्गाष्टोत्तर शतनाम-२३८
 गङ्गा सहस्रनाम स्तोत्र-२३८
 गङ्गा स्तोत्र-२३८
 गङ्गातोत्सव विधि-३९०
 गजेन्द्र मोक्ष स्तोत्र-२३८, २४०
 गणपति कवच-१२०
 गणपति द्वादश नाम स्तोत्र-२४०
 गणपति पार्थिव पूजा-३९०
 गणपति पूजन-३९०
 गणपति पूजा-३९०
 गणपति व्यथावध मोचन कवच -१२०
 गणपति स्तोत्र-२४०
 गणेश कवच-१२०
 गणेश चतुर्थी पूजन-३९०
 गणेश तापिनी-५०
 गणेश पूजन-३९०
 गणेश पूजन पद्धति-३९०
 गणेश पूजा स्तव-२४०
 गणेश प्रतिपत्कथा-१९४
 गणेश प्रतिपदान्नत कथा-१९४
 गणेश भुजङ्ग स्तोत्र-२४०
 गणेश मन्त्र स्तोत्र-२४२
 गणेश मानसी पूजा-३९०
 गणेश रक्षाकर स्तोत्र-२४२
 गणेश सहस्रनाम स्तोत्र-२४२
 गणेश स्तवराज-२४२
 गणेश स्तोत्र-२४२
 गणेशाष्टक-१००, १०२
 गणेश्वर स्तोत्र-२४२
 गन्धर्वराज प्रयोग-३९०
 गन्धाष्टक-१०२
 गया पटल-१५०
 गया माहात्म्य-१६८
 गरुड पुराण-७४, ७६
 गर्ग संहिता (सप्तम अध्याय)-२
 गर्ग संहिता (एकादश अध्याय)-२
 गर्ग संहिता (द्वारिका खण्ड)-२
 गर्भ पात्र-२४४
 गर्भषडार चक्र-२४४
 गायत्री अर्चन विधि-३९२
 गायत्री कवच-१२०, १२२
 गायत्री तर्पण-३९२
 गायत्री पञ्चाङ्ग पूजन-३९२
 गायत्री पटल-१५०
 गायत्री पुरश्चरण विधि-३९२

गायत्री पूजन पद्धति-३९२
गायत्री भाष्य-२, ३९२
गायत्री भाष्य वार्तिक-३९२
गायत्री मन्त्र-२ ३९२
गायत्री वर्ण स्तोत्र-२४४
गायत्री विधि-३९२
गायत्री व्याख्या-३९२
गायत्री मह्यनाम स्तोत्र-२४४
गायत्री मन्त्रराज-२४४
गायत्री स्तोत्र-२४४
गायत्री हृदय-२४४
गायत्री हृदय स्तोत्र-२४४
गायत्री गण्ड मह्यनाम-३९४
गायत्री गण्ड मह्यनाम स्तोत्र-२४४
गिरिवरगण्ड-१०२
गीत स्तोत्र-२४४
गीता गृह्य दीपिका-५०
गीता भाष्य-५०
गीता माहात्म्य-१९८
गीतागार-५२
गीतागार स्तोत्र-२४४
गुरु कवच-१००
गुरु गीता-५०
गुरुगीतागार-५०
गुरु गीता स्तोत्र-२४४
गुरुग्रीवि-३९४
गुरु ग्रीवामर्ति स्तोत्र-२४४
गुरु पूजन-३९४
गुरु मन्त्रराज स्तोत्र-२४४
गुरु स्तोत्र-२४४
गुरुगण्ड-१०२
गुरु गृह्य-३९४
गुरु गृह्य भाष्य-३०४
गोकुलगण्ड-१००
गोकुलगण्ड-३९४
गोकुलेज नामानि-२४४
गोत्रिरात्रिगत कथा-१९४, १९६
गोत्रिरात्रि व्रतग्राहण-१९४, ३९४
गोदान प्रयोग-३९४
गोदान विधि-३९४
गोपय ब्राह्मण (उत्तरार्द्ध)-२
गोप स्तुति-२४४
गोपाल कवच-१२२
गोपाल चण्डामणि स्तवराज स्तोत्र-२४४
गोपाल पटल-१५०
गोपाल सह्यनाम स्तोत्र-२४४, २४८

गोपाल स्तोत्र-२४८
गोपालाष्टक-१०२
गोपी गीत-२४८
गोपीजन वल्लभाष्टक-१०२, १०४
गोपूजन विधि-३९४, ३९६
गोवत्स द्वादशी व्रत कथा-१९६
गोवर्धन पूजा-३९६
गोविन्द दामोदर स्तोत्र-२४८
गोविन्द स्तोत्र-२४८
गोविन्दाष्टक-१०४
गो गनुति-२५०
गो पूजा पद्धति-३९६
गौरिकालि त्रैलोक्य मोहन कवच-१२२
ग्रह गायत्री-३९६
ग्रह शान्ति-३९६
ग्रह शान्ति पद्धति-३९६
ग्रह स्नानोपध-३९६
घृतदान विधि-३९६
चक्रेश्वरी अष्टक-१०४
चक्रेश्वरी देवी स्तोत्र-२५०
चण्डी कवच-१२२
चण्डी कर्चन दीपिका-३९६
चण्डी पाठ क्रम-३९६
चण्डी पाठ फल-३९८
चण्डी स्तोत्र विधि व्याख्यान-२५०
चतुर्मास-३९८
चतुर्मास्य प्रयोग-३९८
चतुर्मास्य होत्र-३९८
चतुर्विंशति गायत्री-३९८
चतुर्विंशति गायत्री स्तोत्र-२५०
चतु श्लोकी-२५०
चतु श्लोकी (कालिका) स्तव-२५०
चतु श्लोकी भागवत-७६, ७८
चतु पण्डि योगिनी नाम स्तोत्र-२५०
चतु पण्डि योगिनी स्तुति-२५०
चरण व्यह-२, ४
चरण व्यह (परिशिष्ट)-४
चर्मरावत्यष्टक-१०४
चाटुष्पाञ्जलि स्तोत्र-२५०
चान्द्रीय एकादशी माहात्म्य-१६८
चामुण्डा स्तोत्र-२५०
चित्रगुप्त वशावली-७८
चिन्तामणि मन्त्र साधन-३९८
चीवीस गायत्री-३९८
चौर्य लीला-२५२
छान्दोग्योपनिषद्-५२

छिन्नमस्ता कवच—१२२
जगदम्बा स्तोत्र—२५२
जगन्नाथ स्तोत्र—२५२
जगन्नाथाष्टक—१०४
ज (न) न्यष्टक—१०४
जन्म दिवस कृत्य—३९८
जन्मवैफल्य निरूपणाष्टक—१०६
जन्माष्टमी पूजन—३९८
जन्माष्टमी व्रत कथा—१९६
जप प्रकार—३९८
जप विधि—३९८
जम्बूमार्ग माहात्म्य—१६८
जया पार्वती व्रत कथा—१९६
जलदाख्यान स्तोत्र—२५२
जलभेद—१८
जलभेद स्तोत्र—२५२
जलाशयारामादि प्रतिष्ठा पद्धति—३९८
जागदीगी टीका—२०
जानकी देवी स्तोत्र—२५२
जानकी नवमी व्रत माहात्म्य—१६८
जाप विधि—४००
जिनमङ्गलाष्टक—१०६
जीवत्यितुककर्तव्य सञ्चय—४००
जीवमुक्ति विवेक—२०
जुगुल स्तोत्र—२५२
जैत्र पताका यत्र विधि—४००
ज्ञान गीता—५२
ज्ञान प्रबोध मञ्जरी—२०
ज्येष्ठा शान्ति विधि—४००
ज्वर गायत्री तर्पण—४००
ज्वर गायत्री मन्त्र विधि—४००
ज्वालामुखी स्तोत्र—२५२
तत्त्वदीप—२०
तत्त्व निरूपण—२०
तत्त्वबोध—२०
तत्त्वबोध विधि—२०
तत्त्व विवेक (तत्त्वबोध)—२०
तत्त्व विवेक दीपिका—२०
तत्त्वानन्द तरङ्गिणी—२०
तत्त्वाराद्रान्त—२०
तर्क परिभाषा टीका—२०
तर्क प्रकाश—२०
तर्क भाषा—२२
तर्क भाषा (मटीक)—२२
तर्क सग्रह—२२
तर्क सग्रह (मटीक)—२२

तर्क सग्रह दीपिका (टीका मात्र)—२२
तर्क सग्रह दीपिका (टीका)—२२, २४
तर्क सग्रह दीपिका—२४
तर्क सग्रह न्यायबोधिनी (टीका)—२४
तर्कामृत—२४
तर्कामृत तरङ्गिणी—२४
तर्पण पद्धति—४००
तर्पण विधि—४००, ४०२
तलवकारोपनिषद्—५२
तान्त्रिक सन्ध्या विधि—४०२
तारा सहस्रनाम स्तोत्र—२५२
तारा स्तोत्र—२५२
तीर्थ गोघन विधान—४०२
तीर्थ श्राद्ध प्रयोग—४०२
तुलसी माला धारण निर्णय—४०२
तुलसी माहात्म्य—१६८
तुलसी स्तोत्र—२५४
त्रिकाण्ड मण्डन—४०२
त्रिकाल सन्ध्या—४०४
त्रिकाल सन्ध्या प्रयोग—४०४
त्रिकाल सन्ध्या विधान—४०४
त्रिकाल सन्ध्या विधि—४०४
त्रिकूट रहस्य—१८०
त्रिपादक्ष शान्ति—४०४
त्रिपुर कवच—१२४
त्रिपुर बाला कवच—१२४
त्रिपुर बाला त्रिमूर्ति कवच—१२४
त्रिपुर बाला पटल—१५०
त्रिपुर मूर्ति कवच—१२४
त्रिपुर सर्वसौभाग्य कवच—१२४
त्रिपुर सुन्दरी कवच—१२४
त्रिपुर सुन्दरी जगन्निन्तामणि कवच—१२४
त्रिपुर सुन्दरी पटल—१५०, १५२
त्रिपुर सुन्दरी पटल (श्री पटल)—१५२
त्रिपुर सुन्दरी पूजन विधि—४०६
त्रिपुर सुन्दरी महिम्न स्तोत्र—२५४
त्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम स्तोत्र—२५४
त्रिपुर सुन्दरी सौभाग्य कवच—१२४
त्रिपुर सुन्दरी स्तोत्र—२५४, २५६
त्रिपुर सुन्दरी यजन पद्धति—४०६
त्रिपुर सुन्दर्याष्टक—१०६
त्रिपुर सौभाग्य कवच—१२४
त्रिपुर स्तोत्र—२५६
त्रिपुरा तापिनी—२५६
त्रिपुरा पूजा पद्धति—४०६
त्रिपुरा बाला स्तोत्र—२५६

त्रिपुरार्चन पद्धति—४०६
 त्रिपुरार्चन मञ्जरी—४०६
 त्रिपुरा लघु स्तव—२५६
 त्रिपुरा स्तोत्र—२५६, २५८
 त्रिपुरा हृदय—२५८
 त्रिपुरोपनिषद्—५२
 त्रिमुखी हनुमत्कवच—१२४
 त्रिवर्णाक्षर संस्कृत—४०६
 त्रिविव नामावली—२४
 त्रिविव नामावली लोला—२५८
 त्रिविव लोला नामावली—२५८
 त्रिवेण्यष्टक—१०६
 त्रिशङ्कर्म टीका—४०२
 त्रिशङ्कोती—४०२
 त्रैलोक्य विजय अपराजिता स्तोत्र—२५८
 त्रैलोक्य विजय कवच—१२६
 त्रैलोक्य मोहन कवच—१२६
 त्रैलोक्य विजय नाम कवच—१२६
 त्रैत्तिरीयोपनिषद्—५२
 त्वरित रुद्र—२५८
 दक्षस्तप—२५८
 दक्षिणा कालिका कवच—१२६, १२८
 दक्षिणा कालिका त्रैलोक्य मोहन कवच—१२८
 दक्षिणा कालिका पूजन—४०६
 दक्षिणा कालिका महत्त्वनाम—२५८
 दक्षिणा कालिका महत्वाक्षरी—२५८
 दक्षिणा कालिका हृदय—२५८
 दक्षिणा काली अर्चन पद्धति—४०६
 दक्षिणा काली मन्त्र जप विधि—८०८
 दक्षिणा काली महत्त्वनाम—२५८
 दक्षिणा मति भावार्थ विवृति—२४
 दक्षिणा मूर्ति स्तोत्र—२५८, २६०
 दण्डक—४०८
 दत्तात्रेय स्तोत्र—२६०
 दर्शन ग्रन्थ—२४
 दर्शपूर्णमास पञ्च प्रयोग—४०८
 दर्शपूर्णमास प्रयोग—४०८
 दर्शपूर्णमास प्रयोग—४
 दर्शपूर्णमासेष्टि पद्धति—४०८
 दर्शश्राद्ध प्रयोग—४०८
 दशकर्म पद्धति—४०८
 दशगात्र विधि—४१०
 दशमर्म निरूपण—२४
 दश महादान विधि—४१०
 दशहरा स्तोत्र—२६०
 दान उदधि—४१०

दान खण्ड—४१०
 दान चन्द्रिका—४१०
 दान मनोहर—४१०
 दान वाक्य—४१०
 दान वाक्य—४१०
 दारिद्र्य दुःख नाशन स्तोत्र—२६०
 दारिद्र्य विदारण स्तोत्र—२६०
 दारुण सप्तक स्तोत्र—२६०
 दीविनि—२४
 दीपदान प्रयोग पद्धति—४१०
 दीपदान विधि—४१०, ४१२
 दुर्गा आरती—२६०
 दुर्गा कवच—१२८
 दुर्गा देवी रत्नात्र—२६२
 दुर्गा पञ्चरत्न स्तोत्र—२६२
 दुर्गामाला—२६२
 दुर्गा माहात्म्य—१६८
 दुर्गा विधि—४१२
 दुर्गा मप्पगती—३६४, ३६६, ३६८
 दुर्गा मप्पगती पूजन—४१२
 दुर्गा सप्पगती विधान—४१२
 दुर्गा स्तुति—२६२
 दुर्गा रत्नात्र—२६२
 दुर्गोत्सव पद्धति—४१२
 दुष्टप्रसवजनविधि—४१२
 दुष्टो जागविनि—४१२
 देवार्चन पद्धति—४१२
 देवी अपराव क्षमा स्तोत्र—२६२
 देवी कवच—१२८, १३०
 देवी कवच तथा अर्गला स्तोत्र—१३०
 देवी कवचादि स्तोत्र—२६२
 देवी गीता—५२
 देवी जप विधि—४१२
 देवी दीपदान प्रयोग—४१२
 देवी पूजन—४१२, ४१४
 देवी पूजन पद्धति—४१४
 देवी पूजा पद्धति—४१४
 देवी भागवत—७८
 देवी मानस पूजा—२६२
 देवी मानसी पूजा—२६२
 देवी माहात्म्य—१६८, १७०
 देवी रहस्य—१८०
 देवी सूक्त—४
 देवी स्तोत्र—२६२
 देवोत्थानी एकादशी कथा—१९६
 देव्यथर्वशीर्ष—२६२

द्रव्य शुद्धि—४१४
 द्रव्य शोधन—४१४
 द्वात्रिंशदपराध लक्षण निवृत्ति—४१४
 द्वादश मन्त्रोद्धार—२६४
 द्वादश महावाक्य—२६
 द्वादश महावाक्य विचार—२६
 द्वादश महावाक्य विवरण—२४
 द्वादश लिङ्ग स्तोत्र—२६४
 द्वादशश्लोकी स्तोत्र—२६४
 द्वादश स्तोत्र—२६४
 द्वारिका माहात्म्य—१७०
 धनदा कवच—१३०
 धनदा कवच पूजा विधि—४१४
 धनदा पद्धति—४१४
 धनदा सहस्रनाम स्तोत्र—२६४
 धनदा स्तवराज—२६४
 धनदा यक्षिणी पटल—१५२
 धनदा यक्षिणी स्तोत्र—२६४
 धनुर्मास माहात्म्य—१७०
 धातु पूजन विधि—४१४
 नक्षत्र ध्यान पूजन—४१४
 नन्दकुमाराष्टक—१०६
 नन्दयोग आत्मानन्द—२६
 नर्मदाष्टक स्तोत्र—२६४
 नवकण्डिकसूत्र—४१६
 नव करवाली विचार फल—४१६
 नवग्रह आहुति—४१६
 नवग्रह कण्डिका—४१६
 नवग्रह गर्भित स्तोत्र—२६४
 नवग्रह गायत्री—२६४
 नवग्रह जप—४१६
 नवग्रह जप विधि—४१६
 नवग्रह पूजन—४१६
 नवग्रह पूजा—४१६
 नवग्रह मन्त्र—४१६
 नवग्रह विधान—४१६
 नवग्रह शान्ति मन्त्र—४१६
 नवग्रह स्तोत्र—२६४, २६६
 नवरत्न—२६, २६६
 नवरत्नमाला स्तोत्र—२६६
 नवरत्न स्तोत्र—२६६
 नवरात्र पूजन विधि—४१६
 नवरात्रि पूजा विधि—४१८
 नवरात्रि स्थापन विधि—४१८
 नवार्ण मन्त्र स्तोत्र—२६६
 नवार्ण सहस्रनाम स्तोत्र—२६६

नष्टदोरक प्रायश्चित्त—४१८
 नाग बलि विधि—४१८
 नाम रत्न स्तोत्र—२६६
 नामावली स्तुति—२६६
 नारद गीता—५२
 नारायण उपनिषद् टीका—५२
 नारायण कवच—१३२
 नारायण बलि—४१८
 नारायण बलि प्रयोग—४१८
 नारायण वर्म—२६६
 नारायण स्तोत्र—२६८
 नारायण हृदय स्तोत्र—२६८
 नारायणार्थवर्षीर्ष—२६
 निग्रह दारुण सप्तक—२६८
 नित्य कर्म विधि—४१८
 निरालङ्कोपनिषद्—५४
 निरालम्ब श्रुति—२६
 निरोध लक्षण—२६
 निशल्याष्टमी व्रत कथा—१९६
 नीलरुद्रोपनिषद्—५४
 नृपति स्तुति ग्रन्थ—२६८
 नृसिंह कवच—१३२
 नृसिंह चतुर्दशी व्रतकथा—१९६
 नृसिंह वज्ररक्षा स्तोत्र—२६८
 नृसिंह व्रत कथा—१९६
 नृसिंहोत्तरतापिन्युपनिषद्—५४
 नैमित्तिक क्रम—४१८
 नैवेद्य समर्पण स्तोत्र—२६८
 न्याय दर्शन ग्रन्थ—२६
 न्याय दीपावली—२६
 न्याय बोधिनी टीका—२६
 न्याय सिद्धान्त मञ्जरी—२८
 न्याय सूत्र—२८
 पक्षघर्म निरूपण (सटीक)—२८
 पक्ष प्रदोष पूजन विधि—४१८
 पञ्चकोशी यात्रा—४१८
 पञ्चदशाङ्ग यन्त्र विधि—४१८
 पञ्चदशी (सटीक)—२८
 पञ्चदशी (पञ्चकोश-विवेक सटीक)—२८
 पञ्चदशी विधान—४१८
 पञ्चदशी व्याख्या—२८
 पञ्चदशी स्तोत्र—२६८
 पञ्च पञ्चिका पूजन—४१८
 पञ्च पर्व माहात्म्य—४२०
 पञ्चभूत विवेक (सटीक)—२८
 पञ्चमी स्तवराज—२६८

पञ्चमी स्तवराज स्तोत्र--२७०
 पञ्चमुखी हनुमत्कवच--१३२
 पञ्चमुखी हनुमत्कवच स्तोत्र--२७०
 पञ्चमुखी हनुमत् स्तोत्र--२७०
 पञ्चरत्न--२७०
 पञ्चरत्न पवमान सूक्त--४
 पञ्चरत्न स्तोत्र--२७०
 पञ्चशी स्तोत्र--२७०
 पञ्चाक्षरी मदन स्तोत्र--२७०
 पञ्चाक्षरी स्तोत्र--२७०
 पञ्चागुलि मन्त्र विधि--४२०
 पञ्चामृत मन्त्र--४२०
 पञ्चीकरण विवरण टीका (तत्त्व चन्द्रिका)--२८
 पत्री पञ्चक--२८
 पदपाठ--४
 पदार्थ तत्त्व निर्णय--२८
 पद्म पुराण--७८
 पद्म पुष्पाञ्जलि स्तोत्र--२७२
 पद्मानामकादशी माहात्म्य--१७०
 पद्मावती कवच--१३२
 पद्मावती पटल--१५२
 पद्मावती स्तोत्र--२७०, २७२
 परब्रह्म स्तोत्र--२७२
 परमदिव्य सहस्रनाम स्तोत्र--२७२
 परमहंस स्तोत्र--२७२
 पल्लीसरटयो शान्ति--४२०
 पवनपावन तथा भूतगुद्धि--४२०
 पवमान--४२०
 पवित्रारोपण--४२०
 पाखण्ड चपेटिका--२८
 पाण्डव गीता--५४, ५६
 पात्रपूजन--४२०
 पात्र वन्दन--२७२
 पात्रवन्दनप्रशना--४२०
 पादुका पञ्चक--२७२
 पारम्पर गृह्यसूत्र--४२०, ४२२
 पारम्पर गृह्य सूत्र भाष्य--४२२
 पारायण पटल--१५२
 पार्थिव पूजन विधि--४२२
 पार्थिव पूजा पद्धति--४२२
 पार्वण श्राद्ध--४२२
 पार्वण श्राद्ध पद्धति--४२२
 पार्वण श्राद्ध विधि--४२२
 पार्वण श्राद्ध व्याख्या--४२२
 पिण्ड पितृ यज्ञ कारिका--४२२
 पितृ तर्पण--४२४

पितृ तर्पण विधि--४२४
 पितृ षोडशी--४२४
 पीठ पूरक व्रत पूजन--४२४
 पीताम्बर सारिणी--४२४
 पीताम्बर स्तोत्र--२७२
 पीयूष लहरी--२७२
 पुण्याहवाचन--४२४
 पुत्र जन्म यन्त्र--४२४
 पुरश्चरण विधि--४२४
 पुरुष सूक्त--४
 पुरुष सूक्त भाष्य--६
 पुरुषोत्तम सहस्रनाम स्तोत्र--२७२
 पुष्कर माहात्म्य--१७०
 पुष्पाञ्जलि--२७४
 पुष्पाञ्जलि रत्न स्तोत्र--२७४
 पुष्टि गति स्तुति--२७४
 पुष्टि प्रवाह मर्यादा--३०
 पुष्टिमार्ग मन्त्र सग्रह--३०
 पूजन पद्धति--४२४, ४२६
 पूजन विधि--४२६
 पूजारत्न--४२६
 पूजा विधि--४२६
 पूर्णाभिषेक विधि--४२६
 प्रजावर्द्धन स्तोत्र--२७४
 प्रतिज्ञा--३०
 प्रतिमाकरण विधि--४२८
 प्रतिमा विचार--४२८
 प्रतिष्ठा वृहत्सूत्र--२७४
 प्रतिष्ठा मयूरा--४२८
 प्रत्यङ्गिरा कवच--१३२
 प्रत्यङ्गिरा प्रयोग--४२८
 प्रत्यङ्गिरा माला--२७४
 प्रत्यङ्गिरा शान्ति--४२८
 प्रत्यङ्गिरा रत्नराज--२७४
 प्रत्यङ्गिरा स्तोत्र--२७४, २७६
 प्रदोष उन्नायन निर्णय व्रत विधि--४२८
 प्रदोष पद्धति--४२८
 प्रदोष पूजन--४२८
 प्रदोष पूजा पद्धति--४२८
 प्रदोष महिमा वरानि स्तोत्र--२७६
 प्रदोष स्तोत्र--२७६
 प्रबोध एकादशी माहात्म्य--१७०
 प्रयाग माहात्म्य--१७०, १७२
 प्रयोग रत्न--४२८
 प्रवर निर्णयरत्न--४२८
 प्रश्नोत्तर माला--३०

प्रश्नोपनिषद्—५६
 प्राण प्रतिष्ठा—४३०
 प्राणायाम प्रकरण (सटीक)—३०
 प्रात. सन्ध्या—४३०
 प्रात सन्ध्या विधि—४३०
 प्रात. स्नान विधि—४३०
 प्रात स्मरण—४३०
 प्रात स्मरण विधि—४३०
 प्रायश्चित्त—४३०
 प्रायश्चित्त प्रदीप—४३०
 प्रायश्चित्त प्रयोग—४३०
 प्रायश्चित्त माला—४३२
 प्रेमामृत—२७६
 फल द्वितीया माहात्म्य—१७२
 फल द्वितीया व्रत कथा—१९६
 फाल्गुन पूर्णिमा कथा—१९६
 वगलामुखी स्तोत्र—२७६, २७८
 वटुक पद्धति—४३२
 वटुक भैरव आपदुद्धारण पटल—१५२
 वटुक भैरव आमरण पूजन विधि—४५०
 वटुक भैरव कवच—१३२, १३४
 वटुक भैरव दीपदान विधान—४३२
 वटुक भैरव नामाष्ट शतक स्तोत्र—२७८
 वटुक भैरव पटल—१५२
 वटुक भैरव वन्दन—४३२
 वटुक भैरव सहस्रनाम—२७८
 वटुक भैरवस्त—२७८
 वटुक भैरव स्तोत्र—२७८
 वट्टीनाथ स्तोत्र—२७८
 वलदेवाष्टक—१०६
 वलिदानविधि—४३२
 वल्लभाष्टक—१०६
 बहुला व्रत कथा—१९८
 वालवोध—३०
 वाल अष्टोत्तर शतनाम—२८०
 वाला आरती—२८०
 वाला कवच—१३४
 वाला जपविधि—४३२
 वाला त्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम—२८०
 वाला त्रिपुर सुन्दरी स्तोत्र—२८०
 वाला त्रिपुरा सहस्रनाम स्तोत्र—२८०
 वाला त्रिपुरा स्तुति—२८०
 वाला त्रिपुरा स्तोत्र—२८२
 वालाश्याक्षरीकवच—१३६
 वाला पटल—१५२
 वाला पद्धति—४३२

बाला पूजन पद्धति—४३२
 बालार्चन पद्धति—४३२
 वाला सम्पुट स्तोत्र—२८२
 वाला सहस्रनाम स्तोत्र—२८२
 वाला स्तोत्र—२८२
 बाला हृदय स्तोत्र—२८२, २८४
 बिल्वाष्टक—१०६
 बुधाष्टमी व्रत—४३४
 बुधाष्टमी व्रत कथा—१९८
 बृहच्छान्ति स्तोत्र—२८४
 बृहत् शान्ति—४३४
 बृहदारण्यकोपनिषद्—५६
 बृहस्पति मन्त्र अष्टोत्तर सहस्र जप विधि—४३४
 बृहस्पति संहिता—४३४
 बृहस्पति हृदय स्तोत्र—२८४
 बैताल कवच—१३६
 बौधायन श्रौत सूत्र—४३४
 ब्रज मण्डलाष्टक—१०६
 ब्रज सूची पञ्चम—३०
 ब्रह्म कवच—१३६
 ब्रह्म गीता—५६
 ब्रह्म जिज्ञासा—३२
 ब्रह्मज्ञान प्रदीपिका—३२
 ब्रह्मपाराख्य स्तोत्र—२८४
 ब्रह्म यज्ञ—४३४
 ब्रह्म यज्ञ विधि—४३४
 ब्रह्मवैवर्त पुराण—७८
 ब्रह्मसूत्र (ब्रह्म जिज्ञासा)—३२
 ब्रह्मसूत्र टीका—३२
 ब्रह्मसूत्र वृत्ति—३२
 ब्रह्म स्तोत्र—२८४
 ब्रह्म स्तोत्र देवी कवच—१३६
 ब्राह्मण पञ्चिक—६
 ब्राह्मण सप्तक पञ्चिका—६
 भक्ति रत्नावली (सटीक)—३२
 भक्तिरसामृतसिन्धु—३२
 भक्तिलहरी—२८४
 भक्तिवर्द्धिनी—३२, २८४
 भक्तिवर्द्धिनी स्तोत्र—२८४
 भक्तिहेतु—३२
 भक्तिहेतु निर्णय—३२
 भगवत सहस्रनाम—२८४
 भगवत स्तुति समुच्चय सग्रह—२८८
 भगवती पद्म पुष्पाञ्जलि—२८४
 भगवती सहस्रदल—२८४
 भगवद्गीता—५६, ५८, ६०, ६२, ६४, ६६

भगवद्भक्ति रत्नावली (सटीक) — ३२
भगवद्भक्ति रत्नावली — २८४, २८६
भगवन्नामानि — २८६
भज गोविन्द स्तोत्र — २८६
भयहर स्तोत्र — २८६
भरत सावित्री स्तोत्र — २८६
भवानन्द सिद्धान्त टीका — ३२
भवानी अष्टक — १०६
भवानी कवच — १३६
भवानी पञ्चरत्न — २८६
भवानी सहस्रनाम — २८६
भवानी सहस्रनाम स्तवराज स्तोत्र — २८६
भवानी सहस्रनाम स्तोत्र — २८६, २८८
भवानी रत्नवराज — २८८
भवानी स्तुति — २८८
भवानी स्तोत्र — २८८
भवान्यष्टक स्तोत्र — २८८
भविष्य पुराण — ८०
भविष्योत्तर पुराण — ८०
भागवत — ८०, ८२, ८४, ८६, ८८, ९०, ९२
भागवत दीपिका — ८८
भागवत पूजन — ४३४
भागवत भ्रमरगीत — ८८
भागवत माहात्म्य — १७२
भाद्रपद कृष्ण तृतीया व्रत कथा — १९८
भारती स्तोत्र — २८८
भावनाष्टक — १०८
भावनोपनिषद् — ६६
भीष्मदेहोत्सर्ग स्तोत्र — २८८
भीष्म पञ्चक माहात्म्य — १७२
भीष्मराज स्तव — २८८
भीष्म रत्नवराज — २८८, २९०
भीष्म रत्नवराज स्तोत्र — २९०
भुवनेश्वरी पञ्जर स्तोत्र — २९०
भुवनेश्वरी पटल — १५२
भुवनेश्वरी पूजा पद्धति — ४३४
भुवनेश्वरी रहस्य — १८०
भुवनेश्वरी शंताष्टक स्तोत्र — २९०
भुवनेश्वरी सहस्रनाम स्तोत्र — २९०
भुवनेश्वरी स्तोत्र — २९०
भुवनेश्वरी हृदय स्तोत्र — २९०
भूतशुद्धि — ४३४, ४३६
भूतशुद्धि प्राण प्रतिष्ठा — ४३६
भैरव अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्र — २९०
भैरव कवच — १३६, १३८
भैरव क्षेत्रपाल स्तोत्र — २९२

भैरव पूजन — ४३६
भैरव स्तवन — २९२
भैरव स्तोत्र — २९२
भैरव हवन पूजन विधि — ४३६
भैरवाष्टक — १०८
भैरवी स्तव — २९२
भोजन विधि — ४३६
भीम कथा — १९८
भीम पूजा — ४३६
भीम व्रत — ४३६
भीम स्तोत्र — २८८
मङ्गल स्तोत्र — २९२
मङ्गलाष्टक — १०८
मङ्गलाष्टक स्तोत्र — २९२
मङ्गला स्तोत्र — २९४
मणिकणिका स्तोत्र — २९४
मत्स्य पुराण — ९०
मथुरा माहात्म्य — १७२
मथुराष्टक — १०८
मधुपर्क — ४३८
मधुराष्टक — १०८, ११०
मध्याह्न मन्थ्या — ४३८
मध्याह्न स्नान विधि — ४३८
मन्त्र (पाठ) — ६
मन्त्र पारायण — ४३८
मन्त्र पूजा रहस्य — १८०
मन्त्र विग्रह कवच — १३८
मन्त्र विभाग — ६
मन्त्र शाकल्य — ४३८
मन्त्र स्नान — ४३८
मन्त्रावबोध — ६
मन्थान भैरवागम — ४३८
मन्यु सूक्त — ६
मयूख पद्धति — ४३८
मयूराष्टक — ११०
मल्लारी सहस्रनाम स्तोत्र — २९४
महाकाल कवच — १३८
महाकाल शनि मृत्युञ्जय स्तोत्र — २९४
महाकाली सूक्त — २९४
महाकाल्यष्टोत्तर शतनामावलि — २९४
महागणपति गकारादि सहस्रनाम — २९४
महागणपति चतु शत चतुरावृत्ति तर्पण — ४३८
महागणपति पूजा पद्धति — ४३८
महागणपति सहस्रनाम — २९४
महागणपति स्तोत्र — २९४
महात्रिपुरसुन्दरी षोडशी कवच — १३८

महात्रिपुरसुन्दरी सिद्ध सौभाग्य कवच—१३८
 महादान विधि—४३८
 महादेविस्तवराज स्तोत्र—२९४
 महादेवी स्तोत्र—२९४
 महानारायण स्तोत्र—२९४
 महामन्त्र मृत्युञ्जय विधि—४३८
 महामृत्युञ्जय जप—४४०
 महामृत्युञ्जय जप विधि—४४०
 महामृत्युञ्जय मन्त्र—४४०
 महामाया मन्त्र विधि—४३८
 महारुद्र हवन—४४०
 महालक्ष्मी माला—२९६
 महालक्ष्मी व्रत कथा—१९८
 महालक्ष्मी व्यङ्कटेश सहस्रनाम स्तोत्र—२९६
 महालक्ष्मी स्तोत्र—२९६
 महालक्ष्मी हृदय स्तोत्र—२९६
 महालक्ष्म्यष्टक—११०
 महालिङ्गार्चन—४४०
 महावाक्य विवेक—३४
 महावाक्य सग्रह—३४
 महिम्न त्रिपुरसुन्दरी स्तवराज—३००
 महिम्न स्तोत्र—२९६, २९८, ३००
 महोग्र तारिक दण्डक—३००
 माय कृष्ण चतुर्थी व्रत कथा—१९८
 माय माहात्म्य—१७२, १७४
 माण्डूक्योपनिषद्—६६
 मातृकान्यास मन्त्र—४४०
 मातृका पूजन—४४०
 मातृका मन्त्र—३००
 मातृका रक्षायण—४४०
 मातृका स्थापन—४४०
 मातृपूजा विधि—४४०
 मातृ पोडशी—४४२
 मा यन्दिनीय स्नान विधि—४४२
 मानसिक पूजा—४४२
 मानसिक स्नान—४४२
 मानसिस्तोत्र—३००
 मानसोपचार पूजन—४४२
 मायावीज स्तोत्र—३०२
 मार्गशीर्ष माहात्म्य—१७४
 मालिनी मन्त्र—४४२
 (माहात्म्य)—१७४
 मामासा परिभाषा—३४
 मामासा शान्त्र—३४
 मुकुन्द पूजन विधि—४४२
 मक्ताभरण पूजा—४४२

मुक्तिकोपनिषद्—६६
 मुक्ति द्वार स्तोत्र—३०२
 मुक्तिप्रद स्तोत्र—३०२
 मुण्डकोपनिषद्—६६
 मूर्ति रहस्य—१८०
 मूल विचार शान्ति—४४२
 मूल विद्या जप विधि—४४२
 मूल शान्ति—४४२
 मूल शान्ति विधि—४४२
 मृत्युञ्जय मन्त्र—४४४
 मृत्युञ्जय स्तोत्र—३०२
 मृत्युत्सव—३४
 मोहिनी व्रत—१९८
 मौनी एकादशी कथा—१९८
 यक्षिणी पटल—१५२
 यजु संहिता—६
 यज्ञ सिद्धान्त सग्रह—४४४
 यज्ञोपवीत धारण विधि—४४४
 यज्ञोपवीत मन्त्र स्तोत्र—३०२
 यज्ञोपवीत विधि—४४४
 यज्ञोपवीत व्रत—४४४
 यन्त्रराज पूजा—४४४
 यन्त्रोद्धार आरती—३०२
 यमद्वितीया व्रत कथा—२००
 यमद्वितीया व्रतोपाख्यान—२००
 यमराज पूजन—४४४
 यमुनाष्टक—११०
 यमुनाष्टक, गङ्गाष्टक—११२
 यमुनाष्टक स्तोत्र—३०२
 यमुनाष्टपदी—३०२
 यात्रा प्रकरण—४४४
 यामुन स्तोत्र—३०२
 युगलकिशोर सहस्रनाम स्तोत्र—३०२
 योग दर्शन (व्यास भाष्य)—३४
 योग पद्धति—३४
 योगभोग स्तोत्र—३०२
 योगवासिष्ठ (सटीक)—३४
 योगवासिष्ठ सार—३४
 योगवासिष्ठ सार (सटीक)—३४
 योगवासिष्ठ सार विवरण (सटीक)—३४
 योगानुशासन (पान्चजल योग सूत्र)—३४
 योगिनी कवच—१३८
 योगिनी हृदय स्तोत्र—३०४
 योगेश्वरीमाला—३०४
 रघुवर सहस्रनाम स्तोत्र—३०४
 रजोदर्शन शान्ति—४४४, ४४६

रत्नमाला—३६
 रथ सप्तमी पूजा—४४६
 रहस्य त्रय—३०४
 राजराजेश्वरी ध्यान स्तोत्र—३०४
 राजराजेश्वरी रत्नोत्र—३०४
 राधा अष्टोत्तर नाम स्तोत्र—३०४
 राधा कवच—१३८
 राधाकृष्ण स्तोत्र—३०४
 राधानाथ सहस्रनाम—३०४
 राधा सहस्रनाम स्तोत्र—३०४
 राधास्तवराज स्तोत्र—३०४
 राधा स्तोत्र—३०४
 राम अष्टाविंशति नाम—३०६
 राम कवच—१३८
 राम खड्गमाला—३०६
 राम गीता—६६
 रामचन्द्र शत नामस्तव—३०६
 रामचन्द्र स्तवराज—३०६
 रामचन्द्रोत्तर तापवीयोपनिषद्—६६
 राम जन रत्नोत्र—३०६
 राम तापनी—६६
 राम तापनी उपनिषद्—६६
 रामतीर्थ माहात्म्य—१७४
 राम त्रैलोक्य मोहन कवच—१३८
 रामनवमी कथा—२००
 रामनाम अष्टशतकम्—३०६
 रामनाम माहात्म्य—१७४
 राम पटल—१५४
 राम पद्य दशक—३०६
 राम प्रशरित—३०६
 रामवल्लभा स्तोत्र—३१०
 राममहिम्न सरथा रत्नोत्र—३०६
 रामरक्षा कवच—१३८
 रामरक्षा स्तोत्र—३०६, ३०८
 राम सहस्रनाम स्तोत्र—३१०
 राम रत्नवराज—३१०
 राम स्तवराज स्तोत्र—३१०
 राम रत्नोत्र—३१०
 राम हृदय स्तोत्र—३१०
 रामायण विधि—४४६
 रामार्चन नन्दिका—४४६
 रामाष्टक—११२
 रुद्र जाप—३१०, ४४६
 रुद्र जाप्य—६
 रुद्र जाप्य (रुद्राष्टाध्यायी)—६
 रुद्र पाठ—६

रुद्र पूजन—४४६
 रुद्र पूजन मञ्जरी—४४६
 रुद्र प्रश्न—६
 रुद्र माहात्म्य—१७४
 रुद्र विधान—४४६
 रुद्र स्नानार्चन विधि—४४६
 रुद्र स्वाहाकार—४४६
 रुद्र हृदय स्तोत्र—३१२
 रुद्राकाण्डी—४४६
 रुद्राक्ष उपनिषद्—६८
 रुद्राक्ष धारण प्रकार—४४६
 रुद्राध्याय—८
 रुद्राष्टाध्यायी—८
 रुद्री—८
 रेवा सहस्रनाम स्तोत्र—३१२
 लक्ष्मण कवच—१३८
 लक्ष्मी-अष्टक—११२
 लक्ष्मी आरावना कल्प—४४६
 लक्ष्मी कवच—१३८
 लक्ष्मी नृसिंह कवच—१३८, १४०
 लक्ष्मी पञ्जर स्तोत्र—३१२
 लक्ष्मी सूक्त—८, १०, ३१२
 लक्ष्मी सूक्त विधान—४४८
 लक्ष्मीस्तव—३१२
 लक्ष्मी स्तुति—३१२
 लक्ष्मी स्तोत्र—३१२
 लक्ष्मी स्तोत्र कवच—१४०
 लक्ष्मीहृदय स्तोत्र—३१२, ३१४
 लघु शान्ति (सटीक)—४४८
 लघु श्यामला पूजन—४४८
 लघुस्तव—३१४
 लघुस्तवराज स्तोत्र—३१४
 लघुस्तोत्र—३१४
 ललिता देवी पूजा विधि—४४८
 ललिता पद्धति—४४८
 ललिता पूजा—४४८
 ललितार्चन दीपिका—४४८
 ललितार्चन पद्धति—४४८
 ललितार्चन विधि—४४८
 ललिता षष्ठी व्रत कथा—२००
 ललिताष्टोत्तर शतनाम स्तोत्र—३१४
 ललिता सपर्या पद्धति—४४८
 ललिता सपर्या विधि—४४८
 ललिता सहस्रनाम स्तोत्र—३१४
 ललिता हृदय स्तोत्र—३१४
 लिङ्ग पूजा—४४८

लिङ्गस्तव—३१४
 लिङ्गाष्टक—११२
 वक्रतुण्ड कवच—१४०
 वक्रतुण्डाष्टक स्तोत्र—३१४
 वचनफल स्तोत्र—३१४
 वज्र सूचिकोपनिषद्—६८
 वज्र सूची—३६
 वट सावित्री व्रत—४५०
 वट सावित्री व्रत कथा—२००
 वन प्रतिष्ठा विधि—४५०
 वन्दी मोचन—३१४
 वश परम्परा—१०
 वर्षापन कर्म—४५०
 वर्षारिष्ट शान्ति—४५०
 वसन्त पञ्चमी व्रत कथा—२००
 वसिष्ठ मुनि माहात्म्य—१७६
 वसुधारा—३१६
 वहिर्मातृकान्यास—४५०
 वाक्पूजन—४५०
 वाक्यवृत्ति प्रकाशिका—३६
 वाक्यवृत्ति संग्रह—३६
 वाक्य सुधा—३६
 वाक् सूक्त—१०
 वागीश्वरी स्तोत्र—३१६
 वाजसनेय संहिता—१०, १२
 वाजसनेय संहिता (अध्याय ४०) (ईशोपनिषद्)—१२
 वाजसनेय संहिता (दीर्घ पाठ)—१२
 वामन पुराण—१०
 वामन सूक्त—१२
 वायु स्तुति—३१६
 वापिक श्राद्ध प्रयोग—४५०
 वाला त्रिपुर कवच—१४०
 वासिष्ठी—४५०
 वासिष्ठी ग्रहगान्ति विधि—४५०
 वामुदेव भट्टी (य)—४५०
 वासु पद्धति—४५०
 वास्तु गान्ति—४५०
 विग्रह शान्ति—४५२
 विचित्र हनुमान्—३१६
 विजयादशमी शस्त्र पूजन—४५२
 विजयादशम्यादि पूजा—४५२
 विजप्ति—३६
 विजप्ति (हिन्दी अर्थ सहित)—३६
 विट्ठल नामावली—३१६
 विट्ठलाष्टक—११२
 विद्यामानस पूजा—३१६, ४५२

विद्यार्चन पद्धति—४५२
 विद्या पडाम्नाय—३१६
 विद्या सहस्राक्षरी—३१६
 विद्योपास्ति महानिधि—४५२
 विन्ध्य पुराण माहात्म्य—१७६
 विन्ध्य माहात्म्य—१७६
 विन्ध्यापराध प्रायश्चित्त—४५२
 विंशच्चतुर्विंशतिका पूजा—४५२
 विभूति माहात्म्य—१७६
 विभूति स्तोत्र—३१६
 विवाह कर्म—४५२
 विवाह पद्धति—४५२, ४५४
 विवाह प्रकरण—४५४
 विवाह विधि—४५४
 विवेक चूडामणि—३६
 विवेक धैर्याश्रम—३६
 विवेक धैर्याश्रय स्तोत्र—३१६
 विशेषण विशेष्य टीका—३६
 विश्वनाथ स्तोत्र—३१६
 विषापहार स्तोत्र—३१६
 विष्णु अठाईस नाम स्तोत्र—३१८
 विष्णु दिव्य सहस्रनाम—३१८
 विष्णु पञ्जर स्तोत्र—३१८, ३२०
 विष्णु पुराण—१०
 विष्णु पूजन—४५४
 विष्णु पूजन विधि—४५४
 विष्णु व्रत कथा—२००
 विष्णु शतनाम—३२०
 विष्णु शतनाम स्तोत्र—३२०
 विष्णुशयनी एकादशी व्रत—२०२
 विष्णु-शिव पूजन विधि—४५४
 विष्णु सहस्रनाम—३२०, ३२२, ३२४, ३२६, ३२८
 विष्णु सहस्रनाम भाष्य—३२०
 विष्णु सहस्रनाम विधान—३२०
 विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र—३२२, ३२४, ३२६, ३२८
 विष्णु सहस्रनामावलि—३२८
 विष्णु स्तवराज स्तोत्र—३२८
 विष्णु स्तुति—३२८
 विष्णु स्तोत्र—३२८
 विष्णु हृदय स्तोत्र—३२८
 विष्णोरष्टाविंशतिनाम स्तोत्र—३२८
 वीर पूजन विधि—४५४
 वीर स्तुति—३३०
 वीरेश्वर स्तोत्र—३३०
 वेङ्कटेश्वराष्टक—११२
 वेददीप मनोहर (टीका)—१२

(वेद मन्त्र) — १२
 (वेदान्त ग्रन्थ) — ३६
 वेदान्त तत्त्व सार — ३८
 वेदान्त दशश्लोकी — ३८
 वेदान्त रहस्य — ३८
 वेदान्त सार टीका — ३८
 वेदान्त सिद्धान्त — ३८
 वेदोक्त शिवार्चन पद्धति — ४५४
 (वैदिक ग्रन्थ) — १२
 वैदिक मन्त्र — १२
 वैशाख माहात्म्य — १७६
 वैशेषिक शास्त्र — ३८
 वैश्वदेव कर्म — ४५४
 वैश्वदेव होम — ४५४
 वैश्वदेव विधि — ४५४
 वैष्णो देवी पूजन — ४५६
 व्यङ्मूटेश पञ्जर स्तोत्र — ३३०
 व्यतीपात व्रत कथा — २०२
 व्रतार्क — ४५६
 व्रतोपवास माहात्म्य — १७६
 शकारादि शिव सहस्रनाम स्तोत्र — ३३०
 शक्ति कुमारि पूजन — ४५६
 शक्ति पूजन — ४५६
 शक्ति शोधन — ४५६
 शतचण्डी सहस्रचण्डी विधि — ४५६
 शतनाम स्तोत्र — ३३०
 शतरुद्रीय — १२
 शत्रु विध्वंस स्तोत्र — ३३०
 शनिग्रह स्तोत्र — ३३०
 शनि जाप — ४५६
 शनि नाम — ४५६
 शनि स्तोत्र — ३३०, ३३२
 शन्यष्टक — ११२
 शमी पूजन विधि — ४५६
 शरद कथा — २०२
 शरभ कवच — १४०
 शरभ दारुण सप्तक — ३३२
 शरभ सहस्रनाम स्तोत्र — ३३२
 शरभ स्तोत्र — ३३२
 शरमाष्टक — ११२
 शरभेश्वर पक्षिराज मन्त्र — ३३२
 शरभेश्वर सहस्रनाम स्तोत्र — ३३२
 शरभेश्वर स्तोत्र — ३३२
 शान्तिपाठ — ४५६
 शान्ति प्रदोष व्रत विधि — ४५६
 शान्ति प्रारम्भ — ४५८

शान्ति मयूख — ४५८
 शान्ति रत्न — ४५८
 शान्ति सार — ४५८
 शान्ति स्तवन — ३३४
 शान्ति स्तोत्र — ३३४
 शारदा स्तवन — ३३४
 शारदी नवरात्रि पूजा — ४५८
 शारीरिक मीमांसा भाष्य — ३८
 शारीरिक मीमांसा भाष्य (सटीक) — ३८
 शालिग्राम शिला माहात्म्य — १७६
 शालिग्राम स्तोत्र — ३३४
 शास्त्र सिद्धान्त लेश संग्रह — ३८
 शिक्षा चतुष्टय — १२
 शिव आरती — ३३४
 शिव कवच — १४०, १४२
 शिव कवच स्तोत्र — ३३४
 शिव गीता — ६८
 शिव तत्त्व विवेक — ३८
 शिवताण्डव स्तोत्र — ३३४
 शिव नाम माहात्म्य — १७६
 शिव पञ्चरत्न स्तोत्र — ३३४
 शिव पञ्चाक्षर मन्त्र — ४५८
 शिव पञ्चाक्षर स्तोत्र — ३३६
 शिव पञ्चाक्षरी स्तोत्र — ३३६
 शिव पटल — १५४
 शिव पूजन विधि — ४५८
 शिव पूजा विधि — ४५८
 शिव मानस स्तोत्र — ३३६
 शिव मानसी पूजा — ४५८
 शिवरक्षा स्तोत्र — ३३६
 शिव रहस्य — १८०
 शिवरात्रि व्रत — ४६०
 शिवरात्रि व्रत कथा — २०२
 शिव वन्दना — ३३६
 शिव वर्ग कथन स्तोत्र — ३३६
 शिव वर्म कवच — १४२
 शिव शक्त्याष्टक स्तोत्र — ३३६
 शिव सहस्रनाम स्तोत्र — ३३६
 शिव सहस्रनामावली — ३३८
 शिव स्तुति — ३३८
 शिव स्तोत्र — ३३८, ३४०
 शिवादि ध्यान — ३४०
 शिवार्चन चन्द्रिका — ४६०
 शिवार्चन पद्धति — ४६०
 शिवार्चन विधि — ४६०
 शिवावलि — ३४०

शिवाष्टक—११४
 शिवाष्टोत्तर शतनाम—३४०
 शीतला कवच—१४२
 शीतला रहस्य—१८०
 शीतलाष्टक—३४०
 शीतलाष्टक स्तोत्र—३४०
 शीतला सप्तमी व्रत कथा—२०२
 शीतला स्तुति—३४०
 शीतला स्तोत्र—३४०
 शुक्तिमुक्तिज मालिका स्तोत्र—३४०
 शुक्र स्तवन—३४०
 शुद्ध शक्तिमाला—३४०
 शुद्धि विवेक—४६०
 श्मशान कालिका कवच—१४२
 श्मशान काली कवच (देवी ध्यान)—१४२
 श्यामा कवच (दक्षिण कालिका कवच)—१४२
 श्यामा पद्धति—४६०
 श्यामा रहस्य—१८०, १८२
 श्यामा रहस्य नाम स्तव—३४२
 श्यामा रहस्य स्तोत्र—३४२
 श्यामा स्तोत्र—३४२
 श्यामोपनिषद्—६८
 श्राद्ध कर्म—४६०
 श्राद्ध चन्द्रिका—४६०
 श्राद्ध निर्णय—४६०
 श्राद्ध पद्धति—४६०
 श्राद्ध प्रतिक्रमण सूत्र वृत्ति—४६२
 श्राद्ध मयूख—४६२
 श्राद्ध विधि—४६२
 श्राद्ध विवेक—४६२
 श्राद्ध सङ्कल्प—४६४
 श्राद्ध सूत्र—४६४
 श्रावण एकादशी—३८
 श्रावण द्वादशी पूजा—४६४
 श्रावण द्वादशी व्रत कथा—२०२
 श्रावण प्रयोग—४६४
 श्रीकृष्ण कवच—१४२
 श्रीकृष्ण जन्म व्रत कथा—२०२
 श्रीकृष्ण द्वादशाक्षर मन्त्र—४६४
 श्रीकृष्ण रत्न—३४२
 श्रीकृष्ण स्तवराज—३४२
 श्रीगुरुदत्तात्रेय स्तोत्र—३४२
 श्रीचक्र पूजन विधि—४६४
 श्रीनन्दल्लभ नामावली—४०
 श्रीमद्रण्यन्त—३८
 श्रीराम अनुस्मृति—३४२

श्रीराम सहस्रनाम स्तोत्र—३४२
 श्रीविठ्ठलेशोष्टोत्तर शत नामावली—४०
 श्रीसूक्त—१२
 श्रीसूक्त विवृत्ति—१४
 श्रीहरि अष्टाविंश नाम—३४२
 श्रुति—१४
 श्रुति गीता—६८
 श्रुतिपात्र वन्दन—४६४
 षट्चक्र—४०
 षट्पदी—३४२
 षडङ्ग पाठ—४६४
 षडङ्ग रुद्र जाप्य—४६४
 षडङ्ग रुद्रीय—१४
 षष्ठि स्तोत्र—३४२
 षोडश मूल विद्या—३४२
 षोडशोपचार पूजन—४६४
 षोडशोपचार पूजन विधि—४६४
 सङ्कट चतुर्थी व्रत कथा—२०४
 सङ्कट नाशक स्तोत्र—३४४
 सङ्कटा स्तोत्र—३४४
 सङ्कल्प विधि—४६४
 सङ्कष्ट नाशन गणेश व्रत कथा—२०४
 सङ्कष्ट व्रत कथा पूजा—४६६
 सक्रान्ति माहात्म्य—१७६
 सक्षेप दर्पण विधि—४६६
 सक्षेप स्थाली पाक—४६६
 सङ्गम माहात्म्य—१७६
 सत्य दर्शन—४०
 सत्यनारायण पूजन विधि—४६६
 सत्यनारायण पूजा विधि—४६६, ४६८
 सत्यनारायण व्रत कथा—२०४
 सन्ध्या—४६८
 सन्ध्या त्रय पद्धति—४६८
 सन्ध्या पद्धति—४६८
 सन्ध्या प्रयोग—४६८
 सन्ध्या विधि—४६८, ४७०
 सन्यास निर्णय—४०
 सन्यास पद्धति—४६६
 सस्कार पद्धति—४६६
 सस्कार विधि—४६६
 सस्कार वैश्वदेव नामानि—४६६
 सप्तपदार्थी—४०
 सप्तपदी—४७२
 सप्तशतिका पुस्तक पूजन—४७२
 सप्तशतिका स्तोत्र—३४४
 सप्तशती कीलक स्तोत्र एव पूजन—३४४

सप्तशती पाठ विधि—४७२
 सप्तशती पूजन विधि—४७२
 सप्तशती विधान—४७२
 सप्तशती विधि—४७२
 सप्तशती स्तोत्र प्रयोग विधि—३४४
 सप्तशालि होम विधि—४७२
 सप्तश्लोकी—३४४
 सप्तश्लोकी गीता—६८, ७०
 समयाष्टक—११४
 समावर्तन प्रयोग—४७२
 समासवाद—४०
 समुद्धर्त पाटी—४७२
 सम्प्रदाय प्रदीप—४७२
 सम्मोहन कवच—१४२
 सरस्वती कवच—१४२
 सरस्वती द्वादशनामस्तोत्र—३४६
 सरस्वती पटल—१५४
 सरस्वती प्रयोग पटल—१५४
 सरस्वती सहस्रनाम स्तोत्र—३४६
 सरस्वती स्तोत्र—३४४, ३४६, ३४८
 सर्वतोभद्रनामानि—४७२
 सर्वतोभद्र मण्डल पूजन—४७२
 सर्वदेव पूजन विधि—४७४
 सर्वदेव प्रातःस्मरण—३४८
 सर्वमङ्गला पारायण—४७४
 सर्वमन्त्रोत्कीलक स्तोत्र—३४८
 सर्वसारोपनिषद्—७०
 सर्वसिद्धान्त (सटीक)—४०
 सर्वोत्तम स्तोत्र—३४८
 सर्वोपनिषद्—७०
 सवत्सा पूजा विधि—४७४
 सहस्रनाम स्तोत्र—३४८
 साकमेघ—१४
 साख्य तत्त्व कौमुदी (सटीक)—४०
 साख्य सूत्र—४०
 सत्यिकासप्रभाव स्तोत्र—३४४
 सत्यिका स्तुति—३४४
 सत्यिका स्तोत्र—३४४
 साधारण प्रायश्चित्त प्रयोग—४७४
 सामराज पद्धति—१४
 सामवेदोक्त तर्पण विधि—४७४
 साम्ब पञ्चशक्तिका—३४८
 साय सन्ध्या विधि—४७४
 सारस्वत स्तोत्र—३५०
 सिद्धचक्र पूजा विधि—४७४
 सिद्ध चक्राष्ट प्रकारी पूजा—४७४

सिद्धलक्ष्मी स्तोत्र—३५०
 सिद्ध सिद्धान्त पद्धति—४७४
 सिद्धान्त चतुश्लोकी—४२
 सिद्धान्त मुक्तावली—४२
 सिद्धान्त रहस्य—४२
 सिद्धान्त रहस्य स्तोत्र—३५०
 सिद्धान्त विन्दु—४२
 सिद्धि कवच—१४२
 सिद्धि लक्ष्मी स्तोत्र—३५०
 सिद्धि विनायक पूजा—४७४
 सिद्धि विनायक व्रत कथा—२०४
 सिद्धि विनायक व्रतोपाख्यान—२०४
 सिद्धि व्याख्या—४७४
 सीता एकविंशति नाम—३५०
 सीता नवमी—२०४
 सीता सहस्रनाम स्तोत्र—३५०
 सीता स्तोत्र—३५०
 सुदर्शन सहिता (कार्तवीर्यार्जुन कल्प)—१४
 सुदर्शनात्मक स्तोत्र—३५०
 सुन्दरतापिनी उपनिषद्—७०
 सुन्दरी कवच—१४२, १४४
 सुन्दरी द्वितीया कथा—२०४
 सुमुखी पूजन—४७४
 सूक्त विधान—३५०
 सूक्त विधि—४७४
 सुन्दरी द्वितीया कथा—२०४
 सुमुखी पूजन—४७४
 सूक्त विधान—३५०
 सूक्त विधि—४७४
 सूक्त सारिणी—४२
 सूर्य अथर्व शीर्ष मन्त्र—३५०
 सूर्य कवच—१४४
 सूर्य गायत्री—३५०
 सूर्य द्वादशनाम स्तोत्र—३५०, ३५२
 सूर्य पटल—१५४
 सूर्य पूजन विधि—४७६
 सूर्य वैश्वानर सूक्त—१४
 सूर्य शतक स्तोत्र—३५२
 सूर्य सहस्रनाम—३५२
 सूर्य सहस्रनाम स्तोत्र—३५२
 सूर्य सहस्रनाम स्तोत्र टीका—३५२
 सूर्य स्तोत्र—३५२
 सूर्य षष्ठी कथा—२०६
 सूर्यादिनवग्रह न्यास ध्यान—४७६
 सूर्याष्टक—११४
 सेवाफल—४४

सोमवती अमावस्या माहात्म्य—१७६
 सोमवती अमावस्या व्रत कथा—२०६
 सोमवती पूजा—४७६
 सोमवती व्रत पूजन—४७६
 सोमवत्यमावस्या पूजा विधि—४७६
 सौन्दर्य लहरी—३५४, ३५६
 सौभाग्य रत्नाकर—४७६
 स्कन्द पुराण—९२, ९४
 स्तवन—३५६
 स्तुति ग्रन्थ—३५६
 स्तोत्र ग्रन्थ—३५६
 स्तोत्र सग्रह—३५६
 स्थाली पाक—४७६
 स्नान विधि—४७६
 स्नान विधि सन्ध्या विधि—४७६
 स्वच्छन्द—३५६
 स्वच्छन्द पद्धति—४७८
 स्वप्न वाराही—४७८
 स्वरूप वर्णन—३५६
 स्वर्ण कर्षण भैरव स्तोत्र—३५६
 स्वस्तिवाचक (न)—४७८
 स्वस्तिवाचन—१४, ४७८
 स्वस्तिवाचन स्तोत्र—३५६
 स्वामिनी स्तोत्र—३५८
 हठ प्रदीपिका—४४
 हनुमताष्टक—११४
 हनुमत्कवच—१४४, १४६
 हनुमत् द्वादशाक्षर मन्त्र जप विधि—४७८
 हनुमत्पञ्चमुखी कवच—१४६
 हनुमत्पूजा विधि—४८०

हनुमत्सहस्रनाम स्तोत्र—३५८
 हनुमत्सहस्राक्षरी माला—३५८
 हनुमत्स्तोत्र—३५८
 हनुमत्स्तोत्रादि सहस्रनाम—३५८
 हनुमत्हृदय पटल—१५४
 हनुमद्दीपदान—४८०
 हनुमद्गुर्ग—३५८
 हनुमान कवच—१४६
 हनुमान कवच स्तोत्र—३५८
 हनुमानाष्टक—११४
 हयग्रीव रहस्य—१८२
 हयग्रीव स्तोत्र—३६०
 हरितालिका तृतीया कथा—२०६
 हरितालिका व्रत कथा—२०६, २०८
 हरिद्रा गणेश कवच—१४६
 हरिनाम माला स्तोत्र—३६०
 हरि भक्ति दीपिका—३६०
 हरि वदनाष्टक—११४
 हरिवंश पुराण—९४
 हरिवंशार्थ दीपिका—९४
 हस्त गौरी व्रत कथा—२०८
 हस्त स्वर प्रक्रिया—१४
 हस्तिव्रत कथा—२०८
 हेतु जटा पटल—१५४
 हेत्वाभास—४४
 हेमाद्रि प्रयोग—४८०
 हैरम्ब गणपति स्तोत्र—३६०
 होम पद्धति—४८०
 होम विधि—४८०

ग्रंथकारादि नामानुक्रमणिका

अगस्त्य—३१२
 अग्निकुमार—१०६, ३४८
 अग्निहोत्र मल्ल—१४
 अनन्त दीक्षित—४३०
 अन्न भट्ट (टीका०)—२२, २४
 अष्टावक्र मुनि—१६
 आत्माराम—४४
 आदिनाथ—२५८
 आनन्दकुमार—३४८
 आनन्द गिरि (टीका०)—१०४
 आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य—२६४
 आश्वलायन—३७८
 इन्द्र—११०
 इन्द्रजित शर्मा—४५०
 ईश्वर कृष्ण—४०
 उदयशङ्कर (टीका०)—९४
 उपमन्यु—३३८
 उर्वोदर—४५०
 एकतान पुरुषोत्तम—३८०
 कपिल—३८, ४०
 कमलाकर भट्ट—३७८, ४५८
 कविराज शर्मा (टीका०)—३५६
 काका रामदत्त—१६६
 कात्यायन—२, ३८६, ४६४, ४७६
 कामदेव दीक्षित (टीका०)—३८६
 कालिदास—१००, १०८, २९२, ३००
 काशिनाथ—११४
 काशीनाथ—३९६
 कृष्ण भट्ट सूरि—४००
 कृष्ण यज्वा—३४
 केशव—११२
 केशव भट्ट—३७४
 केशव मिश्र—२२
 गणधर—४६२
 गणपति शर्मा—३९८
 गणेश मिश्र (सक०)—३६०
 गणेशानुज—२३२
 गदाधर भट्टाचार्य—४०६
 गदाधर भट्टाचार्य गोड—४०६
 गन्धर्बराम—३०६

गर्गाचार्य—२
 गोपाल कृष्ण—२७४
 गोपीनाथ—१०४, १०८
 गोपीनाथ पाठक शैव—४२४
 गोवर्धन—२६
 गोविन्दानन्द स्वामी (टीका०)—३८
 गीतम—२८
 चण्डेश्वर शूलपाणि—२७४
 चतुर्भुज मिश्र (टीका०)—३६८
 चन्द्रशेखर—७४
 चिदानन्द नाथ—४७८
 चूडामणि भट्टाचार्य जानकीनाथ शर्मा—२८
 जगदीश (टीका०)—२०
 जगदीश भट्टाचार्य—२४
 जगन्नाथ—३५४
 जगन्नाथ पण्डितराज—२३६, २३८, २७२
 जमदग्नि कुमार—३४८
 जयराम पञ्चानन—२४
 जयराम भट्टाचार्य—४०
 जिनदत्त—१०४
 जिन माणिक्य सूरि—१८
 जिन वल्लभ सूरि—३३०
 जैमिनी—३४
 डिण्डिमराम कवि (टीका०)—२२२, ३५४
 तर्कवागीश—३२
 त्रिविक्रम पण्डिताचार्य—३१६
 दत्तात्रेय—४८
 दयाशङ्कर—४१८
 दशरथ—३३०, ३३२
 दाल्म्य—४१८
 दिनकर भट्ट—४००, ४५८
 दिवाकर—३७८
 दिवाकर भट्ट—४६०
 दुर्वासा महर्षि—३००
 देव कमलाकर—४४८
 देवगुप्त—३४४
 देवनन्दि—२४४
 देव सूरि—३३४
 देवेन्द्र सूरि—३८६
 (द्विवेदी)—३८६

घनसारथी ठक—३४४
 नन्दलाल—४४०
 नवग्रह ध्यान—३८२
 नागोजि भट्ट—२५०
 नारद—२२६
 नारद महर्षि—२६०
 नारायण—४३२
 नारायण भट्ट—३७४, ४२८
 नित्यनाथ सिद्ध—४७४
 निवादित्य—२०
 निरचलदास साधु (टीका०)—४८
 नीलकण्ठ (टीका०)—७८
 नीलकण्ठ—४२८, ४५८
 नीलकण्ठ भट्ट—४७४
 पतञ्जलि—३४
 पद्मसुन्दर—३४०
 परमहंस परिव्राजकाचार्य—२१४
 परमराम—२४२
 परिव्राजकाचार्य—३५६
 पारस्कर—४२०, ४२२
 पुरुषोत्तम गोस्वामी—४०२
 पुष्पदन्ताचार्य—२९६, २९८, ३००
 पूर्णानन्द गिरि—१८२
 पूर्णानन्द परमहंस—२०, १८२
 पृथ्वीराज—३३८
 प्रजानानन्द सरस्वती (टीका०)—२८
 वलदेव (टीका०)—२६४
 बल्लभ दीक्षित—२३४
 बल्लभ स्वामी—२०
 वादरायण—३२
 बालकृष्ण दास (टीका०)—६२
 बुद्धिराज—४२६, ४६८
 बुद्धिराज दीक्षित—४२४, ४३८
 बुध कोशिक—३०८
 बृहस्पति—३४६, ३४८
 बोधायन—४०८
 बोधायनाचार्य—४३४
 ब्रह्मा—१२०, २२८
 भद्रबाहु—२६४
 भारद्वाज—२२८
 तपुशानन्द नाथ—५०
 भास्कर दीक्षित—४०८
 भास्कर मिश्र—४०२
 भास्कर राय—४४८
 भास्कराचार्य—४४८
 भैरव—४३८

मधुसूदन सरस्वती—५०
 मध्वाचार्य—२४, ३७६
 मनिदेव सूरि—३३४
 मन्नालाल—२५८
 मयङ्कराचार्य (टीका०)—१६
 मयूर—३५२
 महर्षि नारद—२४०
 महादेवानन्द सरस्वती—१४, १६
 महीधर—१२, ३४
 महीधर स्वामी (टीका०)—६६
 महूप गोस्वामी—३०२
 महेश्वर भट्ट—३०६
 मार्कण्डेय—३०२
 मालजी वेदाङ्गराय—४४६
 मूक कवि सार्वभौम—२३०
 मूल नारायण—४५८
 यामुनाचार्य—३०२
 रघुनाथ—१०२
 रघुनाथ गोस्वामी—१०६, २७२
 रघुनाथ जी—२६६
 रघुनाथ तीर्थ—४०६
 रघुनाथ भट्ट—३७८, ४०८
 रङ्गराज वेदान्ताचार्य—२३६
 रत्ननाथ—३९२
 रम्भन जी—४०
 राकेश (वीकानेर) (टीका०)—६४
 राजमुकुट मणि—२८८
 राजा कृष्णदास—१०६
 राधारमण दास (टीका०)—४०
 राम—३५८
 रामकृष्ण (टीका०)—१६, २०, २८
 रामकृष्ण—२८, ३४, २७२, २७४, ४६२
 रामकृष्ण कवि—२८४
 रामकृष्ण कवीन्द्र—२७४
 रामचन्द्र—१४४, ३१२, ४१०, ४३८
 रामतीर्थ (टीका०)—१८
 रामनारायण—४७८
 राम नोमिप—३८८
 रामप्रसाद—४४४
 रामभद्र मिश्र (टीका०)—३५४
 रामानन्द (टीका०)—९२
 रामानन्द सरस्वती—३२
 रावण—३३४
 रुद्र—३४६
 रुद्रवर—४६०, ४६२
 रूप गोस्वामी—३२, २५०

लक्ष्मण भट्ट—४२८
लघु पण्डित—२८०
लज्जाचार्य—२५६, २८०
लौगाक्षि भारकर—१६
वल्लभाचार्य—२, १६, १८, २४, २६, ३०, ३२,
३६, ३८, ४०, ४२, ४४, ८६, ८८, १०२, १०६,
१०८, ११०, २२४, २२६, २३४, २५०, २५२,
२५८, २६६, २८४, ३१६, ३५०
वमिष्ठ—११४, २६६, ३८४, ४५०
वसिष्ठ ऋषि—३३८
वादिराज—२२६
वाल्मीकि—९८, १००, १३८, ३५८
विजय रामाचार्य—२८
विट्ठल दीक्षित—३६, २४६, ३४४, ३८८, ४७४
विट्ठलनाथ दीक्षित—३५८
विट्ठलेश—१०२, १०६, ३०४
विट्ठलेश्वर—३२, १०२, २३४, ३०२, ३४४, ३५६
विद्यानन्द नाथ—४७६
विद्यारण्य मुनि—१६, २८
विद्या वागीश (टीका०)—२२
विवार राय स्वामी—२०
विभीषण—३५८
विल्वमङ्गल—२४८
विश्राम—३८८
विश्वनाथ पञ्चानन—१८
विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य—४२
विश्वभूषण भट्टारक—३७८
विश्वमित्र—२४४
विश्वामित्र—३०८
विश्वामित्र ऋषि—३०८
विश्वेश्वर—१६
विश्वेश्वर (टीका०)—३४
विश्वेश्वरानन्द—३६
विष्णु—२९८
विष्णुपुरी परमहंस—३२, २८४, २८६
विष्णु स्वामी—४७२
वीरभद्र—३३८
वीरेश्वर ज्ञानी—३५८
वेङ्कटाद्रि नायक (टीका०)—६८
वेदव्यास—११२, १३२, १४०, ३१४, ३२०, ३२२
वैश्वा—३४८
वैश्वानर—२७२
व्यास (टीका०)—३४
व्यास—२८६
शङ्कर भट्ट—१८६, ४५६
शङ्कर भागवत—२६

शङ्कराचार्य—१६, १८, २०, २४, २८, ३०, ३२,
३६, ३८, ४२, (टीका०) ५०, ६८, ९८, १००,
१०२, १०४, १०६, १०८, ११२, ११४, २१२,
२१४, २१६, २२२, २२८, २३२, २३४, २३८,
२५२, २५४, २६०, २६२, २६४, २६६, २७०,
२७२, २८६, २८८, २९८, ३००, ३०४, ३१४,
३१६, ३२०, ३२४, (टीका०) ३२८, ३३६,
३३८, ३४२, ३५४, ३४६, ३५२, ३५४, ३५६,
३६०, ३९२, ४५०, ४५२, ४५८
शङ्करानन्द (टीका०)—५२
शम्भु आचार्य—२२४
शिवराम प्रकाश—४५२
शिवादित्य मिश्र—४०
शुकदेव—३९२
शुक मुनीन्द्र—३०
शुक यतीन्द्र—३०
शुभचन्द्र—३०
शौनक—४
शौनक महर्षि (टीका०)—६
शौनक महर्षि—४२०
श्री कृष्ण—३५६
श्रीकृष्ण भिक्षु—१०४
श्रीधर स्वामी (टीका०)—५८, ६०, ६२, ८०, ८२,
८४, ८६, ८८
श्रीधराचार्य (टीका०)—८२, ८४
श्रीनिवास भट्ट—४६०
श्री निवासाचार्य—४०६
श्री भट्टाचार्य—३७६
सदाशिव—२९४
सदाशिव त्रिपाठी—४१०
सरदार कवि—२०
सामराज—१४
सायणाचार्य (टीका०)—४३४
सुन्दर गुक्ल—६
सुरेश्वराचार्य एवं रामतीर्थ (टीका०)—२४
सोमनाथ—१४
सोममेन—४०६
स्वामी प्रज्ञानानन्द मरस्वती (टीका०)—५८
स्वोपज्ञ टीका (टीका०)—३८८
हनुमान—२५२, ३०६
हयग्रीव—१५४
हरिदाम—४०, ९८, १०६, ११४, २३४
हरिराम—११२, २१८, ३१६
हरिहर—३३८ (टीका०) ४२२, ४७६
हरिहर ब्रह्म—१३०
हर्षकीर्ति सूरि (टीका०)—२८४

